शारदा
श्री
शारदा सदन
हाथरस

ालोचनात्मक साहित्यक मा..क 'शारदा' का अतिरिक्ताङ्कः—

(हिन्दी साहित्य सेवियों का परिचय ग्रन्थ)

प्रबन्ध सम्पादक
देवीदास शर्मा

सम्पादक
कन्हैयालाल 'चंचरीक'
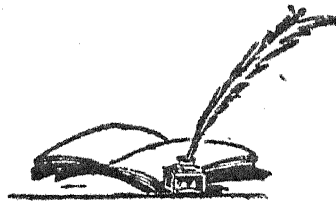
प्रथम संस्करण
मई १९५२

प्रकाशक:—
देवीदास शर्मा
श्री शारदा सदन
हाथरस

मुद्रक:—
देवीदास तैनगोरिया
निर्भय—प्रेस,
निर्भय गली, हाथरस

"शारदा सेवक" के लिए सामिग्री जुटाने के लिए हमारे अनेक मित्रों, सहयोगियों और शुभ-चिन्तकों ने हमें जो सहायता प्रदान की है इसके लिए हम उन्हें हार्दिक-धन्यवाद दिए बिना न रहेंगे। पूरे एक वर्ष के अथक परिश्रम के पश्चात् 'शारदा-सेवक' आपके हाथों में आया है। इस ग्रन्थ के सम्पादन में 'आज के हिन्दी सेवी' (रतनगढ़) 'हिन्दी-सेवी संसार' (लखनऊ) अनेक पत्र-पत्रिकाओं और पुस्तकों से भी पर्याप्त सहायता ली गई है, क्योंकि-हमारे अधिकांश साथियों ने अपने परिचय पत्रों में यही निदर्शित किया कि अमुक पुस्तक में अमुक स्थान पर उनका परिचय प्राप्त हो सकता है। खैर, वर्त्तमान समय में इस प्रकार के अमूल्य प्रामाणिक ग्रन्थों की कितनी आवश्यकता है इस विषय में हमें कुछ नहीं लिखना, इसका मापन तो हिन्दी-साहित्य के इतिहासकार स्वयं कर लेंगे। यही नहीं सहयोगियों ने तो 'हिन्दी-साहित्य सेवी महिलायें' नामक ग्रन्थ प्रकाशित करने का सुझाव देकर हमारे उत्साह को द्विगुणित कर दिया है। इस कार्य के लिए प्रमुख महिला लेखिकाओं का हमें सहयोग भी प्राप्त हो गया है। साथ ही श्री राधेबिहारीलाल सक्सेना "राकेश" का भी सम्पादन में सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ है इसलिए हम उनके अत्यन्त अनुगृहीत हैं।

जो परिचय हमें बाद में प्राप्त हुए हैं अथवा कुछ त्रुटियाँ रह गई हैं उन्हें परिशिष्ट में दे दिया गया है।

यद्यपि हमने बिना किसी भेद भाव के ही सभी परिचय शुद्ध रूप से प्रकाशित करने का पूर्ण प्रयत्न किया है, फिर भी जो त्रुटियाँ या अभाव रह गये हों, उनसे हमें अविलम्ब सूचित करें, जिससे कि आगामी संस्करण में संशोधन हो सके।

१५ मई ५२

❀ आज के कवि और कवि सम्मेलन ❀

आज साहित्य और साहित्यकार किस ओर जा रहे हैं, इसके विषय में तो प्रायः सभी के भिन्न-भिन्न मत हैं, किन्तु यदि सच कहना कोई पाप न हो तो यह डंके की चोट कहा जा सकता है, कि आज के अधिकांश कवियों ने कवि सम्मेलनों को और कवि-सम्मेलनों ने कवियों को मटियामेट कर रखा है। सुनते थे, कि कवि स्वाभिमानी होते हैं, किन्तु आज तो ऐसी कोई बात दिखाई नहीं देती, क्योंकि कवियों का स्वाभिमान तो तब रहे, जब लोग कवियों का मान समझें। मैंने स्वयं कई स्थानों पर अनुभव किया है, कि कवि सम्मेलनों में कवियों की स्थिति बड़ी अजीब सी रहती है। संयोजक समझते हैं, कि कवि हमारे गुलाम हैं, कवि समझते हैं, कि यदि पैसे लेने हैं तो संयोजक जी की हाँ में हाँ मिलाना ही ठीक है। कविता पाठ से पूर्व तो कवियों का सत्कार महमानों की भाँति किया जाता है, किन्तु कविता पाठ के पश्चात्, काम निकल जाने पर संयोजक कवियों से यह भी नहीं पूछते, कि 'कवि महाशय ! तुम किस खेत की मूली हो ?' किन्तु इसमें दोष न तो कवियों का है, न संयोजकों का, क्योंकि जैसे देवता रह गये हैं, वैसी ही पूजा रह गई है। संयोजक भी कवियों को पैसा भींच-भींच कर देते हैं और कवि भी दस-दस बीस-बीस रुपयों के लिए कंजड़ों की भाँति लड़ते हैं। जहाँ बहुत से संयोजक कवियों को बड़े-बड़े आश्वासन देकर बुला लेते हैं, लेकिन अन्त में अँगूठा दिखा देते हैं वहाँ बहुत से कवि भी ऐसे हैं, जो कविता पाठ से पूर्व ही भेंट स्वरूप रुपये रखवा लेते हैं। विश्वास और विश्वास की रक्षा तो आज के युग में दिखाई ही नहीं देती, इसलिए न तो कवियों को संयोजकों पर विश्वास है और न संयोजकों को कवियों पर।

६ अप्रैल ५२ को अखिल भारतीय ब्रजसाहित्य मण्डल के अष्टम अधिवेशन के अवसर पर हाथरस में मण्डल की ओर से एक विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कदाचित स्वागताध्यक्ष महोदय के पैसे के बल पर फर्वरी ५२ में ही स्वागत समिति के

एक सम्मानित सदस्य श्री रामप्रसाद पाण्डेय (प्रिंसीपल—बागला कालेज, हाथरस) का यह सुझाव सर्व सम्मति से पास हुआ कि

देश के लब्ध प्रतिष्ठ कवियों को आमन्त्रित कर वास्तविक काव्य का रसास्वादन कराया जाय, छोटे छोटे कवियों को बुलाकर कविता का स्तर न गिराया जाय।

यह प्रस्ताव या सुझाव उचित था या अनुचित, यह तो समझदार महानुभाव स्वयं ही समझ सकते हैं, किन्तु सभी श्रोताओं को बड़ी बड़ी आशायें थीं कि वास्तविक काव्य का रसास्वादन करने को मिलेगा संयोजक थे कोई सुदामाप्रसाद चतुर्वेदी। कवि सम्मेलन प्रारम्भ हुआ, लेकिन उस समय संयोजक जी कहीं नाँच गाना देख रहे थे? कवि सम्मेलन में दो घण्टे के समय में ही क्रमशः तीन सभापति बने (सेठ बल्लभ दास जी, कुलदीप एम० ए० तथा श्री नारायणस्वामी) जब संयोजक महोदय मंच पर आये तो कवियों पर केवल ' ' पड़ने की ही कसर रह गई (यद्यपि ऐसा लिखना न चाहिये, लेकिन है नितान्त सत्य) आगरे के तरुण तथा प्रसिद्धकवि श्री राजेश दीक्षित को मंच से धक्का दे दिया गया, श्रोता शोर कर उठे, संयोजक महोदय पर गालियों की वर्षा होने लगी, जनता भाग उठी, एक कुहराम सा मच गया, केवल इसलिये कि संयोजक महोदय को यह अभिमान होगा कि वे पैसे के बल से सब कुछ कर सकते हैं। श्रोताओं को लब्ध प्रतिष्ठ कवियों की कवितायें तथा वास्तविक काव्य का रसास्वादन हुआ या नहीं, किन्तु उस विशाल, विराट और वैभव भरे कवि सम्मेलन में 'चूरन के लटके' सुनने को अवश्य मिले। अधिकांश प्रतिष्ठित कवियों ने कविता पाठ न किया, सुना गया, कि फिर कवियों को किसी प्रबन्ध कर्त्ता ने पूछा भी नहीं और बेचारे भूखे प्यासे, किराया उधार माँग-मूँग कर अपने अपने घर को चले गये।

हाँ यदि धनान्ध संयोजक के जूते खाकर भी कवि लोग मुस्कराते और कविता पाठ करते रहते तो सम्भवतः उन्हें भी भेंट के नाम से चन्द चाँदी के टुकड़े मिल जाते। जिन्होंने गुण गाये, उन्हीं ने रुपये पाये।

उपरोक्त उद्धरण का तात्पर्य केवल इतना ही है, कि चन्द चांदी के टुकड़ों के नाम पर धनिक, सरस्वती के सेवकों का रहा सहा सम्मान भी लूटना चाहते हैं। यह स्वाभाविक सत्य है, कि कवियों के सामने भी पेट की समस्या है, किन्तु सांसारिक दृष्टि से यदि जीवित रहना है तो केवल कविता के नाम पर ही कोई जीवित नहीं रह सकता,

जिनकी गाड़ी चल रही है, उनकी चल रही है, अन्यथा सच्चे और योग्य व्यक्ति तो धूल फाँक फाँक कर ही जीवन व्यतीत कर देते हैं, कोई उनकी ओर देखता भी नहीं है।

समय कुछ ऐसा हो गया है, कि किसी के पुत्र जन्म हो तो कवि सम्मेलन, किसी का बाप मर जाये तो कवि सम्मेलन, जीवन की छोटी-छोटी हलचलों पर ही मनुष्य कवि सम्मेलन कराने की सोचते हैं, इससे सस्ता मनोरंजन और है भी तो नहीं, कवियों को तो केवल सुपाड़ी, इलाइची ही खिला दीजिये, यही बहुत है।

"कवि की पत्नी" नामक पुस्तक में कवियों के एक अङ्ग का नग्न-चित्र मैंने पाठकों के समक्ष रखा, आलोचना कटु थी, लेकिन थी सत्य और इसलिए उसे सभी ने सराहा, प्रथम संस्करण समाप्त भी हो गया।

माता जी घुड़क रही हैं,
'घरवाली' फूज़ रही है।
अब क्रोधित बाप हुआ है—
कवि होना पाप हुआ है।

कवि के सामने सबसे बड़ी समस्या है 'पेट की' लोग मुझे बुरा कह सकते हैं, किन्तु दूसरी पुस्तक "कवि और कुत्ता" में मेरी आत्मा ने साहस करके लिख ही दिया है:—

कवि ! तुझसे कुत्ता भला—
क्योंकि वह भर लेता है पेट।

तालियों की गड़गड़ाहट से तो कवि तथा उसके परिवार का पेट नहीं भर सकता, माना कि कवि कल्पना लोक का वासी होता है, लेकिन रहना तो बेचारे को भूमि पर ही पड़ता है, संसार की भाँति उसे भी भूख प्यास का आभास होता ही है और कवि को न भी हो तो कम से कम कवि के बीबी-बच्चों को तो भूख प्यास लगती ही होगी, फिर यदि कवि पैसे माँगता भी है तो उसे स्वार्थी और पैसे का भूखा बताया जाता है। कुछ कवियों ने तो तिकड़म से अपना नाम कर लिया और इसीलिये उनका 'रेट' ऊँचा है। बुलाये जाने पर दो सौ-चार सौ रुपये झाड़ लेते हैं और खाक भी नहीं सुनाते, जो कवि तिकड़मी न होने के कारण छिपे पड़े हैं, या जिन्हें ख्याति प्राप्त नहीं हुई है, वे बेचारे भूखों मरते हैं, कोई उन्हें बुलाना ही नहीं चाहता क्योंकि वे 'चालू' कवि नहीं हैं और यदि किसी ने बुला भी लिया तो किराये में भी घाटा है। फर्वरी ५२ में अलीगढ़

प्रदर्शनी में दुर्भाग्य से या सौभाग्य से मुझे भी कई बुलावे प्राप्त हुए संयोजक श्री मनोहरलाल जी गौड़ के अनेकों स्नेह भरे आमन्त्रण प्राप्त हुए, कवि सम्मेलन में सम्मिलिति होने पहुंच भी गया, लेकिन विश्वास कीजिये कि जनता जनार्दन के अतिरिक्त संयोजक महोदय ने तो यह भी न देखा, कि जिस कवि को कई बुलावे भेजकर बुलाया है, उस बेचारे का क्या हाल है ? मुझे न तो उनके व्यवहार से दुख है न क्षोभ, क्योंकि मैं मुसीबतों में ही पला हूँ और विश्वास है कि मृत्यु पर्यन्त संघर्षों में ही रहूँगा, किन्तु बेचारे कवियों के लिए यह बात कितनी कष्ट प्रद और दुखदाई होती है जबकि उन्हें बुलाकर एक गिलास पानी के लिये भी न पूछा जाय, कवि सम्मेलन समाप्त होने पर वे बेचारे जहाँ तहाँ सो जायें और चुपचाप मन ही मन रोते हुए अपने अपने घर चले जायें।

एक यही नहीं, श्रमजीवी कवियों के जीवन में अनेकों ऐसे ही अवसर आते होंगे, किन्तु यदि भावुकतावश कवि केवल 'वाह वाह' में डूबा रहे तो उसका कार्य नहीं चल सकता। कवि सम्मेलनों के संयोजक तो अपना रवैया बदलने ही क्यों लगे, हाँ यदि कवियों का एक सङ्गठित मोर्चा खड़ा हो जाये, तो कुछ हो भी सकता है, अन्यथा जितना भी अपमान हो वह थोड़ा ही है।

कवि युग निर्माता है, सदैव स्वतन्त्र है, उसके व्यक्तित्व के लिये सबसे अधिक घातक बात उस समय होती है जब उसे संयोजक के इशारे पर ऐसी कवितायें पढ़नी पढ़ती हैं, जिनसे कि "अमुक" सज्जन अप्रसन्न न हो जायें।

अन्य प्राचीन कवियों के समक्ष भूषण और तुलसीदास आदि का महत्व इसीलिये और अधिक है, कि उन्होंने जो कुछ भी लिखा, वह लोक कल्याण की भावना से लिखा। रहस्यबाद-छायावाद आदि तो केवल मन समझाने की बातें है, वह कविता भी क्या, जिसे सुन-कर श्रोताओं का मन बुझ जाये, जिस कविता में ओज न हो, कुछ नया न हो, लोक कल्याण न हो, जीवन का वास्तविक दर्शन न हो उस कविता से क्या लाभ ? चाहे वह कविता स्वयं भगवान ने ही क्यों न लिखी हो, जिस कविता की भाषा को शिक्षित और अशि-क्षित दोनों साथ साथ न समझ सकें, जिस कविता का अर्थ समझने के लिये किसी 'शब्द कोश' की आवश्यकता हो, उस कविता के तो होने न होने से कोई अन्तर नहीं पड़ता।

युग बदल चुका है, संसार प्रगति कर रहा है, ऐसे समय 'प्यार प्रीति' 'आह–ऊह' की कविताओं से क्या परिणाम होगा, यह तो वर्तमान भी जानता है और भविष्य भी जानेगा, किन्तु ऐसी कवितायें कुछ व्यक्तियों के एक समूह को भले ही प्रसन्न करलें, लोक कल्याण नहीं कर सकतीं। देश के आगे 'प्यार–प्रीति' की समस्या नहीं, पेट और रोटी की समस्या है।

कवि सम्मेलनों की वर्तमान नीति में क्रान्तिकारी परिवर्तन होने चाहिये, तभी कवियों का कल्याण हो सकेगा, अन्यथा नहीं। युग बड़ों को प्रोत्साहन देता है, छोटों को दबाता है, जबकि छोटों को भी प्रोत्साहन मिलना चाहिये, संयोजक 'चालू' कवियों को बुलाते हैं, उनके नाम पर पैसा पानी की भाँति बहाते हैं, लेकिन 'चालू' कवि तो बस "नाम बड़े और दर्शन छोटे" या "ऊँची दुकान और फीका पकवान" हैं। माँ के लिये तो सभी बेटे समान होते हैं चाहे वे छोटे हो चाहे बड़े। जो कवि 'चालू' हो गये हैं, उनकी तो गाड़ी चल उठी है, प्रयत्न तो यह होना चाहिये कि जिनकी गाड़ी खड़ी है, उनकी गाड़ी को आगे बढ़ाया जाय। इससे क्या लाभ, कि एक तिजूरी का पैसा निकल कर दूसरी तिजूरी में चला जाय। यदि संयोजक लोग ४००) देकर किसी लब्ध प्रतिष्ठ या 'चालू' कवि को न बुलाकर छोटे कहे जाने वाले आठ कवि बुलालें और उन्हें पचास पचास रुपये दे दें, तो निश्चय ही आठ निर्धन परिवारों के लिए एक मास के भोजन की समस्या सुलझ जायेगी और उन श्रमजीवी कवियों के बच्चे संयोजक महोदय को लाख-लाख दुआयें देंगे।

यह तो भारत का सौभाग्य ही है, कि देश में कवियों की एक बाढ़ सी आगई है, यदि किसी अन्य देश में इतने कवि होते तो वह देश अपने को परम सौभाग्यशाली समझता, किन्तु हमारे देश का दुर्भाग्य कि जब यहाँ अमर शहीदों के दीन दुखी घरवालों की ही कोई पूछ नहीं होती है तो फिर इन जीवित शहीद कवियों को कौन पूछे। आज सैकड़ों ही कालिदास और भूषण पेट की चिन्ता में घुल घुल कर मरे जा रहे हैं. न कहीं विक्रमादित्य दिखाई देते हैं न वीर शिवाजी। ठाठ कर रहे हैं तिकड़मी और भूखों मरे जा रहे हैं बेचारे सच्चे कलाकार।

एक कवि दूसरे कवि की उन्नति नहीं चाहता, कवि सम्मेलन के मंच पर तो प्रायः प्रत्येक कवि यही प्रयत्न करता है, कि दूसरे कवियों को खा जाये, उनके मान सम्मान को मिट्टी में मिला दे।

किसी कवि की कविता पर यदि श्रोताओं ने 'वाह वाह' कर दी तो मंच के शेष कवि जलभुन कर खाक हो जाते हैं, मुसकराते भी हैं तो केवल झेंप मिटाने की भावना से।

एक नया रोग और लग गया है, कि जहाँ किसी ने कविता की चार लायनें लिखीं कि लिखने वाला अपना नाम 'छपा हुआ' देखना चहता है, पत्र–पत्रिकाओं वाले भी 'चालू' कवियों की कवितायें ही प्रकाशित करते हैं और वह भी आँख मींच कर। यदि आपका नाम चमक गया है तो आप खाक धूल कुछ भी लिख दीजियेगा वही छप जायेगा किन्तु यदि आप नये लेखक या कवि हैं, तो फिर आपने कितना ही महत्वपूर्ण क्यों न लिखा हो, आपकी प्रकाशनार्थ सामिग्री रद्दी की टोकरी के हवाले करदी जायेगी।

जब किसी नये कवि की कविता को पत्र पत्रिकाओं में स्थान नहीं मिल पाता तो फिर वह यही चाहता है, कि उसकी कविताओं का संग्रह ही प्रकाशित हो जाये, चाहे इस प्रयत्न में उसे अपनी बीबी के बचे खुचे गहने भी क्यों न बेचने पड़ें, कितनी भी हानियाँ क्यों न सह ले, लेकिन जब तक उस कवि का कविता संग्रह प्रकाशित नहीं हो जाता, उसे चैन नहीं पड़ता। पुस्तक प्रकाशित करा लेना बहुत आसान है, लेकिन प्रकाशित पुस्तक को बेच लेना आकाश के तारे तोड़ लाने के समान है, बस इसी प्रयत्न में बहुत सी सुन्दर सुन्दर कवि-कलियाँ असमय ही नष्ट हो जाती हैं।

कवि मानव समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है उस अंग की प्रत्येक प्रकार से रक्षा करना समाज का कर्त्तव्य है। गिरे हुए में ठोकर तो सभी लगा सकते हैं, किन्तु मानवता तो तभी समझी जा सकती है, जब कि गिरे हुए को प्रेम पूर्वक उठाने का प्रयत्न किया जा सके।

यह जो कुछ भी लिखा गया है वह तो एक संक्षिप्त सी भूमिका मात्र है। देश के सहस्रों निरीह, शोषित, पीड़ित, अपमानित कवियों के विषय में विवरणात्मक जानकारी के लिए "हिन्दी कवि सम्मेलन तथा कवि" नामक पुस्तक पढ़िये।

साथ ही एक निवेदन और है, कि जिन कवियों की आत्मायें कुचली जा रही हों, भावनायें ठुकराई जा रही हों वे कृपया अपना दुखदर्द (पूर्ण विवरण सहित) बतायें, उनके दुख दर्द में हाथ बटाने का पूरा पूरा प्रयत्न किया जायेगा। कोई कवि अपने को छोटा या 'दबा हुआ' न समझे। माँ सरस्वती के लिए सब पुत्र समान हैं और फिर माँ तो छोटे बेटे से ही अधिक स्नेह करती है।

हाँ इस सम्बन्ध में हम कटु आलोचकों की कटु आलोचनाओं का भी स्वागत करेंगे। सहयोग दीजिये तो स्वागत है, असहयोग कीजिये तो स्वागत है, फिर भी आप सबके सहयोग की ही कामना है।

माँ शारदा सबको सुशक्ति प्रदान करे

जनकवि—'निर्भय'
'हिन्दी—कवि—सम्मेलन'
—:कार्यालय:—
हाथरस (उत्तर—प्रदेश)

माँ शारदा की आज्ञा से
निवेदक:—
निर्भय
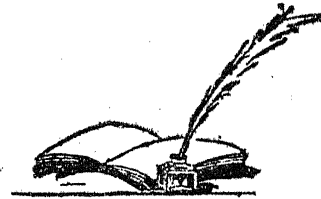
हिन्दी कवियों के सम्मान की रक्षा तथा देश-व्यापी सङ्गठन के लिये 'हिन्दी कवि-सम्मेलन' के निःशुल्क सदस्य बनियेगा, आवेदन-पत्र उक्त पते से बिना किसी मूल्य के मँगायें।

अंजनी नन्दन शरण (शीतला सहाय) बी० ए० एल-एल० बी० । 'मानस' के टीकाकार हैं, मानस पीयूष, पीयूष विजय पुस्तकें प्रकाशित हैं । श्री रूप कला जी के शिष्य हैं, आज कल अयोध्या में क्षेत्र-संन्यास लिया है । पता:—पीयूष कार्यालय, नादुरा, बरार ।

अम्बाप्रसाद 'सुमन'—एम० ए० साहित्यरत्न-जन्म मार्च १९१६ दो वर्ष तक 'शिक्षासुधा' के सम्पादक रहे, गत ८ वर्षों से साहित्य सम्मेलन प्रयाग तथा व्रज साहित्य मण्डल की स्थायी समिति के सदस्य है । प्रकाशन-वाङ्मयी, साहित्यरत्न दिग्दर्शन भाग १, २, ३, हरिजन और हँस, आदर्श विभूतियाँ, साहित्य संचारिणी आदि । जीवन में प्रायः बहुधन्धी रहे हैं । प्रारम्भ में कविता लिखते थे, किन्तु अब साहित्यिक निबन्ध एवं आलोचना ही प्रायः लिखते हैं । हिन्दी साहित्य को मानव जीवन की प्रगतिशील शक्तियों से समन्वित देखना चाहते हैं । साहित्यकों का पारस्परिक कपट, द्वेष एवं वैमनस्य इन्हें बहुत दुख देता है । पता:—अध्यक्ष हिन्दी विभाग, श्री माहेश्वरी कालेज अलीगढ़ ।

अम्बिकादत्त त्रिपाठी:—जन्म १८९४ आजमगढ़-प्रकाशन चर्खा, सीय स्वयंवर नाटक, कृष्ण कुमारी, बाल गीतावली, भंग में रंग, कृष्ण कुमारी, सत्संग महिमा, स्वराज्य सीढ़ी ।
पता:—ठि० राम नारायण मिश्र शेखपुरी पो० सुरापुर, सुलतानपुर ।

अम्बिका प्रसाद उपाध्याय आचार्य:—संस्कृत, पाली, प्राकृत के विद्वान् । हिन्दू विश्व विद्यालय काशी के संस्कृत कालेज के पाठ्य-क्रम में हिन्दी के समर्थक ।
पता:—प्रोफेसर, संस्कृत कालेज, काशी विश्व विद्यालय, बनारस ।

अम्बिका प्रसाद वर्मा 'दिव्य' एम० ए० जन्म १९०७ आजमगढ़ प्रकाशन-दिव्य दोहावली, मनोवेदना, स्रोतस्विनी, निमियाँ निकुंज, उमरखैयाम की रुबाइयाँ अनु० । सफल चित्रकार हैं ।
पता:—प्रो० सवाई महेन्द्र कालेज, टीकमगढ़ ।

अम्बिकालाल श्रीवास्तव:—एम० ए० सा० रत्न-जन्म १९०७ नागरी प्रचारिणी सभा हरदोई के साहित्य मन्त्री हैं । पता:—अध्यापक बी० के० इण्टर कालेज, हरदोई ।

अम्बिकासिंह दत्त:—प्रकाशन सिन्दूर और स्वदेश तरङ्ग, कई पुस्तकें अप्रकाशित हैं । पता:-छाप सुदर्शन पत्रालय, मशरक, सारन ।

अंशुमान शर्मा:—शास्त्री, सा० रत्न, सा० लं० । जन्म मई १९२४ प्रकाशक-साहित्य दिग्दर्शन, भारतीय साहित्य और साहित्य स्रष्टा, चिकित्सा तत्व दर्शन, प्राच्य और पाश्चात्य चिकित्सा विज्ञान । पता:—मखदुमपुर, गया, बिहार ।

अक्षयलाल झाः—प्रकाशन-औषधि के उपयुक्त फलों के प्रयोग, सूखेफलों के प्रयोग, त्रिफला के प्रयोग, ताजे फलों के प्रयोग, व्यञ्जनों के प्रयोग, फूलों के चुटकले। पताः—जागड़, मुजफ्फरपुर।

अखिलानन्द शर्माः—युक्तप्रान्त के बहिष्कृत प्रदेश 'जौनसार बाबर' में हिन्दी प्रचार किया। स्फुट कहानियाँ तथा लेख प्रकाशित हैं। पताः—सारस्वत सदन, पिलानी, जयपुर।

अखिलेश शर्माः—जन्म १९०८। प्रकाशन स्फुट रचनायें। महर्षि दयानन्द, मधुवन अप्रकाशित हैं। पताः-अध्यापक, महमूदाबाद सीतापुर।

अगरचन्द नाहटा—जन्म सं० १९६७। प्राचीन हस्त लिखित ज्ञान भण्डारों की शोध, संग्रह कर अनेक ग्रन्थ लिखे तथा सम्पादन किया, हजारों अज्ञात ग्रन्थों का पता लगाया, अनेकों मूल भ्रान्तियों का संशोधन किया। प्रकाशन-विधवा कर्त्तव्य, युग प्रधान जिन चन्दसूरि, मणिधारी जिनचन्दसूरि, दादा श्री जिनकुशलसूरि, युग प्रधान जिनदत्तसूरि ऐतिहासिक जैन काव्य संग्रह, राजस्थान में हस्तलिखित हिन्दी ग्रन्थों की खोज भाग २, जसवन्त उदोत, क्याम रासो, ज्ञानसार ग्रन्थावली आदि। बीकानेर जैन लेख संग्रह छप रहा है। अनेक संस्थाओं के सदस्य, सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्ट्रीटयू के डायरेक्टर, राजस्थान भारती के सम्पादक मण्डल, भारत विद्या मन्दिर की कार्य कारिणी के सदस्य हैं। १५००० हस्त लिखित प्रतियों का, सहस्राधिक प्राचीन हस्त चित्रों का, प्राचीन सिक्कों का, कलात्मक वस्तुओं का, विविध पुरातत्व का विशाल संग्रह किया है। अनेक स्थानों में व्यापारिक फर्म हैं। पताः—नाहटों की गवाड़, बीकानेर।

अच्युतानन्द सिंहः—जन्म १९१४, विभिन्न पत्रिकाओं में स्फुट लेख प्रकाशित हुए हैं। 'साहित्य प्रेस', के स्वामी तथा संचालक हैं। पताः—'साहित्य-सेवक' कार्यालय, छपरा बिहार।

अद्भुत शास्त्री आचार्यः—'आज के हिन्दी सेवी' नामक ग्रन्थ का सम्पादन किया है। पताः—हिन्दी सेवी कार्यालय, रतन गढ़ राजस्थान।

अनन्तप्रसाद विद्यार्थीः—एम० ए० जन्म १९१२ प्रयाग 'न्यूआर्डर' अभ्युदय' जीवन ज्योति, देशदूत, बालसखा, गृहलक्ष्मी, हल, आदि पत्रों के भूतपूर्व सम्पादक। अतृप्त, जीवित समाधि, निरपराधी, जीवन के सपने, धरती माता, धूपछाँह आदि लगभग ४० पुस्तकें प्रकाशित हैं। पताः—सम्पादक 'नयायुग' प्रयाग।

अनन्त वामन वाकणकर:—बी० ए० बी० टी०—जन्म १८६४ प्रकाशन–कालिदास और विक्रमादित्यकाल, भोजदेव की साहित्य सेवा, धार व मांडव। कई साहित्यिक संस्थाओं के मन्त्री हैं। पता:—लेक्चरर, आनन्द इण्टर कालेज, धार।

अनिरुद्ध द्विवेदी:—व्याकरण शास्त्री, सा० रत्न० सा० आचार्य जन्म १६२१ महुली, बस्ती; प्रकाशन—संस्कृत साहित्य की महिमा, जाति उद्धार। पता:—अध्यापक राधाकृष्ण सार्वजनिक संस्कृत पाठशाला, गोला गोकरननाथ, खीरी।

अनिरुद्ध शास्त्री:—(दुर्गाप्रसाद अग्रवाल) एम० ए० जन्म १६११ झाँसी–प्रकाशन–वीणापाणि, ज्योतिर्मयी। देशरत्न बिड़ला जी के निकट सम्पर्क में रहे। १६४५ में झाँसी में होने वाले बुन्देलखंड हि० सा० स० के प्रधान मन्त्री रहे। विक्रम विद्यालय की स्थापना में पूर्ण सहयोग दिया। पता:—३२ महर्षि देवेन्द्र रोड, कलकत्ता या सदर बाजार, झाँसी।

अनिलकुमार:—साहित्यरत्न जन्म २ दिसम्बर १६२४। सम्मेलन की परीक्षाओं की कक्षाओं के सचालक, अध्यापक तथा राष्ट्रभाषा हिन्दी के सक्रिय प्रचारक हैं। मातृभाषा मराठी होने पर भी हिन्दी में साहित्य रचना करते हैं। मराठी साहित्य का अध्ययन, उसकी गति विधि का सूक्ष्म परिचय है। बाल साहित्य लिखते जा रहे हैं, कविता संग्रह 'मधुयुग' प्रकाशित हो रहा है। एक कहानी संग्रह, एक एकांकी संग्रह, दो गीत संग्रह तथा एक शिशु गीतों का संग्रह योग्य प्रकाशक की प्रतीक्षा में हैं आकाशवाणी के नागपुर केन्द्र में हिन्दी लेखक हैं।
पता:—इतवारी, नागपुर नं० २

अनुसूयाप्रसाद बहुगुणा:—बी० एस० सी० एल—एल० बी० गढ़वाल में काँग्रेस आन्दोलन के जन्मदाता हैं, असहयोग आन्दोलन में अनेक बार जेल यात्रा की है। 'उत्तर भारत' नामक मासिक पत्रिका के संचालक हैं। पता:—नन्दप्रयाग गढ़वाल।

अनूपलालमंडल:—सा० रत्न, जन्म १६००–युगान्तर साहित्य मन्दिर के संचालक हैं। सर्वप्रथम बिहारी कथाकार हैं, जिनके उपन्यास मीमांसा का फिल्म 'बहूरानी' बनाया गया है। प्रकाशन समाज की वेदीपर, सविता, निर्वासिता, साकी, रूपरेखा, ज्योतिर्मयी, मीमांसा, हिमसुधा आदि अनेकों पुस्तकें। पता:—युगान्तर साहित्य मन्दिर, भागलपुर, बिहार।

अनूप शर्मा:—वीर रस के प्रसिद्ध कवि हैं, आधुनिक 'भूषण' की उपाधि से विभूषित है। फेरि मिलिबो—चम्पू' पर देवपुरस्कार

मिला है। प्रकाशन—सुनाल, सुमनांजलि, सिद्धार्थ, फेरि मिलिवो चम्पू आदि।

पता:—प्रधानाध्यापक के० ई० एम० हाईस्कूल, धामपुर, बिजनौर।

अन्नपूर्णानन्दः—अनेक साहित्यक संस्थाओं से सम्बन्ध है। प्रकाशन—मेरी हजामत, महाकबि चच्चा।

पता:—जालपादेवी, बनारस।

अभयकुमार यौधेयः—जन्म २१ अगस्त १६२३ लाहौर। प्रकाशन अन्धकार के पार, अनामिका, मेरी हार, स्कंध, चन्द्रापीड़, विश्व समीक्षा, मार्शल की सलामी आदि। पता:—सेंट्रल पिक्चर्स बम्बई।

अभय देवः—कई वर्ष त्रैमासिक 'अदिति के सम्पादक-प्रकाशक रहे। प्रकाशन—वैदिक विनय (तीन भाग) ब्राह्मण की गौ, तरंगित हृदय, वैदिक उपदेश माला।

पता:—'अदिति' कार्यालय, पो० बा० ८४, दिल्ली।

अभिराम शर्माः—जन्म १६०३, अभिराम पुस्तकमाला के व्यवस्थापक, प्रकाशन-अबल अंबर, विजय विलास, मुक्त संगीत (जब्त थी अब रोक हट गई है)

पता:—अभिराम निवास, बादशाही नाका कानपुर।

अमर नारायण अग्रवालः—एम० ए० जन्म १६१६—अर्थ शास्त्र के प्रमुख लेखक—शिक्षा काल में क्वीन विक्टोरिया जुबिली मेडल, फैकल्टी ऑफ कामर्स मेडल प्राप्त किये। प्रकाशन—समाजवाद की रूप रेखा (इस पर हिन्दी सम्मेलन से मुरारका पारितोषिक प्राप्त हुआ) भारत वर्ष का आर्थिक भूगोल, ग्रामीण अर्थ शास्त्र और सहकारिता, अथशास्त्र प्रवेशिका, व्यापारिक पद्धति और यन्त्र आदि कई अर्थशास्त्र सम्बन्धी पुस्तकें।

पता:—६६ ए०, कुंडू गार्डेन्स, प्रयाग।

अमरनारायण माथुरः—जन्म १६१६—भूत० सम्पादक 'जयपुर-समाचार' 'जयभूमि'। जीवन ज्वाला, हृदय उत्पीड़न आदि पुस्तकें अप्रकाशित हैं। पता:—'जयभूमि' कार्यालय, जयपुर।

अमरसिंह ठाकुरः—मेजर जनरल, स्वर्गीय चन्द्रशेखर शर्मा गुलेरी के शिष्य हैं तथा हिन्दी की उन्नति में हार्दिक सहयोग देते हैं। पता:—अजयराजपुरा, जयपुर।

अमृतलाल नागरः—जन्म १७ अगस्त १६१६, बँगला, तामिल, गुजराती, मराठी आदि भाषाओं की भी जानकारी रखते हैं। महाकाल, सेठ बाँकेलाल, वाटिका, अवशेष, नवाबी मसनद आदि कई पुस्तकें प्रकाशित हैं, कई पुस्तकों का अनुवाद भी किया है। फिल्म-सम्वाद-लेखक हैं। संगम, कुँवारा बाप, उलझन, किसी से न कहना,

पैग़ाम, पराया धन, आगे कदम, राजा, वीरकुणाल, कल्पना, मीरा और गुंजन आदि फिल्मों के सम्वाद लिखे हैं। पताः—चौक, लखनऊ

अमृतलाल नाणावटीः—प्रकाशन-हिन्दुस्तानी बालपोथी भाग १, २ हिन्दुस्तानी छोटी कहानियाँ भाग १ फुलबारी आदि। पताः—प्रधानमन्त्री, हिन्दुस्तानी प्रचारसभा, वर्धा।

अमृतवाग्भव आचार्यः—दर्शन के लेखक, प्रकाशन-श्री आत्म-विलास, श्री राष्ट्रालोक, श्री परशुराम स्रोत, श्री सहृदीप हृदय, श्री पंचस्तवी आदि। आप वीतराग महात्मा तथा उपासक हैं। पताः—सोलन, पंजाब।

अमरेन्द्रनारायणः—एम० एस-सी०। विज्ञान के लेखक हैं। पताः—अध्यापक, साइंस कालेज, पटना।

अयोध्यानाथ शर्माः—एम० ए०। जन्म १८९७-अनेक हिन्दी प्रचारक समितियों के सहायक और परामर्श दाता हैं। प्रकाशन उज्ज्वलतारे, गद्यमुक्तावली, गद्यमुक्ताहार, प्रभावती, साहित्य कुसुम, बाल व्याकरण आदि। अध्यक्ष हिन्दी विभाग, सनातनधर्म कालेज, कानपुर। पता—आर्यनगर, नवाबगंज, कानपुर।

अयोध्याप्रसाद झाः—जन्म १९११। प्रकाशन-विचित्र दुनिया हवाई जहाज, जापान, स्वर्ण अभियान आदि, कई पाठ्यपुस्तकों का सम्पादन भी किया है। पताः—आनन्द आश्रम, चम्पारन, भागलपुर।

अयोध्याप्रसाद तिवारीः—कई भूगोल तथा गणित सम्बन्धी पुस्तकें प्रकाशित हैं, भूतपूर्व डिप्टी इन्सपेक्टर ऑफ स्कूल्स, बीकानेर पताः—त्रिपाठीभवन, औरैया, इटावा।

अ० राम० अय्यरः—एम० ए०; हिन्दी प्रेमी विद्वान हैं संस्कृत, बँगला, तामिल अँग्रेजी जानते हैं हिन्दी प्रचार सभा के कोषाध्यक्ष हैं, "हिन्दी पत्रिका" के सम्पादक हैं, स्थानीय हिन्दी मंडल के मन्त्री हैं। पताः—आचार्य नेशनल कालेज, तिरुचिरापल्ली।

अरुणः—जन्म ३ जनवरी १९२८, प्रकाशन-नरक का कीड़ा, जय काश्मीर। मेरठ विद्यार्थी काँग्रेस के प्रधान, प्रान्तीयरक्षादल के वार्ड कमांडर। पताः—निष्काम प्रेस, मेरठ।

अलख निरंजन पाण्डेयः—एम० ए० (अँग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत) बी० टी० सा० शास्त्री, सा० आचार्य। प्रसाद जी की नाट्यकला नामक पुस्तक अप्रकाशित है।

पताः—अध्यक्ष-संस्कृत कालेज, बनारस।

अलख मुरारी हजेलाः—एम० ए० एल-एल० बी० जन्म १२ अक्तूबर १९१८, प्रकाशन-उद्गार, रनिया, नेता, मजदूरिन, अब

भी प्यासी हूं, मनीआर्डर आदि लगभग २ दर्जन पुस्तकें। अप्रकाशित लगभग एक दर्जन पुस्तकें।

पता:—आजाद मारकेट, सीशामऊ, कानपुर।

अवध नन्दनः—जन्म १९०० छपरा बिहार। हिन्दी प्रेमी प्रचारक हैं। १९२० से दक्षिण भारत में हिन्दी का प्रचार कर रहे हैं। १२ वर्ष तक दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा के मन्त्री रहे हैं, अनेक केन्द्रों का संचालन किया है। अनेकों पाठ्य ग्रन्थ प्रकाशित हैं।

पता:—मन्त्री, तामिलनाड हिन्दी प्रचार सभा, तिरुचिरापल्ली

अवध नारायणः—१९०७ से देश सेवा में रत। प्रकाशन-विमाता झलक। पता:—शुभकरपूर, दरभंगा।

अवधमणि मिश्रः—जन्म १९२२, ग्रामीण पहेलियों का संग्रह दीनदशा (उपन्यास) प्रकाशन की प्रतीक्षा में हैं।

पता:—अग्रीकल्चरल आफिस, प्रतापगढ़, अवध।

अवधबिहारी पाण्डेयः—एम० ए० जन्म १९२०, एम० ए० में श्रेष्ठ छात्र की उपाधि, राजनीति व इतिहास के प्रसिद्ध लेखक। प्रकाशन-भारतवर्ष का इतिहास, इङ्गलैण्ड का वैधानिक इतिहास, नागरिक शास्त्र की रूपरेखा, भारतीय नागरिकता तथा शासन पद्धति, भारतीय शिक्षा विकास की कथा आदि। पता:—प्रोफेसर, इतिहास बिभाग, हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी।

अवधबिहारी मालवीय 'अवधेश':—जन्म १८९५ भूतपूर्व सभापति हिन्दी साहित्य मण्डल, कानपुर। प्रकाशन—अवधेश कुसुमांजलि वीरोक्ति, अवधेश तरंग, पंचामृत, अवधेश—पचासा आदि।

पता:—गणेशनगर, कानपुर।

अवधबिहारी शरणः—एम० ए० बी० एल० प्रकाशन—मैगस्थनीज़ का भारत विवरण। पता:—वकील, आरा, बिहार।

अलीशेर 'अली':—जन्म १९१८ प्रकाशन—अलीशेर-सतसई। पता:—अध्यापक, हरी टाउन स्कूल, मेरठ।

अवनीन्द्रकुमारः—जन्म १९०४ प्रकाशन—साम्राज्यवाद, घर बाहर, ऐतिहासिक कहानियाँ। भूतपूर्व—सम्पादक 'आर्य', 'नवयुग' 'नवहिन्दुस्तान' 'नवभारत' आदि। पता:—इतिहास सदन, कनाट-सर्कस, नई दिल्ली।

अशर्फी मिश्रः—बी० ए० भूतपूर्व सम्पादक दैनिक 'शान्ति' भागलपुर, दैनिक 'जनता' पटना। प्रकाशन—धनकुबेर, जनक, कारनेगी। पता:—गोसाईंगाँव, भागलपुर, बिहार।

अशोक बी० ए०:—साहित्याचार्य, भूतपूर्व सम्पादक 'इन्द्रधनुष' 'गौरव' 'आरती' आदि। प्रकाशन फुलझड़ी, स्वप्नलोक, घुनघुना, राजा-

मैया आदि दो दर्जन बालोपयोगी पुस्तकें। अप्रकाशित लगभग एक दर्जन पुस्तकें। पताः—अशोक निकुञ्ज, बजरिया रोड नागपुर २।

आत्मानन्द मिश्रः—एम० ए० बी० एस-सी, बी० टी, एल-एल० बी० जन्म सितम्बर १९१३। प्रकाशन—भूगोल शिक्षा पद्धति, समाज शिक्षा में प्रौढ़ों के योग्य मनोवैज्ञानिक आधार पर (तीन पुस्तकें) अध्यापन के संकेत सूत्र (अँग्रेजी में), काव्य सुधा (सुकविता-संकलन) गत १८ वर्षों से हिन्दी की समस्त मुख्य पत्रिकाओं में साहित्यिक, वैज्ञानिक तथा शैक्षणिक लेख, कहानी एवं रेखा चित्र प्रकाशित हो रहे हैं। पताः—प्रोफेसर प्रान्तीय शिक्षण महा विद्यालय, जबलपुर या अध्यक्ष भूगोल विभाग, सागर विश्वविद्यालय

आदित्यप्रसादसिंहः—साहित्य भूषण जन्म १८९३ अध्यापक सम्मेलन के मन्त्री, सदस्य मिडिल स्कूल परीक्षा बोर्ड बनारस। अनुवादशिक्षक, निबन्ध शिक्षक, साहित्य, सुबोध व्याकरण पीयूष, हिंदूपर्वप्रकाश, दृष्टान्त तरंगिणी आदि कईपुस्तकें प्रकाशित।
पताः—प्रधान अध्यापक मिडिल स्कूल, अलीगढ़।

आदिनाथ नेमनाथ उपाध्यायः—जन्म १९०६, प्राचीन संस्कृति और इतिहास के विशेषज्ञ हैं, लगभग एक दर्जन संस्कृत प्राकृत ग्रन्थों के लेखक सम्पादक हैं।
पताः—प्राकृत (अर्द्ध मागधी) के प्रोफेसर, राजाराम कालेज, कोल्हापुर।

आनन्द किशोरः—प्रकाशन स्फुट कहानियाँ, लेख आदि स्थानीय साहित्यिक संस्थाओं के कार्यकर्त्ता हैं।

पताः—रेणुका, आलमगंज, गुलजारबाग, पटना।

आनन्दीलाल जैन—न्यायतीर्थ, दर्शन शास्त्री, जन्म १८१६, कई पुस्तकें अप्रकाशित हैं। पताः—संस्कृताध्यापक एस—एस० जैन मिडिल स्कूल, जयपुर।

आरसी प्रसाद सिंहः—जन्म १९११ प्रकाशन-आरसी संचायिता कलापी, नई दिशा, पाँचजन्य, जीवन और यौवन, चन्दामामा, पंच पल्लव, खोटासिक्का, कालरात्रि, एक प्याला चाय, आँधी के पत्ते आदि। इस समय कोशी कालेज, खगड़िया, मुंगेर में अध्यापक हैं।

पताः—एरौत, रोसड़ा, दरभंगा

आशुतोषः—बी० ए० साहित्य भूषण, हिन्दी साहित्य मन्दिर नागपुर के मन्त्री, कई एकांकी अप्रकाशित है। पताः—सदर बाजार नागपुर।

आशुप्रसादः—जन्म १९०६ प्रकाशन स्फुट।

पताः—मोतीहारी, बिहार।

इन्द्र जीत नारायण:—एम० ए० एल० टी० जन्म १९१७ प्रकाशन मज़दूर नेता, बइनग। अर्थशास्त्र के लेखक हैं। पता:—लखावटी, बुलन्दशहर।

इन्द्रदत्त शर्मा—साहित्याचार्य दर्शन शास्त्री, जन्म १९१२ कई पत्रों के भूतपूर्व सम्पादक हैं, नैषध की हिन्दी टीका कर रहे हैं। पता:—कमलापुर, सीतापुर।

इन्द्रदेवसिंह 'आर्य':—एम० एस-सी०, एल-एल० बी० जन्म १९१४ प्रकाशन—भारतीय नारी, क्रियात्मक रसायन शास्त्र। रसायन शास्त्र के लेखक हैं। पता:—अध्यापक, गोरेपेठ, नागपुर।

इन्द्रदेवसिंह रावत 'हरेश':—प्रकाशन—किसान गीत राष्ट्रगीत, ग्राम्यगीत, वियोगी। पता:—श्रीमारवाड़ी विद्यालय, देवरिया, गोरखपुर।

इन्द्रनारायण गुर्टू:—प्रधान सम्पादक 'नवयुग' दिल्ली, डालमिया शिक्षा विभाग के भूतपूर्व प्रधान निरीक्षक।

पता:—३ दरियागंज, दिल्ली।

इन्द्रविद्यावाचस्पतिः—जन्म १८८९ प्रसिद्ध आर्यसमाजी स्वामी श्रद्धानन्द जी के सुपुत्र। दैनिक 'अर्जुन' पत्र के संस्थापक, 'सद्धर्म-प्रचारक' 'सत्यवादी' आदि पत्रों के भू० पू० सम्पादक, गुरुकुल काँगड़ी के उप कुलपति हैं। स्वातन्त्र्य-संग्राम के तपे हुए सैनिक तथा पक्के काँग्रेसी हैं, कईबार जेल यात्रा की है। नेपोलियन बोनापार्ट प्रिंस बिसमार्क, गैरीबाल्डी, जवाहरलाल आदि दो दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हैं। पता:—सार्वदेशिक कार्यालय, बलिदान भवन, श्रद्धानन्दबाजार, दिल्ली।

इन्द्रादेवी गुप्ता:—एम० ए० साहित्यरत्न। जन्म सन् १९१२, प्रकाशन—पुष्पांजलि, वन्या। पता:—१ नार्थ तुकोगंज, दिल पसन्द, इन्दौर।

इन्द्र शास्त्री:—जन्म १९०४। शिक्षाविभाग में प्रधानाध्यापक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्त्ता, 'प्रभात' के सह सम्पादक हैं। कई नाटक अप्रकाशित हैं जिनमें 'महर्षिवाल्मीकि' पर स्वर्ण पदक मिल चुका है। पता:—प्रकाश एलेक्ट्रिक स्टोर, बुढ़ानागेट, मेरठ।

इन्द्रनारायण द्विवेदी—जन्म १८७६, सम्पादक वैदिक-सर्वस्व' (मासिक), सम्मेलन-पत्रिका, 'किसान' और 'दैनिक-भारतवासी' ज्योतिष और पुराण के सर्वमान्य लेखक और 'ज्योतिष-भूषण' कार्यालय के संस्थापक, अनेक साहित्यिक पुस्तकों के प्रणेता ।

ठिकाना-'ज्योतिष-भूषण' कार्यालय, बुद्धिपुरी, कस्बा सराय आकिल, (प्रयाग)

इन्द्रलाल जैन—जन्म १८६७ आपने अनेक संस्कृत ग्रन्थों का संशोधन और सम्पादन किया है । "जैन-हितैषी" और-'जैन-गजट' के सम्पादक अहिंसा तत्व, साम्यवाद से मोर्चा, जैन-मंदिर और हरिजन और आत्म-वैभव आदि पुस्तकों के आप प्रणेता हैं ।

पताः—सम्पादक-'जैन-गजट', देहली ।

इलाचन्द्र जोशीः—जन्म-नवम्बर १६०२ अलमोड़ा (उत्तर प्रदेश) आँग्ल और फ्रेंच के विशेष अध्ययन के साथ साथ सभी आर्य भाषाओं का सम्यक्-ज्ञान । कुशल-मेधावी सम्पादक और अनेक पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादक रहे भूतपूर्व सम्पादक 'विश्वमित्र' एवं 'विश्ववाणी' आजकल 'संगम' साप्ताहिक प्रयाग, का सम्पादन कर रहे हैं ।

प्रकाशित—सन्यासी, घृणामयी, चार उपन्यास (उपन्यास), धूपलता (कहानी-संग्रह) विजनवती (कविता) साहित्य-सर्जना (आलोचनात्मक) इनके अतिरिक्त कई अन्य पुस्तकें भी प्रकाशन-पथ पर हैं ।

बहुमुखी प्रतिभा के विरले साहित्यकार । पता—'भारत' प्रयाग ।

ईश्वरचन्द्र जैनः—जन्म-४ अगस्त १६१८, आपने आगरा विश्व विद्यालय से एम० ए० (हिन्दी) और एल० एल० बी० की उपाधियां प्राप्त की हैं । आपने इन पुस्तकों का सृजन किया है-जीवन-दीप, अर्थ का अनर्थ, स्फुट निबंध और एकाङ्की,—मजदूर-संदेश (साप्ताहिक) और 'श्रम' मासिक का सम्पादन भी किया है ।

पता—४०, इमली बाजार, इन्दौर ।

ईश्वर दत्तः—जन्म अगस्त, १८६६, शिक्षा गुरुकुल काँगड़ी हरिद्वार ३ वर्ष म्यूनिच विश्वविद्यालय और जर्मनी से पी० एच० डी० की डिग्री प्राप्त की । विभिन्न विषयों पर अनेक पुस्तकें लिखीं हैं उनमें राष्ट्र लिपि के विधान में रोमन लिपि का स्थान, भगवद् गीता और उसका संदेश, प्राचीन भारतीय शिक्षण-पद्धति ।

पताः—हैड आफ दी हिन्दी-संस्कृत डिपार्टमैण्ट, पटना कालेज पटना ।

ईश्वरदान आशिया:—जन्म–१८६५, शिक्षा–महाराणा हाईस्कूल, उदयपुर, डी० ए० वी० स्कूल अजमेर, और जयपुर में प्राप्त की। राजस्थान केशरी, और 'चारण' के सम्पादक रहे। 'किसान आन्दोलन' के अग्रणी सेनानी। श्री कन्हैयालाल 'सहल' और श्री पतराम गौड़ के साथ कविवर सूर्यमल्ल की वीर–सतसई का भी संपादन किया है।

राम बिहारी बोस और ठा० केशरीसिंह के साथी और सहयोगी।

पता:—सेंगरिया, मेवाड़

ईश्वरीप्रसाद गुप्त:—जन्म १९१६ में हुआ। साहित्य से जन्म से ही प्रेम, कई पुस्तकें लिखी हैं—कमला, विदुषी, पड़ाव, सिद्धार्थ उनमें प्रमुख हैं। राजेन्द्र पुस्तकालय के संस्थापक, कई साहित्यिक संस्थाओं के सदस्य पता:—मोतीहारी।

ईश्वरप्रसाद माथुर:—जन्म–१ फरवरी १९०९, शिक्षा बी० ए० तक, "जयाजी–प्रताप' के सम्पादकीय–विभाग में कार्य कर चुके हैं। आपकी पुस्तकों में जेबुन्निसा के आंसू, जवानी भी भूल, नीलाम, तख्तेताऊस प्रमुख हैं। कई रचना–संग्रह प्रकाशन–पथ पर हैं। आप औपन्यासिक सम्राट प्रेमचन्द की तरह उर्दू से हिन्दी में आए हैं।

पता:—बजार बालबाई, लश्कर ग्वालियर

ईश्वरीप्रसाद सिंह:—जन्म १९१२ में हुआ। 'झारखण्ड' के भतपूर्व सम्पादक और बन-बूटी भण्डार के संस्थापक। आपने 'चित्रकार' नामक पुस्तक की रचना की है।

पता:—गुमला, रांची

ईश्वरलाल शर्मा 'रत्नाकर':—जन्म आसाढ़, १९१२ हि० सा० स० प्रयाग से 'साहित्य-रत्न' पास किया। साहित्य-महारथी श्री गिरिधर शर्मा 'नवरत्न' के आप सुपुत्र हैं। प्रकाशित पुस्तकों में मनोवीणा (कविता संग्रह) रक्तिम मधु, सती, शोक–संगीत प्रसिद्ध हैं समय समय पर सरस्वती, वीणा, वाणी, जीवन–ज्योति जैसे पत्रों के लिए लेख और दर्जनों कविताए लिखी हैं।

पता—श्री नवरत्न जी, झालरापाटन।

ईशदत्त शास्त्री 'श्रीश':—जन्म–मूंगमांम नामक ग्राम (आजमगढ़) श्री अम्बिकादत्त शास्त्री के सुपुत्र शिक्षा–साहित्य रत्न, काव्य तीर्थ, विद्या–वाचस्पति और साहित्य शास्त्री। १९४० में महामना मालवीय जी के प्रायवेट सेक्रेटरी अनेक शिक्षा संस्थाओं में अध्यापक रहे। आशुकवि, सुवक्ता और साहित्य के विरले संगम।

कई मासिक पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादक रहे। 'प्रताप-विजय', शंखनाद, ध्रुव, सम्राट विक्रमादित्य, मेरे गीत, संगीत-रत्नाकर आदि सुप्रसिद्ध पुस्तकों के आप प्रणेता हैं।

पता—आचार्य-शिवकुमार, गोविंद सांगदेव महाविद्यालय, काशी।

ईशकुमारः—जन्म ८ मार्गशीर्ष, शुक्ला १६७८ दिल्ली में हुआ 'वैश्य-समाचार', 'वीर-अर्जुन (साप्ताहिक), कौमुदी, 'मानव-धर्म' मनोरंजक (मासिक) नेताजी (दैनिक) आदि पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादक रहे, आपने 'दुर्गा-सप्तशती' का काव्यानुवाद किया है। दिल्ली के कवि समाज के ५ वर्ष से उपमन्त्री, और राजधानी के प्रमुख कवि ऑल-इण्डियारेडियो से भी आपके गीत प्रसारित होते रहते हैं।

पताः—म्यूनिस्पिल प्रेस, टाउन हाल, दिल्ली

ईशनारायण जोशीः—जन्म १६१२, 'शास्त्री' परीक्षा पास हैं। भोपाल राज्य के धर्म शास्त्री और म्युनिस्पिल कमिश्नर। मुखाकृति रहस्य, धर्म शिक्षा आदि आपकी प्रकाशित पुस्तकें हैं।

पता—चौक-भोपाल

उग्रसेनः—एम० ए०, एल० एल० बी, आपकी प्रकाशित पुस्तकों में नारी शिक्षादर्श; रत्नकाण्ड श्रावकाचार और आप्त स्वरूप प्रसिद्ध हैं आपने स्फुट निबन्ध भी लिखे हैं। पता—गोहाना, रोहतक।

उदयकरण शर्माः—जन्म १६१३ आयुर्वेद शास्त्री। आपने-संगीत शिरोमणि, ठण्डीरोशनी और पश्चात्ताप आदि पुस्तकों की रचना की है। पता—उमराव गञ्ज, शाहाबाद

उदयनारायण तिवारीः—जन्म स्थान पीपरपाती ग्राम (बलिया), १६०५। साहित्य रत्न और तीन विषयों में अलग अलग विश्वविद्यालयों से एम० ए० (अर्थ शास्त्र, हिन्दी और पाली) तथा भोजपुरी पर डी० लिट० के लिए अनुसन्धानात्मक निबन्ध लिखा। हिन्दी के कुशल लेखक अनेक ग्रन्थों का सम्पादन।

१६२८ से हिंदी सा० स० प्रयाग की स्थायी समिति के सदस्य। सम्मेलन के आप प्रचार और साहित्य मन्त्री भी रह चुके हैं। विद्वान और समालोचक। कवितावली रामायण की भूमिका, रासपंचाध्यायी भंवरगीत आदि की आलोचनात्मक पुस्तकों के प्रणेता।

पता—अलोपीबाग, प्रयाग

उदयराजसिंहः—जन्म-५ नवम्बर १६२१, प्रयाग विश्वविद्यालय से बी० एस० सी० नवतारा और अधूरी नारी के ख्यातिप्राप्त लेखक 'नयी-धारा' के प्रबंध-सम्पादक। पता—अशोक प्रेस, महेन्द्रू पटना

उदयसिंह भटनागरः—हिन्दू विश्वविद्यालय काशी से एम० ए० लेखक, कवि और नाटककार, आपने कई पुस्तकें लिखीं हैं। उनमें जौहर ज्वाला अधिक प्रसिद्ध है।

आजकल महाराजा कालेज जयपुर में अध्यापक हैं।

उपेन्द्रशंकर प्रसाद द्विवेदीः—हास्य-रस के कवि। जन्म-१६१२ में हुआ। प्रकृति वर्णन पर सुललित पद्य रचे हैं।

पताः—बोरधा कालाकार, होशंगाबाद

उमाचरण दीक्षितः—जन्म स्थान-आगरा १६२६, 'हिन्दी-तेज' का १६४८ में सम्पादन, प्रका-स्फुट। पता—मोती कटरा, आगरा

उमादत्त नैथाणी—जन्म १६१६-जिला गढ़वाल, भेदुली नामक ग्राम, कृषिकार्य होता है। प्रभाकर (यूनीवर्सिटी पंजाब) और साहित्य रत्न (हिं० सा० स० प्रयाग) साहित्य में रुचि है।

वर्तमान पता—क्वार्टर नं० ८०, रामाबाजार, ब्लौक नं० ६०
नई देहली।

उमादत्त मिश्रः—'साहित्य-रत्न और आयुर्वेदाचार्य' उपाधि से विभूषित, जन्म १६१६, 'सनातन-धर्म साहित्य, गीताधर्म और धर्म-परित्याग' पुस्तकों के रचयिता।

पताः—सनातन धर्म संस्कृत कालेज, पाण्डे बाजार आजमगढ़

उमादत्त सारस्वत, 'दत्त'ः—जन्म ३ अगस्त १६०५ अध्यापक सेठ जयदयाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिसवां, प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं में अनेक लेख कविताएं और कहानियां छप चुकी हैं। 'काव्य-कलाधर' कलकत्ता के सम्पादक किरण (कविता-संग्रह) मस्तराम का सोंटा (आलो०) मस्तराम का चिट्ठा (हास्यरसीय लेख) अप्रकाशित-कोयल, किसलय और मिलन-मन्दिर आदि खड़ी-बोली ब्रजभाषा दोनों में कविताएं लिखते हैं। पता—बिसवां (सीतापुर)

उमानाथः—आपने एम० ए० पास किया है। 'सूर-माधुरी' आपकी पुस्तक है। स्फुट-संग्रह प्रकाशन पथ पर हैं। बिहार सरकार के प्रचार विभाग में कार्य करते हैं। पता—प्रचार-अध्यक्ष, राजकीय विभाग, पटना।

उमाशङ्कर द्विवेदी 'विरही'ः—जन्म-जनवरी १८६२, उदयपुर पालीवाल ब्राह्मण हैं, 'साहित्य-रत्न' इन्दौर केन्द्र से उदयपुर में हि० सा० सम्मे० केन्द्र के संस्थापक। पुराने साहित्य सेवी और राष्ट्रीय विचारों से ओत-प्रोत। हिन्दी प्रचार और सार्वजनिक हितों के लिए सदैव तत्पर। अनेक सरस-काव्य आपने लिखे हैं जो प्रकाशो-

मुख हैं। पता:—विरही-सदन, उदयपुर।

उमाशङ्करप्रसाद सिंह:--जन्म-१६०३ में हुआ। सरसकवि। 'शशि-प्रभाकर मन्दिर' और कैलाश कुञ्ज के संचा०। स्थायी पता:—हरदिया, शुम्भा ड्यौढ़ी, दरभङ्गा।

उमाशङ्कर महावीरप्रसाद शुक्ल:--जन्म-जुलाई १६१८ में हुआ साहित्यिक सेवाएँ-'हिन्दी मन्दिर' वर्धा के भूतपूर्व मन्त्री, अनेक हिन्दी और आँग्ल पत्रों के वर्धा स्थित प्रतिनिधि, 'भारतेन्दु हिन्दी सिन्डीकेट' के संस्थापक। सङ्गम (साप्ता०) प्रयाग के भूतपूर्व सम्पादक। स्केच और हास्यरस के लेख लिखने में प्रवीण। पता: वर्धा

उमाशङ्करराम त्रिपाठी 'उमेश':--जन्म १६२१ आपने 'स्फुट० कविताओं की रचना की है। पता:—सरया अनवल, गोरखपुर।

उमाशङ्करलाल:--कश्यप गोत्रीय मु० नारायणलाल के घर—चकिया जिला (बनारस स्टेट) अन्तर्गत, उतरौत ग्राम में दिसम्बर १६१४ में जन्म हुआ। सम्मे० 'साहित्य-रत्न' पास किया है।

'परमिल', 'अवगुण्ठन' और आत्मकहानी आपकी प्रकाशित पुस्तक हैं। पता:—मुन्शी नारायणलाल, ओवरसियर, बनारस स्टेट।

उमाशङ्कर शुक्ल:--काशी में जन्म हुआ। साहित्य-रत्न परीक्षा पास हैं १६३८ में इण्टर किया। 'आर्य-महिला' के सम्पादकीय-विभाग में भी कार्य किया है। पता:-पर्णकुटी, हुकुलगञ्ज,काशी कैण्ट।

उमामहेश अवस्थी:--खीरी जिला अन्तर्गत औरंगाबाद नामक कस्बे में १६१७ में जन्म लिया। शिक्षा-साहित्य-रत्न, काव्य-तीर्थ साहित्याचार्य, म्योर टाउन एरिया इङ्गलिश स्कूल (बिजनौर) में हिन्दी तथा संस्कृताध्यापक।

उर्मिला वार्ष्णेय, कुमारी:—जन्म स्थान-अलीगढ़ (उत्तर-प्रदेश) शिक्षा-एम० ए०, सरस्वती, कहानी, लेख और कविता की ओर बचपन से ही रुझान। सुमित्रा (कानपुर) दीदी, अमृत पत्रिका (इलाहाबाद) नवभारत टाइम्स, वीर अर्जुन, नेता जी, अशोक, मस्ताना जोगी, साप्ता० हिन्दुस्तान (देहली) साहित्य-संदेश (आगरा) धर्मयुग (बम्बई) आदि प्रसिद्ध पत्र-पत्रिकाओं में आपके लेख कविताएँ प्रकाशित होते रहते हैं। उदीयमान साहित्य सेविका। पता:—C/० विश्वम्भर सहाय वकील, विष्णुपुरी अलीगढ़।

उमेशचन्द्रदेव:—जन्म-१६०४ फरुखाबाद जिले के अन्तर्गत श्यामपुर भटपुरा ग्राम। शिक्षा-सम्मे० के साहित्य-रत्न, आयुर्वेदाचार्य, शास्त्री और विद्यावाचस्पति। भूत० अध्यक्ष-सावित्रीराम

भवन, छिबरामऊ और देवीदत्त शुक्ल के साथ 'सरस्वती' का सम्पादन भी किया। इसके अतिरिक्त-आयुर्वेद सिद्धांत और अनुभूत योगमाला, का भी सम्पादन किया। आपके लिखे लेखों में पञ्चाल के संस्मरण, 'साध और उनकी कला' 'द्विवेदी जी का लेखन कौशल विशेष पठनीय हैं। अतीत के बिखरे पन्ने, अछूत कोई नहीं, समाज-सेवा, विश्व कवि रवीन्द्रनाथ, वंचिता नामक पुस्तकें प्रसिद्ध हैं। इण्डियन प्रेस, प्रयाग से आपकी देख-रेख में साहित्यक पुस्तकें निकलती हैं। पताः—इण्डियन प्रेस, प्रयाग।

उमेशनन्दनसिंहः—सम्मेलन के 'साहित्य-रत्न'। अनेक पुस्तकालयों के सञ्चालक और प्रबन्धक। कुशल कहानीकार 'द्वादशी' आपका कहानी-संग्रह है। पताः—शिवहरराज, मुजफ्फरपुर।

उमेश मिश्रः—जन्म १८६६, दरभङ्गा, शिक्षा-एम० ए०, डी० लिट०, काव्यतीर्थ, अखिल भारतीय प्राच्य-विद्या महासम्मेलन के दर्शन और धर्म-विभाग के अध्यक्ष, दरभङ्गा प्राच्य विद्या महासम्मेलन के मन्त्री। प्रकाशित पुस्तकों में-साहित्य दर्पण, विद्यापति ठाकुर, हिस्ट्री आफ इण्डियन फिलासफी आदि प्रसिद्ध हैं। पताः—अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, प्रयाग० वि० वि० प्रयाग।

उषादेवी मित्राः—जबलपुर की भारत-विख्यात कहानी-लेखिका। नारी-मङ्गल-समिति की सञ्चालिका। साहित्यसेवा लगभग छः सौ कहानियाँ जोकि पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रकाशित-कहानी-संग्रह, आंधी के छन्द, महावर, रागिनी, मेघ-मल्हार, सान्ध्य-पूरवीं, 'रात-रानी' उपन्यास', 'वचन का मोल' 'पिया' 'जीवन की मुस्कान' 'पथचारी' 'सोहनी' पदचिन्ह'।

स्थायी पताः—११५, त्यौहार बाग, जबलपुर।

ऋषभचरण जैनः—प्रसिद्ध साहित्यकार। सचित्र-दरबार और 'चित्रपट' की आपने ही संस्थापना की। आजकल फिल्म कम्पनी के डायरेक्टर। 'भाई', 'मोती' 'कैदी' 'दिल्ली का व्यभिचार आदि पुस्तकें लिखी हैं। पताः—दरियागञ्ज, दिल्ली।

ऋषिमित्रः—शिक्षा-'साहित्य-रत्न' विद्यावारिधि और शास्त्री। अनेक पत्र-पत्रिकाओं के लिये सामाजिक, धार्मिक और दर्शन-सम्बन्धी विषयों पर आपने लेख लिखे, 'कुटीर' पुस्तक प्रकाशन-पथ पर है, पताः—आर्य-समाज-भवन गिरगाँव, बम्बई।

ऋषभकुमार कांकरिया 'रमेश':—जन्म सं० १९९३, भोपालगढ़ शिक्षा-'विशारद' और हाई स्कूल के छात्र। कुमार साहित्य-परिषद् जोधपुर, शाखा भोपालगढ़ व छात्र संघ के साहित्य मंत्री। निबन्ध व रचनाएँ लिखने के शौकीन। पता:—C/o गणेशमल मोहनलाल, पो० भोपालगढ़।

ए० चन्द्रहासनः—मद्रास वि० वि० से बी० ए० और कलकत्ता वि० वि० से एम० ए०। हिन्दी, मराठी, उड़िया, आसामी, और आंग्ल भाषा के जानकार। भारतीय-साहित्य-परिषद् से प्रकाशित 'हंस' के स्थानीय सम्पादक, मातृभूमि का भी सम्पादन कर चुके हैं। मद्रास, मैसूर, कलकत्ता और ट्रावनकोर विश्वविद्यालयों की हिन्दी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र दाताओं और परीक्षकों की कमेटियों के सदस्य अथवा अध्यक्ष। प्रसिद्ध विद्वान और लेखक। पता:—प्रोफेसर आफ लैंग्वेज, महाराणा कालेज, एरनाकुलम्, कोचीन राज्य।

ए० पद्मनी कुमारी:—दक्षिण भारत की सर्व प्रथम हिन्दी में एम० ए० पास महिला। ए० चन्द्रहासन की सहोदरा। भू० आचार्या कन्या गुरुकुल देहरादून। दक्षिण में हिन्दी-प्रचार कार्य में अग्रणी। पताः-हिन्दी अध्यापिका, संत तेरीसस कालेज, त्रिचूर, दक्षिण भारत

ए० एम० अय्यर:—तामिलनाड के हिन्दी प्रचारकों में अग्रणी। आंग्ल, बंगला, हिन्दी, तेलगू भाषाओं के जानकार। साहित्यिक और सामयिक लेख लिखने में सिद्धहस्त। पता:—प्रधानाचार्य (प्रिंसिपल) नेशनल कालेज, तिरुच्चि।

ए० सावित्रीः—ए० चन्द्रहासन की दूसरी सहोदरा। अहिन्दी भाषा भाषी प्रांत में हिंदी प्रचारिका और समर्थिका। हिन्दी लेकर एम० ए० किया है। हिन्दी की उत्कृष्ट लेखिका। पताः—आचार्या, आर्य कन्या महा-विद्यालय, बड़ौदा।

एम० नागेश्वर रावः—जन्म-१९१७ गुण्टूर (मद्रास) जिलान्तर्गत नगरम् ग्राम पिता का नाम-नरसैया, मातृभाषा तैलगू पर जन्म से ही हिन्दी से प्रेम। सम्मे० से साहित्य रत्न।

एरत्ने रत्नसारः—लंकानिवासी घुमक्कड़ सत्यन्वेषी बौद्ध-भिक्षु तथा हिन्दी अनुरागी प्रमुख कार्यकर्त्ता और प्रचारक संस्कृत, पाली, हिन्दी; सिंहली भाषाओं का ज्ञान साहि० सेवाए-लंका में हिन्दी प्रचार समिति के मन्त्री। पताः—श्री लंका हिंदी भाषा प्रचार समिति, ३५ ऐलबियन रोड, देमाटे गोड़ा कोलम्बो

एलेक्जेंडर ग्रियर्सन:—जन्म अप्रैल १८८३, अँग्रेज होते हुए भी हिन्दी-साहित्य से अनुराग। इण्डियन सिविल सर्विस के ३० वर्ष तक सदस्य। 'पद्मावती' के सम्पादन में योग।

पता:—हाल पैलेस, स्पस्टॉल्ट कॉटेज, बर्कशायर, इङ्गलैण्ड।

एस० एन० रामचन्द्रन:—जन्म मई १९२७। शिक्षा—राष्ट्रभाषा विशारद, हिन्दी विद्वान् तथा बी० ओ० एल० मद्रास यूनीवर्सिटी। तामिल-हिन्दी का विशेष ज्ञान राष्ट्रीय विचारों के कारण १९४३ में जेल यात्रा भी कर चुके हैं। कई पुस्तकालयों के संस्थापक।

प्रकाशित कई कहानियों और जीवनियों के अनुवाद कर चुके हैं। पता:—हिन्दी लैक्चरार, टुरैसिंगम मेमोरियल कालेज (शिवगंगा) जिला रामनाड, दक्षिण।

ओंकारलाल दल्लू "माखन":—जन्म प्रथम जनवरी १९२२ इन्दौर में शिक्षा प्राप्त की 'मधुर-तरंग माला' नामक आपकी प्रकाशित पुस्तक है। पता—प्रधानाध्यापक, पाठशाला खरिया, पो० बरला, होल्कर राज्य।

ओंकारलाल 'तिवारी':—जन्म १८ फर्वरी १९०२ होल्कर राज्य में। शिक्षा-इन्दौर में पाई 'साहित्य रत्न'। 'दूज का चांद' और 'विद्या' पत्रिका का सम्पादन किया। नारायणगढ़, मिडिलस्कूल होल्कर राज्य में अध्यापक।

ओंकारलाल वैश्य 'प्रणव':—जन्म १८८६, मेलखेड़ा मालवा, जानकारी-मराठी, गुजराती उर्दू और संस्कृत प्रकाशित पुस्तकों में स्तोत्र वाटिका, अनुभूत योगावली, लोकोक्ति प्रकाश मुख्य प्रसिद्ध हैं। 'लोक-साहित्य' संग्रह में आजकल आप जी-जान से लगे हुए हैं।

पता—मालवा।

ओंकारनाथ अवस्थी:—जन्म अक्टूबर १९१६ फर्रुखाबाद। शिक्षा विशारद, अयुर्वेदरत्न, सी० टी० अध्यापन-वृत्ति में विशेष रुचि। पता:—४४६ बस की खुर्द, दारागंज, प्रयाग।

ओंकारनाथ मिश्र:—जन्म १९१० सिरसा, प्रयाग। शिक्षा 'साहित्य शास्त्री' 'साहित्य-रत्न' साहित्यिक सेवाएं-हिन्दी साहित्य विद्यालय, प्रयाग की स्थापना तथा तुलसी साहित्य परीक्षा समिति, दारागंज में सहयोग दिया। उदयनारायण त्रिपाठी एम० ए० के साथ विनयपत्रिका की टीका की। सत्य हरिश्चन्द्र (नाटक) की रचना

शारदा सेवकः—

रमेशचन्द्र खण्डेलवाल साहित्यिक अभिरुचि स्फुट लेखन, हरी आँई हास्पीटल हाथरस में कम्पाउण्डर।
पताः-मन्दिर द्वारिका धीश के सामने हाथरस
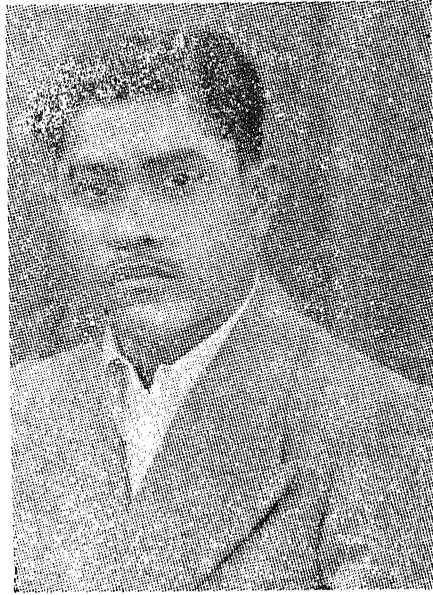
छोटेलाल गुप्ता 'विकल' संचालक सम्पादक 'भक्त लोक मासिक। ईश्वर भक्ति की ओर विशेष झुकाव, कई पुस्तकें प्रकाशित, भक्त तथा भावुक कवि।
पताः-प्रेम कुटीर नादन मेहरस्टेट

की है। आपका बहुत सा साहित्य अभी अप्रकाशित है। आलोचनात्मक निबन्ध भी लिखे हैं। पताः—हिंदी अध्यापक, अग्रवाल इण्टर कालेज, प्रयाग।

ओंकार मिश्र 'प्रणव'-जन्म ८ अगस्त १६१६ भवीगढ़ (अलीगढ़) शिक्षा-शास्त्री, साहित्य-रत्न, विद्या भूषण। हिन्दी संस्कृत अध्यापन, हिन्दी विद्यालय गुजरात (पंजाब) का संस्थापन एवं आचार्यत्व। अनेक गुरुकुलों में प्रोफेसर, दयानन्द लहरी, रजनी, बोस बावनी, ज्वाला आदि पुस्तकें लिखी हैं। पता—अध्यक्ष संस्कृत विभाग, श्री दयानन्द महाविद्यालय, फीरोजाबाद (आगरा)।

ओंकार शरद—उदीयमान कलाकार। जन्म १६२६ उच्च कोटि के प्रगति शील साहित्य के प्रकाशनार्थ 'न्यूलिटरेचर प्रकाशन' नामक संस्था को जन्म दिया। 'आंचल' का आसरा, नातारिश्ता, खून-खराबी, अतिम-वेला आदि आपकी प्रकाशित पुस्तकें हैं। उच्चकोटि के पत्रों के आप लेखक हैं। पताः—न्यू लिटरेचर कम्पनी जीरो रोड, इलाहाबाद।

ओमप्रकाश गुप्ताः—जन्म बदायूं जिले में। शिक्षा (कारावास में) बी० ए० साहित्याचार्य, राजधानी के प्रगतिशील कहानी कार। मजदूर आन्दोलन में भी भाग लिया। क्रान्तिकारी। 'मार्क्सवाद' का विशेष अध्ययन। कई पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं, 'अमर-कहानी' (प्रगतिशील मासिक) 'रंग महल' दिल्ली का सम्पादन। पताः—आचार्य ओमप्रकाश गुप्ता १४८५, रौदगरान, लाल कुआ देहली-६

ओमप्रकाश पालीवालः—आगरा के प्रगतिशील पत्रकार, प्रगतशील दैनिक 'जनयुग' आगरा के संपादक। पताः—दै०'जनयुग' कार्यालय, आगरा।

ओमप्रकाश केलाः—जन्म १४ जुलाई, १६२४, वृन्दावन, राजनीति अर्थ और समाजशास्त्र के प्रसिद्ध लेखक श्री भगवानदास केला के सुपुत्र। पता—भारतीय ग्रन्थ माला, वृन्दावन (मथुरा)

ओमप्रकाशः—जन्म १६२४, शिक्षा-एम० ए०, एल० एल० बी० (आगरा) एम० आर० ए० एस० (लण्डन) सदस्य-नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, ग्राम-सेवा-दल आगरा के अध्यक्ष। निबन्ध-रत्नावली प्रबन्ध-प्रभा, ध्रुवस्वामिनी एक परिचय, आदि पुस्तकों का सृजन किया। पताः—अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग, हंसराज कालेज, दिल्ली।

ओमप्रकाशः—जन्म १७ नवम्बर, १९१५, एम० ए० और साहित्य रत्न तक शिक्षा प्राप्त। 'स्वराज्य * बाद' एवं विविध विषयों पर लेख लिखे हैं। पताः – हिन्दू स्कूल *, ट, बदायूँ।

ओमप्रकाश भार्गव 'उमेश':—जन्म-जू १ १५, शिक्षा उज्जैन ग्वालियर और देहरादून में प्राप्त की। भूतपूर्व मन्त्री-हिन्दी साहित्य सभा, लश्कर। तपस्विनी (कहानी) जैबुन्निसा के आंसू (जी०) आदि पुस्तकें लिखी हैं। वन-विभाग सम्बन्धी विशेष अध्ययन के लिए आप आक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी में गये हैं।

ओमप्रकाश शर्माः—जन्म १९२०, हिन्दी और अँग्रेजी में आगरा विश्वविद्यालय से एम० ए०। विश्वविद्यालय विद्यार्थी परिषद् के सभापति, सेंट जोंस कालेज की ओर से शिक्षा प्रचारक हास्यरस के मासिक नोंक-झोंक के सञ्चालक। प्रान्तीय हि० सम्मेलन के संयुक्त मन्त्री भी रह चुके हैं। स्थायी पता—बाग मुजफ्फर खाँ, आगरा।

ओमप्रकाश 'विश्व':—प्रथम जुलाई १९१७ मासिक 'आजकल' दिल्ली के सम्पादक मण्डल के सदस्य विभिन्न विषयों पर कहानियाँ, प्र र प्रतिभा वाले कलाकार पताः—'आजकल' मासिक देहली।

ओमप्रकाश त्रिपाठी 'मधुकर':—जन्म दिसम्बर १९३४ कालपी (जालौन) लक्ष्मी, जनार्दन, 'किशोरी रमण' पाक्षिक पत्रिका, का सम्पादन शिक्षा बी० ए० (फा०) कोविद, किशोरी रमण विद्यालयीय संस्कृत परिषद के प्रधान मन्त्री। समालोचनात्मक निबन्ध, कहानी, कविता की ओर रुचि। स्था० पताः—C/o शिवनन्दनदत्त त्रिपाठी, बड़ा बाजार कालपी (जालौन) यू० पी०।

कंचर्ल वेंकट कृष्णय्याः—जुलाई १९०७ में कृष्णा जिला के अन्तर्गत कृष्ण पुरम् नामक ग्राम में जन्म। शिक्षा साहित्य रत्न (प्रयाग) हिन्दी कोविद (काशी) राष्ट्र भाषा विशारद (मद्रास) जानकारी हिन्दी, आंग्ल भाषा, और दक्षिण की भाषाएं। आन्ध्र-मद्रास में हिन्दी के प्रकाशक। प्रका० स्फुट। पता—प्रधानाध्यापक आन्ध्र हिन्दी विद्यापीठ आन्ध्र प्रदेश दक्षिण भारत।

कण्ठमणि शास्त्रीः—वेदान्त शास्त्री, काव्यालंकार आदि उपाधियों से विभूषित। दिव्यादर्श' मासिक के सम्पादक, सरस्वती भण्डार, पुस्तकालय विभाग, कविमंडल आदि साहित्यिक व

सार्वजनिक संस्थाओं के संस्थापक व संचालक। विधवा-विवाह खण्डन, कविता कुसुमाकर (दो भाग) ध्यान-मजूषा आदि आपकी लिखी पुस्तकें हैं। पता विद्या विभाग, ब्रजनिकुञ्ज, काँकरोली।

कटील गणपति शर्मा:—'शिक्षक' और 'हिन्दी प्रचारक' के सम्पादक, दक्षिण-भारत हिन्दी पडित संघ के अध्यक्ष, दक्षिण भारत की अनेक शिक्षा-संस्थाओं और परिषदों के मन्त्री अथवा प्रतिनिधि। प्रकाशन—फुट वर्त्तमान पता—गवर्नमेण्ट आर्टस कालेज, मद्रास-२

कनकमल 'मधुकर', अग्रवाल:—जन्म-'जुलाई १९१२। अनेक साहित्यिक अभियानों में कार्य किया। राजस्थान हि० सा० स० की स्थायी समिति के सदस्य 'साहित्याचार्य' और 'साहित्य महोपाध्याय' 'नवजीवन' 'राजस्थान' आदि पत्रों के संपादक रहे निबन्धकार और कवि। 'उद्गार'(गद्य काव्य) प्रकाशित पुस्तक है पता—'नवजीवन' सम्पादक, उदयपुर (राजस्थान)

कन्हैयाप्रसाद सिंह:—'विशाल-भारत' में इनके नियमित रूप से लेख निकलते हैं। एम० ए० पास। अन्यायन वृत्ति, 'चित्रकथा' आपकी प्रकाशित पुस्तक हैं। पता—अध्यापन, नालन्दा कालेज, नालन्दा।

कन्हैयालालशर्मा:—जन्म १९०१, इन्दौर, साहित्य रत्न, साहित्यानुरागी, पता:—विद्यापीठ, हिन्दी मध्य भारत साहित्य समिति, इन्दौर।

कन्हैयालाल (मुंशी):—जन्म २७ जून १९०१, शिक्षा-एम० ए० एल० एल० बी, एडवोकेट (हाई कोर्ट), 'कायस्थ समाचार' व 'चांद (मासिक) उर्दू संस्करण के भू० सम्पादक, कहानी-कला के लेखक और अमेरिकन—योरोपीय पत्रों के सम्वाददाता। पूर्णपता—'कृष्ण-कुञ्ज' पञ्च कोशी समिति रोड, प्रयाग-३

कन्हैयालाल 'शान्तेश':—'सेवक' 'राष्ट्रदूत' और ग्राम-सेवक' के सम्पादक, निरक्षरता निवारण के लिए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र, प्रायमरी स्कूल खोले 'विद्या-प्रचारिणी-सभा' के प्रधान मन्त्री तथा अन्यान्य शिक्षा और साहित्य सम्बन्धी संस्थाओं में सक्रिय सहयोग, गाँधीवादी 'चमड़े के लिए पशुओं का भयंकर वध' आपकी प्रकाशित पुस्तक हैं पता:—गणेश भवन, नयाबाजार भिवानी, हिसार (पंजाब)

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशीः—जन्म १८८७, शिक्षा-बम्बई और बड़ौदा में, बी० ए०, एल० एल० बी०, हिन्दी गुजराती और आँग्ल भाषा के विद्वान राष्ट्र-भाषा-प्रचार समिति के प्रमुख सक्रिय कार्यकर्त्ता, कांग्रेस के लब्ध प्रतिष्ठ नेता, राष्ट्रवादी, आज कल खाद्य मन्त्री (केन्द्रीय सरकार) उत्कृष्ट उपन्यासकार, सुवक्ता, विचारक गुजराती साहित्य कोष के सम्पादक, 'यंग इण्डिया' १९१५ के सम्पादक रहे। पता—मिनिस्ट्री खाद्य विभाग, नई-देहली।

कन्हैयालाल "चञ्चरीक":—जन्म-जनवरी १९३३, हाथरस, साहि 'साहित्य-परिषद' हाथरस के संस्थापक और दो वर्ष तक संयोजक 'कलाकार-परिषद' और 'शारदा-सदन' के सक्रिय सदस्य। बागला कालेज की 'डिबेटिङ्ग सोसायटी' के संस्थापक और अध्यक्ष। सम्पा० 'दिल्लगी' (साप्ता०) और "रचना" (पाक्षिक) के भूतपूर्व सम्पादक विशुद्ध साहित्यिक-आलोचनात्मक मासिक "शारदा" के सम्पाद-कीय विभाग में कार्य करते हैं, 'शारदा-सेवक' का सम्पादक, प्रगति कवि, और कहानियां लिखने का शौक प्रका० "गुनगुन" (कविता-संग्रह) कई कविता-संग्रह और एक कहानी संग्रह शीघ्र प्रकाशित होंगे। पता—चाँबड़ गेट, हाथरस (उत्तर-प्रदेश)

कन्हैयालाल 'सहल':—जन्म-१९११, शिक्षा-एम० ए० तक। 'श्री सूर्यकरण पारीक स्मारक साहित्य-समिति' के मंत्री, राजपूताना विश्व-विद्यालय की ओर से 'राजस्थान के सांस्कृतिक उपाख्यान नामक ग्रन्थ पर पुरस्कार प्राप्त, समीक्षांजलि आलोचना के पथ पर राजस्थानी के ऐतिहासिक प्रवाह आदि आपने पुस्तकें लिखी हैं 'चौबोली' और वीर-सतसई' का श्री पतराम गौड़ और श्री ईश्वर दान जी के साथ क्रमशः सम्पा० पता—हिन्दी प्रोफेसर, बिड़ला कालेज, पिलानी।

कन्हैयालाल 'मिश्र' 'प्रभाकर':—पत्रकार नया-जीवन (१९४७ से प्रका०) मासिक के सम्पादक) पता—विकास, लि० सहारनपुर

कपिलदेव चतुर्वेदी 'प्रकाश':—'दिसम्बर १९१५ सारन में जन्म हुआ। प्रकाशित पुस्तकों में 'भावुकता की लहर' (कहानी-संग्रह और मनोर्मि (कवि) पताः—१७ पराशर रोड, कलकत्ता २९।

कपिल देवनारायणसिंह 'कपिल':—१ जनवरी १९१९ मुंगेर में जन्म, प्रो० कपिल नाम से प्रसिद्ध, सा० बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन, जिला हि० सा० सम्मे० मुंगेर प्रगति० ले० सं (सद,

शारदा सेवकः—
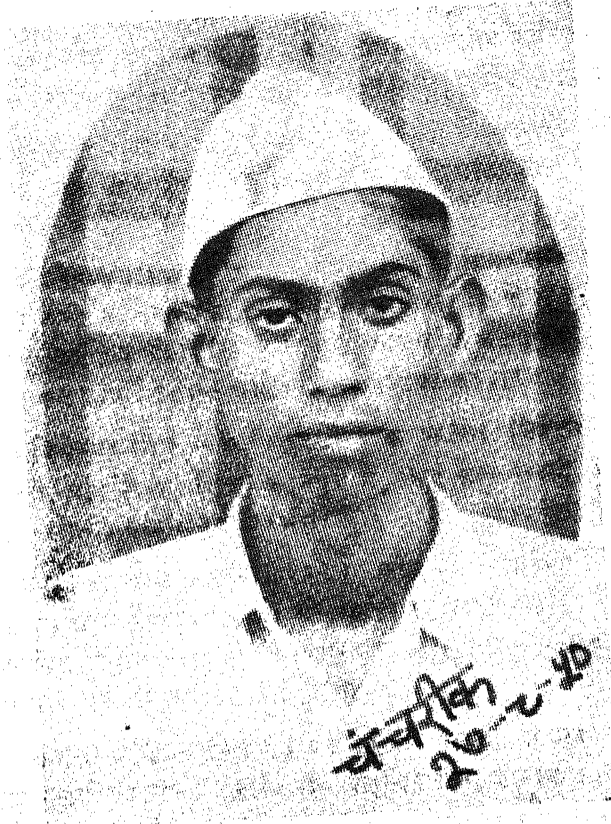
कन्हैयालाल 'चञ्चरीक'
परिचय पृष्ठ २० पर

हैं, सान्ध्यगीत' और 'साहित्य-संधान' प्रकाशित हो चुके हैं,
अध्यायन वृत्ति पताः—पटना कालेज, पटना।

कार्यकारिणी) बिहार रिसर्च सोसायटी, काशी ना० प्र० ओरियंटल कान्फ्रेन्स (सदस्य) एम० ए० करने के उपरान्त कबीर की निर्गुण भावना पर शोधकार्य प्रकाशित—बारह बातें, साहित्य-प्रदीप पचास की पांच दिवंगत विभूतियाँ, बूढ़ा झामलाल (कवि) 'दिनकर और उनकी काव्यकृतियां' और श्रीकृष्ण अभिनंदन ग्रन्थ (संपादित) अप्रकाशित-ह्वेनसांग (नाटक) कवि भूषण (आलो०) रेखाएं (शब्द चित्र) शंखनाद वार्षिकाङ्क के प्रधान संपादक और मासिक 'प्राची' के संपादक पता—अध्यापक, डी० जे० कॉलेज, मुंगेर (बिहार)

कपिलदेव शर्मा:—बिहार-प्रान्त के प्रसिद्ध देवनागरी लिपि के प्रचारक, अ० भा० देव भाषा परिषद के मंत्री पाठ्यक्रम की अनेक संस्कृत पुस्तकों के प्रणेता। पता—छपरा।

कपिलेश्वर "कमल" झा:—जन्म-१९०७, हि० सा० सम्मे० के परीक्षा केन्द्र के संयोजक, जिला हि० सा० सम्मे० के भूतपूर्व मंत्री, शिक्षा—साहित्य रत्न, 'श्रीकृष्ण पुस्तकालय' के संस्थापक, कहानियाँ लिखने का शौक, पता—बमौरा, चनपटिया चम्पारन।

कपिलेश्वर मिश्र:—कवीन्द्ररवीन्द्र के शान्ति निकेतन में शिक्षा प्राप्त की, प्रारम्भिक शिक्षा कानपुर में, कई लेख-संग्रह लिखे हैं। पता—सोती, सलीमपुर, दरभंगा।

कपूरचन्द्र जैन:—जन्म १९१४ काँग्रेसी कार्यकर्ता साहित्य रत्न, विभिन्न विषयों पर लिखते रहते। कविता संग्रह १, २, ३ और सम्पादित चट्टान के टुकड़े अध्यापन वृत्ति, पता—प्रधानाध्यापक, प्रा० पा० परवारपुर, इतवारी नागपुर।

'कमल' कवि:—जन्म १४ मई १९०७, हसली, पोखला, गढ़वाल, शिक्षा-साहित्यालंकार, सा० से० बलूचिस्तान, पंजाब और सिन्ध में निःशुल्क हिन्दी सेवाएं, अध्यापन, प्रकाशन और प्रचार, देश विभाजन के पश्चात् दिल्ली रेडियो में भी रहे १६ पुस्तकें कविताएं नाटक, उपन्यास, कहानी और चम्पू आदि। दो उपन्यास प्रकाशन में हैं 'वे दोनों और "अतृप्ति" पता:—डिस्ट्रिक्ट इनफरमेशन आफीसर उत्तर प्रदेशीय सरकार विधान-भवन, लखनऊ।

'कमल':—एम० ए०, रेडियो के लिए एकांकी लिखते हैं, सान्ध्यगीत' और 'साहित्य-संधान' प्रकाशित हो चुके हैं, अध्यायन वृत्ति पता:—पटना कालेज, पटना।

कमल कुल श्रेष्ठः--जन्म अगस्त १९२०, शिक्षा प्रयाग विश्व विद्यालय से एम० ए० और डी फिल; हि० सा० सम्मे० की स्थायी समिति के सदस्य जन-साहित्य परिषद् प्रयाग के अध्यक्ष; प्रकाशित रचनाओं में युग-मानव (कवि०) मलिक मुहम्मद जायसी, भागर अधिक प्रसिद्ध हैं। पता:—सिविल लाइन्स आजमगढ़।

कमलदेवनारायण:--जन्म १९००, बी० ए० एल० एल० बी० तक उच्च शिक्षा प्राप्त विभिन्न विषयों पर अनेक पुस्तकों की रचना की। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर युगल कुसुम, झरना, बिखरे फूल आदि प्रकाशित पुस्तकें; पता:—बखरा, बिहार।

कमलधारीसिंह 'कमलेश':--बलिया में १९१२ में जन्म लिया, अध्यापन वृत्ति, साहित्यानुरागी, 'मुसलमानों की हिन्दी सेवा' भारत की प्रमुख महिलाएं प्रसिद्ध पुस्तकें हैं; पता:—सेरिया, छाता, बलिया।

कमलनारायण 'कमलेश' झा:--जन्म १९१० एक दर्जन के करीब पुस्तकें लिखी हैं, बिहार प्रदेशीय हि० म० सभा के संयुक्त मंत्री पता:—कैना, दरभंगा, बिहार।

कमलनारायण देव, आचार्य, 'सत्यकाम':—जन्म १९१६ अनेक भारतीय भाषाओं के जानकर, प्रदेशीय रा० भा० प्र० स०, वर्धा के संचालक असमिया गीतों का हिन्दी में संपादन। कुहुकनी (गद्यगीत) चिरंतनी (कहा०) सामंतनी (उप०) असमिया और बंगला साहित्य की रूप रेखा प्रकाशित पुस्तकें, अध्यापन वृत्ति। पता:--आचार्य रा० भा० अध्यापन मंदिर, गुवाहाटी आसामः।

कमलप्रसादः--जन्म १९२१ हैदराबाद; कहानी, एकाङ्की और स्फुट विषयों पर लिखने का विशेष शौक, पता:—अर्थ विभाग, हैदराबाद (दक्षिण)

कमलाकान्त 'पाठक':--१९ फरवरी १९२१ एम० ए० (हि०) एल० एल० बी, सा० रत्न, पटना और इन्दौर में सम्पादन कार्य तथा कई संस्थाओं में आचार्य रहे, आजकल राष्ट्रकवि गुप्त जी के काव्य विकास पर डाक्टरेट के लिए थीसिस लिख रहे हैं, प्रका०-सेठ गोबिन्ददास के नाटक, हि० में जौहर काव्य, 'कामायनी' के काम-सर्ग की टीका समीक्षा, विवेचिका आदि पुस्तकें लिखी हैं। आजकल 'सागर-विश्वविद्यालय' के हिंदी विभाग में आचार्य हैं।

कमलाकान्त 'वर्मा':--शिक्षा बी० ए०, एल० एल० बी० तक 'विशाल-भारत' के भूतपूर्व सह सम्पा० कहानी कार और लेखक संगीत में विशेष रुचि। पता:--शाहाबाद, बिहार।

कमलापति 'मिश्र':--जुलाई १९१५, 'लेखक' 'बालिका' 'आसरा' और 'हंस' के सम्पादकीय विभाग में कार्य, पत्रकार पता:--भवानीपुर सुरापुर, सुल्तानपुर (उत्तर-प्रदेश)

कमलापति 'त्रिपाठी':--शास्त्री, उत्तर प्रदेशीय कांग्रेस कमेटी में प्रभावशाली नेता, सदस्य विधान सभा उत्तर प्रदेश पत्रकार भूत० सम्पा० दैनिक 'आज' काशी, 'संसार' दैनिक और साप्ता० के संचालक सम्पादक, इसके अतिरिक्त अन्य पत्रों के संस्थापक सम्पादक, पता:--'संसार' कार्यालय काशी।

कमलाप्रसाद अवस्थी 'अशोक':--ग्रेजुएट, 'अरुणोदय' लखनऊ और 'सन्मार्ग' (साप्ता०) काशी के सम्पादक, 'गीत संग्रह' अभी अप्रकाशित, पता:--रामापुरा, बनारस।

कमलाप्रसाद 'वर्मा':--बिहार के वृद्ध तपस्वी साहित्यकार, भूत० सम्पादक 'बिहार बंधु' करबला, हिमालय आदि पुस्तकें लिखी हैं, पता—कमलाकुञ्ज, गुलजार बाग, पटना।

कमलाशंकर 'मिश्र':—इन्दौर के प्रसिद्ध साहित्य सेवी, राजपूताना अजमेर हाईस्कूल इण्टरमीजिएट बोर्ड के गण्यमान सदस्य, विभिन्न विषयों पर समीक्षात्मक लेख, अध्यापन वृत्ति, होलकर कालेज, इन्दौर में हिंदी अध्यापक, पता:—अहिल्यापुर, इन्दौर।

कमलेश 'भारतीय':—ब्रजभूमि मथुरा में १९१९ में जंम आगरा विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट, बम्बई, गुजरात प्रदेश में हिन्दी प्रचार 'हरिजन सेवक' के (१९३९) स० सम्पादक भी रहे, पता:--'प्रेम' सम्पादक, प्रेम महाविद्यालय, वृन्दावन।

करुणापति 'त्रिपाठी':—शिक्षा-एम० ए० बी० टी०, अध्यापन वृत्ति, प्रका० शैली, बनारस विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में प्रोफेसर।

करुणाशंकर:—पत्रकारिता का विशेष शौक, सम्पा० 'विश्वमित्र' ले० विविध विषयों पर। पता—फोर्ट बम्बई।

करुणाशंकर शुक्ल 'करुणेश':—सरस भावुक कवि, 'हिलोर' प्रकाशित कविता पुस्तक है, पता—चौक कानपुर (उत्तर प्रदेश)।

कल्याणचन्द्र जैन 'सरोज':—१६२१, आगरा, शिक्षा, एम० ए०, एल० टी० साहित्य रत्न, संयोजक हिंदी साहित्य समिति आगरा,—साहित्य गोष्ठी, जलेसर हिंदी साहित्य विद्यालय जलेसर (एटा) के संस्थापक और आचार्य, प्रकाशन 'सामान्यज्ञान' की पाठ्य पुस्तक, निबंध निधि, रामचन्द्रिका पर प्रश्न और टिप्पणी, नूतन काव्य कलाधर दीपिका, गोदान एक अध्ययन (अप्रका०) स्कूल पत्रिका का सम्पादन, पता—वाइस प्रिंसीपल, म० गांधी मेमोरियल हा० सै० स्कू, जलेसर (एटा)।

काका कवि:—पूरा नाम प्रभूलाल गर्ग हाथरस निवासी, 'संगीत' मासिक और 'संगीत-प्रेस' के संचालक कई कविसम्मेलनों के मनोनीत सभापति, हास्यरस के सुकवि 'साहित्य समाज' हाथरस के प्रधान रहे, हास्यरस की कुण्डलिया और पैरोडिया लिखते हैं। काका की कचहरी और पिल्ला में कविताएं संग्रहीत हैं, पता—'संगीत' कार्यालय, हाथरस।

काका कालेलकर:—सुप्रसिद्ध गांधीवादी दार्शनिक और सुविचारक, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा के मान्य सदस्य और तीन वर्षों तक (१६३७ से ४०) उपाध्यक्ष सभी प्रसिद्ध पत्रों में लिखते हैं आपकी कई पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। पता—राष्ट्र-भाषा प्रचार समिति वर्धा।

कान्तिचंद सौनरिक्सा:—प्रसिद्ध कहानी लेखिका चंद्रकिरण सौनरिक्सा 'छाया' के पति, सुप्रसिद्ध कहानीकार और पत्रकार, अनेक दै०, साप्ता० और मासिक पत्रों में आपकी कहानियां भरी पड़ी है; पता:—७७ तीमारपुर देहली।

कांति द्विवेदी 'नलिनी':—लेख और कविताएं लिखी है, हिंदी के प्रचार कार्य में सहयोग बँटाया है पता:—C/o जीता संसार, लश्कर

कांतिलाल 'जोशी':—शिक्षा-एम० ए० बम्बई प्रान्त में राष्ट्र भाषा प्रचारक साहित्य से अभिरुचि पता:—ए।४४ चौकी बिल्डिंग गामदेवी रोड, बम्बई ७

कांतिलाल 'मोदी' प्रभाती:— 'लोकमान्य' दैनिक बम्बई अधिवेशन में एक कविता पर पुरुष्कार प्राप्त। पता:—हिंदी साहित्य परिषद, देवरी, सागर।

कामताप्रसाद जैन:—जन्म १६०१ जैन धर्म के प्रबल प्रचारक और प्रसारक और मननशील लेखक सुदर्शन आदर्श जैन वीर

और 'जैन सिद्धांत भास्कर' के सम्पादक, राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भाग, प्रका० सत्यमार्ग, भ० महावीर और गौतमबुद्ध, पञ्चरत्न; 'अहिंसा का व्यवहारिक रूप' आदि आपकी लगभग ६० पुस्तकें हैं। पता:—अलीगञ्ज, एटा।

कामताप्रसाद 'निगम':—जन्म–१८६६, भौगोलिक विषयों पर लगभग १ दर्जन पुस्तकें लिखीं। शिक्षा विशेषज्ञ, डी० ए० वी० हाईस्कूल में अध्यापक पता:—गुरुदयाल बाग, हीवेट रोड, प्रयाग।

कामताप्रसाद गुरु:—'शिष्टाचार' जैसे अछूते विषय पर सबसे पहिले हिन्दी में क़लम चलाई, अध्यापन वृत्ति, मध्यप्रदेश के समीप एक छोटे से गाँव के निवासी और जब्बलपुर के नार्मल स्कूल में अध्यापक, ब्रजभाषा की कविताएं भी लिखीं।

कामाक्षिराव:—जन्म १६१८ कड़पा (मद्रास) अंग्रेजी, हिन्दी और तेलगू के जानकार, हिंदी-लेखक संघ मद्रास के उपसभापति क्रिश्चियन कालेज, मद्रास में हिंदी अध्यापक 'रायल हिंदी कहानियाँ' तेलगू कोष आदि के लेखक. पता:—ताम्बरम. मद्रास।

कामेश्वरनाथ:—'ब्रजभूमि' मथुरा और 'आकाशवाणी' लखनऊ का सम्पादन प्रकाशन किया. पत्रकार पता:—मथुरा।

कामेश्वर 'विद्रोही':—जन्म १६२४ व्य० साहित्य सेवा प्रिय विषय कविता विद्रोह–बिहार और 'उद्भावना' के लेखक. सौमेश्वर साहित्य परिषद् के मंत्री. पता:—रामनगर चम्पारन (बिहार)

कार्तिकेयचरण मुखोपाध्याय,:—जन्म १८६७ पत्रकारिता से विशेषरुचि, 'भारत मित्र' हलधर और 'विजय' आदि पत्रों के सम्पादक रहे; मुस्तफा कमालपाशा कृषि और कृषक आपकी लिखी हुई मुख्य पुस्तकें; बंगला से उल्था भी करते हैं; पता:—काली बाड़ी; छपरा बिहार।

कालिकाकुमार मुखोपाध्याय:—तीन विषयों में एम० ए०; समालोचनात्मक निबंधकार. पता:—भागलपुर।

कालीचरण शर्मा:— १६७१ विक्रमी. 'वीर का विराट आंदोलन' का सम्पादन (प्रथम भाग) द्वितीय खण्ड शीघ्र प्रकाशित हो रहा है। दैनिक 'हिंदू' और साप्ता० 'हिंदू' के सम्पादक (अ० भा० हिं० म० स० के मदुराअधिवेशन के दिनों में) 'राजस्थान समाचार' दै० जयपुर का १६५० में सम्पादन। भारतीय संस्कृति समर्थक पत्र

पत्रिकाओं में सामयिक लेख प्रकाशित हुए हैं। आलोचक. पत्रकार और लेखक पता:—भुसारा मार्ग. पो० खामगाँव (बरार मध्यप्रदेश)

कालिदास कपूर:—एम० ए० एल० टी०. अँग्रेजी 'एजूकेशन' मासि० के भूत० सम्पादक. 'हिन्दी सेवी संसार' के प्रथम संस्क० के सम्पादक सञ्चालक. शिक्षा शास्त्री भूत० सभापति यू० पी० सैकिण्डरी एजु० एसोसिएशन. भारतीय इतिहास की रूपरेखा. हिंदी सार संग्रह कश्मीर. मानव इतिहास की झलक आदि पुस्तकों के प्रणेता. अध्यापन वृत्ति. पता:—कपूर कुटी. चौक. लखनऊ।

कालीराम शर्मा:—१६१६ से दक्षिण में हिन्दी के प्रचारक. रायपुर में जन्म. विविध विषयों पर लिखा है. अध्यापक. पता:—जैन हाईस्कूल. मद्रास।

काशीदत्त पाण्डेय:—हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सदैव सहाय्य प्रदान किया, हि० सा० सम्मे० प्रयाग की प्रचलित परीक्षाओं के रजिष्ट्रार भी रहे, विभिन्न विषयों पर लिखते हैं। क्रास्थवैट-रोड प्रयाग।

काशीनाथ त्रिवेदी:—जन्म १६०६ शिक्षा उज्जैन और इंदौर में, 'त्याग-भूमि' 'हिंदी-नवजीवन' 'हिंदी-शिक्षण-पत्रिका' और 'हरि-जन-सेवक' के भूतपूर्व सहकारी सम्पादक शिक्षा मंत्री, गांधीवादी नेता दिवा स्वप्न, महाव्रत, रचनात्मक कार्यक्रम आदि के लेखक। पता:—२७, बियाबानी, इन्दौर

काशीनाथराय शर्मा:—ज०-१६०१, सुहुवल ग्राम (गाजीपुर) साहित्य-रत्न, प्रयाग विश्वविद्यालय से एम० ए० एल० एल० बी० जजी (गाजीपुर) में क्लर्क, आप ही प्रांत भर में इस विभाग में इतने योग्य व्यक्ति हैं। 'जीवन-संग्राम' आपकी राजनीति विषयक प्रकाशित पुस्तक है, निबंध भी लिखे हैं। पता:-क्लर्क, जजी गाजीपुर।

काशीराम शास्त्री 'पथिक':—ज०-४ अप्रेल १६२१, चौपड़ाकोट पोखरी ग्राम (गढ़वाल) प्रभाकर और 'साहित्य-रत्न और शास्त्री' वीर-भारत और मुक्तिगान (कविता संग्रह) तथा अछूतोद्धार नामक नाटक लिखा है। पता:—प्रिंपसिल दून महा विद्यालय, ककनाट-पैलेस, देहरादून।

कासिम अली सैयद:—उर्दू, फारसी, अरबी और अँग्रेजी आदि भाषाओं की जानकारी। अनेक पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन, अनुवादक, नाटककार, कवि, लेखक और पत्रकार। संयो-

गिता (नाटक) नूरजहां (प्रह०) और राष्ट्रीय-दर्पण (पद्य) आदि पुस्तकों का सृजन किया है। पताः—पत्रकार, नरसिंहपुर, मध्य-भारत।

किशनलाल कुसुमाकरः—ज० १६१२, फिरोजाबाद के निकट ढोलपुरा ग्राम, साहित्य-रत्न और सिद्धान्त-शास्त्री, चिता की चिनगारी, भयंकर-भूत, ग्राम्य-गीताञ्जलि, नवबाला आदि पुस्तकों के प्रणेता, आर्य-समाज का प्रचार कार्य अध्यापन-वृत्ति। पताः—दयानंद हा० सै० स्कूल, फिरोजाबाद घर का पताः—ढोलपुरा ग्राम, पो० फिरोजाबाद (आगरा)

किशोरीदास वाजपेयीः—विशारद और शास्त्री (पं० वि० वि०) आगरा से प्रकाशित "मराल" के सम्पादक रहे, हिंदी के प्रतिष्ठित सुलेखक, सन् ४२ के आंदोलन में सक्रिय भाग लिया, आपकी प्रकाशित कृतियों में 'द्वापर की राज्यक्रांति' लेखन-कला, ब्रजभाषा का व्याकरण आदि प्रसिद्ध हैं। हिंदी के उत्कृष्ट पत्रों के लिए सदैव लिखते रहते हैं, तपस्वी साहित्यकार। पताः—कनखल हरिद्वार।

किशोरीरमण टण्डनः—ज० नवम्बर १६१४, कानपुर में शिक्षा प्राप्त की, हि० सा० स० प्रयाग की स्था० स० के सदस्य कई साहित्यिक संस्थाओं के मान्य कार्यकर्त्ता, पत्रकार लेखक और प्रत्र-प्रतिनिधि, जीवन-संदेश और बटोही आदि पुस्तकें लिखी हैं। पताः—शारदा भवन, ३ सरदारपुरा जोधपुर।

किशोरीलाल गुप्तः—बी० ए० (आनर्स) हिंदी और अङ्गरेजी में एम० ए० एवं बी० टी०, समीक्षक, कुशल अनुवादक और नाटककार प्रतिशोध (नाटक) प्रसाद साहित्य का विकासात्मक अध्ययन (आलो) आदि पुस्तकें लिखी हैं, अध्यापन वृत्ति। पताः—हिंदी विभाग, शिबली कालेज, आजमगढ़।

किशोरीलाल गुप्तः—ज० १८६३, गुजराती, मराठी, और हिंदी की जानकारी, प्राचीन पुस्तकों का शोध और संग्रह, काव्य-वाटिका विरहिनी-विलाप, आदि उल्लेखनीय पुस्तकें लिखी हैं। पताः—हिंदी साहित्य कुटीर, मेलखेड़ा, मालवा।

किशोरीलाल त्रिवेदी 'कुसुम':—ज० १६०७, गुजराती मराठी, संस्कृत हिंदी की जानकारी, 'अ० भा० ग्रा० पुस्तकालय योजना' का सम्पादन, लेखक और कवि। पताः—बड़वाहा, होल्कर राज्य

किशोरीशरण लिटोरिया किशोर:—ज० १ जून १९१२ दतिया, पत्नी मिथलेश्वरी देवी 'विशारद' 'लोकेन्द्र' की सम्पा०, साहित्यरत्न प्रका० 'मेरी रानी' स्वर्णकण, मेरा स्वप्न, जसवन्त-जस, भू० सहायक अध्यापक गवर्न० माडल स्कूल। पता:—मुख्य अध्यापक, कैंट व्यायज स्कूल, सदर बाजार, झांसी।

कुञ्ज बिहारीलाल शुक्ल:—जागरूप हिंदी-सेवी, विद्वत-परिषद अजमेर द्वारा मानपत्र प्राप्त तथा अन्य शिक्षा और साहित्य सम्बन्धी संस्थाओं के मान्य सदस्य। पता:—मांजी मन्दिर, राजस्थान भवन स्वामीघाट, मथुरा।

कुञ्जीलाल मदनमोहन पंचौली:—ज० १९११ होल्कर स्टेट के नेमावर जिले में, साहित्य रत्न (कृषि) पानी गांव में अध्यापक 'गोपालन' 'फसलों का रोटेशन' 'मुकदमेबाजी' शीर्षक लेख लिखे हैं 'कन्नौद' में सम्मेलन का परीक्षा केन्द्र स्थापित कराया, आजकल-रूरल असिस्टेण्ट। पता:—सीवड़या, ग्वाले गांव, होल्कर स्टेट।

कुमार साहु:—ज०-१९२७, कई साहित्यक संस्थाओं के सदस्य 'सुरुचि' प्रेस के सञ्चालक 'नवप्रभात' साप्ताहिक का सम्पा० नीली छाया और खण्डित चट्टान प्रकाशित पुस्तकें हैं। १८ पता:—बिजली-नगर, नागपुर।

कुमार शैव्य:—शास्त्री पास, प्रांतीय सा० परि० अलीगढ़ के भू० मन्त्री, दै० 'हिन्दु-सन्देश' जोधपुर के भू० प्र० सम्पा०। पता:—सम्पादक 'हिन्दू-राष्ट्र' दैनिक जोधपुर (राजस्थान)

कुमुद विद्यालङ्कार:—ज० १९१४, मुंगेर, कवि और पत्रकार नवसंदेश और नौनिहाल के भू० सम्पा० संगम-निर्माण आपकी प्रसिद्ध कविता पुस्तक है। पता:—'इन्दौर-समाचार' दैनिक, इन्दौर।

कुलदीप:—आगरा के तरुण प्रगतिशील कवि और पत्रकार 'हमराही' साप्ताहिक के भू० सम्पादक, "युवक" मासिक, आगरा के सम्पादक मण्डल के सदस्य, शिक्षा—एम० ए० आगरा विश्वविद्यालय, अ० भा० ब्रज साहित्य मण्डल, हाथरस अधिवेशन के कवि-सम्मेलन के अध्यक्ष, सेण्ट जान्स कालेज, आगरा में प्रोफेसर।

कुलमणिसिंह:—'जुलाई १९१७ धामपुर में जन्म १९४२ के रा० आ० में सक्रिय भाग, समाजवादी, पत्रकार। पता:—'सोशलिस्ट' साप्ताहिक, धामपुर।

कुल्लन गुरू:—जन्म-स्थान हाथरस, हास्यरस के सुकवि प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र दिल्ली में अध्यापकी, घुमक्कड़ी, कविताएं स्फुट।
स्थायी पता:—दिल्ली वाला मौहल्ला, हाथरस (उत्तर-प्रदेश)

कृपानाथ मिश्र:—बिहार के लेखक, कवि और पत्रकार, शिक्षा एम० ए० 'रोशनी' का सम्पादन, हिन्दुस्तानी कहानियाँ कविता कौमदी आदि पुस्तकों की रचना की है। पताः-साइन्स कालेज पटना।

कृपाशङ्कर अवस्थी:—बिहार की विभिन्न साहित्यक परिषदों के सक्रिय कार्यकर्त्ता, विभिन्न विषयों पर लिखा है। पता—विज्ञान औषधालय, मुंगेर।

कृपाशङ्कर शुक्ल:—जन्म १६१८, प्रयाग विश्व विद्यालय से एम० ए० किया, लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्यापक। पता—१६ हुसैन-गंज लखनऊ।

कृपा कुमारी चतुर्वेदी:—ज० १६३३, फिरोजाबाद विशारद साहित्यक रुचि, प्रसिद्ध लेखक और पत्रकार श्री बनारसीदास जी चतुर्वेदी चाचा। पता:—हनुमान ग्लास वर्क्स फिरोजाबाद।

कृष्णचन्द्र:—प्रेम महा विद्यालय की स्थापना में सहयोग, वृन्दाबन नगर पालिका के अध्यक्ष रहे, बी० एस० सी० तक शिक्षा, उत्तर-प्रदेशीय असेम्बली के सदस्य, विभिन्न विषयों पर लिखा है।
पताः—२३, मदनमोहन फेरा वृन्दावन

कृष्णचन्द्र:—बसीरा मुजफ्फरगढ़ (पञ्जाब) में जन्म, गुरुकुल काँगड़ी में शिक्षा प्राप्त की, 'दैनिक अर्जुन" और साप्ताहिक अर्जुन के क्रमशः संयुक्त और प्रधान सम्पादक, राजनीति और इतिहास पर खूब लिखते हैं, प्रकाशित पुस्तकों में चीन की स्वाधीनता और काँग्रेस का इतिहास अधिक प्रसिद्ध हैं। पता:—१६ जैना बिल्डिंग, रोशनारा रोड, देहली।

कृष्णचन्द्र शर्मा चन्द्र:—आगरा में शिक्षा पाई, अँग्रेजी, उर्दू फारसी और हिंदी की जानकारी, मदशाला, मरीचिका और प्रतिच्छाया कविता पुस्तकें हैं, कवि और अध्यापक। पता:—डी० ए० वी०' हाईस्कूल, मेरठ।

कृष्ण गोपाल श्री वास्तव:—जन्म १६२५, सा० र० प्रभाकर, आयुर्वेदाचार्य, राष्ट्रभाषा विद्यालय के सञ्चालक और अनेक साहित्यक और शिक्षा सम्बन्धी संस्थाओं के सक्रिय सदस्य, रचनाएँ

साहित्यक निबन्ध। पताः—शांती कुटीर, लोहाबाजार भोपाल।

कृष्ण गोपाल अभ्यंकरः—सङ्गीत में विशेष रुचि।

पताः—म्युजिक शिक्षक. सातारा।

कृष्णदत्त पालीवालः—ज० १८६४ तनौरा. आगरा. शिक्षा एम. ए. और सर्वप्रथम साहित्यरत्न (सम्मे० प्रयाग) आगरा जिला कॉ० क० के सभापति. प्रा० कॉ० क० मन्त्री तथा सभापति. अ. भा. कॉ० कमेटी के प्रमुख और मान्य सदस्य. १६३५ में एम. एल. ए. (केन्द्रीय) प्रा० रेलवे-यूनियन. प्रा० पोस्टमैन कांफ्रेंस के सभापति. साहित्यक-नागरी प्र० स० आगरा के सभापति. 'पालीवाल'. ब्रह्मोदय. प्रताप. प्रभा और सैनिक के सम्पादक. अर्थ मन्त्री उत्तर प्रदेश. एम० एल० सी० सुवक्ता. लेखक. पत्रकार और राजनीतिज्ञ. पुस्तकों में सेवामार्ग. अमरपुरी. दीन भारत. साम्यवाद आदि प्रसिद्ध हैं एम० पी० के चुनाव में स्वतन्त्र उम्मीदवार की हैसियत से असफल। पताः—३. विजयनगर कोलोनी. आगरा।

कृष्णदत्त भारद्वाजः—जन्म १६०८. एम. ए. वेदान्ताचार्य. साहित्यरत्न. पुराणाचार्य. शास्त्री भूत० सम्पादक गौड ब्राह्मण, मानवधर्म (विशे.) अनेक शिक्षा संस्थाओं में कार्य लेखक-पांचजन्य (कवि.) ब्रह्म सूत्र का श्री वत्सभाष्य आदि. पताः—६ मोडर्न स्कूल. नई दिल्ली।

कृष्णदेव उपाध्यायः—जन्म १६१०. एम. ए. सा. र. शास्त्री भोजपुरी ग्राम गीत के रचियिता. सम्पादन और संकलनकर्त्ता. पताः—असिस्टेंट रजिष्ट्रार. गवर्नमेण्ट संस्कृत विद्यालय काशी।

कृष्णदेव प्रसादः—'बेढब' बनारसी के नाम से अधिक प्रसिद्ध विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के पदाधिकारी, और हास्यरस की कविताओं के प्रसिद्ध कवि अभी हाल ही में 'करेला" साप्ता० के प्रधान सम्पादक नियुक्त हुए हैं, हि० सा० स० प्रयाग के दो वर्ष तक मन्त्री रहे, बेढब जी की बहक, बनारसी इक्का, साहित्य-संयम आदि के प्रणेता, पताः—आचार्य, डी० ए० वी० कालेज, बनारस।

कृष्णनारायणलालः—जन्म-१६१५, एम० ए०, सा० र०, 'पन्त' कवि के सम्पर्क में साहित्य-सेवा और ग्राम-गीतों का संकलन, पताः—हिन्दी अध्यापक, केशरवानी हाईस्कूल, प्रयाग

कृष्णपद भट्टाचार्यः—'हिन्दी' विश्वकोष और इन्साइक्लोपीडिया के ख्याति प्राप्त, सम्पादक, झांसी आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय की मुख पत्रिका का सम्पादन करते है।
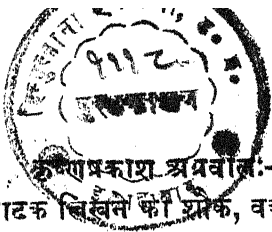
कृष्णप्रकाश अग्रवाल:—कविता, कहानी, निबंध और एकांकी नाटक लिखने का शौक, वकील, पताः—बांस की मण्डी, मुरादाबाद

कृष्णवल्लभ द्विवेदीः—शिक्षा-इन्दौर और प्रयाग, भू० सह० सम्पा० 'अभ्युदय', साप्ता०, 'हिन्दी विश्व-भारती' के जन्म दाता (१६३६) और सम्पा०, ' हिन्दी विश्व-भारती'' ने आपकी कीर्ति को देश देशान्तर तक फैला दिया है पता— चारबाग, लखनऊ

कृष्णवल्लभ सहायः—गांधीवादी विचार धारा के लेखक, 'छोटा नागपुर-संवाद' के सम्पादक, बिहार के पर्लियामेन्टरी सेक्रेटरी भी रहे, पता—हजारीबाग, छोटा नागपुर,

कृष्णबिहारी 'मिश्र':—शिक्षा-बी० ए० एल०, एल० एल० बी०. 'माधुरी' (मा०) 'आज' (दै०) और ''साहित्य-समालोचक'' (द्वै० मा०) के सम्पादक रहे. द्विवेदी युग के लेखक. सम्पादित पुस्तकों में-गंगा भरण और नवरसतरंग तथा लिखित पुस्तकों में-देव और बिहारी उल्लेखनीय. पता—सिधौली. सीतापुर

कृष्णलाल शर्मा 'अवधेश' जन्म विजयादशमी. १६०७. बुनियादी शिक्षा. बालुकाराम पुस्तकालय के प्र० मंत्री बा० प्र० स० के संस्थापक. रचनाएं-स्फुट पता—भगवानपुर रत्ती. पो० बालुकाराम (मुजफ्फरपुर)

कृष्णलाल शरसोदे हंसः—ज्योति (मा०) के भू० सम्पा. समाज सुधार सम्बन्धी अनेक पुस्तकें लिखी। पता—अध्यापक-हिन्दी गुजराती हाई स्कूल अकोला (बरार)

कृष्णवंशसिंह बाघेलः—हिन्दी के अच्छे लेखक कई भ्रमण सम्बन्धी पुस्तकें अप्रकाशित। पता—भरतपुर, गोबिन्दगढ़. रीवां राज्य

कृष्णशंकर शुक्लः—शिक्षा एम० ए० अध्यापन वृत्ति आपकी आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास केशव की काव्यकला आदि पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। पता—शान्ति निवास गड़ेरिया मुहाल कानपुर।

कृष्णकुमारी नागः—एम-ए०. सा० र०. अध्यापन वृत्ति और स्फुट लेख लिखे हैं. पता:—१२० गोल बाजार. जबलपुर

कृष्णकुमारी सरीनः—गांधीवादी विचारधारा की लेखिका. स्त्रियों में शिक्षा-प्रसार और चर्खा आन्दोलन प्रार्थना और कर्मयोग प्रका० पुस्तकें, अध्यापन वृत्ति पता—लेक्चरर. महादेवी इण्टर कालेज देहरादून।

कृष्णस्वामी मुदीराज:—हैदराबाद में हिन्दी के प्रबल प्रचारक "चित्रमय हैदराबाद"—के सम्पादक पता—मै० डायरेक्टर. चन्द्रकान्त प्रेस हैदराबाद (द०)

कृष्णाचार्य शर्मा:—रामचरितमानस की टीका लिखी है व्याकरणाचार्य. सा० शा० पता—दयापुर. रघुनाथपुर सारन

कृष्णानन्द:—वर्षों तक का० ना० प्र० पत्रि० का सम्पा० पत्रकारिता के अनुभवी व्यक्ति। पता:—नागरी प्रचारिणी सभा काशी।

कृष्णानन्द गुप्त:—बुन्देलखण्ड के 'लोक-साहित्य' का वि० ज्ञान, 'लोकवार्त्ता' और संगम (प्रयाग) के सम्पादक रहे। 'प्रसाद जी के दो नाटक' 'स्वास्थ्य-संलाप' आदि प्रकाशित पुस्तकें हैं।

कृष्णानन्द 'पन्त':—शि० एम० ए० शास्त्री, एम. ओ. एल. हि. सा. स. मेरठ अधिवेशन की स्वा० स० के प्रधान, राष्ट्रभाषा परिषद हिन्दी बोर्ड आफ स्टडीज के सदस्य. कई पुस्तकों का सम्पा०।

पता:—हिन्दी विभागाध्यक्ष, मेरठ कालेज. मेरठ।

के० एस० चिदम्बरम् 'भारद्वाज':—संस्कृत'. हिन्दी, आंग्ल. तामिल और मलयलम् का ज्ञान तामिल और मदुरा में हिन्दी प्रचार कालिदास, भवभूति और महाकवि नजीर आदि स्फुट लेख, अध्यापन और साहित्य सेवा। पता:—विद्वान के० एस० चिदम्बरम् एम. ए० हिन्दी अध्यापक, सनातन धर्म कालेज, एलेप्पी (ट्रावनकोर)

के० गणपति भट्ट:—जन्म १९२०, मैसूर में हिन्दी प्रचारक, स्फुट लिखते हैं। पता—बँगलौर।

के० नारायणाचार्य:—कर्नाटक, मधुगिरि और मैसूर में हिन्दी प्रचारक, आलोचनात्मक लेख। पता—मधुगिरि, दक्षिण।

के० वासुदेवन पिल्ले:—त्रावणकोर के सर्वप्रथम सा० र०, दक्षिणी अहिन्दी प्रान्त में हिन्दी के प्रचारक. हिन्दी पाठावली और हिन्दी व्याकरण के रचनाकार. अध्यापन वृत्ति। पता—प्रधानाचार्य तपानूर हिन्दी महाविद्यालय. त्रावणकोर (दक्षिण)

के० भुजबली शास्त्री:—मद्रास के कन्नड़ जिले में जन्म' हिंदी सेवी. वीरवाणि' के सम्पा० अनेक प्राच्य जैन ग्रन्थों के उद्धारक।

पता—पस्तकालयाध्यक्ष. जैन सिद्धांत भवन आरा बिहार।

के० भास्करन् नायर:—दक्षिण भारत के हिंदी समर्थक प्रचारक एम. ए. दसहीरे सुदामा चरित्र आदि के लेखक। पता—अध्यक्ष. हिंदी-विभाग ट्रावनकोर विश्वविद्यालय (ट्रावनकोर)

केदारनाथ गुप्त:—जन्म-१८९३ बाँदा जिलान्तर्गत राजापुर ग्राम स्वास्थ्य सम्बन्धी अनेक पुस्तकें लिखीं जिनमें सौ वर्ष कैसे जियें, प्राकृतिक चिकित्सा, आदर्श भोजन आदि प्रसिद्ध हैं, अध्यापन वृत्ति, पता—प्रधानाचार्य, अग्र० विद्या० इण्टर कालेज, प्रयाग

केदारनाथ गुप्तः—शिक्षा-बी० ए०, एल० एल० बी० सा०-र०, सम्मे० परीक्षा समिति के सदस्य, त्रिवेणी संस्कृत पाठशाला के सं, छात्र पुस्तकालय के पदाधिकारी, 'केसरवानी संसार', 'उद्योग' आदि के सम्पा० कमर्शियल कारपोरेशन के संस्था० प्रकाशित पुस्तकों में 'प्रिय-प्रवास' की आलोचना, "प्रेम की पीर" विश्व विचित्रता प्रसिद्ध हैं, पता—दारागंज, प्रयाग

केदारनाथ वर्माः—पहिले अध्यापकी की, १९४९ से पंचायतराज इन्सपेक्टर, रच० स्फुट, पता:—६०२ मुट्ठीगंज, प्रयाग

केदारनाथ 'भट्ट'—आगरा से प्रकाशित 'नोंक-झोंक' के भूतपूर्व सम्पादक' 'हास्य-रस' के लेखक, मानस-कोश और आधुनिक कोश प्रकाशित, पता—बाग मुज़फ्फर खाँ, आगरा

केदारनाथ मिश्र 'प्रभात':—जन्म १९०७ आरा (बिहार) एम० ए० साहित्याचार्य, कई साहित्यिक सभाओं के सभापति और संस्थाओं के पदाधिकारी रहे, प्रकाशित रचनाएं कलेजे के टुकड़े (पद्य) ज्वाला (कवि०) 'कैकेयी (महाकाव्य) चिरस्पर्श आदि, डिप्टी० सु० पुलिस पता—२ हार्डिङ्ग रोड—(कदमकुआं) पटना

केदारनाथ त्रिपाठीः—शिक्षा—'आचार्य' ब० ग० सं० कालेज, 'बसुन्धरा' के भू० सम्पा० धर्म और स्त्री समाज विषयक लिखा है, पता—विद्या मंदिरम्, गोला, गोरखपुर

केसरीमल अग्रवाल:—'साहित्य-भूषण', जन्म-१८९०, साहित्य, अर्थशास्त्र और पर्य्यटन से प्रेम, सारे भारत की चतुर्दिश यात्रा की, विभिन्न यात्रा लेख, पता—रत्नशाल भवन, बड़वाहा (मध्य भारत)

केशरी किशोर शरणः—पटना वि० वि० सिनेट के सदस्य, प्रगतिशील लेखक संघ मुंगेर के सभापति, आपका मरीचिका (उपन्यास) प्रकाशित हो चुका है, पता—प्रधानाचार्य, डी० जे० कालेज, मुंगेर

केशरी कुमारः—बिहार के कवि, कहानीकार और समीक्षक, शिक्षा-एम० ए०, त्रिवेणी (कवि) दिवारात (कहा०) साहित्य और समीक्षा, पंत और उनका गुंजन आदि प्रकाशित रचनाएं, अध्यापन १० वर्ष तक पटना कालेज में, पता—हिन्दी-विभाग, रांची कालेज, रांची

केशरी प्रसाद सिंह—सफल आलोचक, शिक्षा-एम० ए० पताः—हिन्दी विभाग, रांची कालेज रांची,

केशरीनारायण शुक्लः—शिक्षा-एम० ए०, डी० लिट् हि० वि० वि० काशी 'किजंल्क के भूत० सम्पा०, आधुनिक काव्यधारा, आधुनिक काव्यधारा का सांस्कृतिक स्रोत'' आदि के लेखक, 'प्रथम ग्रन्थ पर डी० लिट और द्वितीय पर उ० प्र० सरकार द्वारा पुरुस्कार' पता—रीडर, हिन्दी-विभाग, लखनऊ वि० वि० लखनऊ

केशवदेव मिश्र 'कमल':—जन्म १६२३, पटा जिला १६४२ के आन्दोलन में जेलयात्रा, 'जीवन-साहित्य' (गांधीवादी मा० पत्रिका) और 'संग्राम' के भू० सम्पा० स्फुट लिखा है, पता—'लोकवाणी' कार्यालय, जयपुर

केशवप्रसाद पाठकः—शिक्षा एम० ए०, 'उद्योग-मंदिर' प्रकाशन संस्था खोली, रुबाइयात उमर खैयाम का पद्यात्मक अनुवाद किया और कई कविता-संग्रह लिखे। पता—केशवकुटीर, मालदारपुरा जबलपुर

केशवलाल झा 'अमल':—जन्म-१८६२, काव्य प्रबोध, ललित मालती प्रलाप आदि के लेखक। पता—सोन्हौली, मुंगेर (बिहार)

केशवानन्द स्वामी:—ग्रामोत्थान विद्यापीठ संगरिया, साहित्य सदन, अबोहर आदि के संस्थापक, लगभग १४ पुस्तकों का सम्पादन-प्रकाशन, पता—संगरिया, बीकानेर

कैलाशचन्द्र चतुर्वेदीः—शिक्षा-सा० र०, 'हिन्दी साहित्य-रश्मि' का सम्पा०, अध्यापन वृत्ति, पता—हिन्दी अध्यापक, उमटिया, वाया सिहोरा, जबलपुर

श्रीकैलाशचन्द्र भाटियाः—जन्म तिथि तथा स्थान-२-२-१६२७ मथुराव्रज। साहित्यिक सेवायें-आजीवन सदस्य हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग। लेख व समालोचनाएं लिखी हैं। वर्तमान प्रगति—बी० ए० सी० टी० साहित्यरत्न अध्योपक चम्पा अग्रवाल इएटर कालेज

मथुरा। हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास (प्रकाशित) प्रकाशक लोकसाहित्य प्रेस घीया मन्डी मथुरा। समाज सेवा-स्काऊट मास्टर मथुरा पता--गली हाथी महोली की पौर मथुरा

कैलाशनाथ भटनागरः—शिक्षा-एम० ए० पी० एच० डी०, पंजाब की अनेक हिन्दी-प्रचारिणी सभाओं के सहयोगी और सहायक, प्रकाशित रचनाएं नाटक-निकुञ्ज, श्रीवत्स, गल्प-विनोद नाट्य कथा मंजरी (सम्पा०) आदि अनेक स्वतंत्र और सम्पादित पुस्तकें। पता—भारतीय गौरवग्रन्थमाला कार्यालय हजरतगंज लखनऊ

कोवलेमाडभूषि कृष्णमाचारीः—जन्म २४ मई १८६२, कांचीपुरी मद्रास, हिन्दी के सच्चे प्रेमी और सेवक, द० भा० हिन्दी सभा के स० प्रचारक, हिन्दी कुटीर नामक पाठशाला की स्थापना बैंकटाचल-वैभव' तामिल का हिन्दी अनुवाद प्रकाशित, पताः—दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, त्यागराय नगर, मद्रास

कोसराजुवेंकटेश्वरराव चौधरीः—हि० वि० देवघर की परीक्षाओं के आन्ध्र में केन्द्र व्यवस्थापक, द० भा० हि० प्र० स० के प्रचारक १६४७ से विश्व भारती कलावनम्' के प्रधान मन्त्री। आपके कई नाटक प्रकाशन पथ पर हैं। पताः—पेंदुलूर, वाया एलूरु, पश्चिम गोदावरी, आन्ध्रप्रान्त।

कौशल्या रानी 'अश्क':—उपेन्द्रनाथ 'अश्क' की पत्नी हिन्दी की सुप्रसिद्ध कहानी लेखिका। पताः—प्रीतनगर, अमृतसर

खड्गसिंह गोप 'हिमकर':—जन्म १६२१, जीवन की झांकी, आंसू के घूँट आदि के रचियिता, पता--हिंदी टीचर, हरनौत हाई इंगलिश स्कूल, पटना।

खुशालचंद खुरशंदः—सञ्चालक सम्पादक 'मिलाप' 'अमृतपान' इत्यादि पुस्तकों के प्रणेता, पताः—दिल्ली।

खुशीराम शर्मा 'वशिष्ठ' जन्मः—विजयदशमी १६७३ वि०, शिक्षा एम. ए. बी. टी., सा० लं० कवि रत्न, साहित्य साधना में संलग्न कवि, 'प्रेमोपहार' बुद्धचरित, मीरा, गुरु नानक गुरु गोबिन्दसिंह, रण निमन्त्रण (काव्य पुस्तकें) हि० सा० सम्मे० अबोहर अधिवेशन के विशेष सहायक, हिंदी 'विश्वहितैषी' दिल्ली के भी प्रधान सम्पादक रहे। अनेक सा० संस्था के प्रधान अथवा मान्य सदस्य। पताः—गवर्नमेण्ट हाईस्कूल, जैतो, (पटियाला संघ)

खेदहरण शर्मा 'प्राणेश':—सा० र० शास्त्री, काव्यालंकार, भू० सम्पादक 'गृहस्थ' (पा०) गोशुभ-चिन्तक 'प्रतिभा' (मा०) कई कविता पुस्तकों के प्रणेता, पताः—साहित्याश्रम, गया।

खेमसिंह 'नागर':—आयु लगभग ५२ वर्ष जन्म-नगला पदम (अलीगढ़) व्रजभाषा के सर्वाधिक लोकप्रिय गीतकार, व्रजभाषा के पुराने और मजे हुए कवि, किसान; दसगुने की बारहमासी, नये गीत, 'जनता के गीत' और अन्य अनेक कविता संग्रह बम्बई सा० सम्मेलन के अवसर पर अ० भा० जन कवि सम्मेलन के सभापति, प्रगतिशील-लेखक संघ के इलाहाबाद अधिवेशन पर अ० भा० ग्राम कवि सम्मेलन के सदस्य, उत्तर प्रदेशीय प्रगतिशील लेखक संघ की कार्य कारिणी के सदस्य और कम्यूनिष्ट कार्य कर्त्ता, पता:—C/o जिला किसान-सभा, अलीगढ़।

गंगादयाल 'त्रिवेदी':—जन्म १६७० वि० 'कन्नौज समाचार' 'हलचल' सा्ता० और 'सावधान' साप्ता० का सम्पादन, श्रमिक किसान सेवा, हास्यरस और स्फुट निबन्ध संग्रह, पताः—सम्पादक 'सावधान' कन्नौज।

गंगाधर इंदूरकर:—शिक्षा सा० रत्न, सा० शास्त्री हिन्दी विश्व-विद्यालय पंचाङ्ग के लेखक हस्त लिखित 'संघ मित्र' का सम्पादन किया, पता:—३५ शिवचरनलाल रोड, प्रयाग।

गंगानन्दसिंह 'कुमार':—जन्म १८६८, शिक्षा एम. ए. कई देशी विदेशी शिक्षा संस्थाओं के सदस्य, राजनीति में दिलचस्पी, भू० एम० एल० सी०:-विभिन्न विषयों पर लिखा है, पताः—श्री नगराधीश, पूर्णिया, बिहार अथवा सचिव सदन, दरभंगा।

गंगापतिसिंह:—कलकत्ता वि० वि में भूत० हिंदी और मैथिली के अध्यापक, ग्रियर्सन साहब की जीवनी, पुराणों में वैज्ञानिक बातें आदि के प्रणेता, पता:—पचही, दरभंगा।

गंगाप्रसाद उपाध्याय:—जन्म १८८१ नदरई (एटा) एम. ए. (अंग्रेजी-दर्शन) आर्यसमाज को अपनी जीवन-पर्यन्त सेवाएं अर्पित कीं, सम्मेलन द्वारा आस्तिकवाद पर मंगलाप्रसाद पारितोषिक प्राप्त, हिंदी भाषा का नवीन व्याकरण, अँग्रेज जाति का इतिहास, केशवचन्द्र सेन, हम क्या खाएं घास या माँस और जन्म पद आदि ग्रंथों के रचनाकार, पताः—कलाप्रेस, प्रयाग।

गंगाप्रसाद पाण्डेयः—काव्य छलना, छायावाद रहस्यवाद और नीर-क्षीर आदि पुस्तकों के ख्यातिनाम लेखक, कवि और समीक्षक पताः—कोठी स्टेट, मध्यभारत।

गंगाप्रसाद मिश्रः—जन्म १९१७, शिक्षा सा० र० बी. ए. (ऑनर्स) एम. ए., संघर्षों के बीच, नया खून, आदर्श और यथार्थ, नई राहें (उप०) आदि के प्रसिद्ध लेखक। अध्यापन वृत्ति, पताः—जुबिली इण्टर कालेज, लखनऊ।

गंगाप्रसादसिंह अखौरीः—जन्म १९०१ कई पत्रों में सहायक सम्पादकी की, ना० प्र० स० के सभासद रहे, हिंदी के मुसलमान कवि, देवदास आदि प्रसिद्ध रचनाएं हैं, पताः—'भारत जीवन' कार्यालय, 'काशी'।

गंगाविष्णु 'पाण्डेय' विष्णुः—शास्त्री, वेदतीर्थ, प्रकाशित रचनाएं कृष्ण चरित आदर्श मित्र इत्यादि, कविता भी लिखी हैं अध्यापन, पताः—अध्यापक, हितकारिणी संस्कृत पाठशाला इटौंजा (लखनऊ)।

गंगाविष्णुः—शास्त्री, धर्म भूषण, कई धार्मिक पुस्तकों और निबन्धों के लेखक प्रसिद्ध महोपदेशक, पताः—बिहटा, बिहार।

गंगाशरण शर्मा 'शील':—एम. ए. (हि० स०) हि० प्र० सभा और भारती भवन हि० सा० परि० की स्थापना, प्रकाशित रचनाएं प्रेमकुमार, मानस पंच रत्न आदि, पताः—अध्यक्ष, हिंदी संस्कृत विभाग, एस. एम. कालेज, चन्दौसी।

गंगाशरणसिंहः—पत्रकार और लेखक, 'युवक' के संचा-सम्पा० प्रका० रचनाएं साहित्य प्रवाह और पद्य प्रवाह आदि पताः—खरगपुर, बिहार।

गजराजसिंह गौतमः—स्फुट निबन्ध लेखादि एम. ए. एल. एल. बी. 'ईश्वर दर्शन' के लेखक पताः—वकील, होशंगाबाद।

गजाधर सोमानीः—भूत० सम्पा० 'भारत मित्र', सत्यनारायण पुस्त० के संस्था० रचनाएं स्फुट, पताः—श्री निवास काटन मिल बम्बई।

गणपतिचन्द्र 'भण्डारी':—जन्म जोधपुर १९७० 'मारवाड़ जैन युवक संघ' के कई बार सभापति और साहित्य सदन (१९४९) के प्रमुख संचालक, प्रिय विषय रचना, हास्य, अभिनय, मौलिक प्रकाशित रचनाएं-हिंदी भाषा ज्ञान प्रकाश, नाट्य कथा कुञ्ज, जनमेजय का नाग यज्ञ, एक अध्ययन पंचाग्नि (५ एकांकी)

सम्पादन, बालोपयोगी पुस्तकों का, अनुवाद-आयकर प्रबोध, हिंदी लैक्चरार महाराजकुमार कालेज, पताः--सरदारपुरा, तीसरी सड़क, जोधपुर।

गणपतिसिंह वर्माः--सम्पा० 'रसायन' दिल्ली, आयुर्वेद सम्बन्धी अनेक पुस्तकों के कुशल लेखक पता;--रसायन फार्मेसी, ५७१२।११ दरियागंज सं० ३ पो० बा० १२५, दिल्ली।

गणेशचन्द्र जोशीः--सम्पादन 'कल की दुनियाँ' (साप्ता०) 'जनमत' दैनिक भू० सम्पा० 'पुष्करराय ब्राह्मणोपकारक' मन्वन्तर दुर्गाबाबा आदि के लेखक, पताः--जालोरीगेट, जोधपुर।

गणेश चौबेः--दिसम्बर १९१२ (जन्म) भोजपुरी लोकगीतों, लोक कथाओं, पहेलियों, कहावतों और ग्राम्य शब्दों के संग्रह, दो दर्जन के लगभग 'भोजपुरी लोक गीतों' पर लेख लिखे हैं, बिहार रिसर्च सोसायटी, ना० प्र० स० काशी के सदस्य, बिहार सा० स० की स्थायी समिति के सदस्य, भारतेन्दु साहित्य संघ मोतिहारी के संस्थापक, साहित्य मण्डल के सदस्य. इस लोक साहित्य को १० भागों में प्रकाशित करने की योजना है, पताः--ग्राम बगरी, पो० पिपरा कोठी जि० चम्पारन (बिहार)

गणेशदत्त शर्मा 'इन्दु':—भू० सम्पा० बालमनोरंजक, 'हिन्दीसर्वस्व' 'गौड़-हितकारी, साप्ता० 'जीवन' मथुरा आदि आदि जानकारी अंग्रेजी, बंगला, संस्कृत, हिन्दी, गुरुमुखी, उर्दू, प्रकाशित रचनाएँ वैदिक-पताका, भीम चरित्र, भारत में दुर्भिक्ष, खादी का इतिहास आदि आदि, पता—शान्ति कुटीर आगर (मालवा)

गणेशदत्त सारस्वत 'गणेश':—जन्म १९१६, लखनऊ वि० वि० के बी० ए० के छात्र, लेख, कहानी कविताएँ, 'कुसुम' (कवि०) अप्रकाशित पता—माधव कवि-निवास, बिसवां, सीतापुर (अवध)

गणेश पाण्डेयः-- हि० सा० सम्मे० की स्थायी समिति के भू० सदस्य 'तरुण-भारत' के भू० सम्पा०, गाँधीवादी, चित्रादर्श, एकान्तवास आदि के लेखक, पता—दारागंज, प्रयाग

गणेशप्रसाद मिश्र 'श्री इन्दु':— जन्म १९११, गोरखपुर, कई पत्रों के सम्पादकीय विभाग में कार्य किया, प्रकाशित रचनाएँ समाधि गीत, विद्रोही आदि पता—सम्पादकीय विभाग, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा

गणेशरामचन्द्र सावडे:— शिक्षा-बी० ए० टी० डी० रचनाएं प्रासंगिक गौरव पद्य, मंगल विवाहोपनयन पद्यानि आदि, पता:— अध्यापक, पौपूलर इंग० स्कूल सतारा

गणेशप्रसाद शर्मा:—शिक्षा-सा० र०, एम० ए०, एल० एल० बी० हिन्दी प्रचार, अध्यापन, स्फुट रचनाएं, पता-अध्यापक, रामपुरिया हाईस्कूल, बीकानेर।

गणेशप्रसाद साहु:—बी० ए० (पटना वि० वि०) भूतपूर्व एम० एल० ए० बिहार प्रादेशिक सा० सभा के सभापति, भारतेन्दु सा० सं० के सभापति, कारावास भोगी स्फुट रचनाएं, पता:—मोतिहारी (बिहार)

गणेशलाल वर्मा:—शिक्षा सा० र०, सा० ल०, पूर्णिया में केन्द्र व्यवस्थापक-सम्मेलन, देवघर और अ० विद्या०, आलोचनात्मक लिखा है, पता—बनमनखी ग्राम पूर्णिया

गणेशलाल शर्मा:—'प्राणेश':—भारत के प्रमुख पत्रों के स्थानीय प्रतिनिधि,-सा० र०, एम० ए०, प्रकाशित रचनाएं देवीशबरी, गणेश प्रतिभा पता—आचार्य, डी० ए० बी० हायर सै० स्कूल, फीरोजाबाद (आगरा)

गणेशलाल सुराना:—अनेक साहित्यिक और सार्वजनिक संस्थाओं के सदस्य, मद्रास हि० ले० सं० के प्रधान-मंत्री, 'विकास' (हस्त०) के भू० सम्पा० 'बालतरंग' के वर्त्त० सम्पा०, स्फुट रचनाएं, पता:— हिन्दी लेखक संघ, ९७, मिंट स्ट्रीट, मद्रास

गंगाधर प्रसाद श्री वास्तव:—बी० ए०, विद्यालंकार, कांग्रेसी कार्यकर्त्ता रहे, हि० सा० परिषद गोगरी के संस्था०, प्रकाशित रचनाएं 'भोजपुरी भाषा का शब्द संग्रह "फ्रांस की क्रांति" भारतीय शासन,--संपादक "देश", पता--वकील, सीवान, सारन

गंगाप्रसाद पाण्डेय:—ज्योतिषाचार्य, "जयहिन्द" और "भारत" के सम्वाददाता, स्वतन्त्रता आन्दोलन में सक्रिय भाग, प्रकाशित रच० 'सत्यविजय पंचांग', सत्यधर्म- प्रकाशिका पता--बड़ा बाजार, हटा, दमोह

गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही':—'सुकवि' (मासि०) कानपुर के सम्पादक संस्थापक, हि० सा० स० भरतपुर अधिवेशन के अ० भा०

कवि सम्मे० के सभापति, प्रकाशित रचनाएं प्रेम पचीसी, कृषक क्रन्दन संजीवनी (काव्य-संग्रह) पता-- 'सुकवि' प्रेस, कानपुर

गयाप्रसाद त्रिपाठीः—जन्म १६१८, सा० र०, व्याकरण, साहित्य-शास्त्री, रचनाएं-ग्राम्यगीत, सिंहगढ़विजय, (अप्रका०) अध्ययन सम्पादन, पत्रार्थ हिन्दी संस्कृत लेख लिखना पता--श्री देवी-संपद महाविद्यालय, मुमुक्षु आश्रम शाहजहांपुर अथवा बेलासदा, भदैयाँ, सुलतानपुर (अवध)

गांगेयनरोत्तम शास्त्री:--विभिन्न साहित्यिक और शिक्षा सम्बन्धी परिषदों के सभापति, सक्रिय सदस्य अथवा संस्थापक, हि० सा० स० मद्रास अधि० के अ० भा० कवि सम्मे० के अध्यक्ष। प्रकाशित रचनाएं-प्रणयपूरण, 'नूतन निकुञ्ज' 'मालिनी-मंदिर' और अमन सभा-नाटक' 'आदि के लेखक, लगभग चालीस ग्रन्थ। पता---२८०, चितरंजन एन्वेन्यू, कलकत्ता

गिरिजाकुमार माथुर:--एम० ए०, एल० एल० बी०, रेडियो पर कविता पाठ, प्रयोगवादी कवि, बुन्देलखण्डीय कवि-परिषद के सम्मानित सदस्य, प्रसिद्ध कवि, पता---लश्कर, ग्वालियर,

गिरिजादत्तः—शिक्षा-एम० ए० (संस्कृत और हिन्दी) अध्यापन वृत्ति, रचनाएं 'अलंकार-चन्द्रोदय' और 'ध्वनि विमर्श' पताः-- अध्यक्ष, हिन्दी-संस्कृत विभाग, मुंशीसिंह कालेज, मोतिहारी

गिरिजादत्तशुक्ल "गिरीश":—बी० ए०, एल० एल० बी०, उ० प्र० हि० सा० सम्मे० के प्रधान-मन्त्री, अ० भा० हि० सा० स० के संग्रह-मन्त्री, प्रकाशित रचनाएं सूर पदावली, गुप्त जी की काव्यधारा, बहता पानी, नादिरा, विद्रोह, जुगनू (कवि) पंडा जी आदि आदि, पत्रकारिता और लेखन पता---दारागंज, प्रयाग

गिरिजाप्रसाद पाण्डेय 'कमल':--'नवभारत' नागपुर के सह० सम्पा० प्रकाशित रचनाएं माधवी कुञ्ज, पराग, स्वर लहरी आदि पता—नवभारत कार्यालय कॉटन मार्केट, नागपुर

गिरिजाशंकर पाण्डेयः--जून १६२५ (जन्म) शिक्षा बी० एस० सी०, "मासिक श्रीकृष्ण" तथा साप्ता० "विस्फोट" के स० सम्पा० आज कल "शान्तिदूत" तथा मासिक "सिनेपत्र छायालोक" का सम्पादन। रचनाएं प्रका० ग्रामणी (कवि०) उदयास्त (कहानी),

शारदा-सेवक:—
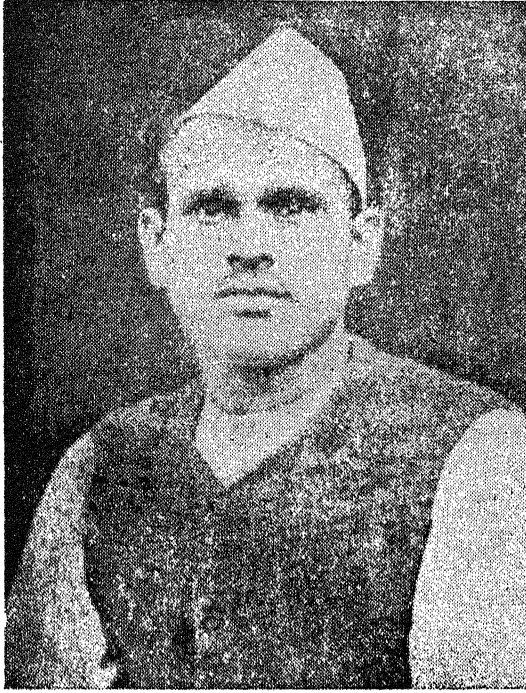
गुरूरामप्यारे अग्निहोत्री (परिचय पृष्ठ ४२)

श्री चलसानि सुब्बाराव (परिचय पृष्ठ ५४)

अप्रका० "ब्रज भाषा साहित्य में श्रङ्गार रस" पाषाणी (म० काव्य) आदि आदि पता—सम्पादक "शान्तिदूत (मासिक) अभिमन्यु पुस्तकालय, दश्वाश्वमेध, काशी

गिरिजाशंकर द्विवेदीः—'अभ्युदय' और 'सुधा' के भूत० सह सम्पा०, प्रकाशित रचनाएं भारत की जीवनी, सौमित्र, विवाह और प्रेम आदि, पता—जुबली गर्ल्स इण्टर कालेज, लखनऊ

गिरिजाशंकर शुक्ल 'मतवाला':—विक्रम हिं० सा० स० के मन्त्री, अध्यापन वृत्ति, प्रकाशित रचनाएं परदेशी की डायरी, धूल में लट्ठ, आदि, पताः—शिक्षक, माध्यमिक पाठशाला, जावद (मालवा)

गिरधर शर्मा चतुर्वेदीः—व्याकरणाचार्य, शास्त्री, महा० महो० विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय सहायक और पदाधिकारी रचनाएं धर्म पारिजात, महाकाव्य संग्रह आदि। वर्त्तमान आचार्य महाराजा संस्कृत कालेज, जयपुर। पता—पानों का दरीबा, जयपुर

गिरिधारीलाल वैश्य 'ब्रजेश':—शिक्षा बी० ए० एल० एल० बी० रचनाएं 'पौन-पूत पचासा', 'गौहरेयकता' एक जीवनी, वकालत, पता—रकाबगंज, फैजाबाद

गिरिधारीलाल शर्मा गर्गः—बी० ए० (आनर्स) रचनाएं विमान, कहानीकला, आकाश की सैर आदि, स्फुट लेख। पता-मिरचई गली पटना

गिर्राजकिशोर 'अशोक':—जन्म १६३३, 'साहित्य-परिषद' के संचालक और कलाकार परिषद' के सक्रिय सहयोगी, कवि, चित्रकार कला-अध्यापक, 'प्रवासिनी' (अप्र० काव्य) स्फुट रचनाएं। पता—पण्ड्या गली, हाथरस

गिरिवरधारीसिंह 'मधुर':—रचनाएं स्फुट कहानियां, शांता, परिणाम (उप०) पताः—शारदा-साहित्य-सदन, फुलकहां, हिरम्मा, मुजफ्फर पुर

गिरीन्द्रमोहन मिश्रः—रचनाएं बाणभट्ट, प्रेमसंस्कार, भूकम्प आदि, एम० ए०, एल० एल० बी०। पता—सहायक मैनेजर, दरभंगा राज्य

गीगड़ाराम वर्मा "चंचल":—भूत० सम्पा० "राजस्थान समाचार" और वर्त्त० सह० सम्पादक 'विशाल राजस्थान', हिन्दी की पत्र

पत्रिकाएं, गुटका हिन्दी शब्दकोष प्रकाशित कृतियां हैं, पता—श्रमजीवी संघ, मंडावा, जयपुर

गुणानन्द 'ज्वाल':— 'हिन्दी-सभा' के सक्रिय कार्य०। एम० ए० (संस्कृत-हिन्दी) आलोचनात्मक स्फुट निबन्ध, अध्यापन। पता:—अध्यापक, हिन्दी-विभाग, बरेली कालेज बरेली

'गुरुदयालसिंह 'प्रेमपुष्प'—प्रयाग, आगरा और कलकत्ता में शिक्षा पाई, आदर्श-युवक' मा० के सम्पादक रहे, प्रकाशित रचनाएं, प्रेमवीणा पुष्पाञ्जलि, सुधा आदि, पता—प्रधान-अध्यापक, विक्ट्री हाईस्कूल आजमगढ़ अथवा 'शारदा-सदन' रसड़ा, बलिया

गुरुप्रसाद उत्पल:—समाजवादी विचारधारा के परिपोषक, स्फुट कहानियां और लेख, पत्रकार। पता:—प्रकाशक और प्रबन्ध सम्पादक 'उजाला' साप्ता०, पटना-३

गुरुप्रकाश गुप्त 'मुकुल':—कहानीकार और लेखक, एम० ए० प्रका० रचना "नई कहानियाँ,' पता:—मुंसिफ सदर, बीकानेर

गुरुप्रसाद टण्डन:–राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन के सुपुत्र, सम्मेलन के मन्त्री, मं० प्र० पारितोषिक के निर्णायक, प्रकाशित रचनाएं ब्रजभाषा का साहित्य, मीराबाई का गीतिकाव्य, गुप्त जी का उन्मुक्त काव्य, पता:—अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, विक्टोरिया कालेज, ग्वालियर

गुरुप्रसाद पाण्डेय 'प्रभात':—सा० र०, बी० ए०, कवि सम्मेलनों की और साहित्य-गोष्ठियों की आयोजना द्वारा हिन्दी प्रचार, स्फुट कविताएं, लेख। पता—वकील, फैजाबाद

गुरुभक्तसिंह भक्त:—जन्म १८९९ साहित्य-रत्न बी.ए. एल. एल. बी, रचनाएँ–सरस सुमन, बनश्री, नूरजहाँ, विक्रमादित्य. कुसुम-कुञ्ज, आनरेरी सम्पादन "मानव-सेवक" संसार के विख्यात जनों की अमेरिका से प्रकाशित 'वर्ल्ड बायोग्राफी' में आपकी जीवनी भी है। पत:—सिविल लाइन्स, आजमगढ़।

गुरु रामप्यारे अग्निहोत्री:—जन्म-३ अगस्त १९१५, शिवेन्द्र पुस्तकालय (करी) हिन्दी साहित्य मण्डल, रीवां के संस्थापक, विन्ध्य प्रदेश इतिहास परिषद का संचा०, सम्पादन 'भाष्कर' साप्ता०

"पुलिस-गजट" रचनाएँ नेता गुलाब, बेंकट-बिनोद, कसौटा के बाघेलों का इतिहास आदि। पता:—गुरुकुञ्ज कुटीर, रीवां, उपरहटी (विन्ध्य-प्रदेश)।

गुर्ती सुब्रह्मण्यः—तेलगू, हिन्दी, अङ्गरेजी रचनाएं-हिन्दी साहित्य समीक्षा, आधुनिक काव्य आदि। पता—दारागञ्ज, प्रयाग

गुलाबचन्द काला:—रचनाएं-पंजाब में पाकिस्तानी गुण्डाशाही (जब्त) राजस्थानी परिचय ग्रन्थ, नेताजी, पत्रकार। पता:—प्रधान सम्पा० द० जयभूमि" जयपुर।

गुलाबचन्द गोयल 'प्रचण्ड':—ज० १६२०, एम. ए. एल. एल. बी. सा. र. सा.लं. नवयुग और 'नवयुवक' के भू० स० रचनाएं 'दीपिका' और स्फुट गद्य गीत। पता:—२६ यशवन्त रोड, इन्दौर।

गुलाबराय:—एम. ए. एल. एल बी. छतरपुर महाराज के यहाँ कुछ दिन दार्शनिक अध्ययन में सहायक रहे, अब सैण्ट जान्स कालेज आगरा में प्रोफेसर, अ. भा. ब्र. सा. मण्डल के एक प्रमुख पदाधिकारी. "साहित्य-सन्देश" आगरा के सम्पादक, सुप्रसिद्ध साहित्यकार, रचनाएं तर्क शास्त्र (तीन भाग) हिन्दी साहित्य का सुबोध इति०, हिंदी नाट्य-विमर्श प्रबन्ध प्रभाकर आदि २।
पता:—गोमती निवास. दिल्ली दरवाजा, आगरा।

गुलाबसिंह ठाकुर:—ज० १६१६ सा. र. श्री रुद्र संस्कृत पाठशाला, महेन्द्र कन्या पाठशाला का संचालन. श्री गां. स्मा. जू० हा० कूल के प्रधान मन्त्री प्रिय. विषय शिक्षा प्रसार। पता—ग्राम-अमलेया, पो० बारा, जिला प्रयाग।

गेंदालाल सिंघई:—जन्म-१६२१, रचनाएं, प्राणों का सङ्गीत दिरी आदि। पता—सञ्चालक, सिंघई प्रेस, पछार (ग्वालियर)

गोकुलचन्द्र शर्मा:—शिक्षा-सासनी, हाथरस, आगरा वि० १०से एम० ए० में फर्स्ट क्लास फर्स्ट, धर्म-समाज डिग्री कालेज, अलीगढ़ के भू० अध्यक्ष हिन्दी-संस्कृत विभाग, रचनाएं-प्रण-वीर ताप, गांधी-गौरव, मानसी, निबन्ध नीरव आदि।
पता—विष्णुपुरी, अलीगढ़।

गोकुलानन्द तैलंग:—'शुद्धाद्वैत एकेडेमी' कांकरौली के स० मन्त्री

'दिव्यादर्श' के सम्पा० विभाग में रहे, कवि सम्मेलनों के संयोजक रहे, रचनाएं—नाम महात्म्य, दिव्यादर्श, स्वर सागर। पता—विद्या-विभाग, कांकरौली (राजस्थान)।

गोपालचन्द्र पाण्डेयः—जानकारी अङ्गरेजी, फ्रेंच, पाली, और बंगला। रचनाएं, इङ्गलैण्ड का इतिहास, दिव्य जीवन की ओर, रहस्य-भेद, एक रात आदि, अध्यापन वृत्ति। पता—चम्पानगर, भागलपुर।

गोपालचन्द्र 'सुगन्धी':—एम० ए० (राजनीति-इतिहास) रचनाएं-धार-राज्य का भूगोल, 'मालवा के सुलतान' पर थीसिस पी. एच. डी. के लिए। पता—छलाड़ गली, धार।

गोपालदास गज्जा'—जन्म १० जून, १६०६, इङ्गलिश, हिन्दी, संस्कृत में एम० ए० सा० र०, भू० प्रो०, देव समाज डिग्री गर्ल्स कालेज, लाहौर, भूत० रिसर्च स्कॉलर विश्वेश्वरनाथ वैदिक रिसर्च इन्स्टी० डी. ए. वी. कालेज आदि। रचनाएं-मैट्रीकुलेशन संस्कृत ट्रान्सलेशन, मण्डल-संस्कृत-साहित्य-मंजरी, विश्व की विभूतियाँ, मेघनाद-वध और कविता संग्रह (अप्र०)। पता—नथावतों, कला की गली, जोधपुर (राजस्थान)।

गोपाल जी झा 'गोपेश':-२ जनवरी १६३१, पटना कालेज में बी० ए० के छात्र (दर्शन और हिन्दी) कई लेख प्रकाशित हो चुके हैं, निबन्ध, सौर्टस्टोरी, शब्द चित्र और कहानियाँ भी लिखते हैं, प्रकाशन पथपर-नीतिशास्त्र के तत्त्व' 'गुञ्जन और पन्त (आलो०) घेरे में अनर्थ उपन्यास। पता—C/o प्रो० अनिरुद्ध झा, एम. ए. जैक्सन होस्टल, पटना कालेज, पटना।

गोपालनारायण 'शिरोमणि':—कई वर्ष से 'सैनिक' आगरा के प्रबन्ध सम्पादक, बी० ए०, एल० एल० बी० स्फुट लेख।

पताः—'सैनिक" (दैनिक) आगरा।

गोपालप्रसाद व्यासः—शिक्षा-मैट्रिक, सा० र०, मथुरा 'साहित्य-सन्देश' आगरा के भू० स० सम्पादक, अ० भा० ब्र० सा० स० मथुरा के प्रमुख कार्यकर्त्ता, हास्यरस के लब्ध प्रतिष्ठ कवि, "हिन्दुस्तान" (दै०) के हास परिहास लेखक पता:—मानव धर्म, कार्यालय, पीपल महादेव दिल्ली।

गोपाललाल खन्नाः—स्व० डा० श्यामसुन्दरदास के सुपुत्र, रचनाएं हिन्दी भाषा और साहित्य, काव्य कलाप, काव्यालोचन। अब धर्म समाज टीचर्स ट्रेनिङ्ग कालेज में अध्यापक पताः—भाखरी हाउस, विष्णुपुरी, अलीगढ़।

गोपाल 'व्यास':—सा० र०, एम. ए. में आगरा वि० वि० से सर्वोपरि स्थान प्राप्त, रचनाएं-कालीदास प्रेरित मूर्तिकला(अनु०), आलोचनात्मक निबन्ध संग्रह, पताः—अध्यापक, माधव कालेज, उज्जैन।

गोपालबाबू 'प्रभाकर':—साप्ता० 'दिल्लगी' के भू० सम्पादक (१६५०-५१) कॉलेज के दरबारी कवि, कविता लिखने की प्रवृत्ति, बारहसैनी डिग्री कालेज अलीगढ़ के छात्र, पताः—श्रीनगर, हाथरस (अलीगढ़)।

गोपालशरणसिंहः—नई गढ़ी (रीवां) के इलाकेदार, मध्यभारत की विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के पदाधिकारी, भारत विख्यात द्विवेदीयुग के कवि, रचनाएं माधवी, कादंबिनी, मानवी, ज्योतिष्मती पताः—नईगढ़ी, रीवां।

गोपाल शर्माः— एम. ए. बी. टी., डा० रघुवीर के साथ पारि० शब्दों और पुस्तकों के सृजन में व्यस्त, मध्य प्रान्तीय शिक्षा विभाग में प्रोफेसर, पता ओल्ड असेम्बली रेस्ट हाउस, नागपुर।

गोपाल शास्त्रीः—काँग्रेसी कार्यकर्त्ता, कारावास भोगी, रचनाएं हिन्दी दीपिका, हिन्दू धर्मोपदेशिका, पाणिनीय प्रबोध आदि बनारस विद्यापीठ में अध्यापक पताः—केसरी कुञ्ज, सीगरा, बनारस।

गोपालसिंह कालाकोटी गुसाईंः—शिक्षा वी. टी. सी. विशारद, क्षत्रिय जन्म पर्वतीय प्रदेश अलमोड़ा, प्रका० सम्पा० 'सहयोग' (मासि०) 'शक्ति' अल्मोड़ा के नियमित लेखक, रचनाएं कुमुद ग्राम, आत्म चरित, पताः—कुमुद ग्राम, चौंरा, अल्मोड़ा।

गोपालसिंह नैपालीः—सिने गीतकार, हिमालय और नैपाली पिक्चर्स के निर्माता, भू० स० 'रतलाम टाइम्स' मालवा, 'चित्रपट' दिल्ली, 'सुधा' लखनऊ, 'योगी' साप्ता० पटना। रचनाएं पंछी, कल्पना, नीलिमा आदि, पताः—६७ घोड़ बन्दर रोड, मलाड, बम्बई।

गोपीकृष्णप्रसादः—भूतपूर्व सम्पा० 'जनता' और 'विश्वमित्र' पताः—सोशलिष्ट पार्टी, बाँकीपुर (पटना)

गोपीकृष्ण शास्त्री द्विवेदीः—सिन्धिया ओ० इन्स्टीट्यूट में रिसर्च, रचनाएं महाकवि हर्ष, रस निरूपण आदि, पताः—सराफा बाजार, समीप मदनमोहन मन्दिर, उज्जैन।

गोपीनाथ तिवारीः—सं० १६७० धामपुर, बिजनौर, कई साहित्यिक संस्थाओं के पदाधिकारी, जानकारी हिंदी संस्कृत, पाली उर्दू अँग्रेजी राजस्थानी, रचनाएं प्रभापुञ्ज (कहा०) तुलसीदास (आलो०) निबंध निचय (निबंध) पद्यावली आदि (सम्पा०) बाल साहित्य भी लिखा है। सम्पा० 'सुमन' मासिक। पताः—अध्यक्ष हिन्दी विभाग, सैण्ट एन्ड्रूज कालेज, गोरखपुर।

गोपीनाथ वर्माः—रचनाएं संयोगिता और स्फुट निबन्ध। पताः—नाँद (बिहार)

गोपीवल्लभ उपाध्यायः—भू० स० 'चित्रमय जगत' 'नवजीवन' पंचराज, भ्रमर, औदीच्य बन्धु 'वीणा' और वर्त्त० प्र० सम्पा० 'विक्रम' मासिक रचनाएं भाग्य रेखा, संस्कृत संगम, वाग्विहार तथा अनेक अनुवादित ग्रन्थ। पताः—'औदीच्य बन्धु' कार्यालय बिजली-घर के सामने, फ्रीगंज, उज्जैन।

गोरखनाथ चौबेः—शिक्षा एम० ए० (पॉलिटिक्स) कई स्थानों पर अध्यापन, राजनीति और नागरिक शास्त्र के सर्वाधिक लोकप्रिय और कुशल लेखक, रचनाएं राजनीति के सिद्धान्त नागरिक जीवन (चार भाग) नागरिक सिद्धान्त, कौमुदी, भारतीय नागरिकता और शासन आदि, पताः—महिला शिक्षा परिषद्, प्रयाग।

गोबर्द्धनदास त्रिपाठीः—रचनाएं संगम (उप०) स्पन्दन, दो पंछी पताः—प्रेमाश्रम, बलखण्डी नाका, बाँदा।

गोवर्द्धननाथ शुक्लः—शिक्षा एम. ए. बी. टी. सा. र. हिन्दी प्र० स० के संस्था०, हिन्दी प्रचारक। पताः—साहित्य कुटीर, खाई डोरा, अलीगढ़।

गोबर्द्धनलाल काबराः—रचनाएं स्फुट, हिन्दी प्रेमी, पताः—कुचामनी हवेली, जोधपुर।

गोबर्द्धनलाल गुप्तः—भू० सम्पादक 'साहु मित्र', आजकल 'गौ-शुभ चिन्तक' के सम्पा० रचनाएं। नीति-विज्ञान, प्राचीन ग्रीस

का शासन विज्ञान, युद्ध क्यों, आदि, पताः—पुरानी गोदाम, गया।

गोविन्ददासपुरोहित 'हृदय':—रचनाएं स्फुट, पताः—ताल बेहट झांसी।

गोविन्ददास 'विनीत':—जन्म सम्वत १६५१ हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, रचनाएं प्रिया या प्रजा, बाल स्वास्थ्य, श्रीकृष्ण कथामृत आदि, पता—दीन कुटीर, तालबेहट, (झांसी)

गोविन्ददासः—गान्धीवादी, कांग्रेसी मैम्बर पार्लियामेण्ट, सुप्रसिद्ध नाटककार, अ० भा० ब्र० सा० म० के हाथरस अधिवेशन के (१६५२) सभापति, रचनाएं हर्ष, कर्त्तव्य, सप्तरश्मि, शशि गुप्त आदि अनेक नाटक। पताः—हनुमान ताल, जबलपुर।

गोबिन्द नरहरि बैजापुरकरः—भू० सम्पा० 'ज्योतिष्मती' अच्युत काशी, 'सनातन' 'जोधपुर', दैनिक, रविवासरीय और मासिक सन्मार्ग काशी के भी सम्पादक, पता—टाउन हाल, बनारस,

गोबिन्दप्रसाद शर्माः—शिक्षा एम० ए०, एल० एल० बी० (प्रयाग) एल० एल० एम० (बम्बई) अंग्रेजी पत्रों के स्था० प्रतिनिधि, कटनी सा० स० के मन्त्री रहे, पता—ओरियंटल पॉटरीज लि०, हनुमान गंज, कटनी

गोविन्दराम 'अज्ञात':—एम० ए० आगरा में सर्वोपरि ३, सम्पा० दैनिक 'प्रताप' कानपुर, रचनाए, अमृतकन्या, मरघट, वे तीन विद्रोही (नाटक) भाई-बहन, आँख-मिचौनी, दीपदान, पताः—सम्पादक 'श्रमजीवी', लखनऊ

गोविन्दलाल व्यासः—हिन्दी प्रचार, रचनाए स्फुट पता—अध्यापक, हि० गुज० हाई स्कूल अकोला, बरार

गोविन्दबल्लभ पन्तः—सुप्रसिद्ध नाटककार और उपन्यासकार रचनाएं-बरमाला, राजमुकुट, अनुरागिनी आदि। पताः—लखनऊ

गोविन्द हरिबर्डीकरः—रचनाए शतशंडी और ऋग्वेद संहिता स्वाहाकार। पता—बालीराम पेठ, बलगाँव, खान देश

गौरीनाथ झाः—कई साहि० और, सम्बन्धी संस्थाओं के संस्थापक अथवा पदाधिकारी, भू० स० 'गंगा' 'हलधर' और मिथिला मित्र' रचनाए दुर्गा सप्तशती की संस्कृत टीका, ऋग्वेद की हिन्दी टीका, पताः—महरैल, झझापुर, दरभंगा।

गौरीशंकर ओझाः—'हंस' बनारस और 'जीवन' ग्वालियर आदि के सम्पादन में हाथ बटाया रचनाएं—अर्घ्य—कविता पताः—उपसम्पादक—"मध्यभारत-संदेश ग्वालियर

गौरीशंकर चतुर्वेदी:—शिक्षा—सा० र०, एम० ए०, एल० एल० बी० अलंकार-प्रवेशिका के लेखक, अवैतनिक अध्यापन, पता-शिवाजी राव हाई स्कूल, इन्दौर

गौरीशंकर तिवारीः—रचनाएं-मेवाड़ का जीवन संग्राम, सीता जी का आदर्श चरित्र, रामायण में रस वर्णन, पताः—सोहागपुर, होशंगाबाद।

गौरीशंकर द्विवेदी 'शंकर':—जानकारी अंग्रेजी; हिन्दी, उर्दू बंगला। विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय कार्यकर्त्ता, रचनाएं शिवताण्डव स्तोत्र, पद्य प्रभाकर, सत्यवान-सावित्री आदि पताः—तालबेहट, झांसी।

गौरीशंकर मिश्रः—एम० ए०; एल० एल० बी०; भू० स० स्वराज्य (सा०) भविष्य, नवयुग दैनिक, संस्थाओं में सेवा-पत्रकार संघ, हि० सा० सम्मे०। रचनाएं जीवन क्रान्ति, बलिदान मन्दिर रूसी साम्यवाद आदि, पताः—श्री मौनी मंदिर, हाता बलिया, गोरखपुर (उ० प्र०)

गौरीशंकर मिश्र द्विजेन्द्र:—एम० ए० रचनाएं नीलिमा, परीचित; गीति नाट्य पताः—प्रधानाध्यापक, टी० एन० जे० कालेज भागलपुर।

गौरीशंकर शर्मा कौशिकः— एम. ए (हिन्दी संस्कृत) एल. एल. बी., सा. र. शास्त्री, कई स्थानों पर अध्यापन कार्य, 'जागृति' (सा०) मेरठ का ३ वर्ष तक सम्पा० मंत्री हि. सा. स. मेरठ, साहित्य मंत्री ब्रज सा० मण्डल शिकोहाबाद रचनाएं महान विभूतियां, हिन्दी शब्द कोष, निबन्ध नियम, पताः—लैक्चरर. राजकीय इण्टर कालेज झांसी।

गौरीशंकर श्रीवास्तव:—जन्म १६१४ भू० अध्यापक म्याना मि० स्कूल, रचनाएं भूखा मानव, आशीर्वाद अंचल; त्रिवेणी निकुञ्ज पताः—जनरल क्लार्क, लोको आफिस, बीना।

गौरीशंकरसिंह सेंगरः—जौनपुर में हि० सा० स० की परीक्षाओं की केन्द्र व्यवस्था की, रचनाएं स्फुट पताः—हिन्दी अध्यापक, क्षत्रिय हाईस्कूल, जौनपुर।

घनश्याम अष्ठाना:—आगरा के तरुण, उदीयमान प्रगतिशील कवि, शिक्षा-एम० ए० आगरा विश्वविद्यालय, आपकी कविताएं प्रमुख पत्रों में छपती हैं, पता—आगरा

घनश्याम चन्द्र शास्त्री:—रचनाएं श्री दुर्गा स्तोत्र (हिन्दी भाषा टीका सहित) धर्मोपदेशिका, भक्ति काव्य आदि, व्याकरणाचार्य, शास्त्री, पता:—प्रधानाचार्य, ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत कालेज, लक्ष्मण गढ़, सीकर

घनश्यामदास यादव:—कवि-परिषद् मोठ के सभासद, रचनाएं स्फुट, पता:—पं० गणेश शंकर हृदयराम पुस्तकालय, झांसी

घनश्यामदास 'बिड़ला':—सस्ता साहित्य मण्डल दिल्ली के प्रमुख संस्थापक, भारत के प्रमुख उद्योगपति, कई औद्योगिक और सार्वजनिक संस्थाओं के पदाधिकारी, रचना—बापू आदि
पता:—८ रायल एक्सचेंज पैलेस, कलकत्ता

घनश्यामदास बल्दुवा 'श्याम''—अर्थ शास्त्र और वाणिज्य के अधिकारी विद्वान्, स्फुट लेख, जनरल बीमा कम्पनी के एकाउण्टेन्ट पता:—रघुनाथ भवन, अजमेर

घनश्याम नारायणदास:—जन्म १६०४-गोरखपुर 'जिला, रचनाएं-हिन्दू धर्म का वैज्ञानिक आधार, भारतीय दर्शनों का दिग्दर्शन आदि पुस्तकों के प्रणेता, पता—पालीग्राम, गोरखपुर

घनश्यामप्रसाद श्याम:—जन्म १६११, बी० ए० प्रभाकर सम्पादन-'हिन्दी-साहित्य का इतिहास (पद्यात्मक) 'नव-ज्योति' मासिक पत्रिका, आलोक (मा० 'नवराष्ट्र' (अर्थ सा०) की योजना, प्रां० हि० सा० स० का संगठन और ५ वर्ष तक प्रधान मन्त्री रहे, रचनाएं-बाहरी सुसराल, नीलमा (उपन्यास) नारी, उत्सर्ग (नाटक) अनेक-कहानियाँ, पता:—संचालक 'श्याम प्रेस', रायपुर (म० प्र०)

घमण्डीलाल शर्मा:—कई साहित्यिक और हिन्दी प्रचारक सभाओं के सक्रिय कार्यकर्त्ता, प्रकाशन-माडर्न हिन्दी व्या० (३ भाग) माडर्न हाईस्कूल हिन्दी व्याकरण। पता:—सहायक अध्यापक, जे० ए० एस० हाईस्कूल, खुर्जा (बुलन्द शहर)

चन्द्रकान्त 'चंदर':—१९४२ महाकवि निराला को अभिनन्दन ग्रन्थ भेंट किया, कई स्थानीय साहि० संस्था० के पदाधिकारी, संपा० 'ज्योति' 'झूला' रचनाएं-'राष्ट्रवाणी-(कवि)', फुलझड़ी आदि। पता—२४१, साठिया कुआ, जबलपुर

चन्द्रकान्तसिंह 'सामन्त:—रचनाएं-स्फुट, "प्रदीप" (दै०) पटना के सह० सम्पा। पता:—सिगरी, भभुआ शाहाबाद (बिहार)

चन्द्रकिरण सौनरिक्सा:—सुप्रसिद्ध कहानी लेखिका भारत के चोटी के पत्रों में कहानियां छपती हैं, पति चन्द्रकान्त. आपकी कहानियों का विदेशी भाषाओं में भी अनुवाद हुआ है। पता:—७७, तीमारपुर देहली

चंद्रकिशोरराय तारेश:—रचनाएं-तारिका, सम्पादित-गोवर्धन पूजा और यादव-कवि, कई पुस्तकालयों की स्थापना। पता:—ग्राम धमौरा, पो० हसनपुर, जिला दरभंगा, मोखतार समस्तीपुर

चंद्रगुप्त विद्यालंकार:—रचना-भय का राज्य, सम्पादित 'विश्व साहित्य ग्रन्थमाला'। पता—दिल्ली

चंद्रगुप्तवेदालंकार:—'बृहत्तर-भारत' के प्रणेता। पता—गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार

चंद्रदेवसिंह:—जन्म-सम्वत् १९५९, सा० र०, रचनाएं-अभागा किसान, अमरगान, अनूठे हीरे, हि० सा० स० के परीक्षक और व्यवस्थापक, अध्यापन। पता—साहित्य-सदन, इन्दारा, आजमगढ़

चंद्रदेव शर्मा:—जन्म १९०१, सारन रचनाएं-शांति-सोपान, कर्त्तव्य किरणावली आदि आदि, अध्यापन। पता-राजसंस्कृत विद्यालय, बेतिया, चम्पारन

चंद्रप्रकाशसिंह:—एम० ए०, 'रंगमंच और हिन्दी नाटक' पर डाक्टरेट के लिए थीसिस, रचनाएं मेघमाला-गीत, अध्यापन पता:—अध्यक्ष हिन्दी विभाग, युवराजदत्त कालेज, ओयल खीरी

चंद्र प्रभा:—कविताएं-स्फुट, पता-सर सेठ हुकुमचन्द्र इन्दौर

चंद्रप्रभा द्विवेदी:—सा० र०, 'नगर के पथ पर' प्रकाशित रचना पता—४१९९, बहादुरगंज, प्रयाग।

चंद्रबली पाण्डेयः--हि० सा० स० के उच्च पदाधिकारी, प्रसिद्ध तपस्वी साहित्यकार, ना० प्र० स० काशी के कार्य०, हिन्दी के सर्वाधिक प्रबल प्रचारक, रचनाएं बिहार में हिन्दुस्तानी, मुगल-कालीन हिन्दी, विचार विमर्श इत्यादि एक दर्जन से अधिक सुप्रसिद्ध पुस्तकें। पताः—ना० प्र० सभा, काशी

चंद्रबली त्रिपाठीः--शिक्षा-एम० ए० एल० टी० एल० एल० बी०, वकील, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हिन्दी प्रचार और कवियों लेखकों को प्रोत्साहन, रचनाएं-धर्मराज युधिष्ठर ओंकार चरित्र आदि। पता—वकील, बस्ती

चन्द्रभानुसिंहजूदेव 'रज':—रचनाएं प्रेम सतसई, नेहनिकुञ्ज पताः—दीवान बहादुर, गरौली, बुन्देलखण्ड

चन्द्रभानुसिंहः—रचनाएं-सप्त महारथी, काली कोशी आदि पता-देवघर स्कूल, मंगलगढ़; दरभंगा।

चन्द्रभाल ओझाः—रचनाएं-बाल व्याकरण, हिन्दी रचना आदि। पता-प्रिंसिपल, तुलसीदास महाविद्यालय, गोरखपुर।

चन्द्रभूषणसिंह ठाकुरः—रचनाएं (आ०) भीमसिंह, स्वार्थ का विष, यदुवनदहन पताः—अध्यापक, बिन्दकी, फतहपुर,

चन्द्रभूषण त्रिपाठी 'प्रमोद':—रचनाएं आभा, मानस-तरंगिनी पताः—मझिगवां, रायबरेली।

चन्द्रमनोहर मिश्रः—रचनाएं-स्पेन का इतिहास, कन्नौज का वृहद् इतिहास (अ०) पताः—एडवोकेट, फतेहगढ़।

चन्द्रमणि देवीः--स्त्री साहित्य की सुलेखिका, रचनाएं-माता, दुलहिन (३ भाग) पताः—पुस्तक भण्डार, लहेरिया सराय, बिहार,

चन्द्रमाराय शर्माः—रचनाएं-धारा प्रकाशिका, आरत भारत त्रिपथगा, बिहारके साहित्यकार, पताः—बहोरनपुर, बिहार।

चन्द्रमौलिः—द० भा० हि० प्रचा० सभा के कार्यकर्त्ता, हिन्दी प्रेमी, स्फुट निबन्ध, पताः—दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, त्यागराय नगर, मद्रास।

चन्द्रराज भण्डारीः—रचनाएं-गांधी दर्शन, सम्राट अशोक (नाटक), भारत के हिन्दू सम्राट (इति०) पताः—भानपुरा, इन्दौर,

चन्द्रशेखरप्रसाद मिश्रः—शि० आयुर्वेदाचार्य, साहित्य वाचस्पति व्याकरण शास्त्री। रचनाएं स्फुट निबन्ध लेखादि, कई साहित्यिक और सार्वजनिक सभाओं के सक्रिय मान्य कार्यकर्त्ता। पताः—ग्राम पत्रालय, शिवहर जि० मुजफ्फरपुर।

चन्द्रशेखर शर्माः—रचनात्मक कार्यकर्त्ता, रचनाएं स्फुट, निबन्ध, प्रि० वि० हरिजन सेवा। पताः—'अमर ज्योति' साप्ता० जयपुर।

चन्द्रशेखर शर्मा 'प्रभात किरण':—जन्म पोरा (अलीगढ़) रचनाएं स्फुट सुललित कविताएं, सुगायक। पताः—पोरा, पो० हसायन जि० अलीगढ़।

चन्द्रशेखर शर्मा 'सौरभ':—रचनाएं फुटकर निबन्ध। पता—करौंदी गाँव, गुमला राँची।

चन्द्रशेखर शास्त्रीः—जन्म १९५७ (सं०) शि० काव्य-साहित्य तीर्थ आचार्य आदि। हिंसात्मक क्रान्ति से प्रेरित हो १९१८ में सेनाओं का संगठन, वारण्ट होने पर अध्यापकी हिं० वि० वि० काशी, रचनाएं-सामान्य साधन विधान, न्याय बिन्दु बौद्ध ग्रन्थ आदि। लगभग ४ दर्जन पुस्तकें, पताः—सम्पादक 'वैश्य समाचार' दिल्ली।

चन्द्रिकाप्रसाद मिश्र चन्द्रः—रचनाएं मारवाड़ गौरव, भगवा झण्डा। पताः—ग्वालियर।

चन्दाबाई जैन, पण्डिता, बिदुषी रत्नः—'जैनवाला विश्राम महिला संस्था की २९ वर्षों से संचालिका, 'जैन महिलादर्श' (मा०) का २८ वर्षों से सम्पा० रचनाएं उपदेश रत्नमाला, सौ रत्नमाला, आदर्श निबन्ध आदि। पताः—श्री जैन बाला विश्राम, धर्मकुञ्ज, धनुपुरा, आरा।

चन्द्रावती ऋषभसेनः—'दीदी' (मा०) प्रयाग की भू० सम्पादिका रचनाएं नींव की ईंट सम्मेलन द्वारा सेक० पुरुस्कार प्राप्त; पताः—सहारनपुर।

चन्द्रावती लखनपालः—एम० ए०, बी० टी०, रचनाएं मदर इण्डिया का जवाब, स्त्रियों की स्थिति, शिक्षा शास्त्र और शिक्षा मनोविज्ञान (मंगला० पारि० प्राप्त) पिछली दोनों पुस्तकें उ० प्र०

की इण्टर क्लासों में 'एजूकेशन' के विद्यार्थियों को पढ़ाई जाती हैं, कांग्रेस टिकिट पर अभी M. L. C. (केन्द्रीय) के लिए खड़ी हुई थीं, पताः--आचार्या, कन्यागुरुकुल, देहरादून।

चतुरसेन शास्त्रीः—आयुर्वेदाचार्य, भारत के सुप्रसिद्ध कहानी लेखक, रचनाएं अमर अभिलाषा, सिंहगढ़ विजय, वैशाली की नगर बधू आदि-चोटी के पत्रों में आपकी कहानियां छपती हैं। पताः—वैद्य, दिल्ली, शाहदरा।

चतुर्भुजदास चतुर्वेदी रावतः—अनेक सार्वजनिक और साहित्यिक संस्थाओं के सदस्य रहे, रचनाएं-मेरा स्वप्न, सुमन सवैया चतुर्भुज सतसई, आत्मोल्लास, पताः—क्यूरेटर, स्टेट म्यूजियम, भरतपुर।

चांदमल अग्रवाल 'चन्द्र':—जन्म सं० १९७२, काव्य मनीषी, विशारद, मैट्रिक, एल. सी. काम। रचनाएं-चित्राङ्गदा, चन्द्र-किरणें, जुगनू, स्वर्ण तुला, रत्न राशि, चन्द्रकवि गाथा आदि 'अखिल हैदराबाद राष्ट्रभाषा सभा' के संस्थापक एवं प्रधान मन्त्री 'युवक संघ' औरंगाबाद के संस्था एवं अध्यक्ष, अनेक साहि० सं० के सदस्य, विद्युत विभाग में अंकक रहे। पताः—चन्द्रभवन, छावनी, औरंगाबाद (दक्षिण)।

चांदमल जैनः--एम. ए., सा. र., फुटकर लेखन। पताः—अध्यापक, मिशनहाई स्कूल, जयपुर।

चम्पालाल जैनः--रचनाएं-आत्मयज्ञ, लघु सामयिक, इत्यादि। पतः--सोहागपुर, होशंगाबाद।

चम्पालाल सिंघई 'पुरन्दर':--बसंत पंचमी १९१६, इण्टर, विशारद रचनाएं स्फुट कविताएं और कहानियां एक प्रिंटिंग प्रेस के संचालक। पताः--चन्देरी (मध्य-भारत)।

चक्रधर झाः--रचना 'भूषण' पर वृहद् आलोचनात्मक ग्रन्थ लिखा है। पताः--सोनागुजी, संथाल परगना बिहार।

चक्रधरसिंह राजाः--नागपुर वि० वि० के भूत० अध्यक्ष संगीत विभाग, सुप्रसिद्ध संगीतज्ञ, रचनाएं-बरागदिया-राजकुमार अलकपुरी (उप०) आदि। पताः--रायगढ़।

चक्रधर 'हंस':--रचना 'अनुवाद चन्द्रिका' अनुवादक। पताः--अनुवाद विभाग, सेक्रेटेरियट, लखनऊ।

चिदानन्द 'सरस्वती':— अँग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, बंगला, उर्दू, गुरुमुखी, गुजराती। भूपाल हैदराबाद में आर्य समाज के आन्दोलन के नेता, रचनाएं-शुद्धि-संस्कार पद्धति, शुद्धि व्यवस्था, कलाचन्द्र खून के आंसू आदि, कई पत्रों के सम्पादक रहे। पताः— श्रद्धानन्द कार्यालय, श्रद्धानन्द बाजार, दिल्ली।

चिरंजीतः—भूत० सम्पादक-'मनोरंजन' और-''वीर-अर्जुन साप्ता०, ऑलइण्डिया रेडियो 'नई दिल्ली के कलाकार' प्रा० हि० सा० सम्मे० दिल्ली के सा० मन्त्री और साहित्यकार-परिषद् के मंत्री रचनाएं चिलमन, दो काव्य संग्रह और बालसाहित्य (प्रेस में) पताः—विदेश विभाग, आ० इ० रेडियो नई दिल्ली।

चिरंजीलाल 'माथुर' पंकजः—जुलाई १६२६ (जन्म) भाषा-रत्न, काव्य-रत्न, अलग-अलग विषयों पर निबन्ध, कहानी और कविताएं 'नवभारत-टायम्स', अर्जुन, हिन्दुस्तान, नेताजी' आदि में 'प्रकाशित, 'ज्वाला' और 'राजस्थान केशरी' (साप्ता०) जोधपुर के स० सम्पा० रहे 'साहित्य-सदन' के संचालक, मारवाड़ जिला कु० सा० परिषद् के सा० मन्त्री 'कीर्तीकृत भक्ति-साहित्य' पर ५००) रुपया का पुरुष्कार प्राप्त 'भारतीय—समाचार समिति के संचालक, 'प्रगतिशील लेखक-संघ' की कार्य० के सदस्य, रेडियो-कलाकार भी रहे न्याय और कानून के पुजारी' आदि रचनाएं, (प्रेस में,) पताः—५५६ चांद भवन, ८ वीं सड़क, सरदार पुरा, जोधपुर (राजस्थान)

चिरंजीलाल मिश्रः—हिन्दी-प्रचार, अध्यापन, स्फुट साहि० और सामयिक निबन्ध। पताः—रामपुरिया जैन इण्टर कालेज, बीकानेर

चलसानि सुब्बारावः—साहित्य-भूषण, साहित्यालंकार, 'आदर्श बालिका पाठशाला' के हिन्दी अध्यापक, रचनाएं-शाहजहां-सार तेलगू में 'दर्शन' पर छः सात लेख, कुछ कहानियां और गान्धी दर्शन नामक पुस्तक (हिन्दी) में लिख रहे हैं तरुण, नई कहानियां, प्रकाश, विश्व-भारती, अनुग्रहनारायण सिंह (अर्थ० मं० बिहार) अभि० ग्रन्थ में तेलगू लेख, आदि छपे हैं, दक्षिण के हिन्दी प्रेमी साहित्यिक पताः—इतानगर, तेनाली।

चिन्तामणि बाबूराव ओंकारः—जन्म १६१३, बी० एस० सी०, बी० टी० सा० र०, रा० भा० विशारद, ''जय भारती'' (मा०) के

भू० सम्पादक राष्ट्रभाषा के प्रचारक, और वर्धा के परीक्षक, भाषा संगीत मनोविनोद पूर्ण साहित्य में रुचि, अध्यापन, रचनाएं मौखिक मार्गदर्शिका, प्रारम्भिक मार्गदर्शिका, आदि। पताः—१६३, शनिवार पेठ, ओंकार सदन, पुणे २

चिन्तामणि शुक्लः—एम० ए०, सा० र०, ४२ के आन्दोलन में कारावास भोगी, रचनाएं विश्व का सरल इति०, भारत वर्ष का इति० चीन पर विहंगम दृष्टि (अ०) आदि। पता-प्रोफेसर, म्यु० बो० इण्टर कालेज, वृन्दावन।

चेतरामव्यासः—ग्राम-पंचायतों के इन्सपेक्टर, प्रकाशन अधि० विकास-विभाग, 'ग्राम सुधार' (साप्ता०) के सम्पादक, फुटकर लेखन 'वीणा' के उप-सम्पादक। पताः—५ मल्हारगंज, इन्दौर

चेतराम शर्माः—गुजरात, काठियावाड़ आदि स्थानों पर हिन्दी प्रचार, अध्यापन, रचनाएं हिन्दी-गद्य-मजूषा, भीमदेव (नाटक) शकुन्तला-संहार (अ०)। पता—अध्यापक, आर्यकन्या गुरुकुल, पोरबन्दर

चेतनकुमार 'भटनागर':—पर्यटन विषयक लेखक, रचनाएं उत्तराखण्ड, कैलास-मानसरोवर की यात्रा, काश्मीर आदि पताः—सम्पादक "मस्ताना-जोगी (मा०) दिल्ली

छगनलाल जैनः—जन्म १६७६, एम० ए०, बी० एल०, असमिया साहित्य का विशेष अध्ययन, रेडियो से कई असमिया नाटक कविताएं निबन्ध ब्राडकास्ट, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के प्रांतीय संचालक, संपादक 'पूर्व ज्योति' (मा०) रचनाएं हँसते-हँसते जीना, कहानी, संघर्ष (नाट०) इन्सान की खोज (ध्वनि नाटिका) पटि प्रश्न (अ० क० सं०) पताः—फैंसी बाजार, गोहाटी

छंगालाल मालवीयः—सम्पादन-अभ्युदय (साप्ता०) प्रयाग, 'हिन्दू-मिशन-पत्रिका और शिक्षा लखनऊ रचनाएं-निकुञ्ज (कहानी) गल्पहार, भारतीय विचार धारा में आशावाद, विभिन्न सार्व० साहि० संस्थाओं के सदस्य। पता—सुन्दरबाग, लखनऊ

छविनाथ पाण्डेय—बी० ए० एल० एल० बी०, बिहार प्रादेशिक हि० सा० स० के प्रधानमंत्री, सम्पादन "साहित्य" (मासिक) कलकत्ता, वयस्क शिक्षा बोर्ड बिहार के प्रकाशन अधिकारी, रचनाएं, स्त्री कर्त्तव्य शिक्षा, सफल जीवन, चरित्र-चित्रण, मां की ममता आदि, अनुवादित यंग इण्डिया, मां का हृदय, वे तीनों पता—वयस्क शिक्षा बोर्ड, बिहार-सरकार, पटना

छेदालाल शर्मा 'विकल':—जन्म १९१४ मथुरा व्रज, राया शिक्षा-सा० र०, बी० टी० सी०, रचनाएं-क्षमादान (उप०) विकल कथाएं (क०) कश्मीर हमारा, रात्रि पाठशाला, गांधी जी का स्वर्गारोहण (कविता) रचनाएं अप्रकाशित पता:—सहायक अध्यापक, श्री गुलाब पाठशाला, काजीपाड़ा, मथुरा, अथवा गंगा का नगला, राया (मथुरा)।

छेदालाल 'मूढ़':—जन्म स्थान, लहरा (हाथरस-अलीगढ़) प्रसिद्ध लोक-गायक और किसान कवि। शुरू में कांग्रेसी थे; पिछली वर्षों से कम्यूनिष्ट कार्यकर्त्ता, प्रायः जन्म से ही कारावास भोगी, 'शान्ति सम्मेलनों में प्रशंसित, अब भी यह जनकवि जेल में है'। पता:—ग्रा० लहरा, त० हाथरस (अलीगढ़)।

छेदी झा 'द्विजवर':—मैथिल मधुप, 'कातिल' रचनाएं दुर्गा सप्तशती का आल्हा छंद में अनु०, घनश्याम, सत्यनारायण कथा का अनु० कोयल-शतक, राष्ट्रीय-गीताञ्जलि, रामायन आदि, १९४२ के राजनीतिक पीड़ित, संस्कृत हिन्दी बंगला मैथिली, उर्दू के जानकर पता:—बनगाँव, पो० बरियाही, जिला सहरसा (नौर्थ भागलपुर,) बिहार।

छैलबिहारी दीक्षित 'कण्टक':—बी. ए. सा. र., भूत० सम्पादक वर्त्तमान (दै०) कानपुर, 'प्रभात' (दै०) लाहौर, दै० संध्या, कांग्रेसी कार्यकर्त्ता और राजनीतिक पीड़ित, कई साहि०, सार्व० संस्थाओं के सदस्य, फुटकर लेख कविता। पता:—व्यवस्थापक 'तरुण-प्रेस' कानपुर।

छैलबिहारीलाल बजाज:—जन्म १८९४, हाथरस। अनेक कवि सम्मेलनों के सभापति, दो वर्ष तक मासिक हितोपदेशक और छै वर्ष तक साप्ता० 'भारत पुत्र' के प्रकाशक, २५ वर्ष नगर पालिका हाथरस के सदस्य, ६ वर्ष तक उसके शिक्षा-विभाग के सभापति, गान्धी पुस्तकालय हाथरस के सभापति, प्रकाशित रचनाएं-हृदय-सागर, मुकुरीमाला, फैलावटमाला, श्रीकृष्ण जन्म (ना०) श्री रामाश्वमेध अभिनय भी शीघ्र प्रकाशित होगा 'छैला-अलबेला' और 'बुलबुल छैला' के नाम से प्रसिद्ध। पता:—नयागंज, हाथरस।

छोटेलाल पराशरी:—फुटकर लेखक, हिन्दी के उत्साही प्रचारक एम. ए. एल. एल. बी., पता:—वकील, बदायूँ।

छोटेलाल भारद्वाज:—एम. ए., प्र० रचना प्रतिहिन्सा (कवि), पता—पहाड़गंज, मुरेना।

श्री जगदीश ओझा सुन्दर

परिचय पृष्ठ ५८ पर
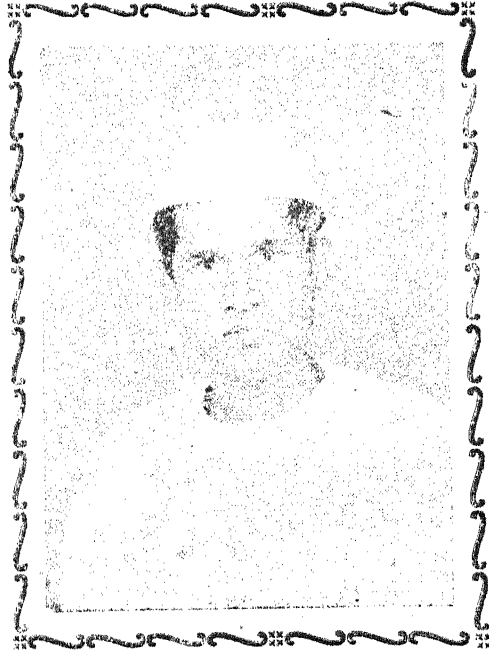
श्री रेवाशंकर कुरजी बरडवाला

परिचय पृष्ठ १४८ पर

जंगबहादुरसिंह--स्फुट लेखन, बहराइच में हिन्दी प्रचार एम. ए. बी. टी., पता--सब डिप्टी इन्सपेक्टर आफ स्कूल्स, बहराइच

जंगबहादुर मिश्र 'रंजन'--सा. र, एम. ए. (हि०) बी० टी० सी० सम्पादन 'शिक्षक-मित्र' कानपुर, रचनाएं-विषवेलि, वेणी संहारम् (अनु०) पुजारी, वेदनाएं, बलिया में हिन्दी प्रचार सभा के मन्त्री, अध्यापन वृत्ति, पता--प्राध्यापक एल. डी. हाईस्कूल, बलिया।

जगतनारायण--जन्म संवत १९५४, रचनाएं-ईश प्रार्थना (अप्राप्त) श्री मद्भागवत के दशम स्कन्ध की टीका आदि। पता--सहायक अध्यापक, जूनियर बेसिक ट्रेनिङ्ग स्कूल मो० पो० सीतामढ़ी कोर्ट, जि० मुजफ्फरपुर (बिहार)

जगतनारायण पांडेय विधुर:—फुटकर लेखन, 'प्रलाप" प्रकाशित रचना है, कई साहित्य० संस्थाओं के सक्रिय कार्यकर्त्ता, 'नव-शक्ति' के सम्पादन में योग। पता:—दंडरहा, आरा।

जगतनारायण मिश्र:—कई पत्रों के प्रतिनिधि, स्फुट, लेखन। पता:—शिवपुर, ग्वालियर स्टेट।

जगतनारायण लाल:—हिन्दू सभा के भू० नेता, बिहार सरकार के पार्लियामेण्ट्री सेक्रेटरी, रचनाएं अर्थ शास्त्र और हिन्दू धर्म प्रमुख हैं। पता:—कदम कुआ, पटना (बिहार)

जगदलपुरी, लाला:—स्फुट रचनाएं, भू० सं० "अंगारा" पता:—कवि-निवास, जगदलपुर।

जगद्धर गुलेरी:—स्व० चन्द्रधर शर्मा गुलेरी के भाई, पंजाब की प्राचीन पाण्डुलिपियों के निरीक्षणार्थ नियुक्त, ना० प्र० सभा० काशी के सदस्य, अध्यापनवृत्ति, पता:—कृषि महाविद्यालय, लायलपुर।

जगदंबाशरण मिश्र 'हितैषी':—रचनाएं-कल्लोलिनी, वैकाली, मातृगीता आदि। पता:—पुर्वा, उन्नाव।

जगदम्बाप्रसाद शास्त्री:—रचनाएं 'युग-संदेश, अन्य फुटकर गीत, अरावली (मा०) के उपसम्पादक, भा० त० मण्डल, के प्र० मंत्री। पता:—कस्तूरबा गान्धी पुस्तकालय, नल बाजार, बम्बई-४

जगदंबाशरण शर्मा:—बुद्धि परीक्षा, वाणी सुधार आदि के प्रणेता। पता:—डिप्टी इन्सपेक्टर, मुंगेर, बिहार।

जगदीश ओझा सुन्दर':—इक्कीस दिस० १६१२ (जन्म) 'हिन्दी प्रचारिणी सभा' बलिया के सा० मन्त्री तथा 'जनपद-साहित्य-सम्मेलन' बलिया के मन्त्री। रचनाएं-भिखारिन, सर्वनाश, विद्रोही बलिया (पद्य) क्रांति के बीज (कहा०) ग्राम-मिश्रबलिया, पो० बांसडीह; जिला बलिया। वर्त्तमान पता—मालगोदाम रोड, बलिया।

जगदीश कविः—'राजकवि' रचनाएं-प्रताप प्रशस्ति, बूटी-रामायण। पताः—सोनबरसा, दरभंगा।

जगदीश विद्रोहीः—भू० सम्पा० "वीणा" रचनाएं-प्रतिमा, लेखा, पत्थर के देवता, विद्रोही। पताः—सम्पादक "भारती" (मा०), दिल्ली।

जगदीशचन्द्र जैनः—एम० ए०, पी० एच० डी० महावीर वर्धमान हमारी रोटी की समस्या, दो हजार वर्ष पुरानी कहानियां आदि पुस्तकों के लेखक। पता—हिन्दी-मागधी प्रोफेसर, रामनारायण रूइया कालेज, मांटुगा-बम्बई।

जगदीशचन्द्र जोशी—जोधपुर के कुशल पत्रकार, रचनाएं अंधी दुनियां, परिहास मूल्याङ्कन आदि। पता—'जनमत' साप्ता०, बनियावाड़ी, जोधपुर।

जगदीशचन्द्र माथुर—बिहार के शिक्षा-सचिव, एम० ए० आई० सी० एस०, रचनाएं भोर का तारा, कोणार्क (ना०) आदि, पता-३४, हार्डिञ्ज रोड, पटना।

जगदीशचन्द्र 'हिमकर'—रचनाएं-संसार की क्रांति कथा, पत्रकार। पता-सम्पादक "जागृति" दै० हबड़ा।

जगदीश झा—रचनाएं-"प्रसाधिनी" "शकुन्तला" आदि, हिन्दुस्तान, अर्जुन, सरिता आदि में लेख व कविताओं का प्रकाशन, "जीवन-प्रभा" के भू० सम्पादक। पता-श्री सूर सदन, नगरा (झांसी)

जगदीश झा "विमल"—'वीणा झंकार, 'जीवन-ज्योति, आशा पर पानी आदि लगभग छै-सात दरजन पुस्तकें, पता—कुमैठा, भागलपुर।

जगदीशचंद्र,—आगरा के होमियोपैथिक डाक्टर दोहे-चौपाई में होमियोपैथी पर पुस्तक, पता—होमियोपैथिक डाक्टर, आगरा।

जगदीश नारायणः—रचनाएं-बड़ों का बचपन, गांव की ओर आदि। पताः—संचालक 'युगान्तर-साहित्य-मन्दिर, पटना, बिहार

जगदीशनारायण तिवारीः—कई पत्रों के भूत० सम्पा०, 'दुर्योधन वध' 'अधीर-भारत' 'प्राथमिक विज्ञान' आदि के लेखक।
पताः—प्रधान हिन्दी अध्यापक, सनातन धर्म-विद्यालय, कलकत्ता।

जगदीशनारायण दीक्षितः—रचनाएं बापू की देन, गबन एक आलोचनात्मक परिचय, भारत की अमर आत्माएं, नीति शिक्षण प्रसाद की सर्वतोमुखी प्रतिभा विषयक अनुसन्धान, कई साहि० सार्व० संस्थाओं के सक्रिय सहयोगी एम० ए० (हि.+स.) एल० एल० बी० साहित्य-रत्न, पता—संस्कृत-विभागाध्यक्ष, गया कालेज गया।

जगदीशप्रसाद चतुर्वेदीः—कई पत्रों के सम्पादन में योग दिया, ब्र० सा० म० के भू० संयुक्त मन्त्री पत्रकार, कलाकार, लेखक पताः—वकील, मथुरा।

जगदीशप्रसाद ज्यो० कमलेशः—कलरव और पांचजन्य प्रकाशित पुस्तकें, पताः—सागर, मध्य भारत।

जगदीशप्रसाद 'दीपक':—जन्मस्थान जयपुर, राजस्थान में पत्र-कारिता के उत्थान में बड़ा योग दिया, संस्थापक 'मीरा' व कई प्रसिद्ध पत्रों के सम्पादक रहे, लगभग आधा दर्जन पुस्तकों के रचि-यिता, एशिया की महिला क्रांति, और कहानियाँ आदि, 'अमर' प्रेस व 'मीरा' कार्यालय का संचालन। पताः—मीरा कार्यालय, सिविल लाइन्स, अजमेर।

जगदीशप्रसाद शर्मा जितेन्द्रः—उसका प्यार, मेरी कहानी, अबला के आँसू आदि के लेखक। पताः—भारत औषधालय, सतघरा, मथुरा (यू० पी०)।

जगदीशप्रसाद 'श्रमिक':—प्रका० मुजफ्फरपुर जिले का सत्याग्रह आन्दोलन। पताः—व्यवस्थापक ओरियण्टल प्रेस, पटना।

जगदीश मिश्रः—प्रगतिशील कवि, एक पत्र के सम्पा०। पताः—नारद प्रेस, मुंगेर।

जगदीश भारतीः—आपकी दो पुस्तकें जब्त हैं, द्राभा, इकाई, शतपथ के विद्रोही लेखक, पताः—सं० 'प्रदीप', कार्यालय, मुरादाबाद

जगदीशसहाय उपाध्यायः—'गौतम बुद्ध' और "मन की मौज" पुस्तक लिखी हैं, अध्यापन वृत्ति। पताः— अध्यक्ष संस्कृत विभाग, विपिन बिहारी इण्टर कालेज, झांसी।

जगदीशसरन 'श्रोतिय':—हिन्दी प्रेमी और प्रचारक, स्फुट लेखक, पो० बिलारी, मुरादाबाद, (उत्तर प्रदेश)।

जगदीशसिंह गहलौत:—कई पत्रों के भू० सम्पादक, कई साहित्यिक और सार्व० संस्थाओं के संचालक, संस्थापक या कार्यकर्त्ता मारवाड़ राज्य का इतिहास, चित्रमय राजस्थान आदि दर्जनों पुस्तकों के प्रणेता, सुप्रसिद्ध इतिहास लेखक पताः— घण्टाघर, जोधपुर

जगदीशसिंह चौहान 'सुमन':—१६४२ में सक्रिय भाग, 'हिन्दुस्तान समाचार के सम्पा०, 'झंकार' शरणार्थी (उप०) के लेखक। पता:—शहडोल, विन्ध्यप्रदेश।

जगदीश्वरप्रसाद ओझा:—अनेक महत्वपूर्ण और स्वास्थ्य विषयक पुस्तकों के प्रणेता। पताः—संचालक 'सुदर्शन' प्रेस, दरभंगा।

जगदेव शान्तः—हि० सा० स० प्रयाग की स्थायी समिति के भू० मन्त्री, 'छाया' प्रकाशित रचना है, पताः—शान्त निकुञ्ज, दाल मण्डी, मेरठ।

जगनलाल गुप्तः—भूत० स० 'प्रेम' वृन्दावन, रचनाएं संसार के सम्वत्, कौटिल्य के आर्थिक विचार आदि। पताः—मुख्तार, बुलन्दशहर (उ० प्र०)।

जगनसिंह सेंगरः—उ० प्र० सरकार द्वारा, किसान सतसई पर ८००) रु० का पुरुष्कार, शि० हाथरस, रचनाएं मुरली, झांकी, किसान सतसई आदि। पताः—'शिक्षक बन्धु' कार्यालय, कटरा, अलीगढ़

जगन्नयन बहुगुणाः—रचनाएं ऋषीकेश की यात्रा, अग्निकर्म चिकित्सा, आयुर्वेदीय शल्य-कर्म, आयुर्वेदिक आचार्य मूलचन्द रस्तोगी आयु० कालिज। पताः—आयुर्वेद सेवा सदन, देहरादून।

जगन्नाथप्रसाद चतुर्वेदीः—शिक्षा एम. ए. (हिन्दी-संस्कृत) सा० र० साहित्य संगीत और कला प्रेमी, कई व्याकरण सम्बन्धी पुस्तकें लिखी हैं, रा० भा० परिषद के परीक्षा मन्त्री अध्ययन-अध्यापन, यू० पी० बोर्ड के परीक्षक, वर्त्त० श्री सरस्वती विद्यालय हायर सैकि-

एडरी स्कूल के प्रिन्सिपल। पता—'निर्भय' गली, हाथरस (उ०-प्र०)

जगन्नाथ केशव रानडे— एम. ए. बी. टी., किर्लोस्कर, मनोहर; महाराष्ट्र, यशस्वी गांधार के लेखक पता:-प्रमुख, डी० ओ० सोसायटी हाईस्कूल, डंबरगांव।

जगन्नाथ पुष्करत, सारस्वत—साहित्य भूषण, हिन्दी रत्न सं० १६४३ (जन्म) भिन्न २ हिन्दी पत्र पत्रिकाओं में बिखरे अनेक निबन्ध और लेख अनेक संस्थाओं के संस्थापक, काशी ना० प्र० स० और हि० सा० स० के सम्मानित सदस्य और स्थायी समिति के सदस्य, 'पुष्करत' पदक के दाता। पता—साहित्य-सदन, चावल मण्डी, अमृतसर।

जगन्नाथप्रसाद्--'मध्यकालीन बिहार' पुस्तक के लेखक। पता -अध्यापक, उच्च आंग्ल विद्यालय (हाई इंग० स्कूल) शाहाबाद, बिहार।

जगन्नाथप्रसाद्—'भङ्ग तुपकरी' के नाम से प्रसिद्ध, रेडियो कलाकार, रचनाएं मिट्टी की महक, बेटी की बिदा, तीन खिड़कियाँ (अप्र०)। पता—ऑलइण्डिया रेडियो, नागपुर स्टेशन।

जगन्नाथप्रसाद् 'मिलिन्द'—सुप्रसिद्ध कवि, भू० अध्या० शांति निकेतन, कई पत्रों के सम्पादक रहे, रचनाएं-जीवन संगीत, पखुरियाँ, आँखों में, नवयुग के गान। पताः—ग्वालियर।

जगन्नाथप्रसाद् शर्माः—एम. ए. और 'प्रसाद जी के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन' पर डी० लिट हिन्दी अध्यापक-बनारस हिंदू विश्वविद्यालय। पता:—औरंगाबाद, काशी।

जगन्नाथप्रसाद् मिश्रः—अनेक साहित्यिक और सार्व० सभाओं के सदस्य और कार्यकर्त्ता, कई पत्रों के भू० सम्पादक, समाजवाद क्या है ? जीवन देवता की वाणी, आदि पुस्तकों के प्रणेता। पताः—अध्यक्ष, हिन्दी विभाग मिथिला कालेज, दरभंगा।

जगन्नाथप्रसाद श्रीवास्तव "विमलेश":—२ जुलाई १६१५ (जन्म) शिक्षा-मैट्रिक, सा० र०, इण्टरमीडियेट ग्रेड ड्राइंग (बम्बई) हि० सा० स० के परीक्षक, रचनाएं-प्रयास (कवि) माला (कवि) बलिदान (नाटक) आदर्श बापू (महाकाव्य) आदि।

पताः—सुपरवाइजर कानूनगो, त० पो० करछना, जि० प्रयाग
स्थायी पताः—ग्राम कोरिया, पो० कड़ा, इलाहाबाद।

जगन्नाथप्रसाद साहूः—कई पुस्तकें और स्फुट निबंध लिखे हैं, हि० प्र० स० के संचालक। पताः—लालगंज, हाजीपुर।

जगन्नाथराय शर्माः—एम. ए. (सं० + हि०) अध्यापन रचनाएं, ब्रज साहित्य सौरभ, तरुण तरंग, विक्रम-विजय उल्लेखनीय हैं, पताः—हिन्दी संस्कृत विभाग, पटना कालेज, पटना।

जगन्नाथसहायः—रचनाएं-आनन्द सागर, प्रेमरसामृत गोपालसहस्रनाम आदि, पताः—बड़ा बाजार, हजारी बाग, छोटा नागपुर।

जगन्नाथसिंह चौहान जगदीशः—हिन्दी की निशुल्क सेवा प्रचार कार्य द्वारा, छन्द शास्त्र के ज्ञाता। पताः—'नवजीवन कार्यालय, उदयपुर।

जगमोहनलाल जैनः—'परिवार बन्धु' के भू० स०, संस्कृत ग्रन्थों के उल्था में व्यस्त। पताः—जैन पाटशाला, कटनी, जबलपुर।

जगमोहनप्रसाद शुक्ल मोहनः—फुटकर कविताएं।
पताः—राजपुर, इटौंजा, लखनऊ।

जगमोहन रायः—'हिन्दी गीत काव्य' पद्य मुक्तावली आदि प्रकाशित पुस्तकें। पताः—अध्या० विश्वेश्वरनाथ हा० स्कू० अकबरपुर, फैजाबाद।

जगेश्वरसिंहः—'अवतारवाद' आपकी रचना है, हि० सा० परि० लालगंज के सभापति, साहित्य प्रेमी। पता—लालगंज रायबरेली।

जगेश्वरदयाल वैश्यः—रचनाएं-स्वास्थ्य प्रकाश, (चार भाग) भारतीय कहानियाँ आदि पारिभाषिक शब्द संग्रह में व्यस्त।
पता—इन्सपेक्टर ऑफ स्कूल्स, बीकानेर।

जनार्दन शर्मा 'अवनीन्द्र':—जन्म, इगलास (अलीगढ़) अध्यापन स्फुट कविताएं, 'काका कवि' और उनका हास्य" एक लेख माला दै० 'नागरिक' में प्रकाशित हुई। "बन्दा वैरागी" महाकाव्य प्रकाशन की प्रतीक्षा में है। पताः—अवनीन्द्र सदन इगलास (अलीगढ़)

जनार्दन पाठकः—रचनाएं देशोद्धार, स्वराज्य और युधिष्ठर। पताः—भेलही, सारन, बिहार।

जनार्दन प्रतिहस्तः—रचना 'राष्ट्रपति-शिवाजी' काव्य
पता—राष्ट्र भाषा प्रचारक मण्डल, सूरत।

जनार्दन प्रसाद द्विवेदीः—आयुर्वेदिक लेख लिखने में प्रवीण, पताः—आक्रोश औषधालय, रामगढ़वा, चम्पारन।

जनार्दन झा "द्विज"—रचनाएं-मालिका, किसलय, अन्तर्ध्वनि प्रेमचन्द की उपन्यास कला आदि, अध्ययन अध्यापन।
पताः—अध्यक्ष हिन्दी विभाग, राजेन्द्र कालेज, छपरा।

जनार्दन मिश्र "परमेश":—रचनाएं-हमारा सर्वस्व, रसबिन्दु, जीवन प्रभात आदि। पताः—अध्यापक, कुरसेला, पूर्णिया (बिहार)

जनार्दन मिश्रः—रचनाएं-विद्यापति, सूरदास भारतीय-संस्कृत की प्रस्तावना, पताः—अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग बी. एन. कालेज, पटना

जनार्दन मिश्र 'पंकज':—बी० ए० सा० र०, सा० लं०, आदि अनेक उपाधियों से विभूषित, हिन्दी-संस्कृत के अधिकारी विद्वान् रचनाएं-तुलसीदास (कवि) आह की दुनिया, संस्कृत-शिशुबोध इत्यादि, पता हिन्दी-संस्कृत अध्यापक, विश्व-भारती वि० वि. शान्ति निकेतन बंगाल।

जनार्दन रायः—राज० हि० सा० स० के प्रधानमन्त्री, "बालहित" मा० के सम्पादक, मेवाड़ (राजस्थान) में हिन्दी प्रचारकार्य, फुटकर कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि। पताः—हिन्दी विभागाध्यक्ष, विद्याभवन, उदयपुर।

जनार्दन नायरः—दक्षिण में हिन्दी प्रचार कार्य, रचनाएं-सरस कहानियाँ, नेहरू की जीवनी। पताः—प्रधान हिन्दी टीचर, म० गांधी स्मारक कालेज, त्रिवेन्द्रम।

जनार्दनस्वरूप अग्रवालः—अनेक स्था० साहि० सभाओं के पदाधिकारी, रचनाएं-हिन्दी में निबन्ध साहित्य, सम्पादित-'गद्य रत्नाकर" (पाठ्य पुस्तक) पताः—चौक, शाहजहांपुर,

जमनादास व्यासः—रा० भा० हि० प्र० स० वर्धा के परीक्षा

मन्त्री, कई पत्रों के सम्पादन में सहयोग, रचनाएं काव्य में प्रकृति वाद, हमारी अर्थ नीति, स्वराज्य की ओर, पता—प्रधान-अध्यापक, गर्ल्स हिन्दी हाईस्कूल, वर्धा।

जमनालाल जैन:—भू० सं० "वीर" साप्ता०, रचनाएं छन्द शतक रामायण के पात्र, पता—स० सम्पा० "जैन-जगत" (मा०) वर्धा।

जयकान्त मिश्रः—प्रका० "इत्सिंग की भारत यात्रा" "आर्यावर्त्त" पटना के सहकारी सम्पादक, पता-सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर।

जयकिशोर नारायणसिंहः—फुटकर कविताएं और कहानियाँ। पता-रईस, मुजफ्फरपुर।

जयचन्द्र रायः—"साहित्य सुमन" "विचार और समस्याएं में आपके दो लेख संग्रहीत हैं, स्फुट और भी लिखा है, अध्यापन पता-उपाध्याय, महानन्द मिशन कालिज, गाजियाबाद (मेरठ)

जयचन्द्र विद्यालंकरः—सुप्रसिद्ध इतिहासकार, रचनाएं भारत भूमि और उसके निवासी भारत वर्ष का एक राष्ट्रीय इति०, प्राचीन भारत में राष्ट्रीय ऋण आदि। पता-२६। ११२ नबाब गंज, लंका, बनारस, अथवा भारतीय इतिहास-परिषद, बनारस।

जयदेव गुप्तः—हिं० पत्र० स० उत्तर प्रदेश के प्रधान मन्त्री, दै० 'प्रताप' के सम्पादकीय विभाग में कार्य, स्फुट लेखन, पता-आर्य समाज भवन, मेस्टनरोड, कानपुर।

जयदेवप्रसाद गुप्तः—अ० भा० अर्थ शास्त्र परिषद् के संस्था० व० मन्त्री, नागरी प्र० स० के संस्था, रचनाएं अर्थशास्त्र-दो भाग, व्यापार-विज्ञान, व्यापार-प्रणाली। पता—अध्यापक, एस. एम. कालेज, चन्दौसी

जयनारायण कपूर—रचनाएं रुस्तम, मनोहर धार्मिक कहानियाँ गदर की सुबह शाम, राज विज्ञान आदि, कई हिन्दी संस्थाओं के संस्थापक। पता—वकील, मौरावां, उन्नाव।

जयनारायण झा 'विनीत'—रचनाएं महिला दर्पण, कुन्जमाला, वीरविभूति आदि। पता—समस्तीपुर, दरभंगा।

जयनारायण मल्लिक—सा० र०, एम. ए., प्रका० देहाती समाज, अछूत कन्या, पुष्प चयन आदि के प्रणेता। पता—प्रोफेसर, टी. एन. जे. कालेज, भागलपुर।

जयनारायण वार्ष्णेय:—जन्म १९१३ सासनी (अलीगढ़) सा० र० बी० एस० सी० (आनर्स) एम० एस० सी०, आपके लीडर, स्टेट्समैन; हिन्दुस्तान टाइम्स में अंग्रेजी के लेख छपते हैं, रचनाएं 'गोशाला के काम की बातें, शानदार, 'पंचवटी, मारीचवध आदि। पता:—अलीगढ़।

जयनारायण श्रीवास्तव:—रेडियो-कलाकार, एम० ए०, रचनाएं—प्रकाशानो लक्ष्मीबाई, (दो भाग) पुनर्विवाह आदि।
पता:—ऑल इण्डिया रेडियो, नई दिल्ली।

जयनारायण शर्मा:—शाण्डिल्य, सा० र०, कवि, लेखक, पत्रकार, सुवक्ता, हि० सा० स० के परीक्षक, फुटकर लेखन, भू० स० "बाल-सेवक"। पता:—अनन्त आश्रम, चँदिया, रीवां (विन्ध्य-प्रदेश)।

जय भगवान:—पुरातत्व और जैन साहित्य सम्बन्धी फुटकर निबन्ध। पता:—वकील, पानीपत।

जयशंकर नाथ मिश्र 'सरोज':—रचनाएं कल्पना, (कवि०) सुनहले-डोर (कहा०) (अप्रका०) अध्यापन वृत्ति। पता:—शकरी टोला, चौक, लखनऊ।

जयराम सिंह:—जन्म-जुलाई १९०७ खानपुर ग्राम (गाजीपुर) गहलौत। कृषि शास्त्र में सम्मे० से विज्ञान रत्न, बी० एस० सी० (आगरा यूनि०) रचनाएं—कृषि विज्ञान और उद्यान शास्त्र। पता:—हार्टीकल्चर और फार्म सुपरिण्टेण्डेण्ट बलवन्त राजपूत कालेज आगरा।

जयेन्द्र:—मणिपुर, सिलहट में हिन्दी प्रचार, फुटकर लेखन, पता:—कला निकुञ्ज, माडर, बरबथा, सिलहट (आसाम)।

जवाहरलाल चतुर्वेदी:—व्रजभाषा साहित्य के विद्वान, 'ब्रज भाषा कोश बनाने में व्यस्त, हस्तलिखित ग्रन्थों के कई संग्रह। पता:—बैजनाथ चौबे कम्पनी, ३ १।१ ए, इजारास्ट्रीट, कलकत्ता।

जवाहरलाल जैन:—रचनाएं जीवन रेखा, सर्वोदय की दिशा में, सामाजिक करार, तीन प्रश्न आदि सर्वोदयी, युगान्तर-प्रकाशन मन्दिर के संचालक, दै० "लोकवाणी" और "युगान्तर" (साप्ता०) का सम्पादन। पता:—मोतीसिंह भौमिये का रास्ता, जयपुर।

जवाहरलाल लोटा:—मौलिक रचनाएं—जैनधर्म प्रकाश, धर्म भजनावलि, आदर्श साधु, उपदेश चिन्तामणि, जैन-साहित्य के अध्ययन शील, प्रचारक, फुटकर लेखन, श्वेताम्बर जैन का सम्पा०, पता:—मोटी कटरा, आगरा।

जहूरबख्श हिन्दी कोविद:—भारत के ख्याति प्राप्त सुलेखक, रचनाएं लगभग सौ-से भी ऊपर, शारदा-सेवक, पता:—अध्यापक, सागर।

जानकीप्रसाद पुरोहित:—प्रका० मुसाफिर, साथी, दुविधा, देहाती देवता आदि। पता:—नवजीवन पुस्तकमाला, मल्हार गंज इन्दौर।

जानकीवल्लभ शास्त्री:—शास्त्री, शास्त्राचार्य, सा० आ० वेदान्ताचार्य, सा० र०, कवि रत्न (इएटर) कई आर्य-भाषाओं के जानकर, नर नाहर महाकवि "निराला" के अनन्य-मित्र, रचनाएं (कवि०) काकली (सं०) रूप, अरूप, तीर-तरंग शिप्रा, गाथा (समीक्षा), "महाकवि निराला" आठ सौ पृष्ठों के ग्रन्थ का सम्पादन। पता:—अध्यक्ष, साहित्य-विभाग, राजकीय संस्कृत कालेज, मुजफ्फरपुर, (बिहार)

जितेन्द्र कुमार:—अनेक साहित्य-संस्थाओं का स्थापन और सञ्चालन, 'अन्तर के गीत' कविता संग्रह दो खण्ड काव्य लिखने में व्यस्त, पता:—स्था० पो० खगड़िया, जिला मुंगेर।

जीतमल लूणिया:—'सस्ता-साहित्य-मण्डल' दिल्ली, हिन्दी साहित्य-मन्दिर' आदि प्रकाशन संस्थाओं के संस्था०, अजमेर कांग्रेस कमेटी के प्रेसीडेण्ट, प्रका० स्वतन्त्रता की झङ्कार, गांधी, चित्रावली। पता:—ब्रह्मपुरी, अजमेर।

जी० पी० श्रीवास्तव:—"हास्य-सम्राट" के नाम से प्रसिद्ध, अनेक हास्य पुस्तकों के प्रणेता। रचनाएं—कम्बख्ती की मार, 'नोक-झोंक' दुमदार आदमी आदि आदि, रिटायर्ड रेवेन्यू अफसर, पता:— गंगा आश्रम, गोंडा।

जी० बी० घाटगे "विश्वप्रेमी":—रचनाएं-अनोखी दुनिया, "युग-दर्शन-माला" नामक लेखमाला, पता—भोपाल।

जीवनलाल 'प्रेम':—दै० "स्वतंत्र-भारत" के सम्पादकीय विभाग

में कार्य, प्रकाशित-स्वतंत्रता आदि। पता–२८, कटरा विजन वेग, चौपटियां, लखनऊ।

जीवनः—जन्म१९१८, प्रबन्ध सम्पा० "रूपा" हमराहीप्रकाशन, अल्मोड़ा, रचनाएं वासवदत्ता, चुनौती (नाटक) पाप और विज्ञान तथा आदमी (रूसी कहानियाँ) अनुवादित। पताः—श्याम-निवास, अल्मोड़ा।

जीवछराज ठाकुर जीवनः—प्र० परमाणु बम आदि।
पताः—'हुँकार' कार्यालय, बाँकीपुर, पटना।

ज्वालाप्रसाद पाण्डेय "अनल":—साहित्यरत्न जन्म १९२१ कई साहित्यिक संस्थाओं में कार्य–सम्पादन, फुटकर कहानियाँ निबन्ध, आलोचनाएं तथा स्फुट कविताएं प्रकाशित, अप्रका० 'पञ्चानल "साहित्य-श्रृङ्गार" दो पुस्तकें। पताः—अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सनासी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रुद्रपुर (देवरिया) यू० पी०।

ज्वालाप्रसाद डाक्टर,:–एम० ए० डी० फिल, स्फुट लेखन, वाणिज्य के ज्ञाता। पताः—शिवाजी विद्यालय, अमरावती।

ज्वालाप्रसाद सिंहः—सदस्य उ० प्र० कांग्रेस-कमेटी, कई बार कारावास यात्रा, हि० सा० स० बिहार के मान्य सदस्य, अन्य साहित्यिक संस्थाओं के पदाधिकारी रहे, प्रका० श्री मैथिलीशरण गुप्त एक अध्ययन, कवीन्द्र रवीन्द्र एक समीक्षा, पता—उपसभापति, चम्पारन जिला बोर्ड, मोतिहारी।

जैनेन्द्र कुमार जैनः—सुप्रसिद्ध साहित्यिक-मनीषी मासिक "हंस" का भी सम्पादन कर चुके हैं, रचनाएं—वातायन, एक रात, फाँसी पाजेब आदि पुस्तकें, विचार शील-मनोवैज्ञानिक साहित्यकार।
पताः ७, दरियागंज, दिल्ली।

जूनीप्रसाद "चन्द्रका":—कहानी-संग्रह लिखा है, पताः-कमला गंज, शिवपुरी, ग्वालियर।

जमुनाप्रसाद गौड़ः—जन्म-१९२७ मथुरा व्रज, प्रकाशन 'अन्धकार प्रकाश, सम्राट अशोक, चाणक्य, शूल शिखरों और सरोवरों में आदि। पताः-बाबूलाल शर्मा, सिविल हास्पिटल, मथुरा।

ज्योतिप्रसाद मिश्र "निर्मल":—कई प्रसिद्ध पत्रों के भू० सम्पादक, हि० सा० स० प्रयाग के भू०मन्त्री, प्रका० नवयुग काव्य विमर्श

स्त्री कवि कौमुदी आदि। पता:-सम्पादक "देशदूत," इण्डियन प्रेस, प्रयाग।

ज्योतिप्रसाद जैन:—जन्म ३१ दिसम्बर १९१८, एम. ए. एल. एल. बी. साहित्य विशारद, रिसर्च स्कालर, लगभग १०० लेख प्रकाशित, सम्पादन-मानसी, अनेकान्त, योगसार, बहुत सा साहित्य प्रकाश में नहीं आया। पता:—यूनियन मेडिकल स्टोर, कैसर बाग, लखनऊ तथा ७७ ठठेरबाड़ा, मेरठ।

जे डी. मैसाले:—जन्म १९२३, रचनाएं 'नागयज्ञ' का (कन्नड़ अनुवाद), द० भा० हि० प्र० स० के प्रचारक, सम्पादन-हिन्दी कन्नड़ रत्न कोष, कन्नड़ और हिन्दी लेखक। पता:—हिन्दी अध्यापक, आर. एल. एस. हाईस्कूल, धारवाड़ (बम्बई स्टेट)

जेठालाल जोशी:—रचनाएं-राष्ट्र-भाषा परिचय तथा स्फुट रा० भा० प्र० समिति वर्धा के सदस्य, गुजरात प्र० रा० भा० प्र० स० के मन्त्री। पता:—गुजरात प्रान्तीय राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, कालुपुर खजुरी पोल, अहमदाबाद।

जौहरीमल शर्मा:—हिन्दी के सुलेखक और साहित्यानुरागी, रचनाएं-आङ्गल व्याकरण विटप, श्रीराम विद्याभ्यास (एकाङ्की) अनेक स्फुट निबन्ध। पता:—६, मौडन स्कूल, नई दिल्ली।

टी. एन. रामचन्द्र राव:—मार्च, १९१९, सन् १९४० से हिन्दी प्रचार में संलग्न, 'कुमर गुरुपार' 'तमिल देश के महापुरुष', यही तो दुनिया है (अनुवादित कृतियां हिन्दी में) द० हि० प्र० स० के कार्यकर्त्ता। पता:—४०३, अज्जी अण्णा वदटार, तंजाऊर, (दक्षिण-भारत)

ठाकुरेन्द्र साथी:—प्रगतिशील कवि और प्र० ले० संघ के सक्रिय सदस्य, प्रगतिवादी कहानी का नवजात तथा मौलिक कलाकार। पता:—फरदा, जिला मुंगेर।

तपेशचन्द्र त्रिवेदी:—रचनाएं-कालिन्दी, हेमंत, पूर्णिमा। पता:—गोड्डा, तारापुर, भागलपुर।

तारकेश्वर प्रसाद:—'गाँव की ओर' प्रका०, 'बीसवीं सदी' के सम्पादक। पता:—अमल पट्टी, मोतिहारी, बिहार।

तारकेश्वर प्रसाद वर्माः—पटना रेडियो से कहानी और रूपकों का प्रसारण होता है, स्फुट लेख। पताः—हिन्दी अध्यापक, जिला स्कूल, मुजफ्फरपुर।

ताराकुमारी बाजपेयीः—स्फुट रचनाएं, पता-संकटाप्रसाद बाजपेयी, लखीमपुर खीरी।

तारादेवीः—फुटकर लेखिका, पताः-२८, कमलानगर, मोहन निवास, दिल्ली।

ताराशंकर पाठकः--कई साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय कार्यकर्त्ता, आलोचनात्मक लेखन, पताः-११६ पारसी मोहल्ला, इन्दौर।

तिलकराम पाण्डेय 'अरविन्द':—निशुल्क हि० सा० स० के लिए परीक्षार्थियों को पढ़ाना, साहित्य सेवी, कई शिक्षा और साहित्यिक संस्थाओं के संस्था०, पता—ग्राम-सरोई, पो० भदोही, (बनारस) अथवा अध्यापक-आदित्य नारायण इण्टर कालेज, भदोही (बनारस)

तीर्थप्रसाद त्रिपाठीः—फुटकर लेखन रचनाएं "आशा, 'किरण' (कहा०) अध्यापन, पताः-प्रधानाध्यापक माध्यमिक पाठशाला, गोविन्दगढ़, रीवां।

तुलसीदास शर्मा "नवल":--कार्तिक, सं० १६५६। स० १६२० से पत्र-पत्रिकाओं में गद्य-पद्य व समालोचनाएं, प्रिय विषय हास्य, समाजसुधार। पताः-वकील, ओरछा (विन्ध्य प्रदेश)।

तुलसीभाटिया "सरल":—सम्वत् १६८४, कई प्रसिद्ध मासिक पाक्षिक और दैनिक पत्रों के सम्पादक, रचनाएं-"नीड़-विसर्जन" आह्वान् तथा विद्रोह (कविता) अभ्युदय, मर्यादा (नाटक) प्रतिशोध (क०) कई साहित्यिक संस्थाओं के कार्यकर्त्ता। पताः-प्रिन्सिपल, सिन्धु-भारती, मवैया, लखनऊ।

तोताकृष्ण गैरोलाः—विशारद, प्रभाकर, रचनाएं-प्रेमी पथिक (गढ़वाली में) हिन्दी पद्य रचना आदि, हि० सा० स० के सदस्य, पताः-कृष्ण कुञ्ज, देहरादून।

दण्डमूड़ि बेंकट कृष्ण रावः—स्फुट लेखन, अध्यापन। पताः—गूटी हिन्दी-प्रचार-सभा, अवन्तपुर।

दयाकिशोर वर्मा 'किशोर बन्धु':--साहित्य भूषण, साहित्य रत्न, रचनाएं-गांधी, टूटे तार (प्र० काव्य) आँसू, राही, कुमकुम, भाई

"विद्यार्थी" तथा "राही" के भू० स० पता-इण्टर कालेज, गुना, अथवा शिवपुरी, ग्वालियर (मध्य भारत)।

दयाचंद:--स्फुट लेखन, पता:-प्रधानाध्यापक, गणेश-विद्यालय, सागर,

दयानिधि पाठक--रचनाएं-देवदास, हिन्दू, कुमार-कर्त्तव्य, पता-वकील, खानपुर, इटावा।

दयाशंकर दुबे--राजनीति और नागरिक शास्त्र के सुप्रसिद्ध लेखक, कई सा० संस्था० के सक्रिय कार्यकर्त्ता, 'भारत में कृषि सुधार' 'विदेशी-विनिमय' ग्राम्य अर्थशास्त्र, आदि दर्जनों पुस्तकों के प्रणेता। पता-दुबे निवास, ८७३ दारागंज, इलाहाबाद।

दयाशंकर नाग--सं० 'अर्थ-सन्देश' (त्रै मा०) प्रका० 'भारत और पाकिस्तान का आर्थिक सम्बन्ध' पता-प्रोफेसर आफ इकोनोमिक्स जी. एस. कामर्स कालेज, जबलपुर।

दाऊदयाल शर्मा'व्रजेश'--'इण्डियन प्रेस सर्विस' के अध्यक्ष, 'देवदूत' (सा०) 'जय-भारत (दै०) मथुरा के सम्पादक रहे, स्फुट कविता, लेख, कहानी, अ० भा० ब्र० सा० म० की स्थायी समिति के सदस्य, जनपद हि० सा० स० के प्रधान मन्त्री। पता-रामजी द्वारा, मथुरा।

दामोदर "युगुल जोड़ी"--रचनाएं-रघुचरित, प्रियतम की वीणा आदि। पता-आलमगंज, दिल्दारनगर, गाजीपुर।

दिगम्बर झा 'देव'—१६२५ (जन्म), बि० हि० सा० स० को अपनी सेवाएं अर्पित कीं, 'अरुण' (मासि०) का सम्पादन, रचनाएं-दिग्दर्शन (उ), अनुभूति (लघुकथाएं) त्रिकूट (पका०) आदि। पता-बोदरा, डाकघर ए० डी० महेशपुर, वाया गोड्डा (संथाल परगना) बिहार।

दिनेशप्रसाद वर्मा--रेडियो कलाकार, कई पत्रों के सम्पादन में योग, "भारतेन्दु" पर अनुसन्धान में संलग्न, "स्फुट" लेखन, पता-अध्यापक, एच० डी० जैन कालेज, आरा।

दिनेश नंदिनी चौरडिया--रचनाएं-'शबनम' (सेकसरिया पुरुस्कार हि० सा० स०) मौक्तिक माल, शारदीय आदि, प्रसिद्ध कवियित्री पता-द्वारा प्रो० श्यामसुन्दर चौरडिया, एम० ए०, मारिस कालेज

नागपुर ।

दिनेशनारायण उपाध्याय--सं० १९७४ (जन्म) एम. ए. सा. र. समय समय पर उच्च कोटि के पत्र पत्रिकाओं में आलोचना, कवितादि लिखना 'भारतेन्दु के युग में प्रेम घन जी पर अनुसन्धान कर रहे हैं। 'हमारी नाट्य परम्परा', प्रेमघन सर्वस्व भाग १,२ का सम्पादन, 'नारायनपुर फार्म में कृषिकार्य।. पता--शीतलगञ्ज मसकनवा, गोंडा।

दिवाकर--रचनाएं-मेघदूत (अनु०) किंकणी (अप्र०) लगभग २०० स्फुट लेख प्रका०। पता--विश्वनाथ बन्धु आयुर्वेद भवन, बरौना, मुंगेर।

दिवाकर साहु 'समीर'--जन्म १९२४, रचनाएं--संथाली व्याकरण, संथाली प्रवेशिका, सेदाय गाते, रामायण (संथाली में अनुवाद) 'होड सोम्बाद' संथाल साप्ता० का सम्पादन, संथालों में देवनागरी लिपि प्रचार। पता--पार्वती कुटीर, वैद्यनाथ देवघर बिहार।

दिवाकरप्रसाद विद्यार्थीः—स्फुट लेख; कविताएं,।
पताः—आंग्ल अध्यापक, पटना कालेज, पटना।

दीनदयालुः—रचनाएं गीता भाष्य, श्री रामतीर्थ ग्रन्थावली आदि, भू० स० मन्त्री हि० सा० स०। पताः—रामतीर्थ प्रतिष्ठान, गणेशगंज, लखनऊ।

दीनदयालु गुप्तः—रचनाएं 'अष्ट छाप' और बल्लभ सम्प्रदाय एक अध्ययन, (डालमिया पुरस्कार २१००) तथा डी० लिट्.) 'अष्ट छाप' के अधिकारी विद्वान, अनुसन्धान रत। पताः—हिन्दी विभागाध्यक्ष, लखनऊ यूनीवर्सिटी लखनऊ।

दीनदयाल दिनेशः—कई पत्रों के सम्पादन में योग, 'उस ओर' प्रकाशित कहानी संग्रह। पताः—क्लर्क, कृषि औद्योगिक डी. ए. वी. कालेज, अजमेर।

दीनबन्धु त्रिवेदीः--कई साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय सदस्य, स्फुट लेखन। पताः--प्रोफेसर, गुरु नारायण खत्री इण्टर कालेज, कानपुर।

दीनानाथ चतुर्वेदी 'सुमनेश':--स्फुट कविताएं, सुकवि, अध्यापन वृत्ति। पताः—गतश्रम टीला, मथुरा।

दीनानाथ व्यास:—रचनाएं—'गल्प विज्ञान' अरमानों की चिता 'जीवन की एक झलक' भारतीय विधान परिषद् आदि कई पत्रों के भू० सम्पा० । पता:—कवि कुटीर, नदी दरवाजा, उज्जैन ।

दीपचन्द शर्मा:—साहित्य प्रेमी । पता:—राष्ट्रीय हायर सैकिण्डरी स्कूल, अछनेरा ।

दीपचन्द जैन:—फुटकर रचनाएं । पता:—प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, दरबार कालेज, रीवां ।

दीपनारायण त्रिपाठी 'मणि':—कई शिक्षा और साहित्य सम्बन्धी संस्थाओं में सेवा, स्फुट लेखक । पता:—अध्यापक, मारवाड़ी हाईस्कूल, देवरिया ।

दुर्गाप्रसाद उपाध्याय:—साहित्यिक अभिरुचि । पता:—द्वारा श्री दुर्गा पुस्तकालय, सदर बाजार, विन्ध्याचल (मिर्जापुर) ।

दुर्गाप्रसाद पिपल 'मगन':—हाल ही मे आपका एक कहानी संग्रह आगरा से प्रकाशित हुआ है, कई सा० संस्थाओं के सदस्य आगरा से एक पत्र निकालने की योजना में व्यस्त । पता—मेंडू (अलीगढ़) ।

दुर्गाप्रसाद खत्री:— स्व० देवकीनन्दन खत्री के सुपुत्र, कई जासूसी पुस्तकें लिखी हैं । पता:—लहरी बुक डिपो, काशी ।

दुर्गानारायण 'वीर त्रयदश':—जन्म ३ फरवरी सं० १९५० कई पत्रों के भू० सम्पा, कई साहि० संस्थाओं के सदस्य और संस्था०, 'तूणीर', पूर्णिमा, तारिका, 'मंगल प्रभात' आदि के लेखक, साप्ताहिक 'सन्देश' का आजकल प्रकाशन जो १५०० वाचनालयों में मुफ्त जाता है । पता:—श्री शारदा शान्ति साहित्य सदन, केवलारी, पथरिया, सागर ।

दुर्गाप्रसाद शर्मा:—साहित्य रत्न, १९२४ अछनेरा (जन्म) रचनाएं हिन्दुओ उठो ? और स्फुट कविताएं प्रकाशित ।
पता—प्रधान हिन्दी अध्यापक राष्ट्रीय हायर सैकि० स्कूल अछनेरा,

दुर्गाप्रसादसिंह:—'फरार की डायरी 'एक था राजा' आदि के लेखक । पता—प्रकाशन अधिकारी आरा ।

दुर्गाप्रसाद राव:—'जीवन की विचित्रता' ग्रीस देश की प्राचीन सभ्यता आदि के लेखक । पता-पुरानी बाजार, ललितपुर, झांसी ।

दुर्गाशरण पाण्डेय—'रघुवंश की टीका' 'अष्टाध्यायी' आदि के प्रणेता, पता—राजकीय इण्टर कालेज, मुरादाबाद ।

दुलारेलाल भार्गव—कई सुप्रसिद्ध पत्रों के भू० सम्पा० सर्व

जनकवि दीनानाथ चतुर्वेदी 'सुमनेश'
(परिचय पृष्ठ ७१)

श्री दुष्यन्त कुमार
'परदेशी'
(परिचय पृष्ठ ७२)
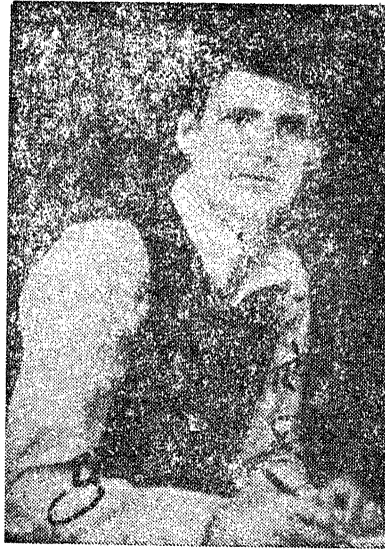
प्रथम देवपुरुष्कार विजेता, गंगा फाइन आर्ट प्रेस और गंगा पुस्तक माला के संस्था०, रचनाएं-दुलारे दोहावली, आदि। पता—कविकुटीर, लाटूश रोड, लखनऊ।

दुष्यन्त कुमार परदेशी:—पुकार (मा०) के भू० सह सम्पादक, उदीयमान कवि, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र, उच्च-श्रेणी के पत्रों में आपकी रचनाएं छपती हैं। पता:—नवादा, पो० नागल।

दुर्गादत्त भारतीय रजुआ:—'मतवाला' और ज्वाला (दैनिक) के भूतपूर्व सम्पादक, स्फुट लेखन। पता—पन्त नगर, हाथरस।

दूधनाथ दुबे—जन्म १ जनवरी १६३४, स्फुट लेख और कहानियाँ, पतः—सरोखनपुर, मुँगरा बादशाहपुर जौनपुर।

दूधनाथसिंह—कृषि विषयक उच्च शिक्षा-प्र प्र. हि० सा० स० के परीक्षक, को०आ० बैंक के डायरेक्टर, प्रिय विषय कृषि, बनस्पति, विज्ञान 'कृषि-विज्ञान' विषयक लेखक, पताः—प्रधानाध्यापक, राजकीय कृषि विद्यालय, बुलन्दशहर।

देवकराम "सुमन"—साहित्यरत्न, १७ अक्टू० १६२२, प्रि०वि० कविता, कहा०, उप०, चाँद, बटोही, लाल, क्रान्ति-गीत, प्रणय-गीत प्रकाशित रचनाएं, "युगध्वनि", परिवर्तन आदि (अप्रकाशित), अध्ययन। पता—ग्राम, पत्रा० कण्डेरा, (मेरठ)

देवकीनन्दन शर्मा "विकल"—"विकल" विशारद के नाम से प्रसिद्ध, भू० स० साप्ता० "साथी", "नागरिक" दैनिक के सम्पादक, स्फुट लेख, कविताएं कई पुस्तकें प्रकाशित। पता:—दैनिक "नागरिक" हाथरस।

देवकीनन्दन शर्मा "उज्वल"—स्फुट रचनाएं, पता:—प्रोफेसर, सनातन-धर्म कालेज, अम्बाला कैण्ट।

देवकीनन्दन बन्सल—जन्म, हाथरस (उत्तर-प्रदेश) रच० प्रेम और जीवन आदि लगभग तीन दर्जन पुस्तकें, सम्पादक, हिन्दू-गृहस्थ, रागिनी, नया संसार। पता:—पो० ब० ६३७, कलकत्ता।

देवकृष्ण व्यास—रचनाएं-स्फुट, पताः—अध्यापक, थावरिया बाजार, रतलाम।

देवनाथ पाण्डेय "रसाल"—सुप्रसिद्ध कवि, आ० इ० रे० के विभिन्न केन्द्रों से रचनाओं का प्रसरण, बी० ए०, एल० एल० बी०, तक शिक्षा, वकालत, रचनाएं दीपिका (कवि) (अप्रकाशित)

'स्वर-धन्वी', 'बान्धवी' और सीमन्तनी। पताः—रसाल कुञ्ज, सारनाथ, बनारस।

देवनाथ उपाध्याय—जन्म १ जुलाई १९१४, समाजवाद की ओर (अनु०) बलिया में क्रान्ति और दमन 'आकाश की झांकी' आदि के लेखक, दै० 'भारत' के भू० सम्पादक रहे, साहित्य, राजनीति अध्यापन। पताः—आचार्य दयानन्द महा विद्यालय, बिल्थरा रोड, बलिया।

देवनारायण 'किसलय':—'साहित्यालङ्कार' में सर्वोपरि, प्रका० पदध्वनि और प्रत्याशा आदि। पताः—पूर्णिया, बिहार।

देवनारायण सिंहः—'हिन्दी शिक्षण पद्धति" के ख्याति प्राप्त लेखक। पताः—हिन्दी विभाग, जी. बी. बी. कालेज, मुजफ्फरपुर।

देवराज उपाध्यायः—रचनाएं 'साहित्य की रूप रेखा' और दो लेख संग्रह। पताः—प्राध्यापक, जसवन्त कालेज, जोधपुर।

देवदत्त अटलः—'नवोदित कलाकार संगम' के उपसभापति, उदीयमान कलाकार। पताः—दिल्ली।

देवदत्त शास्त्रीः—'कौटलीय अर्थशास्त्र', 'चन्द्रशेखर आजाद आदि के सुलेखक। पताः—जननी (मासि०) कार्यालय, इलाहाबाद,

देवव्रत शास्त्रीः—कई सुप्रसिद्ध पत्रों के सम्पादन में योग दिया फुटकर लेख। प्रका० गणेशशंकर विद्यार्थी, वर्त्तमान रूस और मुस्तफा कमालपाशा, मन्त्री अ० भा० हि० प० संघ। पताः—नवराष्ट्र प्रेस, पटना, बिहार।

देवीदत्त शुक्लः—ख्याति प्राप्त 'सरस्वती' के भू० सं०, कुशल लेखक और पत्रकार अनेक पुस्तकों के लेखक और सम्पादक। पताः—'चण्डी' (मासिक) कार्यालय, कटरा, प्रयाग।

देवदूतविद्यार्थी (उर्फ देवनारायण पाण्डेय):—रचनात्मक कार्यकर्त्ता, १९२७ में 'हिन्दी प्रचारक पत्रिका' का सम्पादन। रचनाएं तूणीर, कुमार हृदय का, उच्छमद आदि। दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार। पताः—भारतीय भण्डार, पो० मोतिहारी (चम्पारन) बिहार

देवीदयाल दुबे—इटावा से प्रकाशित 'जनमत' के सम्पा०, 'जाग्रत-स्वप्न' गान्धी युग का अन्त आदि के लेखक, पता—इटावा (उत्तर प्रदेश)।

देवीदयाल शुक्ल 'प्रणेश' –मुक्त संगीत, 'नेशीथिनी' आदि के लेखक। पता––प्रकाशचन्द्र रामदयाल, चौक, कानपुर।

देवीदयाल 'मस्त'—(चतुर्वेदी कई पत्रों के भू० यशस्वी सम्पादक, कुशल पत्रकार, सम्पादक और लेखक, रचनाएं विसर्जन, दीपदान, दुनिया के तानाशाह इत्यादि। पताः—सम्पादक 'मंजरी' इण्डियन प्रेस, प्रयाग।

देवीरत्न अवस्थी 'करील':—१९४५ में आपने हिन्दी साहित्य परिषद लालगंज की स्थापना की। साहित्य अभिरुचि के व्यक्ति, रचनाएं देवार्चन और सर्वमेत्र (महा०)। पताः—द्वारा हि० सा० परिषद लालगंज रायबरेली।

देवीदास शर्मा:—जन्म १९२५, हाथरस, सम्पादन "अतीत" (मा०) "शारदा" (मा०) साप्ता० दिल्लगी, भू० सह सं० दैनिक "नागरिक" और प्र० सम्पादक दै० "निर्भय" मसिजीवी पत्रकार और 'शारदा-सेवक' के प्रबन्ध सम्पादक, संस्थाओं में सेवा "शारदा सदन" हाथरस (उ० प्र०) के संस्थापक, सञ्चालक, हिन्दी के प्रबल प्रचारक और परिपोषक, कई साहित्यिक-संस्थाओं को सक्रिय सहयोग, 'निर्भय प्रेस एवं प्रकाशन के संस्थापक-सञ्चालक, आजीवन साहित्य-सेवा का व्रत। पता:—निर्भय गली; हाथरस (उत्तर प्रदेश)।

देवीप्रसाद गुप्तः—कुसुमाकर, गुलजार–बी० ए०, एल० एल० बी० १८९४ जन्म-लब्ध प्रतिष्ठित कवि, गद्य पद्य, नाटक-कहानी तथा अन्य विषयों पर पुस्तकें लिखी हैं "मिश्रबन्धु विनोद" हिन्दी साहित्य के इतिहास में आपकी भी जीवनी निकली है, रचनाएं-अमरीकन संयुक्त राज्य की शासन प्रणाली, इतिहास दर्पण, बना हुआ गवाह कलामे-गुलजार आदि। पता:—वकील, सोहागपुर, जि० होशंगाबाद, (मध्य प्रदेश)

देवीलाल सामरः—स्फुट कविताएं और कहानियाँ, पताः–अध्यापक विद्याभवन, उदयपुर।

देवीशंकर द्विवेदी "सुशील":—जन्म १९१२, कविता, लेख, कहानी द्वारा हिन्दी की श्री वृद्धि में संलग्न, बहुमुखी प्रतिभा, रचनाएं सुशील-सुषमा, दुत्कार (पद्य) बन्दी (क०) अप्रकाशित पुस्तकें। पता-ग्राम पत्रालय-करारी कलाँ, (जि० उन्नाव उत्तर-प्रदेश)

देवीशंकर मिश्र "अमर":—एम० एस० सी० (बनारस यूनी०) छात्रकाल से ही साहित्य से विशेष प्रेम, उद्‌गार (कवि) जगद्‌गुरू भारत, सुमार्ग (सम्पा) पता-अध्यक्ष विज्ञान विभाग, कालीचरण इण्टर कालेज, लखनऊ।

देवीशरण त्रिपाठी:—रच० लगभग दो ढाई दर्जन शिक्षा ग्रन्थ। पता-प्रधानाध्यापक, जूनियर हाईस्कूल, गोरखपुर।

दोनेपूडि राजाराव:—हिन्दी तथा तेलगू में लिखते हैं दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार, पाठ्य पुस्तकों में भी आपकी रचनाएं संकलित हैं, रचनाएं 'हजरत-मोहम्मद', 'शंखनाद', दक्षिण-भारत के एकमात्र उपयोगी पत्र "शिक्षक" के सम्पादक। पता-कार्यालय "शिक्षक" विजयवाड़ा-२

देवर्षिसनाढ्य—'सुमन' के भू० स०, रचनाएं-किसान-पत्नी सत्यवती, पता-अध्यापक धर्म समाज कालेज, अलीगढ़।

देवेन्द्र सत्यार्थी—हिन्दी साहित्य सम्मेलन कोटा अधिवेशन के कवि-सम्मेलन के सभापति, प्रसिद्ध लोकगीतकार, और संस्मरण लेखक, कथाकार, कवि और पर्यटक, "आजकल" (मासिक) के सम्पादक। पता-नई-दिल्ली।

देवेन्द्रकुमार "दिवाकर" जैन—"महिला महत्त्व" प्रका०; अध्यापन। पताः—हिन्दी टीचर, काल्विन इंगलिश मिडि० स्कूल कुशलगढ़ (राजस्थान)

देवेन्द्रनाथ शर्मा—प्रका० 'साहित्यिक निबन्धावली', अलंकार मुक्तावली आदि, अध्यापन। पताः—अध्यापक, पटना कालेज पटना।

देवेन्द्रपाल गुप्त सुहृद—कई पत्रों के भू० स०, स्फुट लेखन, पताः—बरानदी ग्राम; बुढ़ासी (अलीगढ़)

देवेन्द्रसिंह—'लीडर' तथा अनेक पत्रों के सम्पादन में योग, अध्यापन। पताः—अध्यापक, कायस्थ पाठशाला प्रयाग।

द्वारकाप्रसाद:—मार्च १६१८, एम० एम, कहानियां, निबन्ध, नाटक, एकांकी और हास्य आदि गत चौदह वर्षों से लिखते है, 'विश्वभारती' लखनऊ के मनोविज्ञान स्तम्भ के स्थायी लेखक,

सुवक्ता, बागवानी का शौक, कुछ दिन फिल्मों में रहे, रचनाएं घेरे के बाहर, सर्द-छाया, भटका साथी, स्वयं सेवक (उपन्यास) आदमी (नाटक) आदि, कतिपय मासिकों का सम्पादन। पता-मालिक, किरण हौजरी फैक्टरी पो० डाल्टनगंज (बिहार)

द्वारिकाप्रसाद दुबेः—साहित्य-प्रेमी, स्फुट रचना, पता-तिलंगा भदोही (बनारस)

द्वारिकाप्रसाद गुप्तः—"गौ विषयक' सर्वमान्य लोकप्रिय लेखक कई साहि० संस्थाओं के भू० कार्यकर्त्ता, रचनाएं बिहार के हिन्दी सेवक, मगध का महत्त्व इत्यादि ढाई दर्जन से ऊपर ग्रन्थ। पता-लहेरी टोला, गया।

द्वारिकाप्रसाद तिवारी 'विप्र':—६ जुलाई १६०८ (जन्म) गत १७ वर्षों से भारतेन्दु सा० स० के प्र० मंत्री, विभागीय एवं प्रादेशिक सा० सभा के सदस्य, अनेक नवीन कवियों-लेखकों को प्रोत्साहन रचनाएं गांधी गीत, स्वराज्य गीत, कुछ का ही, शिव स्तुति। अब 'दो किसान' पुस्तक लिखने में संलग्न। पता—सहकारी मैनेजर, कोआपरेटिव बैंक लि०, बिलासपुर (मध्य प्रदेश)

द्वारिकाप्रसाद मिश्रः—मध्यप्रान्त के भूतपूर्व गृह मन्त्री, कांग्रेस की मिनिस्टरी से त्यागपत्र, लोकमत, शारदा (मा०) तथा 'सारथि' के ख्याति प्राप्त भू० सम्पादक, राष्ट्रीय आन्दोलनों में क्रियात्मक भाग लिया, गत चुनावों में असफल, रचनाएं स्फुट लेखादि तथा रामायण के सदृश 'कृष्णायन' महाकाव्य जो आपकी कीर्ति को सदैव अमर रखेगा। पताः—'सारथि' कार्यालय, जबलपुर।

धन्यकुमार जैनः—'विशाल-भारत' के भू० सं० लब्धप्रतिष्ठ लेखक, 'उदय की ओर' 'थर्ड-क्लास' आदि के रचयिता। पता-हिन्दी ग्रन्थागार, पी० कलाकार स्ट्रीट, कलकत्ता।

धन्यकुमार जैन "सुधेश":—सं-१६८४, रचनाएं अनुमानतः २०० कविताएं और १० काव्यों का सृजन, विराग (भावात्मक खण्ड काव्य) उदय-काव्य वीरायण, मुण्डमाल (अतीत, महल, हाथरस द्वारा प्रकाशित)। पता-नागौद (जि० सतना) विन्ध्य-प्रदेश।

धनञ्जय भट्ट 'सरल':—स्व० बालकृष्ण भट्ट जी के पौत्र, संपा-

दित ग्रन्थ-भट्ट-निबन्धावली, भट्ट—नाटकावली इत्यादि, अहियापुर, प्रयाग।

धनराज जोशी 'हिमकर':—रचनाएं-नकली गान, स्फुट कवितायें पता—असिस्टेण्ट टीचर, हिन्दी प्राथमिक शाला, सोहागपुर।

धर्मपाल गुप्त 'शलभ':—पत्र-प्रतिनिधि तथा गीतकार, पता—इ क्टर, बरेली।

धर्मपाल 'गुप्त':—'रंगभूमि (मासिक) दिल्ली के सञ्चा० सम्पा० पता—५६५ कूचा सेठ, दरीबा कलाँ दिल्ली।

धर्मपाल 'विद्यालंकार':—'आर्यमित्र' 'तेज' तथा दै० 'वीर अर्जुन' के भू० स०, दर्शन और आर्यसमाज सम्बन्धी अनेक पुस्तकों के प्रणेता, टिकैतगञ्ज, बदायूँ।

धर्मवीर 'भारती':—नये युग की नई पीढ़ी का युग-कलाकार प्रगति शील कवि, लेखक नाटककार, कहानीकार, पत्रकार' 'संगम' के सम्पादकीय विभाग में कार्य करते हैं। पता—"संगम" साप्ता०, प्रयाग।

धर्मवीर:—विदेशों में पर्याप्त भ्रमण, कई पत्रों के भू० सं०, रचनाएं-संसार की कहानियाँ, पंजाब का इतिहास, दक्षिण का इतिहास कला और हिन्दुत्व प्रेमी,। पता—आकाशवाणी प्रकाशन लि० गोपालनगर, जालंधर।

धर्मवीर प्रेमी:—रचनाएं-प्रबन्ध-बोध, आर्य जगत के उज्ज्वल रत्न आदि। पता—प्रिन्टिंग प्रेस, मेरठ।

धर्मेन्द्र अधीर:—उदीयमान भावुक कवि और लेखक, अभी आपसे बहुत सी आशाएं हैं, पता—मण्डी चोब, अमरोहा, मुरादाबाद

धर्मेन्द्र ब्रह्मचारी:—विद्वान् लेखक, पटना कालेज के भू० हिन्दी विभागाध्यक्ष। प्रकाशित रचनाएं हरिऔध जी का प्रिय प्रवास, निर्गुण साहित्य में दरिया साहिब। पता—इन्सपेक्टर आफस्कूल्स, छोटा नागपुर, राँची।

धीरेन्द्र वर्मा:—हिन्दी के लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार, शिक्षा एम. ए. तक तथा पेरिस यूनीवर्सिटी से डी. लिट्, अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्धित, प्रकाशित पुस्तकें हिन्दी भाषा और लिपि,

ब्रजभाषा व्याकरण आदि। पता:—अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रयाग विश्वविद्यालय, प्रयाग।

धीरजलाल चतुर्वेदी:—जन्म ४ अप्रैल १९१७, कवि, लेखक, पत्रकार, ब्रज साहित्य मण्डल तथा हिन्दी-साहित्य परिषद, मथुरा के सदस्य। पता:—सहायक अध्यापक, माध्यमिक राज विद्यालय (माता-गली) मथुरा।

नलिनी रंजन बन्धोपाध्याय:—'तरुण संघ' के मन्त्री, एम. ए. (हिन्दी) के विद्यार्थी, साहित्यिक अभिरुचि, 'त्यागवीर ग्लक' (अनुवादित) 'व्यक्ति और 'समाज' और Sex a problem पुस्तकें प्रेस में पता:—चम्पानगर (भागलपुर)।

नलिनीबालादेवी:—रचना-'शकुन्तला'। पता:—काली बाड़ी, छपरा।

नलिनीबाला देवी:—रचनाएं छायालोक, शिशुकथा (असमिया) आदि। पता:—राष्ट्र भाषा प्रचारिणी समिति, गुवाहाटी, आसाम।

नलिन विलोचन शर्मा:—प्रका०-दृष्टिकोण साहित्यिक-लेख। पता:—हिन्दी विभाग, पटना कालेज, पटना।

नन्दकुमार शास्त्री:—श्री 'शारदा सदन' के केन्द्र व्यवस्थापक, साहित्यिक अभिरुचि। पता—कुमार कुटीर, लक्ष्मणगढ़ (जयपुर)।

नन्दकुमारदेव वशिष्ठ:—अ० भा० कांग्रेस सेवादल के मासिक मुखपत्र 'स्वयं-सेवक' के सम्पादक-मण्डल के सदस्य, राष्ट्रीय आन्दोलन में अग्रणी, हाथरस तहसील से नव निर्वाचित कांग्रेसी एम. एल. ए., स्फुट लेखन। पता:—(वर्त्तमान) हाथरस, स्थायी लखनऊ।

नन्दकुमार शर्मा:—रचनाएं-भगवती भागीरथी, परशुराम स्तोत्र पीयूष प्रभा आदि। पता:—अनाह दरवाजा, भरतपुर।

नन्दकिशोरसिंह:—रचनाएं आभा, रणभेरी। पता:—रोसड़ा, दरभंगा।

नन्दकिशोरसिंह 'किशोर':—कई पत्रों के भूतपूर्व सम्पादक, रचनाएं नारी, हृदय, अरुणा आदि। पता:—शाहाबाद (बिहार)।

नन्दकिशोर झा 'किशोरः—रचनाएं'-प्रिय मिलन, हृदय आदि। पताः—श्रीनगर, बतिया, चम्पारन।

नन्दचतुर्वेदीः—स्फुट लेखन। पताः—सम्पादक "जयहिन्द" (साप्ता०) कोटा।

नन्ददुलारे बाजपेयीः—भारत के लब्धप्रतिष्ठ लेखक और समीक्षक, अनेक ग्रन्थों का संकलन सम्पादन और सृजन कई साहित्यिक संस्थाओं से सम्बद्ध। पताः—अध्यक्ष एवं डीन कला विभाग, सागर विश्वविद्यालय, सागर।

नगेन्द्रः—सुप्रसिद्ध आलोचक, रेडियो कलाकार। पताः—हिन्दी समाचार विभाग, आलइण्डिया रेडियो, दिल्ली।

नत्थूलाल विजय वर्गीयः—मध्य भारत में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के संस्थापक, स्फुट कविताएं, गद्य काव्य और आलोचनात्मक लेख लिखे है। पताः—सहायक एकाउण्टेंट 'दि बैंक आफ इन्दौर' २४६८ गोकलगंज, महू, (मध्य-भारत)।

नरदेव शास्त्रीः—आर्यसमाज जगत के सुप्रसिद्ध लेखक, एम. एल. ए, कई किताबें प्रकाशित। पताः—मुख्याधिष्ठाता, महाविद्यालय ज्वालापुर, हरद्वार।

नरदेव स्नातकः—संसद सदस्य, स्फुट लेखन, राष्ट्रीय आन्दोलनों में सक्रिय भाग। पताः—द्वारा, संसद भवन, नई दिल्ली।

नरसिंह राम शुक्लः—मासिक 'सजनी' 'साजन' के सम्पादक प्रकाशक दर्जनों पुस्तकों के प्रणेता, जिनमें 'किसान की बेटी' देवदासी बेगम, सौन्दर्य और श्रृङ्गार प्रमुख हैं। पताः—जार्ज टाउन, प्रयाग।

नरसिंह चन्द्र जोशी—स्फुट लेखन, 'कल की दुनिया' और 'जनमत' के सम्पादन में योग। पता—सरस्वती सदन, जालोरी गेट, जोधपुर।

नरसिंहपाण्डेय पथिक—फुटकर लेखन। पता—अध्यापक, डी. ए. वी. हाईस्कूल, आसनसोल।

नरसिंहदास अग्रवाल—फुटकर कविताएं। पता—सदर बाजार जबलपुर।

नरेन्द्र शर्माः—सुप्रसिद्ध प्रगतिशील कवि, उच्च मासिक पत्रों में कविताएं और रेडियो से गीतों का प्रसरण। पता—इलाहाबाद।

श्री देवीदास शर्मा

(परिचय पृष्ठ ७५)

श्री धर्मेन्द्र "अधीर"

(परिचय पृष्ठ ७८)

नरेन्द्र चौधरी—कहानीकार और लेखक, शैतान और तूफान आपकी लिखी रचनाएं हैं। पता:—माछरा, जिला मेरठ।

नरेन्द्रदेव आचार्य—प्रसिद्ध समाजवादी नेता, शिक्षा विशेषज्ञ, संघर्ष (साप्ता०) लखनऊ के सम्पादक, लखनऊ यूनीवर्सिटी के कई साल तक उपकुलपति, अखिल भारतीय जनपद साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष। पता:—नया हैदराबाद, लखनऊ।

नरेन्द्रसिंह तोमर—रचनाएं-पगडण्डी, देहाती-दुनियां आदि पता:—२७ वियाबानी, इन्दौर।

नरोत्तमदास पाण्डेय मधु—रचनाएं-राशि शतक, मुरलीमाला पता:—मऊ, झांसी।

नरोत्तमदास स्वामी—कई साहित्यिक और शैक्षणिक संस्थाओं के मान्य सदस्य, अनेक संशोधित, सम्पादित और सृजित पुस्तकें, सर्वमान्य विद्वान लेखक। पता:—अध्यक्ष हिन्दी विभाग, डूंगर कालेज, बीकानेर।

नरोत्तमप्रसाद नागर—कई पत्रों के भूतपूर्व सम्पादक, रचनाएं 'गृहस्थी के रोमांस' 'दिन के तारे' आदि। पता:—इण्डियन प्रेस, प्रयाग।

नरोत्तम प्रसाद बाजपेयी—स्फुट लेखन। पता:—सुपरिंटेंडेंट, राजकीय नार्मल स्कूल छात्रालय, रामपुर।

नर्वदाप्रसाद खरे—रचनाएं-स्नेह पाथेय, नीराजना, बांसुरी आदि। कई पत्रों के सम्पादक। पता:—फूटाताल, जबलपुर।

नर्वदाप्रसाद मिश्र—विविध विषयों पर स्फुट लेखन। पता:—मिश्रबन्धु कार्यालय, जबलपुर।

नर्वदाप्रसाद भावसार, "नर्मदेश"—बी. ए., रचनाएं-विद्रोही के स्वर, नव-निर्माण। पता:—भावसार-भवन, भेलसा, ग्वालियर,

नर्मदाशङ्कर रामकरण मिश्र—स्फुट रचनाएं। पता:—सेगांव मध्य-भारत।

नर्मदेश्वर चतुर्वेदी—स्फुट लेख, कहानी। पता:—बलिया।

नर्मदेश्वर पाण्डेय 'राम'—स्काउट विषयक कई पुस्तकें लिखी हैं। 'नीलिमा' प्रकाशन के संस्थापक। पता:—बड़ी पटनदेवी, गुलजार बाग; पटना।

नवगोपाल दास—पी. एच. डी, अर्थ-शास्त्र (लन्दन) आई. सी. एस., श्रम-शास्त्र, विशेषज्ञ एवं प्रतिभावान लेखक। पता:—

पुनर्वास-काम दिलाऊ विभाग के डायरेक्टर जनरल, श्रम-मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली।

नवलकिशोर गौड़—स्फुट रचनाएं। पताः--हिन्दी अध्यापक, बी० एन० कालेज, पटना।

नवलकिशोर सिंह 'नवेन्दु'—प्र० तेज-पुत्त की कहानी, संवाद-दाता। पता:--'सर्चलाइट' कार्यालय, पटना।

नवीन नारायण अग्रवाल—राजनीतिक समसामयिक विषयों के उदीयमान लेखक, "राष्ट्रीय स्व०से०सं० क्या है ?" 'बापू का बलिदान हमारे लिए खुली चुनौती है।' आदि पुस्तकें काफी लोकप्रिय हुई हैं, अभी आपसे बहुत सी आशाएं हैं। पताः—प्रोफेसर, 'राजनीति-विभाग' बलवन्त राजपूत कालेज, आगरा।

नागरमल सहलः—स्फुट समीक्षात्मक लेख। पताः--प्राध्यापक महाराणा कालेज, जयपुर।

नागेन्द्रप्रसाद वर्माः—रेडियो से कहानी और रूपक प्रसारित होते हैं, प्रका० पगदण्डी और स्केच। पताः--"स्वदेश" (सा०) पटना।

नाथूलालअग्निहोत्री 'नम्रः—शास्त्री, साहित्य रत्न, जन्म, २८ अप्रैल १६०६, प्रकाशन-नम्रलता, गीतिहार, उद्यान वनस्थली (महाकाव्य) कई अनुवादित पुस्तकें। पता:—चौधरी मुहल्ला, बांस बरेली।

नाथूलाल जैन 'वीर':—स्फुट लेखन। पताः--एडवोकेट (राज-स्थान हाईकोर्ट) रामपुरा बाजार, कोटा।

नाथूलालः—जैन धर्म सम्बन्धी कई पुस्तकें लिखी हैं।
पता:—संपादक-खण्डेवाल जैन हितेच्छु, इन्दौर।

ना० नागप्पा:—दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रबल समर्थक, प्रचारक और लेखक, रचनाएं द्रविड़ भाषाएं और हिन्दी, 'अवण बेकगोक का अनुवाद। पता:-१६१६, होसकेरी, लक्ष्मीपुरम्, मैसूर।

नान्हूराम राजगुरुः—रचनाएं ग्रामोन्नति, साहित्य सुधा आदि। पता—प्रधानाध्यापक, कुकढ़ेश्वर, होलकर राज्य।

नानकचंद श्रीवास्तवः—रचनाएं 'कामदेव विजय' कामदेव संग्रह। पता—लायल कालेजिएट स्कूल, बलरामपुर, गोण्डा।

नारायण कृष्ण 'पन्त'—एम० ए०, अर्थशास्त्र विषयक नवोदित लेखक। पतः—अध्यापक, श्रम-विषय, दिल्ली विश्व-विद्यालय।

नारायणदत्त बहुगुणाः—साहित्यालंकार, रचनाएं वेदना, विभूति

विभावरी, मधुमास, निर्झरिणी आदि। पता--साहित्य सदन, गौचर, गढ़वाल (उत्तर प्रदेश)।

नारायणी कुशवाहा:-रचनाएं 'अरमान' (उपन्यास) चिनगारी की नारी स्तम्भ लेखिका, स्वर्गीय कुशवाहा कान्त की सम्बन्धी। पता:—'चिनगारी' कार्यालय बनारस-१

नारायणदत्त शर्मा:—रचनाएं राजबाला, विद्रोही आदि, चम्पा अग्रवाल कालेज में हिन्दी-विभागाध्यक्ष। पता:-साहित्य-सदन, मथुरा।

नारायणप्रसाद विल्लोरे 'मयङ्क':--रचनाए-'श्री पवन पूत पच्चीसी', कुमुदिनी, पता:-मु पो० ऊन वाया खरगौन (म०भा०)।

नारायणप्रसाद अरोड़ा:—रचनाएं-लाला हरदयाल के स्वाधीन विचार आदि लगभग ३० पुस्तकें लिखी हैं, अखिल भारतीय काँग्रेस कमेटी के गणयमान्य सदस्य। पता:-भीष्म एण्ड कम्पनी, पटकापुर, कानपुर।

नारायणप्रसाद माथुर 'नरेन्द्र':—फुटकर लेखन। पता:-प्रधानाध्यापक, पबई, भिलासा, ग्वालियर।

नित्यानन्द सारस्वतः -रचनाए-'काव्य-प्रकाश' की टीका, रसप्रकाश-सुधाकर आदि, । पता:-प्रधानाध्यापक, आयुर्वेद-विभाग बिड़ला कालेज, पिलानी (जयपुर)।

नित्यानन्द सहाय:-स्फुट लेखन, पूरब-सराय, मुंगेर।

नित्यानन्द शास्त्री:-रचनाएं लगभग दो दर्जन हिन्दी और संस्कृत में ग्रन्थ, । पता:-अध्यक्ष, राजकीय पुस्तकालय, जोधपुर।

निरंकारदेव "सेवक":—रचनाएं-कलरव, स्वस्तिका जनगीत, चिनगारी, बालसाहित्य के प्रसिद्ध लेखक, प्रगतिशील कवि।

पता:-सेवा सदन, सैदपुरिया, बरेली।

निरंजनदेव वैद्य 'प्रियहंस':-कई पत्रों के सम्पादन में योग, रचनाएं-प्रमुख हिन्दी कवि, हिन्दी-वेणी-संहार नाटक आदि।

पता:-आर्यसमाज, दयानन्द सेवाश्रम, बदायूँ।

निरंजनलाल शर्मा:-"भारत" की खनिज सम्पत्ति, आपकी प्रकाशित पुस्तक है, 'मिनरालोजी' के ऑनरेरी सम्पादक, ।
पता-अध्यापक, इण्डियन स्कूल ऑफ माइन्स, धनबाद।

निर्भय-जनकवि:--जन्म देवोत्थान १९८३ विक्रम एदलपुर जि० मथुरा। प्रसिद्ध लोक-गीत कार। "हो हमारे बालमा, हो हमारे

साजना" गीत तो इतना प्रसिद्ध और लोकप्रिय हुआ है, कि उसके अब तक १४ संस्करण हो कर लगभग, ६,००,००० प्रतियाँ समाप्त हो चुकी हैं। जनकवि के साथ-साथ जनसेवक भी है, किसी पर किसी का भी अन्याय देखा नहीं जाता। हाथरस के ऐतिहासिक 'गधा-केस' के प्रमुख नेता, अत्याचारियों के लिये हौआ, पीड़ितों के सेवक, स्वभाव से सन्त, जीवन में मस्ती, नगर भर के प्रिय, स्पष्ट वक्ता, ज्योतिष का ज्ञान, सरस्वती के सत्यनिष्ठ सेवक। आपका हाथ तंग है, लेकिन दिल नहीं। व्यङ्गात्मक हास्य के उच्चकोटि के कवि, लेखक, पत्रकार, गूढ़ार्थ शब्दाचार्य, कविताओं में प्रत्येक अवस्था के श्रोताओं अथवा पाठकों को एक साथ प्रसन्न करने की पूर्ण क्षमता, रहन-सहन वेश-भूषा सभी से वैराग्य सा, मीना बाज़ार, सिंहगढ़, कारागार, शिवापत्र, गुरु गोविन्दसिंह, स्वराज्य, कवि की पत्नी, उरोज, कवि और कुत्ता, ग्राम्यबाला, गौशाला, पीर, अखण्ड हिन्दोस्थान, नोआखाली की दिवाली, ढोंगी नेता चालीसा (५,००,००० से भी अधिक छप चुकी है) आदि लगभग दो दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। जनसेवा और लिखना पढ़ना ही व्यसन है। हिन्दुत्व पूर्ण प्रकाशनों पर अखिल भारतीय आर्य (हिन्दू) धर्म सेवा संघ, दिल्ली से श्री सेठ जुगलकिशोर बिड़ला द्वारा पुरुष्कार प्राप्त हो चुका है, "गुरु गोविन्दसिंह" पुस्तक को उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान सरकार ने जब्त कर रखा है। सर्वत्र कवि सम्मेलनों में धाक जमी रहती है। प्रेम के भूखे हैं, अधिकांश कवियों की भाँति पैसे के नहीं। नव रसों में सिद्धता प्राप्त, जिस रस की कविता सुनाने बैठ जाते हैं, उसी रस के साकार रूप प्रतीत होते हैं। हास्यरस में पूर्ण प्रसिद्धता तथा प्रमुखता प्राप्त आज कल एक विशाल सरस्वती मन्दिर बनाने की चिन्ता में संलग्न। पताः—जनकवि निर्भय, हाथरस (उत्तर-प्रदेश)।

निर्मला कुमारी माथुरः—रेडियो पर कविता-पाठ करती हैं, स्फुट गीत और कहानियाँ लिखी हैं। पताः-७, दरियागञ्ज, आनन्दलेन, दिल्ली।

नीलकण्ठ तिवारीः—सिने गीत, सम्वाद और फिल्म कहानी-कार एवं अभिनेता, 'इन्द्रधनुष' तथा दो अन्य कविता संग्रह आपने लिखे हैं। पताः-श्रीपत भुवन, वाडिया स्ट्रीट, तारदेव, बम्बई।

नीतीश्वर प्रसाद सिंहः—फुटकर लेखन। पताः-मन्त्री, सुहृद-संघ, मुजफ्फरपुर।

शारदा-सेवकः—

[जनकवि 'निर्भय']

परिचय पृष्ठ ८३ पर

पृथ्वीसिंह चौहान 'प्रेमी' साहित्यरत्न—'पृथ्वीराज रासो' का शोध कार्य एवं सम्पादन, कई पत्रों में कविताएं प्रकाशित होती हैं, पता—पो० भींडर (राजस्थान) वाया मावली जंक्शन।

पृथ्वीनाथ 'पुष्प'—प्रगतिशील लेखक, काश्मीरी साहित्यक परम्परा के उन्नायक। पता--हिन्दी विभागाध्यक्ष, गवर्नमेण्ट कालेज, जम्मू,

पृथ्वीराज कपूर—सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, लोक-परिषद के मनोनीत सदस्य, प्रगतिशील विचार धारा के कलाकार। पता--बम्बई।

नीरजः--शिक्षा एम० ए० प्रगतिशील कवि और सुप्रसिद्ध गायक कवि। पताः—कानपुर।

नेमिचन्द्र जैनः—रचनाएं-मुहूर्तदर्पण, राशि विज्ञान आदि।
पतः—अध्यक्ष, जैन सिद्धान्त-भवन आरा।

नेमीचन्द जैन 'भावुक':—राजस्थान के तरुण पत्रकार और मारवाड़ जिला कुमार-साहित्य परिषद के सक्रिय कार्यकर्त्ता-पदाधिकारी, संस्थापक मां भारती के सच्चे सेवक, कई पत्रों के सम्पादन में योग और स्थानीय पत्र-प्रतिनिधि। पताः-मिरची बाजार, जोधपुर।

एन० जी० रंगा; प्रोफेसरः—भूतपूर्व संसद-सदस्य, अ० भा० कृषिकार लोक-पार्टी के नेता, दक्षिण की समस्त भाषाओं के जानकार, 'किसान और कम्यूनिष्ट' और बुनकरों की समस्याओं के सुलेखक। पताः—२ फीरोजशाह रोड, नई सड़क दिल्ली।

'पथिक' विशारद—साहित्यिक अभिरुचि, स्फुट लेखन। पता--असिस्टेण्ट हैड मास्टर, विद्या निकेतन स्कूल, कठघर, मुरादाबाद (उत्तर--प्रदेश)

पतराम गौड़ 'विशद'—रचनाएं--रेगिस्तान, चौबोली, वीर--सतसई (सम्पादित)। पता-प्राध्यापक, बिड़ला कालेज, पिलानी (जयपुर)

पतञ्जलि हर्ष—रचनाएं--स्फुट, पता-हर्ष आयुर्वेदिक फार्मेसी, टिकैतगञ्ज (बदायूं)।

पंढरीनाथ मुकुन्द डांगरे—बी. ए., बी. टी., राष्ट्रभाषा कोविद 'जय-भारती' (मासिक) का सम्पादन, हिन्दी--प्रचारक। पता-८६६ सदाशिव पेंठ, शनिवार के पास; 'ताराचन्द मार्कट', पो० बा० नं० ५५८, पुणें--२।

पृथ्वीसिंह चौहान 'प्रेमी' साहित्यरत्न—'पृथ्वीराज रासो' का शोध कार्य एवं सम्पादन, कई पत्रों में कविताएं प्रकाशित होती हैं, पता-पो० भीण्डर (राजस्थान) वाया मावली जंकशन।

पृथ्वीनाथ 'पुष्प'-प्रगतिशील लेखक, काश्मीरी साहित्यक परम्परा के उन्नायक। पता--हिन्दी विभागाध्यक्ष, गवर्नमेण्ट कालेज, जम्मू,

पृथ्वीराज कपूर—सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, लोक-परिषद के मनोनीत सदस्य, प्रगतिशील विचार धारा के कलाकार। पता--बम्बई।

पञ्चमसिंह लेफ्टीनेण्ट कर्नल—'मृगया' विषयक स्फुट लेखक। पता—लश्कर (ग्वालियर)

प्यारेलाल गुप्त—समाज-सुधार प्रेमी, स्फुट लेखन, सम्पादन कार्य। पता—मासिक "समाजोत्थान" कार्यालय, १३।३६७ परमट कानपुर।

प्यारेलाल शुक्ल—साहित्य प्रेमी। पता—राधास्वामी हायर सैकिण्डरी स्कूल, राधास्वामी धाम।

प्यारेलाल शुभम्—शिक्षा-एम. ए., एल. एल. बी. अलीगढ़, विश्वविद्यालय के छात्र, अध्ययन शील, अर्थशास्त्र-विशेषज्ञ, स्फुट-कविताएं, लेख और कहानियां। पताः—पाली रजापुर, गढ़राना, (अलीगढ़)।

प्यारेलाल 'आवारा'—सुप्रसिद्ध कहानी लेखक। पताः—बनारस।

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी—रचनायें-पञ्चपात्र, विश्वसाहित्य, शतदल, पद्यवन (कवि) उत्कृष्ट समीक्षक, लेखक, सम्पादक और कवि, आजकल "सरस्वती" (मा०) के सम्पादक। पताः—सरस्वती (मा०) इण्डियन प्रेस, प्रयाग।

पद्मनाभ तैलंग—फुटकर लेखन। पताः—'विन्ध्य केसरी', कार्यालय, सागर।

पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'—शिक्षा-एम. ए. सा. र., युग कलाकार, प्रगतिशील कवि, आगरा कालेज, आगरा में हिन्दी प्रोफेसर, "तू युवक है" कविता संग्रह तथा अन्य पुस्तकें, अनेक साहित्यिक संस्थाओं के संस्थापक, सदस्य, निर्धन विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देते हैं आजकल साहित्यिक इण्टरव्यू लिखने में व्यस्त। पताः—कंसगेट, गोकुलपुरा, आगरा।

पद्मावती 'शबनम'—'मीरा : एक अध्ययन' की ख्याति प्राप्त सुलेखिका, साहित्य की भावी आशा। पताः—१ बी, नन्दलाल मल्लिक लेन, कलकत्ता।

पन्नालाल बलदुआ—अर्थ-वाणिज्य सम्बन्धी कई पुस्तकें। पताः—अर्थ-वाणिज्य महाविद्यालय, गोपाल बाग, जबलपुर।

पन्नालाल अग्रवाल—कई जैन साहित्य की पुस्तकों का जीर्णोद्धार किया। पताः—मन्त्री, वीर-सेवा-मन्दिर, सरसाँवाँ, सहारनपुर।

पन्नालाल गुप्त 'अनन्त'—स्फुट लेखादि । पताः—कैसरगंज अजमेर ।

पन्नालाल जैन—कई धार्मिक पुस्तकों के प्रणेता । पताः—जैन एजूकेशन बोर्ड, मीराजी भवन, केशवगञ्ज, सागर ।

पन्नालाल व्यास—राजस्थान की कई साहित्यिक संस्थाओं के संचालक, संस्थापक, रेडियो कलाकार । पताः—सरदारपुरा, जोधपुर ।

परमानन्द शास्त्री—अनेक स्फुट लेख और महिलाओं पर पुस्तकें लिखी हैं पताः—वीर-सेवा-मन्दिर, सरसावां, सहारनपुर ।

परमात्मा स्वरूप शिष्य—बी. ए., बी. टी. साहित्य-सुधाकर, जन्म १९१२, रचनाएं—'कमजोर विद्यार्थी क्या करें' । 'पति-पत्नी के सम्बन्ध को मधुमय बनाने के मनोवैज्ञानिक उपाय' । पताः—(स्थायी) द्वारा डा० शिवस्वरूप वर्मा पुरानागञ्ज, पीलीभीत (उत्तर-प्रदेश) । पताः—(वर्त्तमान) द्वारा श्री रामस्वरूप वर्मा, डिप्टी इन्सपेक्टर आफ स्कूल्स, मो० बिहारीपुर, बरेली (उ० प्र०)

परमेश्वर प्रसाद सिंह—स्फुट कवितायें लिखी हैं । पताः—डी. ए. वी स्कूल, सीवान (सारन) ।

परमेश्वरसिंह—कई पत्रों के यशस्वी सम्पादक, फुटकर लेखक । पता-संचालक, किताब घर, कदम कुआं, पटना ।

परमेश्वरलाल जैन "सुमन"—स्फुट लेखक । पताः-जैन-निवास समस्तीपुर, बिहार ।

परमेश्वरीलाल गुप्त—उत्तर प्रदेश पत्रकार जांच समिति के सदस्य, कई पत्रों के ख्याति प्राप्त सम्पादक, रचनाएं-'न' नर 'न' नारी, अपराध और दण्ड, बन्दी की कल्पना, भारतीय वास्तुकला आदि । पताः-६३।४२ विक्टोरिया पार्क नार्थ, बनारस ।

परमेष्ठीदास जैन—जन्म १९०८, न्यायतीर्थ, शास्त्री, "वीर" तथा 'जैन मित्र' के सम्पादक रहे, 'जैन-साहित्य के लेखक' । पता-जैनेन्द्र प्रेस, ललितपुर (उ० प्र०) ।

परशुराम चतुर्वेदी "जयदेव"—रचनाएं-संक्षिप्त राम-चरित मानस, मीराबाई की पदावली (सम्पादित) आदि कई साहित्यिक पुस्तकें लिखी हैं । पताः-जौही, भरसर, बलिया ।

परिपूर्णानन्द वर्मा—शिक्षा-शास्त्री, स्नातक, परिश्रमी किन्तु निर्धन, रचनाएं—भारत की विभूतियां, मेरी आह, प्रेम का मूल्य, राजनीति, जीवनी, उपन्यास, कहानी आदि विषयों पर खूब लिखते

हैं, कई पत्रों के भूतपूर्व सम्पादक। पताः---बिहारी--निवास, कानपुर।

पशुपतिनाथ गुप्त—फुटकर लेखन। पताः---नेशनल स्टोर एण्ड एजेन्सी, मनिहारी।

पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'—रचनाएं--चाकलेट, चुम्बन, चन्द हसीनों के खुतूत, चार–बेचारे आदि। पताः--"मतवाला" कार्यालय, मिर्जापुर।

पारसनाथ सरस्वती—कई पत्रों का सम्पादन और लगभग १०० पुस्तकों के प्रणेता, पताः---जयतिपुर, फफूंद, इटावा।

पारसनाथ सिंह—'जगत सेठ--जीवनी' के प्रणेता। पताः---दैनिक "हिन्दुस्तान" नई दिल्ली।

पारसनाथ शर्मा मदनेश—फुटकर लेखक। पताः---मैंदोह, मड़ियाहू, जौनपुर।

पारसनाथ सिंह 'विशारद'—रचनाएं--"सुदूरपूर्व" की बातें", 'आज का गांव'। पताः---सह सम्पादक 'सन्मार्ग' (दैनिक), टाउन हाल, काशी।

पी० आर० श्री निवास शास्त्रीः—दक्षिण भारत के हिन्दी के प्रबल प्रचारक, समर्थक और लेखक, रचनाएं-मनोहर कहानियां, श्री राम की कथा, हिन्दी–लिपि पुस्तक आदि। पता–४२२/२ ईस्ट रोड, विश्वेश्वरपुरम्, बंगलौर।

पी० के० केशवन नायरः—दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचारक, रचनाएं-हिन्दी मलयालम कोश, हिन्दी मलयालम स्वबोधिनी आदि पता–अध्यापक, हिन्दी-विभाग विश्वविद्यालय, ट्रावनकोर।

पीतरामसिंह यादव विज्ञः—साहित्य प्रेमी, पता–ग्राम–पत्रालय पहितिया, गाजीपुर, (उत्तर–प्रदेश)

पी० नारायणः—राष्ट्रीय आन्दोलन में सक्रिय भाग, "हिन्दी" के प्रबल समर्थक, रचनाएं-हिन्दू पुराण आदि स्फुट विषय।
पता–कर्नाटक हिन्दी विद्यालय, कार्निक रोड बाराबोंगुदी, बंगलौर।

पी० वेंकटाचल शर्माः—दक्षिण भारत के हिन्दी-सेवी, स्फुट लेखन, पता-त्यागराय नगर, मद्रास।

श्री नेमीचन्द्र जैन 'भावुक'
(परिचय पृष्ठ ८४)

श्री वंशीकृष्ण त्रिपाठी 'मुक्त'
(परिचय पृष्ठ ६४)

प्रियबन्धु शर्मा: —हैदराबाद में हिन्दी प्रचारक। पता-हिन्दी प्रचार-सभा, हैदराबाद (दक्षिण)

पुत्तूलाल शुक्ल 'चन्द्राकर:—लखनऊ विश्वविद्यालय से एम० ए०, (फर्स्ट क्लास फर्स्ट) पी० एच० डी० के लिए थीसिस लिख रहे हैं स्वर्णपदक विजेता, जानकारी-अँग्रेज फ्रेंच, बंगला, गुजराती, मराठी, उर्दू, आदि, स्फुट कविताएं. लेख, नाटक, कहानी और आलोचना, सर्वतोन्मुखी प्रतिभा के विरले संगम। पता-अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग, बारहसैनी डिग्री कालेज, अलीगढ़।

पुखराज पुरोहित:—रचनाएं-प्रायश्चित, प्यार न कीजिए आदि, पता-भजन चौकी, जोधपुर।

पुरुषोत्तमदास टण्डन:—हिन्दी-हिन्दू-हिन्दुस्तान की प्रतिमूर्ति भू० अध्यक्ष राष्ट्रीय कांग्रेस, नवनिर्वाचित सदस्य-संसद, उत्तर-प्रदेश के भूतपूर्व स्पीकर, राजनीति और साहित्य के पुङ्गव, पता-कांग्रेस कार्यालय, जन्तर मन्तर रोड, नई दिल्ली।

पुरुषोत्तमदास मोदी:—फुटकर स्वास्थ्य विषयक लेख और कहानियां लिखने की अभिरुचि, पता-आरोग्य मन्दिर, सुड़िया कुआ, गोरखपुर।

पुरुषोत्तमदास स्वामी:—स्वास्थ्य और विज्ञान विषय पर कई पुस्तकें लिखी हैं, पता- शान्ति-आश्रम, बीकानेर।

पुरुषोत्तमकुमार:—फुटकर लेखन, अमर भारत (दैनिक) दिल्ली के सम्पादन में योग। पता—जन-सम्पर्क विभाग, शिमला-२

पुरुषोत्तम मेनारिया:—रचनाएं-राजस्थानी लोकगीत, राजस्थानी-भील कहावतें आदि। प्राध्यापक-उदयपुर विद्यापीठ कालेज, उदयपुर।

पुरुषोत्तम मुरारका:- स्फुट गद्यगीत लेखक, पता-ओरिएन्टल हाईस्कूल, वर्धा।

पुरुषोत्तम शर्मा 'विमल' राजस्थानी:--'विमल' राजस्थानी के के नाम से विशेष प्रसिद्ध, सम्पादन 'सागर' (सा०) चाबुक (पा०) रेडियो कलाकार, सिनेमा गीतकार। रचनाएं-तारों की रात, झंझा, हाहाकार, मेघ मल्हार और कवि आदि, पता:-राम मढ़ैया। पो० बेतिया (चम्पारन) बिहार।

पुरुषोत्तम चतुर्वेदी:—रचनाएं-संस्कृत-भाषा का व्याकरण,

कामाख्य दोष विवरण आदि, पता:-अध्यक्ष धर्म-संस्कृत विभाग, मेयो कालेज, अजमेर।

पुष्पा भारती:—रचनाएं इन्कलाब और परिवर्त्तन, उदीयमान लेखिका, पता:-१६२, गञ्ज बाजार, मेरठ।

पुल्लाट लक्ष्मी कुट्टी कुमारी:--दक्षिण भारत की हिन्दी लेखिका पता:-प्राध्यापिका, कागल कालेज, ट्रिचूर। (कोचीन राज्य)

पूजाप्रसाद मिश्र:--स्फुट लेखन, पता-डमरी ग्राम, पो० किन्थर पट्टी पडरौना, देवरिया।

पूरनचन्द जोशी:--भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी के भूतपूर्व मन्त्री, "इण्डिया टुडे' का आजकल सम्पादन, पता-कार्यालय "इण्डिया टुडे' (साप्ता०) प्रयाग।

पूर्णचन्द जैन:—कई पत्रों के भू० सम्पादक, अध्यापन वृत्ति, रचनाएं-बुधजन विलास, सुमन-ग्रन्थि आदि, पता:-कुंदीगरों के भैस का रास्ता, जयपुर।

प्रकाशचन्द्र गुप्त:—एम० ए० (प्रयाग), 'नया-साहित्य' (प्रगतिशील मासिक) का सम्पादन सुप्रसिद्ध प्रगतिशील अधिकारी आलोचक और विद्वान, निबन्ध और एकाङ्की लिखे हैं, पता:-अध्यापक; आँग्ल-विभाग, इलाहाबाद यूनीवर्सिटी, इलाहाबाद।

प्रकाशचन्द चतुर्वेदी:—सुप्रसिद्ध पत्रकार बनारसीदास चतुर्वेदी के सम्बन्धी, शिक्षा एम० ए०, अध्यापन, नवोदित तरुण प्रगतिशील लेखक, चोटी के पत्रों में स्फुट-अनुवाद आदि प्रकाशित, निरन्तर साहित्य-सेवा में दत्तचित्त। पता:-प्रोफेसर, बागला कालेज, हाथरस।

प्रकाशचन्द्र 'यादव':—मन्त्री अखिल भारतीय संयुक्त लेखक तथा पत्रकार संघ, कई पत्रों के भू० सम्पा० रचनाएं-'विश्व-विवाह प्रणाली', 'मेरा जीवन संघर्ष और राजनैतिक जाग्रति', आदि। पता--६३, जवाहरगंज, एनीबेसेण्ट स्कूल रोड, प्रयाग।

प्रकाशवती पाल:—सुप्रसिद्ध प्रगतिशील कहानी लेखक श्री यशपाल जी की सहधर्मिणी, "विप्लव ट्रेक्ट की संचालिका। पता--शिवाजी मार्ग लखनऊ।

प्रभावती देवीः—स्फुट रचनाएं, 'सोहर' (ग्राम-गीत) प्रकाशित, पता--भदैनी, काशी।

प्रभाकर माचवेः—एम० ए० (दर्शन-अँग्रेजी) प्रगतिशील कलाकार बहुमुखी प्रतिभा के विरले संगम, रचनाएं जैनेन्द्र के विचार, तार-सप्तक (इसमें आपकी कविताएं संकलित हैं) कमीनों की साया आदि, आजकल रेडियो कलाकार, रेडियो से रचनाओं का प्रसरण। पता--आलइण्डिया रेडियो नई--दिल्ली।

प्रभाकर राव—रचनाएं फुटकर, हैदराबाद हिन्दी प्रचार सभा के अन्तर्गत कार्य। पताः—जालना, औरंगाबाद (दक्षिण)।

प्रभारानी—उदीयमान लेखिका, रचनाएं प्रतिशोध, जागरण पता—सिविल लाइन्स, मुरादाबाद।

प्रभातकुमार बनर्जी--फुटकर कहानियां लिखने का शौक। पता—शिवानन्दधाम, श्रद्धानन्द नगर, नागपुर।

प्रतापनारायण 'पुरोहित':—रचनाएं-नल नरेश 'काव्य कानन' 'मन के मोती' पर्यटन प्रेमी। पता--सिनवार हाउस, गनगौरी बाजार, जयपुर।

प्रफुल्लचन्द्र ओझा 'मुक्त'--कई पत्रों के सम्पादन में योग, रचनाएं पतझड़, लालिमा, धारा आदि। पता-आरती प्रेस, पटना।

प्रभुदयाल मीतल--'ब्रज भारती' का सम्पादन, ब्रज साहित्य मण्डल के मन्त्री, रचनाएं-सूर निर्णय, आदि। पता—अग्रवाल भवन, मथुरा।

प्रभुदयाल बाजपेयी अभिरामः—रचनाएं मुक्त संगीत, विजया, सत्याग्रह विगुल आदि। पता—५० १३ नौघड़ा, कानपुर।

प्रभुदयाल 'अग्निहोत्री'—सुप्रसिद्ध साहित्य सेवी, रचनाएं उच्छ्वास, अरुणिमा, धर्म और समाजवाद, चोटी के पत्रों में नियमित रूप से लिखते हैं। पता--विद्यामन्दिर मारवाड़ी सेवा सदन, अकोला, बरार।

प्रभुदयालसिंह 'अमर'--जन्म, अक्टूबर १९२८, बी. ए. एल. एल. बी., विशारद 'सावन-भादों, 'साहित्य-ज्योति' का सम्पादन, फुटकर राष्ट्रीय गीत और गम्भीर विषयों पर कविताएं लिखी है। पता-वकील, वारा सिवनी, जि० बालाघाट (मध्यप्रदेश)

प्रभुदत्त ब्रह्मचारी—जन्म नगला अहिवासी, त० इगलास, (अलीगढ़) प्रसिद्ध महात्मा, राष्ट्रीय आन्दोलन में जेल, श्री नेहरू जी

विरुद्ध आम चुनाव में असफल, अनेक पुस्तकों के प्रणेता।
पता--झूंसी (प्रयाग)।

प्रभुनारायण शर्मा 'सहृदय'--रचनाएं योगेश्वर, वेणीसंहार, साहित्य--मणि--माला आदि अनेक पुस्तकें। पताः---महाराजा कालेज, जयपुर।

प्रभुनारायण त्रिपाठी सुशील--रचनाएं--राष्ट्रपति जवाहर, आजादी के शहीद। पता--मरियानी, चौबेपुर, कानपुर।

प्रवीण दीक्षित--रचनाएं-काव्य सुधा, साहित्य समीक्षा आदि, पताः---पटकापुर।

प्रमिलारानी "चाँदनी"--साहित्य से प्रेम। पताः--द्वारा-काव्य कुटीर, चन्दौसी, (उत्तर प्रदेश)

प्रवीणचन्द्र शास्त्री—रचनाएं, राजस्थान के साहित्यकार, मार्क्स के नाटकों की प्रामाणिकता, आदि। पताः—सरस्वती सदन, अजमेरी गेट, जयपुर।

प्राणनाथ सेठ—कई पत्रों के भू० सम्पादक, फुटकर कहानियां और लेख लिखे हैं। पताः—अध्यक्ष, सूचना विभाग, पंजाब सरकार शिमला।

प्रवासीलाल वर्मा मालवीय—अनेक पत्रों के भूतपूर्व यशस्वी सम्पादक, रचनाएं-पाटन की प्रभुता, पृथ्वी बल्लभ, राजाधिराज आदि। पताः—आर्य मित्र प्रेस, हिल्टन रोड, लखनऊ।

प्रसिद्धनारायणसिंह—'बलिया के कवि और लेखक' प्रका०। पताः—मुख्तार, बलिया।

प्रह्लादचन्द्र 'जोशी'—रचनाएं जीवनदान, समान्ती जाल से सावधान आदि। पताः—बनियावाडा, जोधपुर।

प्रेमचन्द्र शर्मा—तिलक-गोखले पुस्तकालय-आर्यसमाज तथा कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, अध्ययनशील और साहित्य प्रेमी, नवनिर्वाचित एम. एल. सी. (उत्तर प्रदेश) पताः—हाथरस।

प्रेमचन्द श्रीवास्तव—फुटकर लेखन। पता—प्राध्यापक, अर्थ वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर।

प्रेमदेव शर्मा—जन्म १९३०, शिक्षा आई० काम, विशारद, स्फुट लेख, कहानियां। पता-प्रबंधक, प्रेम वाचनालय, सासनी (अलीगढ़)

प्रेमदत्त पालीवाल—अ० भा० युवक कांग्रेस के महामन्त्री सामाजिक कार्यकर्त्ता, राष्ट्रीय आन्दोलनों में कई बार जेल, सन् ४२ के क्रान्तिकारी, मासिक "युवक" आगरा के प्रबन्ध सन्पादक। पता—३, विजयनगर कोलोनी, आगरा।

प्रेमशंकर मिश्र—हिन्दी साहित्य परिषद् कानपुर के उपसभापति, साहित्यिक अभिरुचि। पताः-द्वारा हिन्दी-साहित्य परिषद, गान्धी नगर, कानपुर।

प्रेमनारायण अग्रवाल—'हिन्दी लेखक संघ' के प्रमुख संगठन कर्त्ता, देशी विदेशी पत्रों के लेखक 'बाम्बे' क्रानिकल' मार्निङ्ग स्टैण्डर्ड 'सण्डे स्टैण्डर्ड, जैसे अंगरेज़ों द्वारा सम्पादित प्रकाशित पत्रों के सम्पादन में योग, रचनाएं प्रवासी भारतीयों की समस्यायें, श्री भवानीदयाल सन्यासी (अंग्रेजी) व्यापारिक जगत व कौन क्या है? आदि, पता—अजीतमल, इटावा (उ० प्र०)।

प्रेमनारायण टण्डन—अनेक पुस्तकों का सम्पादन, संकलन, परिशोधन, प्रकाशन, सृजन, आलोचनात्मक पुस्तकें लिखने में सिद्ध हस्त, अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्धित। पताः-रानीकटरा, लखनऊ।

प्रेमनारायण माथुर—रचनाएं-प्रारम्भिक अर्थ शास्त्र, गाँवों की समस्या आदि। पताः-अध्यापक, बनस्थली विद्यापीठ, जयपुर।

प्रेमनारायण शुक्ल—'बालबन्धु' का सम्पादन, हि० सा० स० प्रयाग के सदस्य, फुटकर लेखन, शुक्ल साधना मन्दिर के संस्थापक। पता—१६।४४, पटकापुर, कानपुर।

प्रेमनारायण त्रिपाठी 'प्रेम'—रचनाएं-'सामुद्रिक शास्त्र, हस्त रेखा शास्त्र आदि। पता—द्वारा 'कवि समाज' जबलपुर।

प्रेमवल्लभ 'प्रेम'—प्रगतिशील कवि, साहित्य परिषद, हाथरस के सदस्य, आगरा कालेज के छात्र। पताः-मेंडूगेट, हाथरस।

फतहचन्द शर्मा 'आराधक'—उच्च श्रेणी के पत्रों में लेख लिखते हैं। पताः-दिल्ली।

फतहचन्द गुप्त—रचनाएं-मारवाड़ी गौरव इतिहास, अग्रवाल शब्द कोश (सम्पादित), पताः-३८२, नया बांस, दिल्ली, या गुप्त निवास, भिवानी।

फूलचन्द शास्त्री—अनेक जैन धर्म और दर्शन के ग्रन्थों के लेखक। पताः-'सम्पादक' 'ज्ञानोदय' बनारस।

फूलचन्द जैन 'सारंग—फुटकर लेखन। पताः—महावीर दिगम्बर जैन कालेज, आगरा।

फूलदेवसहाय वर्मा—रसायन शास्त्र के सुप्रसिद्ध लेखक। पताः-प्राध्यापक, रसायन विभाग, हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी

फकीरचन्द—रसायनिक लेखक। पताः--उपाध्याय औद्योगिक रसायन, गुरुकुल विश्वविद्यालय, कांगड़ी।

बच्चनसिंहः—एम. ए., रिसर्च स्कालर, रचनाएं-क्रान्तिकारी कवि निराला, इतिहास के पन्ने आदि। पता--डी० ए० वी०, हायर सैकिण्डरी स्कूल, काशी।

बचानसिंह पँवार 'कुमुदेशः—रचनाएं-आधुनिक हिन्दी-साहित्य पर एक दृष्टि, सूरज-विनोद आदि। पता-मुजफ्फरपुर, सिधौली, सीतापुर।

बच्चीलाल गुप्त 'योगेन्द्र':—साहित्यक गुरु डा० मैथिलीशरण गुप्त साहित्य भूषण, रचनाएं-शिक्षा-सरोज, ज्ञान-प्रदीप, बेसिक शिक्षा गीत, बिखरे मोती आदि, पता-मु० पो० चिरगाँव, (झांसी)

बख्तावरसिंहः—हिन्दी प्रचारक, फुटकर रचनाएं, पता-हिन्दी प्रचार-सभा, खैरताबाद, हैदराबाद (दक्षिण)

बजरंगलाल सुलतानियाः—'सुकवि' के भू० सम्पादक, रचनाएं पापी, कड़ुवा घूट आदि। पता-पो० जलालपुर, फैजाबाद।

बद्रीदत्त झाः—आयुर्वेद विषयक लेखक, पता—प्राध्यापक, बुन्देल खण्ड आर्वेदिक कालेज, झांसी।

बदरीनारायण शुक्ल—रचनाएं शास्त्री साहब, कथा कुञ्ज आदि, पताः-प्राध्यापक, राजकुमार कालेज, रायपुर।

बद्रीनारायणसिंह—रचनाएं-सिंहगढ़ विजय, मांडवी आदि। पताः-खपराडीह, फैजाबाद।

बद्रीविशाल पित्ती—'रजकण' सप्तमी (कहानी) झांसी की रानी (ना०) के लेखक, "कल्पना" (द्वैमासिक) के सम्पादक-मण्डल के सदस्य। पताः-मारवाड़ी नवयुवक मण्डल, मारवाड़ी बाजार, हैदराबाद (दक्षिण)।

बद्रीप्रसाद 'सारस्वत'—आपने 'सुदामा चरित्र' लिखा है। पताः-जयपुरा, इटावा।

बनबारीलाल शर्मा—बी. ए. ए., टी. सी., अध्यापन वृत्ति, 'अमृत बाजार पत्रिका' के सम्वाददाता, स्फुट कविताएं। पताः-लहरा, पो० हाथरस (अलीगढ़)।

बनारसीदास चतुर्वेदी—भारत के विख्यात पत्रकार और लेखक, लोक परिषद के मनोनीत सदस्य, प्रमुख दैनिक, मासिक आदि पत्रों के नियमित लेखक, 'अभ्युदय', आर्यमित्र 'मधुकर' और 'विशाल भारत' के भूतपूर्व सम्पादक, रचनाएं प्रवासी भारतवासी, सत्यनारायण कविरत्न, फिजी की समस्या, राष्ट्रभाषा आदि। पता:-टीकमगढ़, झांसी।

बनारसीदत्त शर्मा 'सेवक'—रचनाएं-नर और नारी, रोटी, अचल की आँखें। पता—मैनेजिंग डायरेक्टर, सेवक आर्ट प्रोड-क्शन्स, दिल्ली अथवा बम्बई।

बनारसीप्रसाद भोजपुरी—साहित्य रत्न, रचनाएं-भंडाफोड़, समाज का पाप, गरीब की आह आदि। पता:-डिस्ट्रिक्ट बोर्ड प्रेस, आरा।

बनारसीलाल 'आर्य'—सार्वजनिक कार्यकर्त्ता, शान्तिदूत (मा०) के प्रधान व्यवस्थापक, महामना श्रद्धांजलि ग्रन्थ का सम्पादन, पता:- द्वारा-अभिमन्यु पुस्तकालय, दशाश्वमेध, काशी।

बनारसीलाल 'काशी'—रचनाएं रामायण के उपदेश, हिन्दी पाठमाला। पता:-प्रधान हिन्दी अध्यापक, सरल हाईस्कूल, तिलौथू शाहाबाद।

बनारस चौधरी 'वीरेश'—'मजदूर आवाज' के सह सम्पादक, अमर ज्योति और कालकूट के प्रणेता तथा फुटकर लेखन। पता:-सेवानिकुञ्ज, हुसेनपुर, बिहार शरीफ पटना।

बन्दीकृष्ण त्रिपाठी मुक—साहित्य प्रेमी, स्फुट लेखन। पता—हरिहराश्रम, मिश्र पोखरा, बनारस-१

बमबहादुरसिंह नैपाली—रचनाएं हम नैपाली हैं गोरखाली नहीं, फुटबाल संसार, चम्पारन का इतिहास आदि। पता:-मैनेजर, जयहिन्द टाकीज, खड़ग मुद्रणालय, नौतनवां, गोरखपुर।

बलदेव उपाध्याय:—बौद्धदर्शन-मीमांसा, (डालमिया पुरुष्कार २१००) रु० और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा १२००) का पुरुष्कार प्राप्त) भारतीय दर्शन, भारतीय साहित्य शास्त्र दो खण्ड, सूक्ति मुक्तावली। पता:--संस्कृताध्यापक, हिन्दू विश्व विद्यालय, काशी।

बलदेवप्रसाद मिश्र—रचनाएं-शवसाधन, उलूकतन्त्र। आदि, कई पत्रों के सम्पादक पता:--'महाशक्ति' कार्यालय, काशी।

बलदेव प्रसाद 'मिश्र' राजहंसः—रचनाएं-शंकर-दिग्विजय, साहित्य-लहरी, तुलसी दर्शन आदि। पता--आचार्य डिग्री कालेज, बिलासपुर।

बलदेवप्रसाद श्रीवास्तव 'शेष';—सुकवि, साहित्य प्रेमी, नई पुस्तकें अप्रकाशित हैं। पताः--परौरी, बारा (उन्नाव)

बलदेवप्रसाद 'मेहरोत्रा'—फुटकर लेखन, पताः--श्री लक्ष्मीचन्द मेहरोत्रा वकील, काशी।

बलदेवराज शर्मा 'उपवन'—स्फुट लेखन; सरिता (मा०) और महाशक्ति, काशी का सम्पादन। पताः--'सरिता, कार्यालय, काशी

बलभद्र ठाकुर--कई पुस्तकों का उलथा किया है, पताः--वर्धा।

बलभद्र पति--फुटकर लेखन, पता--पिंजरापोल, नई बस्ती, रांची।

बलभद्रप्रसाद गुप्त 'रसिक'—बालोपयोगी स्फुट लेखक। पताः—अध्यापक, विद्या मन्दिर, प्रयाग।

बलभीमराव शर्मा—स्फुट लेखन। पताः—जोगीपेठ, जिला मेदक (दक्षिण)।

बलवीर सहाय—मस्ताना जोगी के सम्पादकों में, झंझा और लाश के लेखक। पताः-"कमल" कार्यालय, बकीलपुरा, दिल्ली।

बलवीरसिंह 'रंग'—युगवाणी और अप्सरा का सम्पादन, रेडियो से गीतों का प्रसरण, सुकवि, संगम (कवि०) पर उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा ५००) रु० का पुरुस्कार प्राप्त, सांझ सकारे प्रवेशगीत के प्रणेता। पताः—भारतीय प्रेस, एटा।

बल्लभदास बिन्नानी—बालोपयोगी फुटकर लेखादि। पताः—मेटिल हाउस, मिरजापुर।

बसव भाग्यया—हिन्दी-प्रचारक अनुवाद तेलगू। पताः—आर्य समाज, जोगीपेठ (जि० मेदक) निजाम।

बन्शीधर खूबचन्द पगारिया—बी. ए, साहित्य-रत्न, 'ध्वनि-विज्ञान' पर व्याख्यान, कविता, आलोचना एवं प्रगतिवाद विषयक लेखों के संग्रह अभी अप्रकाशित। पताः—कॉंकरौली (राजस्थान)

बशीर अहमदखाँ "मयूख"—स्फुट रचनाएं। पताः-जयहिन्द (साप्ता०) कोटा।

बहादुरसिंह—स्फुट लेखन (प्रायः आंग्ल भाषा में) पताः—अध्यापक, बनस्पति शास्त्र, बलवन्त राजपूत कालेज, आगरा।

काव्य-खण्ड—

[illegible] शर्मा

(परिचय पृष्ठ ९४)

श्री भगवत शरण चतुर्वेदी
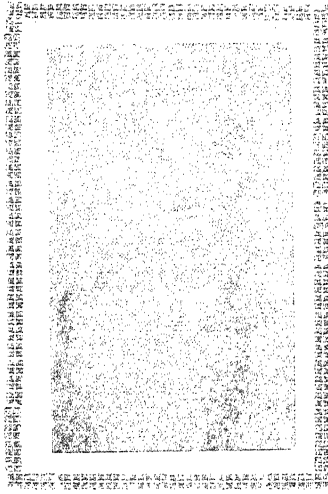
(परिचय पृष्ठ १०१)

बांकेलाल अग्रवाल—स्फुट विषयों पर पुस्तकें लिखी हैं। पता-अध्यापक मैकडानल इण्टर कालेज, झांसी।

बाघसिंह 'नेवरी'—संघर्ष, सोया-गौरव आदि के प्रणेता। पता-राजपूत प्रेस, भिण्डों का रास्ता, जयपुर।

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'—संसद्-सदस्य, प्रभा, प्रताप (दै०) कानपुर के सम्पादक रहे, राष्ट्रीय कवि, 'कुंकुम' कविता-संग्रह प्रकाशित, अधिकांश साहित्य अप्रकाशित। पता-द्वारा संसद्-भवन नई दिल्ली।

बालकृष्णराव—सुप्रसिद्ध कवि, रचनाएं-कौमुदी, आभास के प्रणेता, उच्चकोटि के पत्रों में नियमित रचनाएं भेजते हैं।

पता-सिविल लाइन्स, प्रयाग।

बालकृष्ण जोशी 'दर्शन'—'पत्नी के नाम पत्र' के लेखक।

पता-सुडिया, काशी।

बालचन्द्र जैन—एम. ए., साहित्याचार्य रचनाएं--आत्म-समर्पण (कहा०) राजुल (कवि) आदि, "परिमल" कटनी के संयोजक। पता--कटनी (मध्य प्रदेश)।

बालचन्द्र शास्त्री—अंजना आदि के प्रणेता। पता—वीर सेवा-मन्दिर, सरसावां सहारनपुर।

बाल शोरि रेड्डी—हिन्दी प्रचारक, अध्यापनवृत्ति, पता—हिन्दी प्रचार सभा, त्रिचिनापल्ली (तामिलनाड)।

बाबूराम विष्णु पराड़कर—सर्वाधिक प्रतिष्ठित पत्रकार, कई पत्रों के भूतपूर्व सम्पादक, हिन्दी-साहित्य सम्मेलन शिमला अधिवेशन के सभापति, स्फुट बहुत लिखा है। पता:-"आज" (दैनिक) कार्यालय, कबीर चौरा, काशी।

बाबूलाल श्रीवास्तव 'विकल'—'छात्र-पथ-प्रदर्शक' हस्तलिखित पत्रिका का सम्पादन, 'युगक्रान्ति' (साप्ता०) के सहयोगी सम्पादक, स्फुट कविताएं उर्मिला (अप्र०) खण्ड काव्य लिखा है।

पताः-गुना कैण्ट।

बाबूलाल मार्कण्डेय—अनेक प्रसिद्ध पत्रों में अनेक कहानियाँ प्रकाशित, पताः-मालीपुरा, खण्डवा।

बाबूलाल भार्गव 'कीर्ति'—रचनाएं-परियों का दरबार, विदेश की कहानियाँ, पद्य प्रसून आदि पुस्तकों के लेखक। पता:-प्रधानाध्यापक, म्युनिसिपल हाई स्कूल, सागर।

बाबूमल एल० हरण—शिक्षा-इण्टर, साहित्यरत्न, साहित्यक अभिरुचि। पताः-सेठीया तेजराज, मरडीया लाइन, सिरोही (राजस्थान)।

बाबूराम गुप्त—'नवोदित कलाकार सङ्गम' दिल्ली के कोषाध्यक्ष पताः-दिल्ली।

बाबूराम सारस्वत 'घण्टा कवि'—१६१३ में जन्म, बी० ए०, एल० टी०, किशोरी रमन इण्टर कालेज में अध्यापक, नवयुग, धर्मयुग, सैनिक, सन्देश में रचनायें प्रकाशित होती हैं। लेख, कहानी कविता, एकांकी लिखते हैं। पताः-गली राजकुमार, मण्डी रामदास, मथुरा।

बाबूराम शुभम्—शिक्षा--बी० ए०, (आगरा विश्व-विद्यालय) "रचना" के सम्पादक रहे। सामाजिक कार्यकर्त्ता, लेखक, कहानीकार और सुवक्ता। पताः-पाली रजापुर, गड़राना (अलीगढ़)

बालमुकुन्द उपाध्याय—स्फुट रचनाएं अध्ययन, अध्यापन, साहित्यरत्न। पताः-ग्राम मीतई, हाथरस (अलीगढ़) अथवा प्रधानाध्यापक--म्यु० जूनियर हाई स्कूल, हाथरस।

बालमुकुन्द गुप्त—'धूप--छांह' का सम्पादन, स्फुट पुस्तकें लिखी हैं, अनेक शिक्षा और साहित्य सम्बन्धी संस्थाओं के सक्रिय सदस्य। पताः-बगिया मनीराम, कानपुर।

बालमुकुन्द गुहा—रचनायें--हिन्दी व्याकरण और रचना-प्रवेश, समालोचना सम्बन्धी साहित्यक लेखों के दो संग्रह। पताः-हिन्दी अध्यापक, डी० ए० वी० कालेज, गोरखपुर।

बालमुकुन्द 'भारतीय'—कई संस्थाओं के केन्द्र व्यवस्थापक, परीक्षक, साहित्य--प्रेमी। पताः-हिन्दी-साहित्य अधिवेशन, कार्यालय, दतिया, (सी० आई०)।

बालमुकुन्द नाथूराम शुक्ल—निरन्तर साहित्य सेवा, विभिन्न पत्रों में कविताएं, लेख व कहानियों का प्रकाशन, डाक--तार विभाग में वृत्ति। पताः-बदनावर (मालवा)।

बालमुकुन्द मिश्र—हिन्दी और संस्कृत की विभिन्न शैलियों, भारतीय धर्म-धारा, सम्प्रदायों और भौतिक (साम्यवादी) साहित्य की प्रगतिशील परम्पराओं को आगे बढ़ाते हैं। प्यार और प्रगति के सुकुमार कोमल सौन्दर्यवादी कवि, आल इण्डिया रेडियो और द्वितीय महायुद्ध के समय 'सांग पब्लिसिटी आर्गनाइजेशन' के

अन्तर्गत गीतकार रहे, स्वराज्य (दैनिक उर्दू) वीर हिन्दू (साप्ताहिक उर्दू) वीर अर्जुन (सा० एवं दै०), हरिजन हितैषी (पा०) युगछाया, अशोक, साधना (मा०) आदि का सम्पादन, रचनाएँ आज के गीत, (कवि) देव, दानव और मनुष्य (ध्वन्यात्मक रूपक एकांकी) आदि पुस्तकें। पताः-मन्दिर कृपा--शंकर, चाँदनी चौक, दिल्ली--६।

बालाप्रसाद शुक्ल—हिन्दी प्रचार सभा में पदाधिकारी रहे, फुटकर रचनाएं। पताः-वकील नादेड (दक्षिण)।

ब्रिजलाल बियाणी—कांग्रेसी नेता, भू०पू० संसद--सदस्य, प्रसिद्ध मासिक 'प्रवाह' के सञ्चालक, मध्य-भारत के नव-निर्वाचित अर्थ-मंत्री, रचनाएं---कल्पना-कानन, जेल में। पताः--द्वारा 'राजस्थान भवन', अकोला, मध्य-प्रदेश।

बिन्दाचरण वर्मा—'सुहृदय--संघ' के संस्थापक, फुटकर लेखन, पताः--प्रधानाध्यापक, हाई इङ्गलिश स्कूल, मोतीपुर, मुजफ्फरपुर।

बिट्ठलदास 'मोदी'—प्राकृतिक-चिकित्सा के सुप्रसिद्ध लेखक, रचनाएं-सर्दी, जुकाम, खांसी, उपवास से लाभ आदि।
पताः-'आरोग्य' मन्दिर, गोरखपुर।

बाविकट्टे पाण्डुरङ्ग नायक—हिन्दी प्रेमी और प्रचारक।
पताः-श्री शारदा बाचनालय, बसरूर (मद्रास प्रान्त)।

बी० किशनलाल सूर्यवन्शी—हिन्दी प्रचार, स्फुट लेखन।
पताः-ईसामिया बाजार, हैदराबाद (दक्षिण)।

बी० एल० 'पुष्प'—"मुसाफिर" (कहानी मा०), "फिल्म-संसार" जयपुर (सिने मा०) के संचालक, सम्पादक रहे। सिने गीतकार, कहानीकार और संवाद लेखक। पता-गली बोहरे नत्थीलाल, मुरसान गेट, हाथरस।

बी० रामकृष्णाचार—दक्षिण भारत में हिन्दी--प्रचार, 'सती-शर्मिष्ठा' के लेखक। पता-कल्याण प्रेस, उडिप्पी, दक्षिणी कनारा (दक्षिण)।

बी० हीरासिंह—मद्रास में हिन्दी प्रचार, फुटकर लेखन।
पता-हिन्दी--लेखक--संघ, ९७, मिएट स्ट्रीट, मद्रास १।

बुद्धदेव पाण्डेय 'सुमन'—प्रका०---परिवर्तन, बिखरे हुए फूल आदि। पता-श्री सुभाष हाई स्कूल, इस्लामपुर अतासराय, पटना,

बुद्धिनाथ 'झा'—स्फुट रचनाएं-मद्रास हिन्दी लेखक संघ के पदाधिकारी। पता:-६७, मिण्ट स्ट्रीट, मद्रास, १

बूलचन्द—राजनीति ज्ञान-कोष लिखने में व्यस्त, राष्ट्र-भाषा, प्रचार सभा, बम्बई के व्यवस्थापक। पता:-नव गुजरात, अन्धेरी, बम्बई।

बेनीप्रसाद वर्मा—प्रसाद के 'आँसू' का आंग्ल भाषा में अनुवाद किया है। पता:-असिस्टेण्ट स्टेशन मास्टर, इटारसी।

बेनीप्रसाद शर्मा 'दिनेश'—रचनाएं-श्रीपावनगिरि भजनावली, अम्बा भजनावली आदि। पता:-शान्ति कुटीर, पत्रालय-ऊन, होल्कर राज्य।

बैजनाथ गुप्त—जन्म १९२५, एम० ए० की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। साहित्यरत्न, 'गान्धी--गौरव' (खण्ड काव्य) ये चूहे (कहानी) सोच रहा हूँ (उप०, अप्रकाशित) मोती के दाने (कवि०, अप्रकाशित)। पता:-डा० गिरजानन्दन का हाता, पटकापुर, कानपुर।

बैजनाथ पुरी—इतिहास विषयक कुशल लेखक, कई पुस्तकें प्राचीन ऐतिहासिक तथ्यों पर लिखी हैं। पता:-अध्यापक, इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय और (कटारी टोला, चौक, लखनऊ)।

बैजनाथ प्रसाद 'दुबे'—रचनायें-हिन्दी साहित्य के सप्त सुमन, बड़ों का विद्यार्थी जीवन। पता:-हिन्दी अध्यापक, पी० बी० बी० महू (मध्य भारत)

ब्रजबासीलाल श्री वास्तव 'ब्रजेन्द्र'—भू० सम्पादक-ग्राम्यालोक, ग्राम्यदूत, इत्तिफाक (उर्दू साप्ता०) आदि। शिक्षा एम० ए० एल० टी०, साहित्यरत्न, रूसी उपन्यास "स्टार" का हिन्दी में 'नक्षत्र' नाम से अनुवाद। पता:-अध्यक्ष हिन्दी-विभाग, सिन्धी मॉडल हायर सैकिण्डरी स्कूल, आगरा।

ब्रजभूषण पाण्डेय—रचनाएं-पञ्चवटी, एक अध्ययन, तुलसी के पाँच दल, कई पत्रों के भूतपूर्व सम्पादक। पता:-ग्राम-सुलेमानपुर पो० सैफाबाद, प्रतापगढ़ (अवध)।

ब्रजेन्द्र सक्सेना 'मधुप'—साहित्यिक अभिरुचि, नवोदित कलाकार। पता:-अनूपशहर, जि० बुलन्दशहर।

ब्रजमोहन—एम०ए०, एल० एल० बी०, पी० एच० डी० रचनायें, समतल भूमिति, ठोस ज्यामिति आदि। गणित और विज्ञान के प्रेमी। पता:-काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस-५.

ब्रजमोहन शर्मा—एम० ए०, एल० एल० बी०, पी० एच० डी०, डी० लिट्। रचनाएं-भारतीय नागरिकता और शासन, नागरिक शास्त्र के मूल सिद्धान्त, विश्व इतिहास की झलक आदि।

पताः-राजनीति-विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, अथवा मोहन-भवन, आर्य नगर, लखनऊ।

ब्रह्मदत्त दीक्षित—रचनाएं-वनवासी, भारत के पड़ौसी राष्ट्र। पताः-राजकीय नार्मल तथा बेसिक सैण्टर, बनारस।

ब्रह्मदत्त—श्री भवानीदयाल सन्यासी के सुपुत्र, रचनाएं-पोर्तगीज, पूर्व अफ्रीका में हिन्दुस्तानी आदि स्फुट लेख। पताः-प्रवासी भवन, आदर्श-नगर, अजमेर।

ब्रह्मदत्त तिवारी 'नागर'—अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी-विद्यापीठ, लखनऊ के संस्थापक और परीक्षा मंत्री। रचनाएं-अम्बरीष, सेवाग्राम कविता, हिन्दी साहित्य का इतिहास आदि। पताः-गुरुद्वारा रोड, नाका हिण्डोला, लखनऊ।

ब्रह्मदत्त मिश्र 'सुधीन्द्र'—भारतेन्दु समिति कोटा के साहित्य मन्त्री, स्फुट कविताएं, 'शंखनाद' प्रकाशित रचना। पताः-क्लर्क, पुलिस-विभाग, कोटा।

ब्रह्मदत्त त्रिवेदी—व्याकरणादि सम्बन्धी पुस्तकों के प्रणेता स्थानीय म्युनिसिपल बोर्ड के सभापति। पताः-आचार्य, ऋषिकुल संस्कृत कालेज, लक्ष्मणगढ़।

ब्रह्मदेव "मधुर"—रचनाएं-लपटें, पलकें, 'नागिन' और चिनगारी (मा०) के सम्पादकों में। पताः-महेशपुर, मुंगेर।

ब्रह्मनाथ 'बन्धु' विद्यालङ्कार—'नया-संसार' और 'मजदूर-संसार' का सम्पादन, स्फुट लेखन। पताः-'मजदूर-संसार' कार्यालय, पटना।

ब्रह्मानन्द—'स्मृतिगान', 'उत्सर्ग' आदि के लेखक, राजकीय संस्कृत कालेज, काशी के रिसर्च-स्कालर। पताः-धनावा, परवलपुर, पटना।

ब्रह्मानन्द चन्द्रवन्शी—रचनाएं-वैद्यक ब्रह्मानन्द-विलास सङ्गीत-भजन माला। पताः-बरोदा, पनागर, जबलपुर।

भगवतशरण चतुर्वेदीः-स्फुट लेखन, सम्पादक "विश्व-कल्याण" (पाक्षिक)। पताः-१४६, ब्रह्मकुण्ड, वृन्दावन (उत्तर-प्रदेश)।

भगवद्दत्त वेदालङ्कारः—गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के रिसर्च स्कॉलर, रचनाएँ वैदिक स्वप्न-विज्ञान आदि। पताः-रिसर्च विभाग गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार (उत्तर प्रदेश)।

भगवतीचरण वर्माः—सुकवि, प्रसिद्ध उपन्यासकार और कहानीकार, कुछ दिनों फिल्म में भी कार्य किया, पत्रकारिता भी की, रचनाएं-टेढ़े मेढ़े रास्ते. चित्रलेखा (उप०) इन्सालमेण्ट (कहा०) प्रेमसंगीत (कवि) आदि। पताः-ऑल इण्डिया रेडियो, लखनऊ।

भगवती देवी शर्मा 'विह्वल':—विदुषी, प्रभाकर, साहित्य-रत्न साहित्यालङ्कार, भावना और एकांकी नाटकों की लेखिका (अप्र०) रेडियो से रचनाओं का प्रसरण। पताः-हैदरकुली, ३४६ चांदनी चौक देहली।

भक्तिप्रसाद त्रिवेदीः--पुस्तकालय विज्ञान-विषय पर स्फुट लेखन। पताः-प्रयाग-विश्वविद्यालय पुस्तकालय, प्रयाग।

भगवतीप्रसाद वाजपेयीः—हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन में कई वर्ष तक पदाधिकारी रहे, "संसार", 'विक्रम' और 'माधुरी' का सम्पादन किया, उपन्यास, कहानी, नाटक और आलोचनात्मक पुस्तकें लिखी हैं, प्रसिद्ध पुस्तकें पिपासा, परित्यक्ता (उप०) खाली बोतल (कहा०) छलना (नाटक) आदि। पताः-दारागञ्ज, प्रयाग।

भगवतीप्रसाद श्रीवास्तवः—ऑल इण्डिया रेडियो दिल्ली से वैज्ञानिक भाषणों का प्रसरण "विज्ञान" जैसे विषय पर रोचकता से लिखने वाले प्रसिद्ध लेखक, प्रसिद्ध रचनाएँ-विज्ञान के चमत्कार विज्ञान की प्रगति आदि। पताः-प्रोफेसर, भौतिक विज्ञान, धर्म-समाज कालिज, अलीगढ़।

भगवतीप्रसादत्रिवेदी करुणेशः--रचनाएं-कुण्डलियाशतक गङ्गबङ्झाला दोहावली (अप्र०) पद्य प्रवाह नीरव-रजनी, समश्च सतक (प्रका०) आदि। पताः-अध्यापक, कन्याकुब्ज-वॉकेशनल कालेज, लखनऊ अथवा रानीगंज, दुगामा, लखनऊ।

भगवानदास केलाः—"प्रेम" वृन्दावन और 'माहेश्वरी' नागपुर के सम्पादक रहे, नागरिक-शास्त्र और अर्थशास्त्र के चिन्तनशील विरले लेखक, 'अर्थशास्त्र' पर आपने सबसे अधिक पुस्तकें लिखी हैं, आपकी लिखी किताबें पढ़ पढ़ कर अनेक अर्थशास्त्रज्ञ पैदा हुए प्रसिद्ध पुस्तकें-भारतीय राज्य शासन, भारतीय अर्थशास्त्र, सरल भारतीय-शासन, साम्राज्य और उसका पतन, राजस्व, नागरिक शिक्षा आदि कई दर्जन पुस्तकें। पताः—भारतीय ग्रन्थ-माला कार्यालय, दारागंज, प्रयाग।

भगवानसिंह वर्मा 'विमल':--'गौरव' (मासिक) हाथरस के यशस्वी सम्पादक, कहानी, उपन्यास और कविता लेखक, प्रगतिशील कलाकार, व्यवसाय-पत्रकारिता, आजकल दिल्ली से एक 'द्वै मासिक' और हाथरस से 'साप्ताहिक' पत्र निकालने में व्यस्त; पताः—किलागेट, हाथरस।

भगीरथ मिश्रः—जन्म-१४ दिसम्बर १९१४, अनेक संस्थाओं के सभापति और मन्त्री रहे, भाषण, लेख, कविता, आलोचना, एम. ए. और सन् १९४८ में पी. एच. डी., रचनाएं "हिन्दी-काव्यशास्त्र का इतिहास, अध्ययन, 'पृथ्वीराज-रासो के दो समय', 'साहित्य-साधना और समाज', चित्रण (काव्य संग्रह) कई ग्रन्थों का सम्पादन भी किया है, प्राध्यापक हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय। पताः-निकुञ्ज, बनारसी बाग, लखनऊ।

भगीरथ प्रेमी:-- साधना के दीप' प्रकाशित रचना, सार्वजनिक कार्यकर्त्ता। पताः-सेक्रेट्रियट, बड़वाहा।

भदन्त आनन्द कौशल्यायनः—प्रसिद्ध बौद्ध भिक्षु और साहित्यकार, हिन्दी के प्रबल प्रचारक, राष्ट्र-भाषा-प्रचार-समिति वर्धा के पदाधिकारी 'राष्ट्र भाषा" (मा०) के सम्पादक, पुस्तकें—जातक-दो भाग, भिक्षु के पत्र, बुद्धवचन आदि। पताः--राष्ट्र-भाषा-प्रचार-समिति, वर्धा।

भरतसिंह उपाध्यायः—रचनाएं-बुद्ध और बौद्ध साधक, पाली साहित्य का इतिहास, बौद्ध-दर्शन तथा अन्य भारतीय दर्शन।
पताः-प्राधानाध्यक्ष दिगम्बर जैन कालेज, बड़ौत।

भवानीलाल' भारतीय':--रचनाएं-साहित्य और इतिहास, षट्दर्शनों की वैदिक व्याख्या 'पतञ्जलि योग-प्रदीप' का आंग्ल-अनुवाद, अध्यापन। पताः-नन्दनन्दन भवन, गौल पुरवियों का मुहल्ला, खातियों का बास, गोल, जोधपुर।

भवानीलाल माथुर 'देशबन्धु':—स्फुट गीत, कहानी, अर्थशास्त्र का हिन्दी अनुवाद, बालोपयोगी पुस्तकें भी लिखी हैं। पताः—चांद भवन, सरदारपुरा, जोधपुर।

भवानीप्रसाद मिश्र:--स्फुट लेखन, 'शिक्षक' को सम्पादन, कई भाषाओं की जानकारी। पताः-महिलाश्रम, वर्धा।

भवानीशङ्कर याज्ञिकः—स्फुट लेख और कविताएं लिखी हैं, अप्रकाशित अनेक कृतियां। पताः--प्रधानाध्यापक, स्वास्थ्य विज्ञान, मेडिकल कालेज, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

भवानी शङ्कर शर्मा अरुणेशः--'अलमस्त' और 'दीपक' का सम्पादन किया, रचनाएं-स्त्री-स्वातन्त्र्य नारी का आदर्श आदि।

पताः—कलामन्दिर (होली-धारा) रतनगढ़ (बीकानेर)

भागवत मिश्रः—रचनाएं-द्रोपदी की क्षमा, वरदान, गोधूलि आदि अप्रकाशित। पताः--वकील, गाजीपुर।

भागीरथप्रसाद गुप्त--स्फुट लेखन। पताः--हिन्दी-प्रचार-सभा, परभरथी (दक्षिण)।

भागीरथ 'भाष्करः':—साहित्य-रत्न, एकमात्र वीर-रस के कवि रचनाएं शौर्य-प्रदीप, ज्व लामुखी, कन्यादान आदि लगभग १४ रचनाएं प्रकाशित, अध्यापनवृत्ति। पताः—भाष्कर कुटीर, नगहा, शिकोहाबाद।

भाष्करः—सिनेगीतकार, 'रङ्गभूमि' का सम्पादन, रचनाएं-चित्रमय रजतपट, फिल्मी अप्सराएं। पताः--सुमेरपुर, हमीरपुर।

भानुकुमार जैनः--बम्बई हिन्दी-विद्यापीठ के पदाधिकारी, कृतियाँ-विलासपुरी की दरिद्रता आदि। पताः—मैनेजिङ्ग डायरैक्टर ज्ञान-मन्दिर-लिमीटेड, बम्बई।

भानुसिंह बाघेलः—जन्म १९४९ (विक्रमी) स्वयं अध्ययन रचनाएं-बालादर्श आदि। पताः—भरतपुर, गोविन्दगढ़ रीवां राज्य

भा० रा० देसाई—फुटकर लेखन, हिन्दी-प्रकारक। पताः—हिन्दी-अध्यापक, जैन पाठशाला, कोप्पल, रायचूर (दक्षिण)

भालचन्द्र आप्टेः—हिन्दी प्रचारक और व्याकरण सम्बन्धी पुस्तक के प्रणेता। पताः—आचार्य-हिन्दी प्रचारक ट्रेनिङ्ग कालेज, मद्रास--१७।

भालचन्द्र 'जोशी':—'वीणा' (मा०) का सम्पादन भूत० स०-'नव-निर्माण' और "जय-भारत" (दै०) रचनाएं खट्टी-मीठी कहानियाँ, शरारती-बछड़ा। पताः—१२', चन्द्रभागा, जूनी इन्दौर।

भालचन्द्र शङ्करराव कहालकरः--हिन्दी-प्रचारक, स्फुट लेखन। पताः-प्रधानाध्यापक, नूतन प्राथमिक शिक्षणालय, परभणी (दक्षिण)

भीखनलाल आत्रेयः—एम. ए, डी. लिट् दर्शन, धर्म और मनोवैज्ञान के अभूतपूर्व संगम, अनेक देशी-विदेशी शिक्षा समितियों के गण्यमान्य सदस्य, इन्साइक्लोपेडिया (विश्व जीवनी परिचयात्मक ग्रन्थ) अमेरिका में आपकी जीवनी छपी है, रचनाएं योग वशिष्ठ और उसके सिद्धांत, प्रकृतिवाद पर्यालोचन, एलीमेन्टस

[illegible] लेखकः—

श्री दुलेश्वर दत्त शर्मा

'व्याकुल'

(परिचय पृष्ठ १०५)

श्री माधवप्रसाद शुक्ल 'मनोज'

(परिचय पृष्ठ ११७)

आफ इण्डियन लाजिक। पताः—अध्यक्ष दर्शन, मनोविज्ञान तथा धर्म विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

भीमसैन राव जाधवः—फुटकर कविताएं और लेख। पताः—हिंदी-साहित्य-समिति, गुलबर्गा (दक्षिण)।

भीमेश्वर भट्टः—स्फुट लेखन, हिन्दी-प्रचार। पताः-प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, चादरघाट कालेज, हैदराबाद (दक्षिण)

भुवनेन्द्र 'विश्व':—जैनसाहित्य संकलनकर्त्ता। पताः-विश्व कुटी, ६६३, जवाहरगंज, जबलपुर।

भुवनेश मिश्रः—स्फुट कविताएं। पता-सदर बाजार, कानपुर।

भुवनेश्वर मिश्र 'भुवन':—रचनाएं हिन्दी साहित्य सौरभ, विनय मंजरी आदि। पताः-प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, आशुतोष कालेज, कलकत्ता।

भुवनेश्वरदत्त शर्मा 'व्याकुल'—जन्म १६०७, काव्यालङ्कार बिहार कांग्रेस कमेटी के सदस्य, अ० भा० कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय आन्दोलन में जेल-यात्रा। रचनायें-अश्के हसरत, जवानी के गीत, 'कला में व्याकुल' 'तरानए व्याकुल' किसानों के आर्त्तनाद (ग्राम गीत) प्रेस में—तीन कदम, गरीबों की दुनियां, आदि अनेक अप्रकाशित, साईकिल द्वारा भारत की सफल भ्रमण यात्रा कर चुके हैं। दामोदर वैली कारपोरेशन में सहायक पुनर्वास अफ़सर। पताः-सुखद साहित्य कुटीर, विष्णुगढ़, हजारीगढ़।

भुवनेश्वरनाथ मिश्र 'माधव'—'कल्याण' गोरखपुर आदि के भूतपूर्व सम्पादक, रचनाएं-संत-साहित्य, मेरे प्राण के साथी, धूप-दीप, आदि कई कविता और निबन्ध संग्रह, पता-प्रिंसिपल सच्चिदानन्द सिनहा कालेज, औरंगाबाद, गया।

भुवनेश्वरप्रसाद वर्मा 'कमल'—सांध्यगीत और साहित्य-संधान के प्रणेता; रेडियो पर एकांकी प्रसारित होते है। पता-पटना कालेज पटना।

भुवनेश्वरप्रसाद 'भुवनेश'—फुटकर कविताएं और लेख, पता-प्राध्यापक, संस्कृत-विभाग, राजेन्द्र कालेज, छपरा।

भुवनेश्वरसिंह "भुवन"—स्फुट लेखन, पता-आनन्दपुर दरभंगा।

भीष्मसिंह चौहान "भीष्म"—साहित्यालंकार, रचनाएं-'हा बापू', 'सटर-पटर' आदि हास्य और बालोपयोगी पुस्तकें।
पताः-नगला जुला, मैनपुरी (उत्तर प्रदेश)

भीष्मदेव शास्त्री—"दक्षिण भारती" के सम्पादकों में, रचनाएं मैथिलीशरण गुप्त (आलो०) कुमार कर्त्तव्य, पताः-'दक्षिण-भारती' कार्यालय, ८६, अफजल गञ्ज, हैदराबाद।

भूदेव शर्मा—रचनाएं-सनयातसेन, गद्य-दीपिका आदि। पताः-प्राध्यापक, क्राइस्टचर्च कालेज, कानपुर।

भूदेव झा 'अमर'—'जीवन प्रभा' के भू० सम्पादक स्फुट लेखन, स्मृति, अभागिनि, आदि के लेखक। पताः-सूर सदन, प्रेमनगर, झांसी (उत्तर-प्रदेश)

भंवरलाल भट्ट 'मधुप'—रचनाएं-गुंजार, मधुकण गुरु-गोबिन्द सिंह आदि, सम्पादन 'वाणी'। पताः-अधिष्ठाता, हिन्दू अनाथालय, खण्डवा।

भूदेवदत्त शर्मा—सामाजिक कार्यकर्त्ता, स्फुट लेखन,
पताः-'अमर-ज्योति' कार्यालय, जयपुर।

भृगुरासन शर्मा—रचनाएं-साहित्य और समाज, राष्ट्रसेवा आदि, पताः-प्रधानाध्यापक, मिडिलस्कूल, कुबेरनाथ, गोरखपुर।

भैरवप्रसाद गुप्त—सह-सम्पादक 'माया' और 'मनोहर-कहानियाँ प्रगतिशील-लेखक संघ, संयुक्त लेखक-पत्रकार-सम्पर्क मन्त्री, प्रसिद्ध पुस्तकें-मुहब्बत की राहें, मन्जिल, बिगड़े हुए दिमाग (कहानी) शोले आदि (उप०) पताः-"माया" (मासिक) मुट्ठी गञ्ज, प्रयाग।

भैरवप्रसाद सिंह 'पथिक'—स्फुट रचनाएं, 'राजपूत' के भू० सम्पादक, पताः-पथिकाश्रम, पडरौना, देवरिया।

भोलानाथ शर्मा—संस्कृत, ग्रीक, जर्मन आंग्ल आदि भाषाओं के ज्ञाता, जर्मनी पुस्तकों का हिन्दी अनुवाद, वीर-विजय, अरस्तू की राजनीति आदि के लेखक, सूर-सागर का परिशोधित सम्पादन में व्यस्त अध्यापन वृत्ति। पताः-बिहारीपुर, बरेली अथवा अध्यक्ष संस्कृत-विभाग, बरेली कालेज बरेली।

भोलालाल दास—'मिथिला' और 'भारती' लहेरिया सराय का सम्पादन, हिन्दू लॉ में स्त्रियों के अधिकार, भारतवर्ष का इतिहास आदि के लेखक, यूनाइटेड प्रेस, भागलपुर में लेखक-सम्पादक रहे। पताः-अभिनव ग्रन्थागार, पटना ४, या सिद्धार्थ प्रेस, पटना-३

मक्खनलाल दम्माणी—अनोखी कहानियां मनोहर-कहानियां आदि प्रका०, पता-प्रकाशक, कोटगेट, बीकानेर।

मगनलाल जिनेश—भूपाल में हिन्दी का प्रचार पत्रकार, स्फुट लेखन, पता—"सूचना" सा० हवामहल रोड भूपाल।

मंगलचन्द्र खण्डेलवाल—'नवीन भारत' के सम्पादन में योग, लता प्रेस और 'लता' मासिक के सम्पादक, स्फुट। पताः--लता आफिस, कासगंज।

मंगलदेव शास्त्री,—एम० ए०, एम० ओ० एल०, डी० फिल० शास्त्री, 'तुलनात्मक भाषा शास्त्र अथवा भाषा-विज्ञान, प्रबन्ध-प्रकाश आदि ग्रन्थों के प्रणेता, राजकीय संस्कृत कालेज, काशी में आचार्य, पताः-इंगलिशिया लाइन, बनारस छावनी।

मगलानन्द गौतम—सिने पत्रकार और आलोचक, रचनाएं साम्यवाद व गांधीवाद, पताः--"रसभरी" कार्यालय दिल्ली।

मणिराम 'कंचन'—स्फुट काव्य संग्रह, पताः--तालबेहट, झांसी।

मथुराप्रसाद दीक्षित—कई पत्रों के भूतपूर्व सम्पादक, प्रमुख रचनाएं नादिरशाह, बाबू कुबेरसिंह, विप्लवी वीर आदि। पताः-'प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन' कार्यालय, पटना (बिहार)

मथुराप्रसाद शर्मा 'मथुरेश'—२ जुलाई १९२८, साहित्य रत्न, काव्यालंकार, फुटकर कविताएं, दहेज और पंचायत राज विभाग सम्बन्धी स्फुट लेखादि, अध्यापन। पताः-श्री विष्णुभवन, पत्रालय मुहम्मदी (आगरा)।

मथुराप्रसाद शिवहरे—चारों वेदों का हिन्दी उल्था किया है। पताः-आदर्श नगर, अजमेर।

मथुराप्रसादसिंह—दैनिक 'महावीर' के भू० सम्पादक, स्फुट लेखन। पताः-प्रधानाध्यापक, राजेन्द्र साहित्य महाविद्यालय, सेवदह बिरजू मिल्की, पटना।

मदनगोपाल—रचनाएं-मानव हृदय की कथाएं दो भाग, अमेरिका में भारतवासी आदि। पताः-गुजराती मुहल्ला, मुरादाबाद

मदनगोपाल 'अरविन्द'—संगीत कविता संग्रह के प्रणेता। पताः-सीनियर आफिस कोर्ट विभाग, मुजफ्फरपुर।

मदनगोपाल शर्मा—रचनाएं-सुमनों की मुस्कान और चट्टान आदि (अ०) पताः-'अमर ज्योति' कार्यालय, जयपुर।

मदनगोपाल सिंहल—'आदेश' और 'वैश्य हितकारी' का सम्पादन, कई सुन्दर पुस्तकों के प्रणेता। पताः-सदर, मेरठ।

मदनप्रसाद श्रीवास्तव—फुटकर लेखन, त्रैमासिक 'तरुण' के सम्पादक रहे। पताः-लोहार पट्टी, मोतिहारी।

मदनमोहन मिश्र—जन्म ५ मार्च १९१७ 'प्रकाश' के भू० सम्पादक, प्रसिद्ध पत्रों में लेख और कहानियाँ प्रकाशित, रचनाएं चन्द्र ज्योत्सना, स्वास्थ्य सोपान, पंखुड़ियाँ, विन्ध्य-गौरव, आदि पुस्तकें। पताः-मदन-सदन, खलगा-स्ट्रीट, रीवां (विन्ध्य-प्रदेश)

मदनमोहन—'निष्काम' प्रकाशन के संचालक। रचनाएं-मानव समाज की उत्पत्ति तथा विकास, विजयी-जीवन। पताः-'निष्काम' प्रेस मेरठ।

मदनमोहन गुप्त—यूनाइटेड प्रेस के प्रधान सम्वाददाता, रचनाएं प्रबुद्ध, नील आदि (अप्र०)। पताः-विश्राम-कुटीर, रक्सौल।

मदनमोहन गुप्त 'मदन' शिवहरे'—जन्म २ जनवरी १९२२, कहानी लेखक तथा रेडियो गीतकार, प्रकाशन प्रेम-पत्रावली खजवा टोपी छः आने (कवि०) अनल कुण्ड, विद्रोही, तूफान तथा अनेक पाठ्य पुस्तकें, कई संस्थाओं के केन्द्राध्यक्ष, ४२ के क्रान्तिकारी। पताः-शिवहर 'मुजफ्फरपुर' बिहार।

मदनमोहन 'गोस्वामी'—'अमर-भारत' (दिल्ली) दैनिक के भू० सह-सम्पादक, 'प्रदीप' का सम्पादन, फुटकर लेखन। पता-'प्रदीप' कार्यालय, जन सम्पर्क विभाग, पंजाब सरकार शिमला-२

मदनमोहन 'नागर'—'सारनाथ का संक्षिप्त इतिहास' आदि पुरातत्व और इतिहास सम्बन्धी लेखक। पताः-क्यूरेटर, प्रान्तीय संग्रहालय नील-रोड, लखनऊ।

मदनमोहन पाण्डेय—स्फुट लेखन। पताः-प्रभाकर प्रेस, मुंगेर।

मदनमोहन राकेश'—स्फुट एकांकी और कविताएं। पताः-अध्यापक बिशप-काटन स्कूल, शिमला-२

मदनमोहन 'साह'—रचनाएं-'राघव-गीत' रघुनाथराव (ना०) लक्ष्मण साहित्य भण्डार के संचालक। पताः-मिर्जा मण्डी चौक, लखनऊ।

मदनलाल शर्मा—रचनाएं-पंचमेल, मन की पीर आजाद भारत, एक रात आदि के प्रणेता। पताः-शर्मन फार्मेसी, गिरदी कोट, जोधपुर।

मदनलाल हितैषी—स्फुट लेखन, सार्वजनिक कार्यकर्त्ता, साप्ता० प्रकाश अलीगढ़ के सम्पादक। पताः-प्रकाश कार्यालय, अलीगढ़।

मदनलाल नकफोफा 'मदन'—'अर्चना के फूल' के प्रणेता, नवोदित कलाकार। पताः-बहुआर चौरा, गया (बिहार)।

मदनलाल 'मधु'—उन्माद (कवि०) के रचियिता। पताः-प्राध्यापक अर्थ शास्त्र विभाग, सनातन-धर्म कालेज, शिमला-२

मदनलाल 'व्यास' प्रभाकर—स्फुट लेखन। पताः—नथावतों की पोल, नवचौक, जोधपुर।

मधुकर मिश्र—मजदूर कार्यकर्त्ता, बँगला गुजराती, उर्दू, फारसी के ज्ञाता, 'अभ्युदय' प्रयाग के भू० सम्पादक, कई पुस्तकों का सम्पादन, रचनाएं--'शान्ति की लहर' (जब्त) बंगाल वाले (जब्त) संकल्प, अमर-सखा आदि। पताः--६६।१७२ सदर बाजार कानपुर।

मधुकर खरे--स्फुट कविताएं और कहानियाँ। पताः--बूढ़ापारा रायपुर।

मधुसूदनदास चतुर्वेदी "मधु"—सम्पादक "कल्पना" (द्वै मा०) हैदराबाद के सुप्रसिद्ध साहित्यकार, हिन्दी-प्रचार-सभा, हैदराबाद के मन्त्री, रचनाएं साहित्य का इतिहास, प्रसाद के आंसू (अप्र०) आदि। पता—११६७ बेगम बाजार हैदराबाद (दक्षिण)

मधुसूदन शरण 'बेदिल'—'नागरिक' 'जनवाणी' 'साथी' आदि के सम्पादन में योग। बंबई में फिल्मों के लिए गीत भी लिखे, कई पुस्तकें प्रकाशित स्फुट गीत और लेख, पताः--पसरट्टा बाजार हाथरस

मधुसूदन पाण्डेय 'मधुर'—बी० ए० सी० टी०, विशारद रचनायें हमारे देश का इतिहास, स्वास्थ्यतत्व आदि, पताः—सहायक-शिक्षक जिला-स्कूल, रांची।

मधुसूदन 'मधुप'—दो कहानी संग्रह प्रकाशित, पता--स्नेहलता गंज, इन्दौर।

मधुसूदन मिश्र—स्फुट रचनाएं, पता-प्रधानाचार्य, हरिहर संस्कृत कालेज, बकुलहर, चैनपटिया, चम्पारन।

मधुसूदन शास्त्री—रचनाएं-रस-शास्त्र, उत्तर रामचरित की टीका, प्राच्य-संस्कृत-साहित्य के विद्वान, पता-प्राध्यापक, ओरियन्टल कालेज, विश्वविद्यालय, काशी।

मनसारामशर्मा—'साहित्य-रत्न' 'साहित्यालंकार' स्फुट लेख, साहित्य-प्रेमी, पता-हिन्दी अध्यापक, श्री भारत मंदिर हायर सै० स्कूल, ऋषि केश, देहरादून।

मनफूल त्यागी 'सुधीर'—रचनाएं-देश-देश के बालक, शेर बच्चों के गीत, पताः—दरबार हाईस्कूल, जोधपुर।

मनमोहन सक्सेना—बी ए०, एल० टी० साहित्यिक अभिरुचि, पता:-सोमवारिया, जावरा (मध्य-भारत)

मनोरंजनप्रसाद सिंह—रचनाएं-गुनगुन और संगिनी (कवि०) उत्तराखण्ड के पथ पर (यात्रा) कई निबन्ध और काव्य संग्रह अप्रकाशित। पताः-आचार्य, राजेन्द्र कालेज, छपरा।

मनोरंजन सहाय श्रीवास्तव—कई पत्रों के भू० यशस्वी सम्पादक, रचनाएं हँसती छाया, हँसते-हँसते, कब्र में पत्थर आदि।
पता:-गुमला, रांची।

मनोरमा चतुर्वेदी—बी० ए०, साहित्य रत्न, स्फुट लेख पं० बनारसीदास चतुर्वेदी जी चाचा लगते हैं। पता:-हनुमान ग्लास वर्क्स, फिरोजाबाद।

मनोहरलाल गर्ग—२३ अक्टूबर, १६२३ (जन्म) राष्ट्रभाषा परिषद के संस्थापक और प्रधान मन्त्री, 'साहित्य-परिषद' के प्रमुख कार्यकर्ता, कई सार्वजनिक संस्थाओं के मन्त्री, साहित्यिक और साहित्य-प्रेमी अ० भा० ब्र० सा० म० की स्थायी समिति के सदस्य, साहित्यिक सभाओं के आयोजक, स्फुट लेख, "अग्रवाल-पत्रिका" (मा०) का संचालक सम्पादन, पता-नयागंज, हाथरस।

मनोहरलाल जैन—स्फुट लेख संग्रह, भू० अध्यापक, जैन इण्टर मीजियेट कालेज, बड़ौत, नवप्रभा का संपादन। पताः- प्रधानाध्यापक टीकमचन्द जैन हाईस्कूल, अजमेर।

मनोहरलाल बजाज– स्फुट कहानियां, पता:-गलीखाई वाली, अमृतसर।

मनोहरसिंह 'कुँवर'—स्फुट लेखन, कई साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय कार्यकर्ता। पता:-५०१५, नगरबास, रतलाम।

मन्नूलालशर्मा 'शील'—रचनाएं (प्र०) चर्खाशाला, अंगड़ाई (अप्र०) एकपग, धृतराष्ट्र आदि। पता:-पाली, कानपुर।

मन्मथ रामकृष्ण भट्ट 'नवल'—रचनाए-भारत-भेरी, कलमी कलाम, नवलनूर आदि, पताः-सर्वोत्तम-साहित्य शिक्षण समिति, म्यापसा, गोवा।

मन्मथकुमार मिश्र—प्रकाशन-प्राचीन भक्त कवियों की भजन माला और संगीत सम्बन्धी लेख संग्रह, पता:-लक्ष्मणगढ़, सीकर।

मन्मथनाथ गुप्त—भारत के सभी उच्च पत्रों के नियमित लेखक, "बाल-भारती" का सम्पादक करते हैं, काकौरी षड्यन्त्र केस के प्रमुख

भू० कैदी, अनेक बार 'कारागृह-निवास, प्रसिद्ध रचनाएं'-सेक्स से जीवन और सुख प्राप्ति, यौन-विज्ञान और वैवाहिक जीवन, भारत में सशस्त्र क्रान्ति चेष्टा का रोमांचकारी इतिहास-दो भाग, अवसान (उप०) तथा कई कहानी संग्रह, पताः-पब्लिकेशन्स डिवीजन, ओल्ड सेक्रेटेरियट, दिल्ली।

मलमंचिलि वेंकटप्पम्मा चौधरी—हिन्दी प्रचारक, लगभग एक दर्जन प्रकाशित पुस्तकें, पता:-आदर्श बालिका पाठशाला, नेहरू नगर, पो० तैनालि, गुन्टूर (दक्षिण)

महताबचंद खारैड—रचन एं बाँकीदास ग्रन्थावली, जयपुर राज्य के हिन्दी कवि और लेखक, पता:-सोथली वालों का रास्ता, जयपुर

महादेवराव चौधरी—कृषि विषयक फुटकर लेख लिखने में कुशल, पताः-बसन्त रमेश कृषि फार्म, सविताबाडी, वरुण (बरार)

महादेवप्पा कोडेकोलकर—हिन्दी प्रचारक, फुटकर लेखन। पता:-लोक-सेवा-समिति, जोगी, गुलबर्गा, (दक्षिण)

महादेव लाल—'प्रकाश' का सम्पादन, हिन्दी-प्रचार कार्य। पता:-प्राध्यापक, हिन्दी विद्यापीठ, देवघर (बिहार)

महादेवसिंह—फुटकर लेखन, पता-खपटिया, भदोही, बनारस।

महादेव सीताराम करमकर—एम० ए० (मराठी और जर्मन) साहित्य-रत्न, विभिन्न साहित्यिक और शिक्षा-सम्बन्धी संस्थाओं से सम्बद्ध, प्रसिद्ध-पुस्तकें-जर्मन लोक कथा, हिन्दी मराठी अनुवाद माला तीन भाग, तथा अनेक मराठी, अँग्रेजी, जर्मन की कविताओं का हिन्दी अनुवाद, पता:-भारतीय साहित्य-सहकार, विश्वविद्यालय, काशी।

महादेवी वर्मा—भारत की सुप्रसिद्ध कवियित्री, चित्रकर्त्री, छायावादी कवियों में प्रमुखस्थान चाँद (मासिक) की भूतपूर्व यशस्वी सम्पादिका, प्रमुख पुस्तकें-अतीत के चलचित्र, दीपशिखा, यामा, सान्ध्य-गीत, नीरजा आदि। पता:-प्रधानाध्यापिका, प्रयाग महिला विद्यापीठ प्रयाग।

महारुद्र ध्यानावस्थित--फुटकर लेखन। पताः-सह-सम्पादक 'अमर-ज्योति' जयपुर।

महालिंगम डाक्टर—हिन्दी-प्रचारक, फुटकर लेखन। पता:-दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, त्यागरायनगर, मद्रास।

महावीरप्रसाद मिश्र सुरभि—रचनाएं-हिरण्यकशिपुवध, अवध आनन्द आदि। पताः-'निर्माल्य-निकेतन' स्थान चिल्ला गौहानी, डाकघर बारा, जिला-प्रयाग।

महावीरप्रसाद अग्रवाल—अनेक शिक्षा और साहित्यिक संस्थाओं से सम्बद्ध, एम. ए. (सर्वोच्च) एल. एल. बी., रचनाएं हिन्दी साहित्य सौरभ-तीन भाग, कुछ आत्माकथाएं आदि। पताः-अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग, दरबार कालेज, रीवां।

महावीरप्रसाद शर्मा—फुटकर लेख और कविताएं, वकील। पताः-सम्पादक "जयहिन्द" (साप्ता०) कोटा।

महावीरप्रसाद शर्मा प्रेमी'—'जाग्रति' के भू० सं०, 'राष्ट्रवाणी' तथा 'नवशक्ति' पटना के सम्पादकीय विभाग में, प्रकाशित पुस्तकें उद्योग व्यवसाय में सफलता के साधन, प्राकृतिक बिजली का प्रयोग आदि। पताः-लालकोठी, पो० दानापुर, पटना।

महावीरप्रसाद 'ओती'—तरुण 'पत्रकार' नवीन, दैनिक समाचार और 'जनवाणी' (दैनिक) के सम्पादक रहे, कुछ दिनों बम्बई में 'आवाज' के सम्पादकीय विभाग में कार्य किया, आजकल भारत प्रिंटिंग प्रेस का संचालन और जनवाणी स्थानीय दैनिक संस्करण का सम्पादन, स्फुट लेखन। पताः-'जनवाणी' कार्यालय हाथरस।

महेन्द्र—'साहित्य-संदेश' आगरा के सम्पादकों में, स्फुट लेखन। पताः-४ महात्मा गान्धी रोड, आगरा, तथा साहित्य रत्न भण्डार आगरा।

महेन्द्र जोशी—फुटकर कविताएं और कहानियाँ लिखी हैं। पताः-सम्पादक 'सुधा' (मा०) पो० बा० २ शिमला।

महेन्द्र भटनागर—आपकी रचनाएं उच्चकोटि के पत्रों में छपती हैं, नई पीढ़ी के प्रमुख प्रगतिशील कवि और चिन्तन शील लेखक। पताः-धार (मध्य-भारत)

महेन्द्रकुमार जैन—रचनाएं-प्रमाण-मीमांसा, गद्यावलि, न्याय विनिश्चय विवरण, न्याय कुमुदचन्द्र आदि पुस्तकों के प्रणेता। पताः-भारतीय ज्ञानपीठ, दुर्गाकुण्ड, काशी-४

महेन्द्रनाथ नागर—फुटकर आलोचनात्मक निबन्ध: लिखते हैं, हरिजनों में शिक्षा-प्रसार, पता-रानीपुरा, बड़वानी, मध्य भारत।

आत्म लेखक:—

श्री रंगीलाल 'आर्य'
(परिचय पृष्ठ ११६)

श्री नरेशचन्द्र गर्ग 'मानव'
(परिचय पृष्ठ १२५)
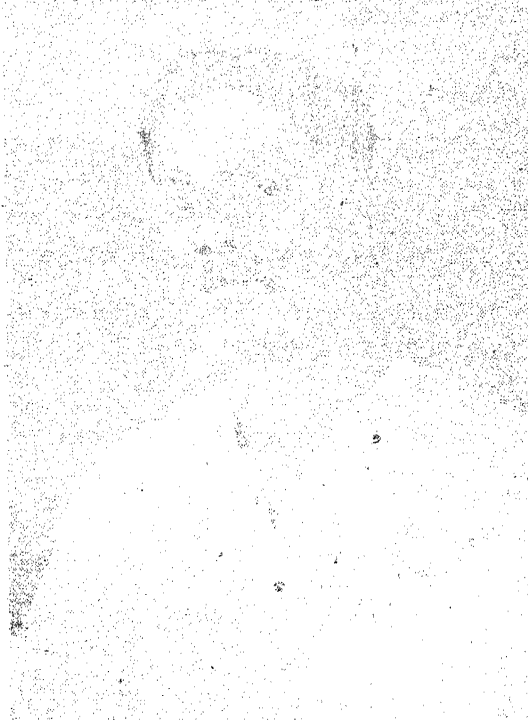
महेन्द्रनाथ पाण्डेय:—आपकी लिखी प्राकृतिक और आयुर्वेद चिकित्सा सम्बन्धी पुस्तकें हिन्दी साहित्य में बेजोड़ हैं, रचनायें तपेदिक, भोजन ही अमृत है, हमारे बच्चे, मठा, फलहार चिकित्सा, प्रमेह-विवेचना आदि। पताः-महेन्द्र रसायनशाला, कटरा प्रयाग।

महेन्द्रप्रताप शास्त्री:—विद्यालयों के लिए संस्कृत हिन्दी की कई पाठ्य पुस्तकों का सम्पादन, सृजन किया है, शिक्षा सम्बन्धी अनेक प्रान्तीय और अखिल भारतीय संस्थाओं के क्रियाशील कार्यकर्त्ता। पता:-आचार्य, डी.ए. वी. कालेज, लखनऊ

महेशचन्द्र अग्रवालः—प्रसिद्ध पुस्तकें-"भारतीय औद्योगिक संगठन" समाजवाद और सहकारिता, पूँजीवाद, भारत की सहकारी समस्याएं। पता:-३४६, कटरा, प्रयाग-२ अथवा अर्थशास्त्र विभाग, प्रयाग, विश्वविद्यालय।

महेशदत्त दुबे:—रचनाएं-भारत-छोड़ो, फफोले। पता:-'विन्ध्य केसरी' कार्यालय, सागर।

महेश्वरः—रचनाएं-चतुर्भुजी, प्रेमाञ्जलि, महादेवी की चित्र-कला व काव्य-कला, आदि। पताः-ग्राम पत्रालय, 'भरोला' आरा

महेश्वर नाबर:—रचनाएं-फूलों की परख, कहानी-कुंज, गद्य कुंज आदि कई सम्पादित पाठ्य-पुस्तकें। पताः—मन्त्री, ज्ञानलता मण्डल, ३६ एल, युगभाट क्रासलेन, बम्बई ४।

महेश्वर प्रसादः—पञ्चामृत, यशोधरा की करुण-साधना, आदि के प्रणेता। पताः-अरौली, शाहाबाद।

महेश्वरीप्रसादः—समीक्षात्मक लेख लिखते हैं। पताः-हिन्दी-विभागाध्यक्ष, टी. एन. जे. कालेज, भागलपुर।

महेश्वरप्रसाद मंसूरः—आपके लिखे दो कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। पता:-'गांधी-परिषद' दिल्ली।

माखनलाल चतुर्वेदी—हिन्दी के वयोवृद्ध सुलेखक और साहित्य-सेवी, राष्ट्रीय कवि, प्रसिद्ध पुस्तकें हिमकिरीटिनी, (कवि) साहित्य देवता (गद्यकाव्य) उच्चकोटि के पत्रों में अब लिखते हैं।

पताः-'कर्मवीर प्रेस, खण्डवा।

माणिकचन्द्र न्यायाचार्यः—अनेक पुस्तकों के प्रणेता, शास्त्रार्थ और शास्त्रप्रवचन करने में कुशल। पताः-हनुमान-गंज, फिरोजाबाद (आगरा)।

माणिकचंद्र बोंद्रिया:—ग्राम जीवन सम्बन्धी फुटकर लेखन।
पता:-सम्पादक "कृषक" घाट-रोड, नागपुर-२

मातादीन भगेरिया:—"नव-भारत-टाइम्स" के भूतपूर्व यशस्वी सम्पादक, जनवादी लेखक और स्पष्ट वक्ता, रचनाएं-तरुण-तपस्वी, दिव्यकुमार का देशाटन आदि-आदि, 'एशिया से दूर रहो, समिति के प्रबन्ध मन्त्री। पता:-दिल्ली।

मातादीन शुक्ल—कवि "अञ्चल" के पिता, "माधुरी" के भू० सह सम्पादक, स्फुट लेखन। पता:-प्रबन्धक, एजूकेशन बुकडिपो, जबलपुर।

माताप्रसाद गुप्त—एम० ए०, डी० लिट्०, रचनाएं-तुलसी-संदर्भ, हिन्दी पुस्तक साहित्य आदि। हिन्दी के विद्वान् लेखक।
पता:—प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, प्रयाग-विश्वविद्यालय।

मातुलाल शर्मा—फुटकर लेखन। पता:—सञ्चालक "सीमा" गोपाल प्रेस, आसनसोल।

मांगीलाल 'माथुर'—कई पत्रों के सम्पादन में योग, फुटकर लेखन। पता:—सञ्चालक, विज्ञान कला अधिष्ठान, कोट-गेट बीकानेर।

माधवप्रसाद टण्डन—"जीवन-क्रम" (कहानी--संग्रह) प्रकाशित। पता:—"हिन्दी-साहित्य--सम्मेलन" कार्यालय, पटना (बिहार)।

माधवप्रसाद शुक्ल "मनोज"—जन्म सं० १९८४, सागर, प्रकाशन—"सिकता-कण" (कवि) तथा अनेक स्फुट कविताएं और कहानियां प्रमुख पत्रों में प्रकाशित, नवोदित कलाकार।
पता—परकोटा, सागर (मध्य-प्रदेश)।

माधवशरण 'मुकुन्द'—स्फुट लेखन, कई पुस्तकें प्रकाशित।
पता:-बगही, जोगापट्टी (चम्पारन)।

मानसिंह—बाल राजनीति, लन्दन में भारतीय विद्यार्थी आदि के लेखक। पता:-राजकुमार मानसिंह, बनेड़ा राज्य, मेवाड़।

मायाराम शर्मा—जन्म १९३३, स्फुट-कविता, आलोचनात्मक लेख और राजनीतिक लेख। पता:-जीवाजीगञ्ज स्टेशन के पास, बकील साहब की कोठी, लश्कर (मध्य भारत)।

मारुती दत्तात्रय देशपाण्डे—बी० ए०, बी० टी०, रचनाएं— पार्टस आफ स्पीच, टैन्सेज आदि। गीता-धर्म-मण्डल, समर्थ-

सेवक-मण्डल के कार्यवाह । पताः--राष्ट्रभाषा परीक्षा-मन्त्री सतारा।

मायादेवी—'कन्या धर्म शिक्षा' और पाक-शास्त्र की विदुषी लेखिका। पता:-'साहित्य-कुटीर' दही गली, भरतपुर।

मार्तण्ड दामोदर पुस्तके—"आरोग्य-मित्र" के सञ्चालक, रचनाएं-आरोग्य-मार्ग-दर्शिका, अंकुर, जीवन, आहार और शरीर-पोषण आदि। पता:-६८, जयप्रकाश नगर, गोरे गांव, नया बाजार, लश्कर, ग्वालियर।

मालतीबाई दीडेकर—फुटकर लेख, कहानी और कवितायें।
पता:—बुधगांव, सतारा।

मुकटसिंह 'मुकुट'—जन्म जनवरी १६३२, समालोचनात्मक तथा औपन्यासिक लेख लिखने की ओर स्वाभाविक रुचि। पताः-अमर पुर काशी, पो० बिलारी (मुरादाबाद)

मुकुन्दीलाल बैरिस्टर—रचनाएं-महात्मा गांधी की जीवनी, काश्मीर और काश्मीरीज, मोलाराम चित्रकार व कवि, उत्तर-प्रदेश कौंसिल के डिप्टी प्रेसीडेण्ट। पता:—'विजय-भवन' लैंसडोन (गढ़वाल)

मुन्शीराम शर्मा 'सोम'—एम० ए०, डी० लिट्०, प्रसिद्ध रचनाए-सन्ध्या-सङ्गीत, सूर-सौरभ, हिन्दी-साहित्य के इतिहास का उपोद्घात। पता:-अध्यक्ष-हिन्दी-विभाग, डी० ए० वी० कालेज, कानपुर (उत्तर प्रदेश)

मुन्शीलाल पटैरिया—रचनाएं-बिजली, 'साम्यवाद-जिन्दाबाद' दस हजार, अमर बापू आदि के प्रणेता। पता:-पुरानी कोतवाली, झांसी।

मुक्ता शास्त्री 'अभया'—रचनाएं-हम कहां और प्राण-प्रतिष्ठा। पताः-कटरा सहाय खां, इटावा (उत्तर प्रदेश)

मुन्नालाल—स्फुट टीकाएं। पता:-वीर-सेवा मन्दिर, सरसावां, सहारनपुर।

मुरलीधर जोशी—रचनाएं-सम्पति का उपयोग, द्रव्य शास्त्र आदि। पताः-प्राध्यापक, अर्थ शास्त्र-विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय।

मुरलीधर नारायणप्रसाद—रचनाएं-कल्पतरु, साहित्य-संचय, पता:-व्यवस्थापक "आलोक" द्वै मासिक, हंसडीहा, बेसिक ट्रेनिङ्ग स्कूल, दुमका (बिहार)

मुरलीधर दिनौदिया—सार्वजनिक कार्य, स्फुट--सामयिक लेख, जीवनी, संस्मरण, यात्रादि विषयक लेखन, "एकता" (सा०) का सम्पादन। पताः-वकील, भिवानी, हिसार।

मुरलीधर गुप्त—स्फुट साहित्यिक लेख और कहानियाँ। पता:-पो० मुंगरा बादशाहपुर, जि० जौनपुर।

मुरलीधर श्रीवास्तव—मीराबाई (काव्य) और लेखों के दो संग्रह लिखे हैं। पता:-हिन्दी-प्रचार-समिति वर्धा।

मुरलीधराचार्य 'तिलक'—श्री 'रंगनाथ पाठशाला और प्रेस के संचालक, स्फुट लेखन। पतः-श्री रङ्गनाथ कार्यालय, भिवानी, हिसार।

मुरलीमनोहर प्रसाद—फुटकर गद्यगीत लेखक, रेडियो से एकांकी प्रसारित होते हैं। पता:-एच० डी० जैन कालेज, आरा।

मुरारीलाल वार्ष्णेय—प्रसिद्ध आलोचक और साहित्य-सेवी, प्रगतिशील लेखक-सघ अलीगढ़ के जन्मदाता और मंत्री।

पताः-वाइस-प्रिन्सिपल, बारहसेनी डिग्री कालेज अलीगढ़।

मुरारीलाल शर्मा 'बालबन्धु'—'सेवा' के सम्पादकों में, रचनायें गोदी भरे लाल, राष्ट्र की रश्मियां, कर्मवीर आदि अनेक पुस्तकों के प्रणेता। पताः-सेवा-मन्दिर, सिविल-लाइन्स, मेरठ।

मूलचन्द भट्ट भौर—रचनाएं-रजवाड़ी, वीर कोकिल, मकरन्द, किसान-बत्तीसी, "परिवर्त्तन" के सम्पादन में योग। पता-'कलाधर' (मासिक) जोधपुर।

मूलचन्द 'शास्त्री'—रचनाएं-फुटकर गवेषणात्मक लेख। पता:-प्रधान आयुर्वेद विभाग, आर० वी० आश्रम, संस्कृत कालेज लक्ष्मणगढ़, जयपुर।

मूलवर्द्धन शास्त्री—साहित्यरत्न, स्फुट लेखन अञ्जलि, 'समाज की वेदी पर' पुस्तकें प्रकाशित। परीक्षा-मन्त्री-हिन्दी विद्यापीठ, बीकानेर। पताः-'राजवन्शी ब्रदर्स, पब्लिशर्स एवं बुकसेलर्स, रतन गढ़, बीकानेर।

मेदिनीप्रसाद शर्मा—शृङ्गार सुधा-संग्रह, गणपति उत्सव दर्पण आदि लगभग १२ ग्रन्थ। पताः-परसापाली, खरसिया, रामगढ़।

मेदीलाल आर्य—जन्म दिसम्बर १६२५, साहित्यिक गोष्ठियों के आयोजन में अग्रणी, प्रमुख पत्रों में आपकी रचनाएं छपती हैं। पता:-अध्यापक, हितकारिणी हाई इङ्गलिश स्कूल, खरगपुर, पश्चिमी बङ्गाल।

मैनादेवी—फुटकर रचनाएं। पताः-परवारपुरा, इतवारी, नागपुर।

मेंहीदास बाबा—रचनाएं-संत-संयोग तथा कई पुस्तकों की टीकाएं प्रकाशित। पताः-सत्संग मन्दिर, ग्राम-सिकलीगढ़ धरहरा, पो० बन मनखी, पूर्णिया।

मैथिलीशरण गुप्त—डाक्टर-राष्ट्रकवि और राष्ट्रपति द्वारा लोक-परिषद् के मनोनीत-सदस्य, "साकेत" नामक, महाकाव्य पर मङ्गलाप्रसाद पारितोषिक प्राप्त। प्रसिद्ध पुस्तकें—भारत-भारती जयद्रथ वध, रङ्ग में भङ्ग, यशोधरा, किसान, आदि अनेक पुस्तकें प्रकाशित। पताः-साहित्य-सदन, चिरगांव, झाँसी।

मोरेश्वर दिनकर जोशी—बी० ए०, एल० एल० बी०, एम० एल० ए० स्फुट लेखन, सम्पादक 'बलवन्त' (साप्ता०) रत्नागिरी।

मोरेश्वर रा० बोबिंवे—बी० ए०, टी० डी०, लघु-कथा लेखक, प्रसिद्ध पुस्तकें—डा० बालकृष्ण, सुबोध बाचनमाया-भाग-तीन। पताः—असिस्टेण्ट सुपरिण्टेण्डेण्ट न्यू इङ्गलिश स्कूल, सतारा।

मोतीलाल त्रिपाठी 'अशान्त'—रचनाएं-'नयी-कहानियां', दिल्ली चलो आदि। पताः-शारदा-सहित्य-कुटीर, पुरानी नझिआई, झाँसी।

मोतीलाल मेनारिया—रचनाएं-राजस्थानी साहित्य की रूप रेखा, मेवाड़ की विभूतियाँ, पिङ्गल में वीर रस, आदि २। राजस्थान के सुप्रसिद्ध साहित्य-सेवी। पताः-गनगोर घाट, उदयपुर।

मोतीलाल शास्त्रीः—'मानवाश्रम" का सम्पादक प्रकाशन, रचनाएं-हिन्दी गीता-विज्ञान भाष्य, श्राद्ध-विज्ञान आदि।
पताः—'मानवाश्रम', विद्यापीठ, जयपुर।

मोहनवल्लभ 'पन्त':—राजपूताना विश्वविद्यालय की डिग्री क्लासों में हिन्दी का प्रवेश करवाने में प्रमुख, प्रसिद्ध पुस्तकें नहुष का स्वाध्याय कारक दीपिका, अन्योक्ति कल्पद्रुम आदि। पताः-अध्यक्ष हिन्दी-संस्कृत विभाग माहाराणा-भूपाल कालेज, उदयपुर

मोहनलाल उपाध्याय निर्मोहीः—कई पत्रों के यशस्वी सम्पादक प्रकाशन-सूर पदावली, ब्रजमाधुरीसार, हिन्दी-साहित्य के इतिहास की रूप रेखा, सम्पादन-दिवाकर-अभिनन्दन-ग्रन्थ और कलम के हिमायती। पता-प्रबन्धक 'मजदूर-प्रेस' 'श्रम-शिखर', इन्दौर।

मोहनलाल 'झा' मोहन—रचनाएं-'गांधी की आंधी', ज्योत्सना आदि, सूर-कवि-मण्डल' के संस्थापक। पता-श्री सूर सदन, नगरा (झांसी)।

मोहनलाल जिज्ञासु—जन्म २६ अक्टूबर १६२२, 'राजस्थानी-साहित्य' में पी. एच. डी. के लिए थीसिस में व्यस्त, रचनाएं-अन्तर्दाह, नूतन प्रबन्ध बल्लरी, हिन्दी गद्य का इतिहास, कहानी और कहानीकार, 'हिन्दी-गद्य' की रूप-रेखा।
पता—हिन्दी प्रोफेसर, जसवन्त कालेज, जोधपुर (राजस्थान)

मोहनलाल गुप्त-फुटकर रचनाएं। पता-सरैयागंज मुजफ्फरपुर।

मोहनलाल भट्ट—नवजीवन, यङ्ग इण्डिया, हिन्दी नवजीवन, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, अहमदाबाद तथा वर्धा को अपनी सेवायें अर्पित कीं। पता-राजहंस कोआपरेटिव प्रिन्टरी, मेहता-पोल (बड़ौदा)

मोहनलाल बल्देवा—हिन्दी प्रचारक और हिन्दी सेवी।
पता-कसार हट्टा, हैदराबाद (दक्षिण)

मोहनलाल महतो 'वियोगी'—सुप्रसिद्ध कवि, समीक्षक प्रमुख रचनाएं-निर्माल्य, एकतारा, आरती के दीप, आदि लगभग चार दर्जन पुस्तकें। पता—उपरडीह, गया, बिहार।

मोहनलाल शांडिल्य शास्त्री—'गजेन्द्रमोक्ष' के प्रणेता, स्थानीय साहित्यिक-आयोजनों में अग्रणी। पता-कोटरा जालौन।

मोहनसिंह सेंगर—सर्वाधिक प्रसिद्ध पत्रकार, चोटी के पत्रों के यशस्वी सम्पादक रहे, प्रमुख पुस्तकें-चिता की चिनगारियाँ, नये युग की नारी आदि के प्रसिद्ध लेखक, वर्तमान-'नया-समाज' का सम्पादन। पताः- 'नया-समाज" (मासिक) २३ नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।

यदुनन्दन 'मिश्र':—रचनाएं-'हिन्दी-साहित्य का इतिहास' हिन्दी प्रचार कार्य (हरिजनों में) विभिन्न पत्रों में समालोचनात्मक एवं वर्णनात्मक लेख लिखे। पता:-ग्राम-देवहटा, पो० सिरसा जिला० इलाहाबाद।

यलमंचिलि वेंकटप्पय्या चौधरी:—कई पाठ्य-पुस्तकें और हिंदी तेलगू व्याकरण, हिन्दी प्रचार। पता:-आदर्श बालिका पाठशाला, नेहरू नगर, तेनाली, गुन्टूर जिला।

यज्ञदत्त शर्मा:—"नवजीवन" (दैनिक) के उपसम्पादक, रचनाएं आधुनिक-सरकार, मुद्रा विनिमय साख पद्धति दो भाग। पता:—"नवजीवन" कार्यालय, कसर बाग, लखनऊ।

यज्ञनारायण मिश्र:--एम. ए. साहित्य रत्न, स्फुट रचनाएं।

पताः—हिन्दी-अध्यापक, राजकीय नार्मल स्कूल, झाँसी।

यज्ञनारायणः—स्फुट लेखन, देहाती क्षेत्र में हिन्दी-प्रचार, केन्द्र व्यवस्थापक। पताः—द्वारा बाल हिन्दी पुस्तकालय वैना, पो० कड़-सर, जिला शाहाबाद (आरा)।

यमुना कार्यीः—राजनीतिक कार्यकर्त्ता, कई पत्रों के सम्पादन में योग, फुटकर लेखन। पता—प्रधान सम्पादक "हुंकार" (साप्ता०) पटना (बिहार)।

यमुनाप्रसाद अवस्थीः—फुटकर लेखन। पताः—हिन्दी अध्यापक मारवाड़ी इण्टर कालेज, कानपुर।

यमुनाप्रसाद चौधरी "नीरज":—"द्रुमदल" और कबीरः एक काव्य प्रकाशित रचना,। वर्तमान पता—खैरा-स्टेट मुंगेर। पताः—ग्राम धोवैय, पो० तारापुर, जिला मुंगेर।

यशनागप्पा मास्टर—हिन्दी प्रचारक, प्रसारक, स्फुट लेखन। पताः—व्यवस्थापक, हिन्दी प्रचार सभा, शाहपुर, गुलबर्गा (दक्षिण)

यशनारायण—उत्साही हिन्दीप्रचारक। पता—व्यवस्थापक हिंदी प्रचार सभा, बनपर्ति, जिला महबूबनगर, (हैदराबाद दक्षिण)।

यशपाल—भारत के प्रमुख प्रगतिशील कहानी लेखक, क्रांति-कारी पार्टी से भी सम्बन्ध रहा, आपकी कहानियां उच्चकोटि के पत्रों में प्रकाशित होती हैं, प्रमुख पुस्तकें-दादा कामरेड, गांधीवाद की शव परीक्षा, भस्मावृत्त चिनगारी आदि। पता-'विप्लव' कार्यालय, शिवाजी मार्ग, लखनऊ।

यशपालसिंह 'कुमार'—एम. ए. प्रयाग विश्वविद्यालय, फुटकर कविताएं और समीक्षात्मक लेख विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित, पुस्तक प्रेस में है, आजकल एच० बी० कालेज, अलीगढ़ में अँग्रेजी के प्रोफेसर। पताः—ग्राम लहौसरा डा० लोधा, अलीगढ़।

य० सौमेश्वर शर्मा—फुटकर लेखन। पताः—सहायक अध्यापक, श्री वेंकटेश्वर ओरियन्टल कालेज, तिरुवन्ति।

यशोदादेवी श्रीमती—'भ्रम' कहानी संग्रह आपकी प्रकाशित रचना है। पताः—कृष्ण कुञ्ज, इलाहाबाद।

यादराम जी शर्मा 'रजेश'—जन्म १७ जनवरी १९२५, प्रगति शील कवि, लेखक, पत्रकार भू० स० 'स्वदेश' अलीगढ़ सम्वाददाता 'जनयुग' (बम्बई) नया सवेरा लखनऊ 'सत्पथ' (खण्डकाव्य) प्रकाशित तथा अन्य प्रगतिवादी रचनाएं प्रकाशन हेतु प्रस्तुत।

पताः-दीवा हमीदपुर, पो० ऊमरी, अलीगढ़। वर्त्तमान पता-गांधी स्मारक कृषक हायर सैकिण्डरी स्कूल वेरा, जि० मथुरा।

याज्ञवल्क्य सदानन्द अग्निहोत्री—गुजरात में हिन्दी प्रचार कार्य, उर्दू लिपि परिचय और हमारी हिन्दुस्तानी के लेखक। पता-शिक्षक राजकीय ट्रेनिङ्ग केन्द्र कलार गाँव सूरत अथवा लिमड़ी निवास, शाहपोर, सूरत।

युगलसिंह ठाकुर—अध्यक्ष, शिक्षा-विभाग, बीकानेर राज्य तथा अन्य साहित्यिक संस्थाओं से सम्बद्ध, हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन, कोटा अधिवेशन में मनोविज्ञान पर भाषण, राजस्थान के सुप्रसिद्ध साहित्य सेवी, फुटकर लेखक। पताः-खीची-सदन, बीकानेर राजस्थान।

येहुल बाल शोरिरेड्डी—हिंदी प्रचार-प्रसार में सदैव तत्पर, फुटकर लेखन। पताः-उपाध्यक्ष, हिन्दी-कालेज, मन्नारगुडी (दक्षिण)

योगेन्द्र शर्मा 'मधुप'—अनेक ग्रन्थों के प्रणेता, 'आनन्द' (दै० और साप्ता०) का वर्षों तक सम्पादन। पताः-'आनन्द' कार्यालय, चौक, लखनऊ।

योगेश्वर चौधरी—फुटकर लेख लिखे हैं, अध्यापनवृत्ति। पताः-पुस्तकाध्यक्ष, सदाशिव पुस्तकालय, शान्ति कुटीर, हुसेनपुर, भण्डारी पटना।

रघुनन्दसिंह यादव—धर्म-विशारद, साहित्य और हिन्दी प्रचार में रुचि, पताः-जलालपुर कलां, डा० रजबपुर, जिला-मुरादाबाद।

रघुनाथप्रसाद परसाईः—रचनाएं-देशी राज्यों की समस्या, देशीराज्य और संघ-शासन। पताः—मालापुरा सोहागपुर।

रघुनाथ मुकुन्द शास्त्रीः—'पवार राजवंश का इतिहास' के प्रणेता। पताः--प्रधान-कर्मचारी, दरबार आफिस, धार।

रघुनाथदास बांगड़ः—स्फुट लेखन। पताः-डीडगना, मारवाड़।

रघुनाथ विनायक धुलेकरः—कई पत्रों के यशस्वी सम्पादक रहे, तथा अनेक पुस्तकें लिखी। पताः-'मातृभूमि अब्दकोष', कार्यालय, झांसी।

रघुनाथसिंह 'सागर':—रचनाएं-बौनो के देश में, मिट्टी का संगीत चिनगारी आदि। पताः-'युगान्तर' कार्यालय बड़वाहा, मध्यभारत।

शारदा सेवकः—

श्री उमेश प्रसाद शर्मा
मुहल्ला रामनौमी-चँदौसी
("साहित्य-सरोवर" परीक्षा में
सर्वोच्च उत्तीर्ण सन् ५०)
(परिचय पृष्ठ १९९)

श्री रतनलाल बाफड़ा
श्री जैनरत्न विद्यालय,
भोपालगढ़
('साहित्य-सीकर' परीक्षा
में सर्वोच्च उत्तीर्ण सन् ५०)
(परिचय पृष्ठ १२२)
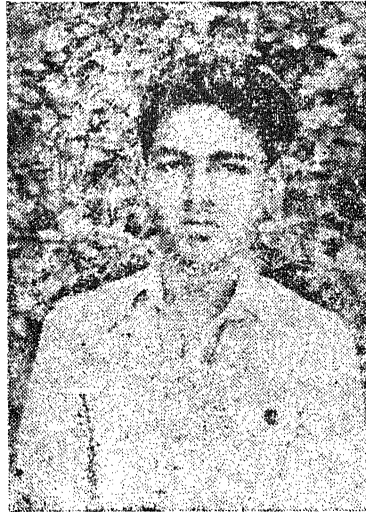
रघुनाथ प्रसाद परसाई—रचनाएं-देशी राज्यों की समस्या, देशी राज्य और संघ-शासन, पता-मालापुरा, सोहागपुर।

रघुनाथ मुकुन्द शास्त्री—'पवार राजवंश का इतिहास' के प्रणेता, पताः-प्रधान-कर्मचारी, दरबार आफिस, धार।

रघुनाथ दास बांगड़—स्फुट लेखन, पताः-डीडवाना, मारवाड़।

रघुनाथ विनायक धुलेकर—कई पत्रों के यशस्वी सम्पादक रहे, तथा अनेक पुस्तकें लिखीं, पताः-'मातृभूमि, अब्दकोश', कार्यालय, झांसी।

रघुनाथ सिंह 'सागर'—रचनाएं-बौनों के देश में, मिट्टी का संगीत, चिनगारी आदि। पताः-'युगान्तर' कार्यालय बड़वाहा, मध्य भारत।

रघुपतिसिंह चौहान 'व्यथित'—जन्म १६२०, साहित्य रत्न, स्फुट रचनाएं, कसक (प्रकाशित)। पताः-भरथौली, रामविलास नगर, गया।

रघुवरदयालु मिश्र—दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार कार्य, हिन्दी पत्रिका का सम्पादन, स्फुट लेखन। पताः-दक्षिण भारत हिन्दुस्तानी प्रचार-सभा, त्यागरायनगर मद्रास-१७

रघुवरनारायणसिंह—'हृदय-तरग' और 'आदर्श हिन्दू जीवन' के लेखक। पताः-दिलीप महल, मुंगेर।

रघुवरमिट्ठूलाल—फुटकर लेखन। पताः-प्राध्यापक—संस्कृत विभाग, प्रयाग विश्वविद्यालय प्रयाग।

रघुवीरशरण कलंकी—स्फुट लेखन, सामाजिक कार्यकर्त्ता। पताः-मु० खरम सेड़ा, (सतना) विन्ध्य प्रदेश।

रघुवीरशरण मित्र—रचनाएं-जननायक (महाकाव्य) फांसी, बलिदान, आदि। अ० भा० राष्ट्रीय प्रकाशन परिषद के पदाधिकारी।
पताः-२३२, स्वराज्य-पथ, सदर, मेरठ।

रघुवीरशरण विद्यार्थी—बी' ए. साहित्य रत्न, जन्म २ जुलाई १६३२, नई पीढ़ी के सफल लेखक और आलोचक, वर्त्त० 'शारदा' (मासिक) हाथरस का सम्पादन, 'दुर्गावती' (खण्डकाव्य) अप्रकाशित, स्फुट कविताएं भी लिखी है। पताः-कैथलगेट, नयामन्दिर, चन्दौसी।

रघुवीर शरण 'व्यथित'—फुटकर लेखन, हिन्दी प्रचारक। पताः-हिन्दी अध्यापक, जन हाईस्कूल, मद्रास।

रघुवीरशरण शर्मा वैद्य—सम्वत् १६६० रचनाएं-'भारतीय जीव[illegible] विज्ञान' (उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ८००) रु० का पुरुष्कार

प्राप्त), देवजाति का परिचय, धन्वन्तरि परिचय, पाताल लोक आदि, पताः-जालखेड़ा, बुलन्दशहर।

रघुवीरप्रसाद त्रिवेदी 'तरुण-तपस्वी'—जन्म ३ दिसम्बर १६१८, कई ग्रन्थों का सम्पादन, रचनाएं-श्रमजीवी (खण्डकाव्य) अभिनव-भाषण कला विज्ञान, चरक सार आदि। पताः-पुरदिल नगर, अलीगढ़।

रघुवीरसिंह महाराजकुमार—एम. ए., डी. लिट् भारत के अतीत को सजीव कर देने वाले सुप्रसिद्ध लेखक, प्रसिद्ध रचनाएं पूर्व मध्य कालीन भारत, मालवा में युगान्तर, 'शेष स्मृतियाँ, जीवन कण आदि। पताः-रघुवीर निवास, सीतामऊ, मालवा।

रघुवंश पाण्डेय 'मुनीश'—रचनाएं-धरती की खोज, महात्मा गान्धी, कई पत्रों के सम्पादक रहे। पताः-ग्रन्थमाला कार्यालय बांकीपुर, पटना।

रणधीरसिंह—रचनाएं-झाँसी की रानी, सरदार भगतसिंह। पताः-'अभिनय' सम्पादक ३५, बड़तल्ला स्ट्रीट; कलकत्ता।

रणवीरसिंह शक्तावत—रचनाएं-फैशन फजीती, नरसी चरित, काव्यकुब्ज आदि स्थायीपताः-शीतलपुर, मुंगेर, वर्तमान सुपरिन्टेण्डेण्ट रेवेन्यू बाड, जयपुर (राजस्थान)

रणंजयसिंह 'ददन' राजकुमार—रचनाएं म्लेच्छ महामण्डल, सुस्वप्न संग्रह आदि, भूतपूर्व, एम. एल. ए.। पताः-'ददन-सदन' अमेठी राज्य, सुलतानपुर, अवध।

रणवीर कुमार—स्फुट कविताएं, साहित्य प्रेमी। पताः-मैक्सबैल बाजार, इम्फाल (आसाम)।

रतनलाल बाफणा—छात्र-संघ और कुमार साहित्य परिषद के तत्वावधान में 'विकास' हस्तलिखित पत्रिका का सम्पादन, साहित्यिक प्रवृत्ति। पताः-भोपागढ़ (जोधपुर)।

रतनलाल बंसल—रचनाएं-उत्तर-भारत के आजाद कबीले, मन के बन्धन, रेशमी पत्रों का षडयन्त्र, तथा अनेक बालोपयोगी पुस्तकें, स्वतन्त्र पत्रकार, नई पीढ़ी के सफल प्रगति शील लेखक। पताः-फिरोजाबाद।

रतनलाल जोशी—लाल किले में भाई बहन आदि के लेखक भू० सं० 'बाल' मासिक, 'वीर भूमि' का सम्पादन। पताः-१०, नारायन-प्रसाद लेन कलकत्ता।

रतनलाल गोस्वामी—प्रभाकर, जन्म डेरा गाजी खां (पंजाब), स्फुट रचनाएं और निबन्ध, वर्तमान हैडल्कर्क, राशनिङ्ग विभाग मथुरा। पता—सुखन माता कुञ्ज, पुराना शहर वृन्दावन (मथुरा)

रतनलाल मूँदड़ा—हिन्दी-प्रसार-प्रचार में योग फुटकर लेखन, पता-बीमा-एजेण्ट, परभणी (दक्षिण)

रत्नलाल वैश्य—'केशव-काव्य' का सम्पा० पता-अध्यक्ष, हिन्दी विभाग ए० के० कालेज, शिकोहाबाद।

रतनकुमार जैन—"रतन" साहित्य-रत्न के नाम से प्रसिद्ध, रचनाएं-किसलय, बलिदान, निशागीत खण्डहर, आदि आलइण्डिया रेडियो, नागपुर के गीत लेखक। पताः-शान्ति-सदन, छुई खदान, मध्य प्रान्त।

रतिनाथ झा—फुटकर लेखन, पताः-तलपुरवा, चेतिया, बस्ती।

रमाकान्त त्रिपाठी—एम० ए०, रचनाएं-हिन्दी गद्य-मीमांसा, प्रताप-पीयूष आदि। पताः-प्राध्यापक, आँग्ल-विभाग, जसवन्त कालेज, जोधपुर।

रमाचरण—रचनाएं-मातृ-उपासना, गुंजार, गांधी और सत्या-ग्रह, पताः-घिरनी पोखर, मुजफ्फरपुर।

रमाप्रसाद घिल्डियाल 'पहाड़ी'—प्रसिद्ध रचनाएं-बया का घोंसला, अधूराचित्र आदि उपन्यास और लगभग एक दर्जन कहानी संग्रह राजनीतिक आन्दोलनों में करावास-भोगी, प्रसिद्ध प्रगतिशील कहानी लेखक एवं उपन्यासकार, कम्यूनिष्ट पार्टी से सम्बद्ध, 'नया साहित्य' का डा० रामविलास और प्रकाशचन्द गुप्त के साथ सम्पा-दन-प्रकाशन, हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन के वर्षों तक पदाधिकारी। पताः—प्रकाशगृह, नया कटरा, इलाहाबाद।

रमाशंकर अवस्थी—कई पत्रों के सम्पादन में योग, रचनाएं रूस की राज्य क्रान्ति, सत्याग्रह-गाइड, बोल्शेविक रहस्य आदि। पता-१०५/७, सिविल लाइन्स कानपुर।

रमाशंकर द्विवेदी—रचनाएं-पाप का पराभव, प्रेम-पुष्प, काव्यालोचना-सार आदि। पताः-प्राध्यापक, जायसवाल कालेज मिर्जापुर।

रमाशंकर मिश्र 'श्रीपति'—फुटकर अन्योक्तियाँ, कई पत्रों के सम्पादक रहे, पता-२, हुसेनगंज, लखनऊ।

रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'—एम० ए०, डी० लिट्, सबसे बड़े हिन्दी-साहित्य के इतिहास" के लेखक तथा स्फुट कविताएं और कई पाठ्य-पुस्तकें। पता-हिन्दी-विभाग, प्रयाग विश्वविद्यालय।

रमाशंकर त्रिपाठी—एम० ए०, पी० एच० डी० 'विक्रम-स्मृति ग्रन्थ' का सम्पादन, हिस्ट्री आफ ऐनशियेट इण्डिया' आदि ग्रन्थों के प्रणेता, अध्यायन, पताः-अध्यक्ष, इतिहास विभाग, बनारस विश्व विद्यालय।

रमेन्द्र विक्रमसिंह, रामकुमार—स्फुट लेखन, 'कल की बात' और 'योगिराज अरविन्द अंक' का सम्पादन, पताः-अठदमा, रुदौली, बस्ती।

रमेशचन्द्र गर्ग 'मानव'—जन्म-१४ सितम्बर १९३५, नवोदित लेखक, पताः-बाई साहिब की परेड, लश्कर (मध्य भारत)

रमेशचन्द्र 'अनिल'—फुटकर रचनाएं, पताः-रामपुरा बाजार, कोटा।

रमेशचन्द्र 'भाई-साहब'—भू० स० 'बाल भारती' और शिशु, प्रयाग, कई बालोपयोगी पुस्तकें, पताः-द्वारा बालमुकुन्द मिश्र, मन्दिर कृपा-शंकर चांदनी, चौक, दिल्ली।

रमेशचन्द्र 'भारद्वाज'—बी० ए० (फा०) साहित्य रत्न, स्फुट कहानी कविता तथा गद्यगीत 'नायिका-भेद' पुस्तक शीघ्र ही प्रकाशन में आ रही है, पताः-द्वारा कालीचरन भारद्वाज, मातागली, मथुरा।

रमेशचन्द्र गोपाल जोशी—फुटकर-कविताएं, लेख और कहानियाँ, पताः-गिरदावार-कानूनगो, सेंधुवा, मध्य-भारत।

रमेशदत्त शर्मा—रचनाएं-'हिन्दू युग का इतिहास' तथा फुटकर कविताएं, पता-जमुनिया बाग, फैजाबाद।

रमेशवेदी—नवोदित लेखक, स्फुट लेखादि, सम्पादक 'गुरुकुल पत्रिका' पताः-गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार।

रवीन्द्र वर्मा "नीरस"—संयोजक 'जिला युवक कांग्रेस, अलीगढ़, 'नवीन', 'जनवाणी' (दैनिक) के सम्पादक रहे, "युवक" (मासिक) आगरा के सरकूलेशन मैंनेजर रहे, पत्र प्रतिनिधि, स्फुट लेख, कविताएं। पताः-हाजीपुर हाथरस, जंकशन (अलीगढ़)

राघवाचार्य—रचनाएं-श्री वैष्णव प्रस्थान, 'भारतीय इतिहास का सिंहावलोकन' आदि के प्रणेता, पताः-कुँवरपुर, बरेली,

राघवेन्द्र राव—फुटकर लेखन, हिन्दी-प्रचार-प्रसार में योग, पताः-शाहपुर, गुलबर्गा (दक्षिण)

राजकिशोर उपाध्याय—स्फुट लेखन, पताः-सम्पादक' 'हलचल' (साप्ता०) गौंडा।

राजकिशोर कक्कड़—रचनाएं-एलबम और पूर्वराग, पता-छीपी तालाब, मेरठ।

राजकिशोर मिश्र—फुटकर लिखते हैं, पताः-अध्यक्ष सरस्वती पाठशाला, हूलागञ्ज, कानपुर।

राजकिशोरसिंह—अनेक पत्रों के ख्याति प्राप्त सम्पादक, श्रम-जीवी हिन्दी-प्रत्रकार-संघ के मन्त्री, पत्र प्रतिनिधि और पत्रकार, रचनाएं-'एशिया-छोड़ो' सन् ४२ की नायिका अरुणा, भूख का ताण्डव, आदि। पताः-१०२, मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट, कलकत्ता।

राजकुमार जैन—'मदन-पराजय' का उल्था किया है, पताः-अध्यापक, दिगम्बर जैन कालेज, बड़ौत, मेरठ।

राजकुमार पाठक—रचनाएं-'कलरव', मेघदूत मीमांसा आदि, पताः-ग्राम शुंभेश्वरनाथ धौनी, डाकघर-हरिहरपुर, दुमदा बिहार।

राजकुमारी शिवपुरी—"आशादीप" कविता संग्रह की सुप्रसिद्ध कवियित्री, संगीत और चित्रकला से भी प्रेम है, पता-अध्यापिका, विद्या-भवन, जोधपुर।

राजकृष्ण गुप्त—'झटपटराय बनारसी' के नाम से लिखते हैं, "गरम चाय' 'रसगुल्ला' आदि के लेखक, पताः-३१/ ३६ भैरोंनाथ, बनारस।

राजगोपाल कृष्णप्पा—दक्षिण भारत में हिन्दी-प्रचार-प्रसार में सक्रिय योग, कई पुस्तकों का तेलगू में अनुवाद, पताः-मन्त्री आन्ध्र राष्ट्र-हिन्दी-प्रचार-संघ,, बैजवाड़ा।

राजदेव 'दीक्षित'—बी० ए० साहित्य-रत्न, साहित्यालंकार, रचनाएं-भारतवर्ष का इतिहास', भारी भूल, स्त्री-धर्म-शिक्षा, दीक्षित प्रकाशग्रह के संस्था०, पताः-दीक्षित बुकडिपो, बांस का फाटक, बनारस।

राजदेव पाण्डेय—फुटकर लेखन, पताः-प्रधान पंडित, फतहपुर, शिवहर, मुजफ्फरपुर।

राजनाथ पाण्डेय—'तिब्बत यात्रा', वेद का राष्ट्रगान मैना आदि के प्रणेता। पताः-प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, सागर-विश्वविद्यालय।

राजनारायण पाण्डेय—साहित्यालंकार, साहित्य रत्न, बी० ए० प्रधानमन्त्री-हिन्दी-साहित्य-परिषद्, कानपुर, स्फुट लेखन और निशुल्क विद्यादान, पता:- द्वारा श्री हिन्दी साहित्य-परिषद, आनन्द बाग, कानपुर।

राजनारायण मिश्र 'प्रभात'—स्फुट कविताएं और निबन्ध, पता:-अध्यापक, सरयू-पारी हायर सैकिण्डरी स्कूल, प्रयाग।

राजनारायण त्रिपाठी 'कमलेश'—रचनाएं राम-राज्य, नीरा पूर्णाहुति, उपेक्षिता, हिन्दी के साहित्यकार, अध्यापन, पता:-कवि कुटीर, कमालपुर पिकार, इटौरा, (फैजाबाद)।

राजनारायण गुप्त—साहित्यिक अभिरुचि, पता:-रेलवे फाटक के पास, पो० मु० मुंगरा बादिशाहपुर, (जौनपुर)।

राजपतिसिंह 'व्यग्र'—विशारद-रचनाएं-हँसती आंखे, गड़बड़ रामचरित मानस, यौन समाधान, सम्पादन "जन-हित" (साप्ता०) पता:-ग्रा० सिरठीं, पो० एखलासपुर, वाया भावरा, (शाहाबाद) बिहार।

राजबहादुर आर्य 'पद्य'--रचनाएं पीयूष, झकारे, मांझी, पद्मिनी। पता:-आर्य कुटीर, नाहिली, मैनपुरी (उत्तर प्रदेश) स्थायी, पता:-चिक सन्तर, मुरार, ग्वालियर (मध्य-भारत)।

राजबहादुर 'विकल'—कपिलवस्तु, बासवदत्ता आदि के प्रणेता पता:-गान्धी पुस्तकालय, शाहजहांपुर।

राजबहादुर सक्सेना 'औज'—एम. ए. (उर्दू-फारसी) साहित्य रत्न, 'आफताब' (उर्दू साप्ता०) सेवक (हि० पाक्षिक) का कई वर्षों तक सम्पादन, उर्दू के गद्य लेखक, कवि और समालोचक, सदस्य ब्रज साहित्य-मण्डल, रचनाएं 'नूरे कमर' सत्य नारायण की कथा (उर्दू पद्य में) तस्वीरे ख्याल तजल्ली। पता:-मण्डी रामदास ठेक नारनौल मथुरा।

राजबल्लभ सहाय—पत्रकार और मजे हुए कुशल लेखक, कई पत्रों का सम्पादन, महासभा की झांकी, पश्चिमी यूरोप (अनु०) आदि के प्रणेता। पता:-सम्पादक 'समाज' काशी।

राजवीर आर्य—सम्वाददाता, सामाजिक कार्यकर्त्ता और लेखक, हिन्दी प्रसार-प्रचार में सक्रिय योग। पता:-नरेन्द्र नगर, बरंगल (दक्षिण)।

राजमणिराय—'माणिकी' कविता संग्रह के प्रणेता। पता:-C/o चन्द्रकिशोरराय तारेश, मुख्तार, समस्तीपुर।

राजाराम पाण्डेय—स्फुट लेख कहानियाँ। पताः-ग्रा० सराई, पो० पवारा, जौनपुर।

राजाराम पाण्डेय—कई पत्रों के सम्पादक, 'प्रयाण गीत' टूटे तार आदि के प्रणेता। पताः-सह सम्पादक 'प्रताप' (दै०) कानपुर।

राजाराम शर्मा—'साहित्य-रत्न' 'हिन्दी भारती भवन' के पुस्तकाध्यक्ष एवं मन्त्री, अध्यापक आदर्श हायर सैकिण्डरी स्कूल, स्फुट लेखन। पताः-कैथलगेट, नयामन्दिर, चन्दौसी।

राजाराम रावत 'पीड़ित'—भारती, दलपति के प्रणेता। पताः-चिरगांव, झांसी।

राजाराम 'राष्ट्रीय आत्मा'—मुक्ति की युक्ति, विधवा जीवन आदि के लेखक। पताः-१०५।५४०, आनन्द बाग, कानपुर।

राजाराम 'विप्र'—हिन्दी प्रचारक, फुटकर कविताएं। पताः-हिन्दी प्रचार सभा, गुलबर्गा (दक्षिण)

राजीवनयनसिंह—फुटकर लिखते हैं। पताः-अध्यापक, संगल सैमिनरी, मोतिहारी।

राजेन्द्र—भूतपूर्व अध्यक्ष पत्रकार विभाग पंजाब विश्वविद्यालय फुटकर लेखन। पताः-सम्पादक 'प्रदीप' (मासिक) पंजाब सरकार, शिमला-२।

राजेन्द्रयादव—एम. ए. साहित्य-रत्न नई पीढ़ी के सफल कलाकार लेखक और आलोचक, बहुमुखी प्रतिभा के अभूतपूर्व संगम, आपकी रचनाएं उच्च कोटि के पत्रों में छपती हैं। पताः-आगरा।

राजेन्द्र सक्सैना—प्रकाशित रचनाएं-पगडण्डियाँ, भीगींरात, आदि, प्रसिद्ध कहानी लेखक। पताः-४० ए., भीमगंज कोटा जंकशन।

राजेन्द्रकुमार श्रीवास्तव 'अखिलेष'—"पूजा" के प्रधान सम्पादक प्रकाशक, स्फुट कहानियाँ और रेखा चित्र प्रसिद्ध पत्रों में प्रकाशित, बालोपयोगी-साहित्य भी लिखा है, नवोदित कलाकार। पताः-"कविता मन्दिर" ३६५, सांठियाकुआ, जबलपुर।

राजेन्द्रकुमार 'अजेय'—स्फुट लेखन। पताः-"अमर ज्योति" कार्यालय, जयपुर।

राजेन्द्र नारायण द्विवेदी—अमर बापू का बलिदान, विन्दु नीति, आदि के लेखक। पताः-१६, लारेन्स स्क्वायर, नयी दिल्ली।

राजेन्द्रनाथ मिश्र 'अनुरागी'—अप्रकाशित अनुराग, मैं क्या हूँ तथा अन्य दो तीन काव्य संग्रह, अनुराग प्रेस में। पताः-सहनी खेड़ा, पो० गहलों, जि० कानरपुर, प्रस्थायी पताः-६६.१६० कछियाना मुहाल, कानपुर।

राजेन्द्रप्रसादसिंह—'भूमिका' और मादिनी आपके दो काव्य संग्रह हैं, नवोदित प्रगल्भ कवि। पताः-मुजफ्फरपुर (बिहार)।

राजेन्द्रप्रसाद पांडे—एम. ए., साहित्य-रत्न, रचनाएं परसादी संघ राष्ट्रों का अधिकार पत्र, भारत के दंगे। पता-बांसडीह, बलिया वर्त्तमान ट्रेजरी आफिसर, मुरादाबाद (उत्तर-प्रदेश)।

राजेन्द्रप्रसाद मिश्र—हिन्दी प्रचार, फुटकर लेखन। पता--हिन्दी प्रचार-सभा, ध्रुवपेठ, हैदराबाद (दक्षिण)।

राजेन्द्रशंकर भट्ट—कई पत्रों के भूतपूर्व ख्यातिनामा सम्पादक, फुटकर लिखा है, पता--संसार, चन्दरोड, जयपुर।

राजेन्द्रसिंह गौड़—'प्राचीन' कवियों की काव्य साधना के प्रसिद्ध लेखक, अन्य रचनाएं म्याऊँ की पूँछ, निबन्धकला आदि। पता-१२३ अ, भगवत कार्टर्स, अतरसुइया, प्रयाग।

राजेश दीक्षित— रूप महल' हाथरस (सिने-मासिक) के भू० सम्पादक, आशुकवि, गालिब-कैबीनेट आगरा के महामन्त्री, अनेक बालोपयोगी पुस्तकों के लेखक। पताः-बेलनगञ्ज, आगरा।

राजेशदयाल श्रीवास्तव-'रस-रागिनी', जीवन गीत, गौरंग-लीला, राजेश-सतमयी' आदि के प्रणेता। पताः--२८, नवैया, गणेशगंज, लखनऊ।

राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी---एम. ए. बी. एस. सी., साहित्य-रत्न रचनाएं-अर्थशास्त्र एक अध्ययन राष्ट्र-निर्माता, हिन्दी में श्रृङ्गार रस आदि। पता--स्वदेशी बीमा नगर सिविल लाइन्स आगरा।

राजेन्द्रपाल सिंह—साहित्य-प्रेमी, पता-नं-४ सिगर रोड, गौशाला (जमशेदपुर)।

राजेन्द्र प्रसाद—नवोदित आशा, साहित्य प्रेमी, पता-द्वारा डा० हजारीलाल, पुरन्दरपुर पटना-१

राजेश्वरप्रसादसिंह---'माया' और 'मनोहर कहानियों' के सम्पादन में योग, प्रसिद्ध रचनाएं-जीवन के सपने ,फिर मिलेंगे आदि। पता--'माया प्रेस', मुट्ठीगंज, प्रयाग।

राजेश्वरप्रसाद शर्मा 'वक्र'—फुटकर कविताएं और लेख लिखते हैं। पता—जिला बोर्ड, नरकठिया, चम्पारन।

हमारे लेखक—

श्री राजकुमार अग्रवाल

"भाई जी"

(परिचय पृष्ठ १०२)

श्री रामगोपाल शर्मा 'दिनेश' (परिचय पृष्ठ १३९)

राधाकृष्ण—प्रसिद्ध कहानी लेखक, रचनाएं-रामलीला, सजला, भारत छोड़ो, फुटपाथ आदि, कई पत्रों का सम्पादन। पताः-भट्टाचार्य जी लेन, राँची (बिहार)

राधाकृष्ण महेश्वरी—कई लेखकों की पुस्तकें प्रकाशित कर उन्हें उत्साहित किया, प्रकाशक लगभग दो सौ हिन्दी पुस्तकें।
पताः-मालिक, फर्म 'रमेश बुक डिपो', जयपुर।

राधाकृष्ण प्रसाद—रचनाएं-देवता, विभेद, अन्तर की बात, टूटती कड़ियाँ तथा लगभग एक दर्जन बालोपयोगी पुस्तकें, भूतपूर्व प्रकाशन अधिकारी, बिहार सरकार, आरा कोर्ट, शाहाबाद में सब-रजिस्ट्रार। पताः-मछुवा-टोली, बाँकीपुर, पटना।

राधाकृष्ण मिश्र 'वीरेन्द्र'—कई पत्रों का सम्पादन किया। रचनाएं-मण्डलेश्वर रघुवीर, कनक कुमारी, किरानी स्वप्न, काव्य आदि। पता-सहायकाध्यापक, नालन्दा कौलिजिएट स्कूल, बिहार-शरीफ (स्थायी) भोजापुर, पो० बैरिया (बलिया)

राधादेवी गोयनका—सुप्रसिद्ध हिन्दी लेखिका, विदर्भ प्रान्तीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन की अध्यक्षा, विदुषी महिला, फुटकर लिखा है। पताः-मारवाड़ी सेवा-सदन, विद्या-मन्दिर, अकोला, बरार।

राधामोहन गुप्त 'सौरभ'—फुटकर लेखन, 'पत्र-प्रतिनिधि', ४२ की अगस्त क्रान्ति में सक्रिय भाग और कारावास भी भोगा। पताः-सौरभ-सदन, मु० पो० शिवहर, मुजफ्फरपुर।

राधारमण शर्मा शून्य—दै० 'ज्वाला' के सह० सम्पादक, 'साहित्य-परिषद्' के संयोजक, 'कलाकार-परिषद' के सदस्य, अनेक स्फुट कहानियां, तरुण नवोदित कलाकार और प्रगतिशील लेखक "ज्वाला" प्रेस, किलागेट, हाथरस (अलीगढ़)

राधारमण टण्डन—पत्र-प्रतिनिधि, स्फुट कहानी लेखक।
पताः-एडवोकेट, मुजफ्फरपुर।

राधावल्लभ पाण्डेय 'बन्धु'—फुटकर कविताएं।
पताः-पत्रालय मसवासी, उन्नाव।

राधिका रमण प्रसाद सिंह, 'राजा'—युग-कलाकार, सुप्रसिद्ध कहानी लेखक। प्रसिद्ध पुस्तकें-गान्धी-टोपी, टूटा तारा, नारी क्या; एक पहेली, नवजीवन आदि। पताः-शाहाबाद, बिहार।

राधे बिहारीलाल सक्सेना 'राकेश'—जन्म प्रथम मार्च १६३०, सम्पादन-'लक्ष्मी' (मासिक) 'जनार्दन' (द्वैमासिक) मथुरा, 'कायस्थ-हितकारी' पटा, भू० परीक्षक महिला विद्यापीठ, प्रयाग, अनेक साहित्यिक और शिक्षा सम्बन्धी संस्थाओं से सम्बद्ध, कवि, आलोचक, कहानीकार और लेखक। रचनाएं-'साहित्य-सुबोध 'काव्य शिक्षा', 'छन्द शिक्षा', 'परीक्षार्थियों के कर्त्तव्य'। पता:-मण्डी रामदास ठेक नारनौल, मथुरा।

राधेलाल शर्मा 'हिमांशु'—रचनाएं-प्राची बाला, सावनघन, दृगदीप आदि। पता:-अन्नपूर्ण भण्डार, करेली।

राधेश्याम—स्फुट लिखते हैं, 'साधना' मासिक का सम्पादन। पता:-"साधना" (मा०) सम्पादक, पहाड़गञ्ज, नयी-दिल्ली।

राधेश्याम कथावाचक—सर्वाधिक लोकप्रिय कथावाचक, 'रामायण' के प्रचार--प्रसार में सक्रिय योग, पुस्तकें-'राधेश्याम-रामायण' तथा कीर्त्तन सम्बन्धी पुस्तकें घर-घर में प्रसिद्ध।
पता:-राधेश्याम प्रेस, बरेली।

राधेश्याम द्विवेदी—हिन्दी के प्रबल प्रचारक, "गुनगुन", शांति सुधा, 'प्रेम-प्रदीप', लक्ष्य-सुधा के लेखक। पता:-केशव साहित्य कुटीर, करेरा (शिवपुरी)

राम अवतार अग्रवाल 'भाईजी'—जन्म प्रथम जुलाई, १६३२, तरुण कहानी लेखक और कवि, 'भाईजी, प्रकाशन भवन' के संस्थापक, पुष्पपंचमी और पुष्पअष्टमी' कहानी संग्रह (प्रेस में)
पता:—'भाईजी' प्रकाशन भवन, ७४, शाहबाद स्ट्रीट, बरेली।

राम अनन्त पाण्डेय—फुटकर कहानियाँ लिखी हैं।
पता:-डिस्ट्रिक्ट डवलपमेण्ट एसोसिएशन, बलिया।

राम अनुग्रहसिंह—जन्म १६३१, पटना कालेज में दर्शन और हिन्दी के छात्र, दार्शनिक निबन्ध और हिन्दी में शब्द चित्र लिखते हैं। अप्रकाशित उपन्यास 'अनूठे-क्षण', 'अशोक', उल्टी दुनिया। पता:-द्वारा बाबू बासुदेवसिंह, ग्राम-जगदीशपुर, पो० सूरजगढ़ा (मुंगेर) बिहार।

रामकरण जोशी—'अमर-ज्योति' के भू० सं०, फुटकर लिखा है। पता:-पो० दौसा, जयपुर।

रामकरण शर्मा 'नागर'—'पद्य पुष्पाञ्जलि' के प्रणेता।
पता:-अध्यापक, सुरुहुरपुर, कजगाँव, जौनपुर।

रामकटोरी द्विवेदी 'सुमन'—रचनाएं-डा० कोटनीस की अमर कहानी, बलिदान आदि। पताः—'जीता-संसार', लश्कर, ग्वालियर।

रामकिशोर शर्मा 'किशोर'—'योरुप का इतिहास', मध्य-भारत का इतिहास, आदि के लेखक, ग्वालियर में होने वाले हिन्दी साहित्य सम्मेलन के सहायक मन्त्री, पताः-जयाजी प्रताप (साता०) ग्वालियर।

रामकिशोर शास्त्री—'मनस्वी' का सम्पादन, फुटकर लेखन।
पताः-'ददन' सदन, अमेठी, सुल्तानपुर (अवध)

रामकिशोर सिंह—'संक्षिप्त सूर्य-चिकित्सा' "कलरव" मेघदूत मीमांसा आदि के प्रणेता। पताः-व्यवस्थापक सूर्य रश्मि औषधालय, सरथा, हरनौत, पटना।

रामकुमार 'कमल'—एम० ए०, प्रसिद्ध कवि और लेखक, आप का जीवन राजनैतिक-संघर्ष और साहित्य-साधना में व्यतीत होता है, क्रान्तिकारी 'चिनगारी' वीर-रस पूर्ण कविताओं का संग्रह।
पताः-मुहल्ला-रामनवमी, चन्दौसी (मुरादाबाद)

रामकुमार वर्मा—एम० ए०, पी० एच० डी०, हिन्दी के सुप्रसिद्ध छायावादी कवि, एकांकी नाटककार और आलोचक। रचनाएं-चित्ररेखा (२००० रु० का देव पुरुस्कार), चन्द्रकिरण (५०० रु० का चक्रधर पुरुस्कार) निशीथ, कबीर का रहस्यवाद हिन्दी-साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास आदि। पताः-प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, प्रयाग-विश्वविद्यालय।

रामकुमार गुप्त 'मराल'—स्फुट कविताएं 'रजकण' (कविता संग्रह)। पताः-मोती-मुहाल, ६५।२, कानपुर।

रामकुमार गुप्त—स्फुट लेख और कहानियाँ। पताः-द्वारा श्री गोविन्दराम गुप्त, पो० मुंगरा बादशाहपुर (जौनपुर)

रामकुमार भारतीय 'पागल'—स्फुट-लेखन, 'नवभारत' और 'कला' के भूत० सम्पादक। पताः-शान्ति-निकेतन, हिन्दी-साहित्य-मन्दिर, इतवारी, नागपुर।

रामकृष्ण गुप्त 'हर्ष'—स्फुट कविताएं और लेख। पताः-टन्डेल बाजार, रजमन, मेरठ (छावनी)

रामकृष्ण डालमियां—कई हिन्दी पत्रों के सञ्चालक, "मेरे जीवन के अनुभव" के लेखक, सुप्रसिद्ध उद्योगपति। पताः-डालमियां नगर (बिहार)

रामकृष्ण—एम० ए०, वेदान्ताचार्य,-श्रीरङ्ग मन्दिर, वृन्दावन का इतिहास के प्रणेता, रामानुज वेदान्त पर लेखादि, ब्रह्मसूत्रों के भाष्यों का तुलनात्मक अध्ययन, कई शिक्षा-संस्थाओं में अध्यापन। पताः-अध्यक्ष-हिन्दी-संस्कृत विभाग, श्री पी० डी० जैन कालेज, फिरोजाबाद।

रामकृष्ण धूत—हिन्दी प्रचारक, स्फुट लेखन। पताः-हिन्दी-प्रचार-सभा, हैदराबाद (दक्षिण)

रामकृष्ण 'भारती'—एम० ए०, बी० टी० साहित्य-रत्न, प्रभाकर आदि, प्रसिद्ध पुस्तकें-'निर्झर', हिन्दी का प्रचार क्यों और कैसे, आदि, अध्यापन वृत्ति। पताः-११६८, शोरा कोठी, सब्जी-मण्डी, दिल्ली।

रामकृष्ण शुक्ल 'शिलीमुख'—एम० ए०, रचनाएं-अमृत और विष, प्रसाद की नाट्यकला, उसका प्यार आदि, सुप्रसिद्ध लेखक।

पताः-अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग, राजपूताना विश्वविद्यालय, उदयपुर।

रामखेलावन चौधरी—'भाई-बहिन के पत्र' चित्रलेखा ; एक अध्ययन आदि के प्रणेता। पताः—कच्चा-बाग, समादतगञ्ज, लखनऊ।

रामखेलावन पाण्डेय—कई पत्रों के सम्पादक रहे, कई साहित्यिक संस्थाओं के पदाधिकारी, रचनाएं-गीत-काव्य, 'चरण-चिन्ह' 'साहित्य-मीमांसा' आदि। पताः-प्राध्यापक जी० बी० बी० कालेज, मुजफ्फरपुर।

रामगोपाल विद्यालङ्कार—भूतपूर्व सम्पादक 'सैनिक' और वीर-अर्जुन, वर्त्तमान सम्पादक 'नव-भारत टायम्स' दैनिक।

पताः-'नव-भारत टायम्स' (दै०) दिल्ली।

रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'—एम० ए०, साहित्यरत्न, प्रसिद्ध कवि एवं नाटककार, प्रगतिशील कवियों में उत्तर-प्रदेश में वही स्थान है जो कि बिहार में 'दिनकर' जी का, प्रकाशित पुस्तकें—विश्व ज्योति बापू (प्रबन्ध-काव्य) संघर्षों के राही, वीराङ्गना, धरती का देवता, आदि। "लोक-सेवा-प्रकाशन" संस्था के सञ्चालक। अब तक आपने चालीस पुस्तकें लिखी हैं। पताः-प्रधान हिंदी अध्यापक, भदावर विद्या मन्दिर, उच्चमाध्यमिक विद्यालय, बाह (आगरा)

रामगोपाल संघी—हिन्दी प्रचार-प्रसार में सक्रिय योग, फुटकर लेखन। पताः-हिन्दी-प्रचार-सभा, हैदराबाद (दक्षिण)

रामगोविन्द त्रिवेदी—"वैदिक-साहित्य" 'दर्शन-परिचय' के प्रणेता, 'गङ्गा' 'विश्वदूत' आदि का सम्पादन। पताः-कूसी, दिलदार नगर, गाजीपुर।

रामचन्द्र बनौधा—एम० ए०, विशारद, "डा० अम्बेदकर" जीवनी, जिसकी भूमिका माननीय जोगेन्द्रनाथ मण्डल, भूतपूर्व मिनिस्टर पाकिस्तान ने लिखी है, अब-डिप्टी-पुलिस-सुपरिण्टेण्डेण्ट, । पताः—राजापूर, इलाहाबाद।

रामचन्द्र "मुसाफिर" आर्य—आर्य-समाज के सक्रिय कार्यकर्त्ता, समाज-सुधार में विशेषरुचि। प्रसिद्ध पुस्तकें-हरिजन-मीमांसा, गोवध, नागरिक-शास्त्र आदि। पताः-डी० ए० वी० हाई-स्कूल, अजमेर।

समचन्द गोस्वामी—विशारद, हिन्दी-प्रचार में योग।
पताः-हिन्दी-विभाग, श्री गौतम-कला-मन्दिर, गोस्वामी चौक, बीकानेर।

राम चन्द्र टण्डन—प्रका० (हिन्दी) श्रीमती सरोजनी नायडू, रेणु, धरती हमारी है इत्यादि, (अङ्गरेजी) आर्ट आफ अमृत शेरगिल, आर्ट ऑफ असितकुमार हल्दार आदि। पताः-इण्डियन एकेडेमी, प्रयाग।

रामचन्द्र द्विवेदी 'प्रदीप'—सिनेगीतकार कई फिल्मों के लिए गीत लिखे हैं 'पूर्णिमा', 'पानीपत' के प्रणेता, महाकवि 'निराला तक' ने कवि 'प्रदीप' की प्रशंसा की है विभिन्न समाचार पत्र पत्रिकाओं में गीत प्रकाशित। पताः-कस्तूरवाड़ी, विलेपारले, बम्बई।

रामचन्द्र प्रफुल्ल—"विनोद" (मासिक) के भू० सम्पादक, फुटकर लेखन। पताः-मुख्य-शिक्षक, डालमिया ए० वी० मिडिल स्कूल, चिड़ावा-जयपुर।

रामचन्द्र शर्मा—'हिन्दी-साहित्य-कोश' हिन्दी कल्पलता, निबन्ध चन्द्रिका, सुमन-संचय आदि के लेखक। पताः-रुस्तगी मोहल्ला, चन्दौसी, अथवा प्राधानाध्यापक, जूनियर हाई स्कूल, बरौली, विशेष 'पाक्षिक अध्यापक' के सम्पादक।

रामचन्द्र मिश्र 'विद्यार्थी'—'गुप्त जी की यशोधरा, गीतावली-एक अध्ययन आपकी लिखित पुस्तकें हैं। पताः-प्रधानाध्यापक, भारतीय पाठशाला हाई स्कूल, फरुखाबाद।

रामचन्द्र—एम० ए०। फुटकर लिखते हैं, अखिल भारतीय ओरियण्टल कान्फ्रेंस के सदस्य, पताः-हिन्दी प्रोफेसर पी० के० राय मेमोरियल कालेज, कतरासगढ़, मानभूमि, बिहार।

रामचन्द्र शुक्ल—स्फुट लेखन। पताः—मु० पत्रालय-हरदी, वाया-जांजगीर, (बिलासपुर) मध्य-प्रदेश।

रामचन्द्र वर्मा—हिन्दी साहित्याकाश के उज्वल नक्षत्र, प्रसिद्ध पुस्तकें-अच्छी-हिन्दी, हिन्दी-प्रयोग, प्रामाणिक-हिन्दी कोश, इनके अतिरिक्त आयरलैंड का इतिहास, वैज्ञानिक साम्यवाद, प्राचीन मुद्रा, अमृतपान, आदि अनेकों पुस्तकों के सफल लेखक।
पताः-नागरी प्रचारणी काशी या, २० धर्म्मकूप, बनारस।

रामचन्द्र 'वीर'—महाकवि, धर्म प्राण, स्वामी, जयपुर राज्य में हिन्दी को राजभाषा बनाने के लिए १९४२ में प्राणान्त अनशन गौहत्या के विरुद्ध राँची (बिहार) में ६२ दिन का अनशन, रचनाएं-वीरवाणी, वीर-गर्जना, रामायण (महा-काव्य) अमर हुतात्मा, हिन्दू-नारी आदि। विशेष जयपुर राज्य में सात सौ फीट ऊँची पर्वत श्रेणी पर हनुमान मन्दिर बनाने में संलग्न।
पताः-विराट् नगर, जयपुर (राजस्थान)।

रामचन्द्रसिंह—दक्षिण में हिन्दी प्रचार-प्रसार कार्य में योग।
पताः—प्रधानाध्यापक हाई स्कूल, निजामाबाद (दक्षिण)

रामचरण दुबे—शिक्षा-एम० ए०, बी० टी०, अभी हाल ही में आपने एक पुस्तक लिखी है जो शीघ्र प्रकाश में आरही है।
पताः—प्रिंसिपल जे० बी० इण्टर कालेज, गढ़वार, (बलिया)

रामचरण महेन्द्र—प्रोफेसर,-एकांकी नाटक-साहित्य के विशेष अध्येता, अनेक व्यवहारिक और दैनिक जीवन में काम आने वाली पुस्तकों के प्रणेता, आपकी लिखी रचनाएं-उच्चकोटि के पत्रों में प्रकाशित होती हैं। रचनाएं-महान जागरण, तुम महान हो, दीर्घ-जीवन के रहस्य आदि पुस्तकें प्रसिद्ध हैं। पताः—इङ्गलिश प्रोफेसर, हरबर्ट कालेज, कोटा।

रामजियावन बनौधा—स्फुट सामयिक और सामाजिक लेख लिखे हैं। अध्ययन शील, साहित्य-प्रेमी। पताः- 'बनौधा आश्रम', सुलेम-सराय, इलाहाबाद।

रामजी उपाध्याय—एम० ए०, डी० लिट्०, "भारत की प्राचीन संस्कृत" पुस्तक के प्रणेता। पताः-संस्कृत प्रोफेसर, सागर विश्व-विद्यालय।

रामजी मिश्र 'मनोहर'—कई साहित्यिक संस्थाओं से सम्बद्ध, 'विश्व-मित्र' और 'राष्ट्रवाणी' दैनिक के सम्पादक रहे। पताः-पटना।

रामजीलाल 'सहाय'—'सहायक भजनावली, चेतावनी' आदि के प्रणेता। पताः-हरिजन आश्रम, प्रयाग।

रामजीवनसिंह—एम ए., बी. एस. सी., 'समाधान' पिंजड़े का पंछी, शारदी आदि के प्रणेता। पताः-जिहुली, चम्पारन।

रामजीशरण सक्सेना—उर्दू हिन्दी में फुटकर कविताएं लिखी हैं। पताः-एडवोकेट, बरेली।

रामदत्त भारद्वाज—रचनाएं-तुलसी चर्चा, त्योहार और कथाएं स्त्रियों के व्रत आदि इण्डियन फिलासाफिकल कांग्रेस के सदस्य। पताः-मोहन-मुहल्ला, कासगञ्ज, (एटा) या प्राध्यापक श्री गणेश कालेज, कासगंज।

रामदयाल शर्मा—'हिन्दी बंगवासी' और 'भारत मित्र' का सम्पादन 'उषाहरण' महाभारत पर एक दृष्टि आदि के लेखक। पताः-कमसड़ी, टीकादेवरी, गाजीपुर।

रामदहिन मिश्र—रचनाएं-काव्यालोक, पार्वती-परिणय, काव्य दर्पण, साहित्य-मीमांसा आदि के प्रणेता। पताः-बांकीपुर, पटना।

रामदास शास्त्री—'भक्त-भारत' के सम्पादक, रचनाएं फुटकर पताः-सम्पादक "भक्त-भारत" वृन्दावन (मथुरा)

रामदासराय—मेघ दूत, मुद्राराक्षस, उत्तर रामचरित, पञ्चरात्रि आदि पुस्तकें। पताः—प्राध्यापक, भूमिहार ब्राह्मण कालेज, मुजफ्फरपुर।

रामदीन पाण्डेय—विद्यार्थी, चलती-पिटारी, जीवन--ज्योति, ब्रजबिहारी चौबे आदि के प्रणेता। पताः-जी. बी. बी. कालेज, मुजफ्फरपुर।

रामदुलारे शुक्ल 'दुलार'—'मर्यादा', बापू बावनी आदि आपकी लिखी पुस्तकें हैं। 'मोहिनी' का सम्पादन। पताः-९५, नया कटरा, प्रयाग।

रामदुलारे सरवरिया—फुटकर लेखन। पताः-श्रद्धानन्द नगर, नागपुर-१

रामदेव द्विवेदी—इलाहाबाद विश्वविद्यालय में बी. ए. के छात्र, साहित्य-रत्न, स्फुट निबन्ध और कहानियां, पता-ग्राम-जगतपुर, पो० गौरा, (प्रतापगढ़)।

रामदेवसिंह चौधरी—फुटकर लिखते हैं। पताः-हिन्दी-साहित्य समिति, पिलानी, जयपुर।

रामधनशर्मा शास्त्री—एम. ए. (हिन्दी-संस्कृत), एम. ओ. एल., कई प्रान्तीय और अखिल भारतीय सभाओं के सक्रिय सदस्य और पदाधिकारी, रचनाएं-आदर्श-चरितावली रघुवंश, गद्य-सुषमा आदि अनेक पुस्तकें, कामर्शियल कालेज, दिल्ली में अध्यापन, पताः-४१८, कटरा नील, दिल्ली।

रामधारी प्रसाद—प्रान्तीय हिन्दी सहित्य सम्मेलन, बिहार के संस्थापक एवं सभापति, 'ध्रुवतारा' और जयमाल आदि अनेकों पुस्तकों के प्रणेता। पता-भगवानपुर, पो० कुरहन्नी, मुजफ्फरपुर।

रामधारीसिंह 'दिनकर'—राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत लोक परिषद के सदस्य, युग के प्रतिनिधि कवि, रचनाओं का सर्वाधिक प्रचार, कालेज में प्रोफेसरी की, सब-रजिस्टार के पद पर कार्य किया, प्रसिद्ध रचनाएं-रेणुका, हुङ्कार, रसवंती, कुरुक्षेत्र आदि, पताः-सिमरिया घाट, मुंगेर, बिहार अथवा-अध्यापक, लङ्गरसिंह कालेज मुजफ्फरपुर।

रामनरेश उपाध्याय 'धीर'—बी० ए०, साहित्य रत्न, रचनाएं-नित्यधर्म-भाग, पतिव्रता धर्म आदि, रामायण परीक्षाओं के केन्द्राध्यक्ष, पताः-अध्यापक, ई० आई० आर० हाईस्कूल मुगल सराय (स्थायी) ग्रामइजरी, डा० जलालपुर, जि० जौनपुर।

रामनरेश त्रिपाठी—खड़ी बोली हिन्दी के प्रथम खेवे के कवि, ग्राम्य लोक गीतों का संग्रह किया है, हिन्दी के सुपरिचित कवि रचनाएं-स्वप्न, 'पथिक' (बर्लिन विश्व विद्यालय में पाठ्य-ग्रन्थ) कविता कौमुदी (आठ भाग) मिलन आदि अनेक पुस्तकें।
पताः-बसन्त निवास, सुल्तानपुर (अवध) या हिन्दी मन्दिर २५५, दारागञ्ज, प्रयाग।

राम तवंकल द्विवेदी—स्फुट कहानी, लेख आदि, पताः-ग्राम जगतपुर, पो० गौरा, जिला-प्रतापगढ़ (अवध)

रामनाथ गुप्त—कई पत्रों के सम्पादन में योग, फुटकर लिखते हैं, पताः-सम्पादक "राम-राज्य" साप्ताहिक, कानपुर।

रामनाथ वेदालंकार—'वैदिक-वीर-गर्जना और 'वैदिक-सूक्तियाँ' आपकी लिखी पुस्तकें हैं, पता-उपाध्याय, वैदिक साहित्य, गुरुकुल महाविद्यालय, हरद्वार।

रामनाथ 'सुमन'—प्रसाद की काव्य साधना, घर की रानी, गांधी वाणी आदि लगभग दो दर्जन ग्रन्थों के प्रणेता, प्रसिद्ध साहित्य सेवी, पताः-साधना-सदन, प्रयाग।

शारदा सेवक:—

श्री बालाराम गहलोत

श्री जैनरत्न विद्यालय भोपालगढ़

('साहित्य सपूत' परीक्षा में

सर्वोच्च उत्तीर्ण सन् ५०)

श्री गोविन्दराम सोनी

सुनार पाड़ा, सिरोही

('शारदा सेवक' परीक्षा में

सर्वोत्तम उत्तीर्ण सन् ५०)

रामचन्द्र पांडे—बी. एस. सी., साहित्याचार्य, रचनाएं राजकुमारों की शिक्षा, भावी शासन, वर्त्तमान नागरिक शास्त्र इत्यादि। पताः-असिस्टेण्ट इन्सपेक्टर ऑफ स्कूल्स, लश्कर (ग्वालियर)

रामनारायण उपाध्याय-निमाड़ के लोकगीत, 'कलम और हथौड़ा' आदि के प्रणेता, पता-कालमुखी, खण्डवा (मध्य-प्रान्त)

रामनारायण 'गङ्गाणी'—दक्षिण-भारत में हिन्दी-प्रचार, फुटकर लिखते हैं, पताः-भवनगिरि, पो० भौनगिरि, नलगोण्डा, (दक्षिण)

रामनारायणदत्त शास्त्री 'राम'—भगवन्नाम कौमुदी, नित्यकर्म प्रयोग ब्रह्मपुराण आदि अनेक प्राचीन ग्रन्थों का सम्पादन किया है, उर्मि में आपकी कविताएं संग्रहीत हैं, संस्कृत व्याकरण इतिहास, पुराण-वेदान्त के प्रकाण्ड पण्डित। पताः-"कल्याण" मासिक गोरखपुर।

रामनारायण मिश्र—'शिक्षा सुधा' के भू० सम्पादक, सूर्योपासना, हिन्दी-साहित्य कोश आदि के प्रणेता, पताः-अध्यापक, सहजनपुर, हरदोई।

रामनारायण मिश्र—महात्मा-ईसा', विजयपथ (अनु०) सफलता के साधन आदि के लेखक, भ्रमणशील। पताः-शेषपुर, पो० सूरापुर, सुल्तानपुर।

रामनारायण मिश्र—एम. एस. सी., 'रसायन-शास्त्र का इतिहास' के प्रणेता, पताः-सहायक प्राध्यापक, कृषि रसायन विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय।

रामनारायण मिश्र—नागरी-प्रचारिणी-सभा काशी के संस्थापकों में, जेनेवा विश्व-शिक्षा सम्मेलन (१६२६) में भाग लिया, अनेक पुस्तकों के लेखक, पताः-काशी नागरी प्रचारिणी-सभा।

रामनारायण 'विजयवर्गीय—हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन मध्य भारत के संस्थापकों में कई साहित्यिक संस्थाओं से सम्बद्ध। पताः-शिवराज-युवक-संघ, महू, मध्य-भारत।

रामनारायण श्रीवास्तव—अहिन्दी प्रान्तों में हिन्दी का प्रचार किया, स्फुट लेख लिखते हैं, पताः-आदर्श हिन्दी हाईस्कूल, ४ पद्दोपोखर रोड, एलगिन रोड, कलकत्ता।

रामनारायण हर्षुल मिश्र—रचनाएं-धर्म-विवेचन तथा स्फुट वैद्यक-विषयक निबन्ध, सामाजिक कार्यकर्ता। पताः-हर्षुल भारत गौरव महौषधालय, बालाघाट।

रामनारायण त्रिपाठी 'रमेश'—स्फुट कविताएं, पता-शिक्षक, बी० पी० एस० स्कूल, मेरठ; झाँसी।

रामनिधि विशारद—'दस अवतार' और 'रामनिधि मौन चरित्र' पुस्तकें लिखी हैं, पताः-३७ ए, साउथ मलाका, प्रयाग।

रामनिवास शर्मा—हैदराबाद में हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय सहयोग फुटकर कविताएं, कहानी, और हास्यरस के लेख लिखते हैं पताः-हिन्दी-प्रचार-सभा, हैदराबाद (दक्षिण)

रामनिवास सारस्वत—फुटकर लिखते हैं, हिन्दी प्रचार में सक्रिय योग। पताः—जनरल आफीसर, जीवाजीराव कॉटन मिल्स, ग्वालियर।

रामायण शरण—कई पाठ्यग्रन्थ लिखे हैं, पता-हिन्दी-प्राध्यापक सेण्टजेवियर्स, गोलघर, पटना।

रामपदार्थ देव "इन्दु" 'सहानुभूति' प्रकाशित उपन्यास है इसके अतिरिक्त अध्यात्म सम्बन्धी कई पुस्तकें लिखी हैं। पताः-भगवानपुर बढ़ेता, जनार्दनपुर, दरभंगा।

रामपरीक्षा सिंह 'पुष्प'—फुटकर समीक्षात्मक लेख लिखे हैं, पताः-प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, आसनसोल डिग्री कालेज।

रामपाल गुप्त—फुटकर कहानियाँ लिखते हैं, पता-७०/६४ मथुरी मुहाल, कानपुर।

रामपालसिंह 'कुँवर मृदुल'—भू० सं० "यामा" लखनऊ और "जनमत" शाहजहाँपुर "रात की रानी" प्रकाशित कहानी संग्रह व्यङ्गात्मक लेख भी लिखते हैं, पताः-उपासना-गृह, सेहरामऊ दक्षिण, शाहजहाँपुर।

रामपालसिंह चंदेल 'प्रचण्ड'—साहित्यिक आयोजनों में सदैव अग्रणी, रचनाएं बुन्देलखण्ड वागीश, परिमल, युग निर्माण आदि। पताः-संचालक, बुन्देलखण्ड प्रान्तीय कवि-परिषद, झाँसी।

रामप्रकटमणि त्रिपाठी—फुटकर लेखन, पताः-हिन्दी-अध्यापक लायल कालेजिएट स्कूल, बलरामपुर।

रामप्रकाश अग्रवाल—फुटकर कहानियाँ लिखते हैं। पताः-प्राध्यापक, मेरठ कालेज, मेरठ।

रामप्रताप गौडल—'विद्यामन्दिर' प्रकाशन संस्था के संस्थापक संचालक, रचनाएं स्वाधीन भारत की प्रमुख समस्याएं (जब्त) विवाह और विच्छेद, पता'-विद्यामन्दिर' लि० १६।१२, कनाट सरकस, नयी-दिल्ली।

रामप्रताप त्रिपाठी—शास्त्री, रचनाएं (अनु०) वायु-पुराण, मत्स्य पुराण, उपनिषदों की कहानियां अलंकार सर्वस्व आदि हिन्दी

साहित्य सम्मेलन के सहायक मन्त्री, पता: हिन्दी-साहित्य सम्मेलन दारागंज, प्रयाग।

रामप्रसाद त्रिपाठी—एम० ए० पी० एच० डी०, हिन्दी साहित्य सम्मेलन के भू० प्रधान मन्त्री, अनेक पाठ्य ग्रन्थों के प्रणेता,
पता-प्रयाग विश्वविद्यालय।

रामप्रसाद पाण्डेय—एम. ए. (इङ्गलिश-दर्शन) 'बोर्ड आफ हाईस्कूल एण्ड इन्टरमीडिएट' उत्तर प्रदेश के सदस्य और दर्शन के परीक्षक अ० भा० ब्र० सा० मं० के अष्टमाधिवेशन की स्वागत समिति के सदस्य, स्फुट लेखन। पताः-प्रिन्सिपल, बागला कालेज हाथरस।

रामप्रसाद विद्यार्थी 'रावी'—रचनाएं पूजा, शुभ्रा, अपनों की खोज में या बुकसेलर की डायरी, उपजाऊ पत्थर, नया मानव, नया-समाज, सुप्रसिद्ध कहानीकार। पताः-कैलास, पो० सिकन्दरा आगरा।

रामप्रसाद शर्मा 'उपरीन'—'ज्ञानकली' आदर्श जीवन आदि आपकी प्रकाशित पुस्तकें हैं, समाज सेवी कार्यकर्त्ता पताः-चिरगाँव झाँसी।

रामप्रियाशरण 'रत्नेश'—फुटकर रचनाएं 'देश' और 'आर्यावर्त' का सम्पादन। पताः-'आर्यावर्त कार्यालय' पटना।

रामप्रीति 'द्विवेदी'—फुटकर कविताएं लिखते हैं। पता-रफीपुर बाकरगंज, सारन।

रामप्रीति शर्मा—"शिव" प्रियतम 'हरिऔध अभिनन्दन ग्रन्थ' और डा० राजेन्द्रप्रसाद अभिनन्दन ग्रन्थ का सम्पादन। रचनाएं नल दमयन्ती, पिंगल-मंजूषा, बाल-विनोद, आदि। पताः-मॉडल इन्स्टीट्यूट, आरा।

रामबली यादव—शास्त्री, साहित्य-रत्न, कृषि-विशेषज्ञ, ग्रामोन्नति में रुचि। पताः-ग्राम धंगवल पो० सुरहन (आजमगढ़) वर्त्तमान-जिला ताड़-गुड़ इन्चार्ज, नजीबाबाद (जि० बिजनौर)।

रामबहोरी शुक्ल—अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्बद्ध, काव्य कलाधर, 'काव्यकुसुमाकर' आदि के प्रणेता तथा स्फुट साहित्यिक लेख। प्राध्यापक, टीचर्स ट्रेनिङ्ग कालेज, इलाहाबाद।

रामबाबू शर्मा—बिशारद बी. ए. के छात्र, जन्म मार्च १९३०, युवक-संघ हिन्दी-साहित्य परिषद् के तत्त्वावधान में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन, तथा स्फुट गीत कार और सुगायक पताः-सादाबाद दरवाजा, हाथरस।

रामबाबू शर्मा—आगरा कालेज में बी. ए. के छात्र, स्फुट कविताएं और सुगायक। पता:—खातीखाना, हाथरस।

रामबाबूलाल अग्रवाल—साहित्यिक अभिरुचि, साहित्यिक कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग, अ० भा० ब्रज साहित्य मण्डल के अष्टम अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष, श्री सरस्वती विद्यालय हाथरस के नव निर्वाचित सुयोग्य मैनेजर, बिजली कॉटन मिल हाथरस के मालिक, कई प्रमुख नगरों में आपके अनेकों कारखाने हैं। बहुत बड़े तथा सफल व्यापारी, साहित्य सेवकों तथा जरूरत मन्दों को मुक्त हस्त दानी। धनवान होते हुए भी निर्धनों से प्रेम। १००१) के नवल किशोर पुरुस्कार के दाता। पता:-बिजली मील, हाथरस।

रामबालक पाण्डेय—राष्ट्रीय आन्दोलन में भाग, हि० सा० स० प्रयाग के केन्द्राध्यक्ष, राष्ट्रीय सामाजिक फुटकर लेख लिखते हैं। पता:—गोविन्दपुर, सारन।

राममनोहर खिचपुरिया—रचनाएं-मान का अपमान, नमस्ते आदि प्रकाशित पुस्तकें हैं। पता:-पुरानी बस्ती, कटनी।

राममूर्ति—बी. ए., साहित्यिक अभिरुचि। पता:-अध्यापक, नानकचन्द आदर्श हायर सैकिण्डरी स्कूल, चन्दौसी।

राममूर्ति मेहरोत्रा—भाषा विज्ञान और मनोविज्ञान से विशेष रुचि और इन्हीं पर रेडियो से ब्राडकास्ट। रचनाएं--लिपि विकास, शब्दों का इतिहास, भाषा-विज्ञान सार आदि पुस्तकें प्रकाशित। पता:-आचार्य, सारस्वत खत्री पाठशाला हायर सैकिण्डरी स्कूल, प्रयाग।

राममूर्तिसिंह—फुटकर रचनाएं। पता:-अध्यापक, म्युनिसिपल हाईस्कूल, इटारसी।

राममोहन शर्मा—साहित्यिक-प्रेमी, पता:—राष्ट्रीय हायर सैकिण्डरी स्कूल, अछनेरा।

राममोहन—शिक्षा बी. काम, रचनाएं-कांग्रेस सरकार संयुक्त प्रान्त में, चन्दौसी इतिहास आदि। पता:-बड़ा बाजार द्वारा मदनमोहन बुकसेलर, चन्दौसी।

रामरतन सिकची—'युग जीवन' और अमरावती का सम्पादन 'झलक' पुस्तकमाला के प्रकाशक। पता:-तुलसी कुञ्ज, छतरी तालाब मार्ग, अमरावती।

रामरक्षा त्रिपाठी 'निर्भीक'—'अयोध्या-दिग्दर्शन के लेखक, पता:-बरहटा, अयोध्या।

रामरघुवीरप्रसाद सिंह—एम० ए०, फुटकर समीक्षात्मक लेख, पताः-हिन्दी अध्यापक आर० डी० एण्ड डी० जे० कालेज, मुंगेर।

रामरीझन रसूलपुरी—कई पत्रों के भू० सम्पादक, फुटकर लिखते हैं, पताः-'शिक्षा-निरीक्षक', सरायकेला, राजनगर, हल्दीपोखर, सिंहभूमि।

रामलला—ब्रजभाषा के सुप्रसिद्ध कवि और लोकगायक।
पताः-मथुरा।

रामलखनदास 'लोकेश'—फुटकर कविताएं लिखते हैं।
पताः-जनार्दनपुर, दरभंगा।

रामलाल—चिन्तनशील लेखक, रचनाएं-विभावरी, सौरभ, सन्मयी, संत-रैदास आदि "कल्याण" गोरखपुर से सम्बद्ध।
पताः-आनन्द-सदन-गोरखपुर।

रामलोचनशरण 'बिहारी'—'होनहार' 'बालक' आदि के सम्पादक, प्रका० व्याकरणबोध, साहित्य-सरोज, काव्य-सरिता, रचना नवनीत, मनोहर-पोथी आदि कई दर्जन पुस्तकें, पताः-लहेरिया सराय, बिहार।

रामवरण सिंह—फुटकर लेखक, पताः-मुख्य-शिक्षक महात्मा गांधी महाविद्यालय, समस्तीपुर, पो० शाहपुर कमाल, मुंगेर।

रामवचन द्विवेदी "अरविन्द"—कई साहित्यिक संस्थाओं में कार्य किया, 'हिन्दी-सन्देश 'वीरों की वाणी', श्री कृष्ण-सन्देश आदि के प्रणेता, पताः-बिहार संस्कृत-समिति पटना, स्थायी पताः-श्री अनन्त हिन्दी मन्दिर, दुबेनी, नियाजीपुर, शाहाबाद (बिहार)

रामविलास शर्मा—एम० ए,० पी० एच० डी०, प्रमुख मार्क्सवादी आलोचक, कवि और लेखक, प्रगतिशील लेखक, प्रगतिशील लेखकों में सर्वाधिक लोकप्रिय और बहिर्मुखी प्रतिभा के युग-उन्नायक कलाकार, 'हंस' (कविता-भाग) के सम्पादकों में 'नया-साहित्य' प्रयाग के सम्पादन-मण्डल के सदस्य, प्रान्तीय प्रगतिशील लेखक संघ के मन्त्री। प्रमुख-रचनाएं-तार-सप्तक (कविताएं संग्रहीत अन्य कवियों के साथ) चार-दिन, भारतेन्दु-युग आदि कई आलोचनात्मक ग्रन्थ, उच्च श्रेणी के पत्रों के नियमित लेखक। पताः-अध्यक्ष, आंग्ल विभाग, बलवन्त राजपूत कालेज, आगरा।

रामवृक्ष बेनीपुरी—युग-प्रतिनिधि लेखकों में, साहित्य-साधना के साथ साथ राजनीति में भी सक्रिय भाग, समाजवादी विचार धारा के परिपोषक, सम्पादन 'हिमालय', जनता, कर्मवीर, बालक,

लोक-संग्रह, युवक आदि, प्रमुख रचनाएं लालचीन, लालरूस (राज०) लाल-तारा, झोंपड़ी का रुदन, सात दिन (उप०) इनके अतिरिक्त कविता-कुसुम, झोंपड़ी के महल आदि। पताः-सम्पादक 'नयी धारा' (मा०) अशोक-प्रेस, महेन्द्रू, पटना।

रामशंकर द्विवेदी 'शंकर'—अध्यापन वृत्ति, रचनाएं-पाप का पराभव, प्रेम-पुष्प, आदि के लेखक। पताः-साहित्य निकेतन, बासलीगञ्ज, मिरजापुर।

रामशरण शर्मा—स्फुट लेख निबन्धादि। पताः-बामन जी का मन्दिर, दिल्ली वाला मोहल्ला, हाथरस।

रामशरण उपाध्याय—बी. ए., बी. टी. (सर्वोच्च) 'मगध का प्राचीन इतिहास नामक पुस्तक के प्रणेता। पताः-इन्सपेक्टर, बेसिक एजूकेशन बिहार, महेन्द्रू पटना।

रामशरणदास—फुटकर लिखते हैं। पताः-पिलखुआ, मेरठ।

रामशरण पाठक—सफल लोक कवि, वैद्यक से प्रेम, अनेकों रस पूर्ण रसियों के निर्माता। पताः-गंगा मन्दिर लोहट बाजार हाथरस।

रामशरण शर्मा—भू० सह सम्पादक विकास। फुटकर लिखा है। पताः-आचार्य नागरिक हायर सैकिण्डरी स्कूल, जंघई, जौनपुर।

रामसंजीवनसिंह—'समाधान' स्वर्गदहन, दीप के गीत, शारदी आदि के प्रणेता। पताः-प्राध्यापक, राँची कालेज राँची।

रामसरन शर्मा—राष्ट्रीय आन्दोलन में कारावास भोगी, अँग्रेजी हिन्दी दोनों में लिखते हैं प्रसिद्ध रचनाएं-कटीले तार, शीशे की चोटी, मालिनिया, आदि रेडियो पर भाषण। पताः-१३८६ नाई वाली गली, नं० २३, करौल बाग, दिल्ली।

रामसिंह एम. ठाकुर—कई स्थानों पर अध्यापक रहे, स्फुट लेखन। पताः-अध्यक्ष प्रकाशन विभाग, गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार।

रामसिंह गहलौत 'गाजीपुरी'—हास्यरस के लेखक और सिद्धस्थ कवि। रचनाएं-विमाता, किरकिरी, उलूकिनी और चण्डूदास आदि। पताः—जजी कचहरी, गाजीपुर।

रामसिंह 'देव' दिलोखरा:—साहित्य-रत्न, अनेक स्फुट कविताएं और कई अप्रकाशित कविता संग्रह, अध्ययन-अध्यापन।

पताः—ग्राम-दिलोखरा (नगला मितन) डा० जलेसर, (एटा) अथवा गली मुंसिफ नयागंज, हाथरस।

रामसिंह ठाकुरः—अनेक साहित्यिक और शिक्षा सम्बन्धी संस्थाओं से सम्बन्धित, रचनाएं राजस्थान के लोकगीत-भाग दो ढोला-मारूरा, मेघमाला आदि अनेक प्रकाशित और कई अप्रकाशित ग्रन्थ। पताः—मधुबन, बीकानेर।

रामसिंह चौधरीः—महर्षि जीवन सुभाषित मंजूषा आदि के लेखक। पताः—'सुभाषित-मंजूषा' कार्यालय, पत्रालय-घाँड़रा कांगड़ा, पंजाब।

रामसिंहासन सहाय श्रीवास्तवः—वर्त्तमान-विद्यार्थी और 'मधुर-लहरों' के प्रणेता। पताः—मुख्तार, बलिया।

रामसिया "रमेश":—'रमेश कवितावली' "दुखी-भारत" आपकी प्रकाशित पुस्तकें हैं। पताः—सदर बाजार, हिंगोली, परभणी (दक्षिण)।

रामसूरत शुक्लः—फुटकर लेखन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी के सदस्य। पताः—हरिवंश लीलादर्श पुस्तकालय, करंजही पत्रालय, मलाँव गोरखपुर।

रामसेवक झा "बिहल":—"मज़दूर-संसार" के भूतपूर्व सम्पादक, रचनाएं—'मेरे-बापू' 'टूटे-दिल' आदि। पताः—बड़गाँव, पतरघट, भागलपुर।

रामस्वरूप—राष्ट्र-भाषा प्रेमी, फुटकर लेखन। पताः—दयानन्द कालेज, काशी।

रामस्वरूप शर्मा 'जिन्द गुरु'—प्राचीन परिपाटी के आशु कवि कवित्त सवैयों के अनन्य भक्त, रसियों के निर्माण में बहुत योग दिया है। पताः—दिल्ली वाला चौक, हाथरस।

रामस्वरूप गर्ग—'राष्ट्रवाणी' और 'जनपथ' (कांग्रेस अङ्क) का सम्पादन, जीवन का सत्य, सुबोध का भ्रमण 'आचार्य विनोबा' आपकी लिखी कृतियाँ हैं। पताः—श्री वाणी मन्दिर, कार्यालय, अजमेर।

रामस्वरूप शास्त्री 'रसिकेश'—हिन्दी संस्कृत के अनेक पाठ्य ग्रन्थ लिखे हैं। पताः—हिन्दी विभाग, हन्सराज कालेज, दिल्ली।

रामस्वरूप शर्मा 'मयंक'—शिक्षा 'साहित्याचार्य' प्रेम तरंग, तारा-काव्य संग्रह आदि आपकी कृतियाँ हैं। पताः—अध्यापक, मारवाड़ी कालेज, कानपुर।

रामस्वरूप शर्मा 'कौशिक':—एम० ए० एल० टी०, प्रमुख पुस्तकें नागरिक-सोपान, भाग दो और बही-खाता। पताः—अध्यक्ष, ट्रेनिङ्ग कालेज, मथुरा।

रामस्वरूप शास्त्रीः—प्रमुख रचनाएं; न्याय-दर्शन, स्वप्न-विज्ञान, कादम्बरी आदि-आदि। पताः-प्रधानाचार्य, हिन्दी-संस्कृत विभाग, अलीगढ़ विश्वविद्यालय।

रामस्वरूप शर्मा 'रसिकेन्द्र':—'ज्योति' और "ब्रज-भारती" के सम्पादन में योग, 'साँदरी, मोहिनी और पिंगल प्रबोध के प्रणेता। पताः—हिन्दी-अध्यापक, चम्पा अग्रवाल कालेज, मथुरा।

रामाधारसिंहः—साहित्य-रत्न, साहित्यालङ्कार, प्रिय विषय-समाज और साहित्य-सेवा। पताः—श्रीरामपुर, पो० अनोई जिला बनारस।

रामाधार शर्माः—हिन्दी-प्रचार-सभा हैदराबाद द्वारा संचालित "अजन्ता" के 'संचालक', फुटकर लेखन। पताः—हिन्दी-प्रचार-सभा, हैदराबाद (दक्षिण)

रामाधार पाण्डेयः—परमार्थ दोहावली, बुद्धि की परीक्षा आदि लिखी पुस्तकें। पताः-श्री दैवी सम्पद महाविद्यालय, मुमुक्षु आश्रम शाहजहाँपुर, स्थायी पताः-२००, दीवानजोगराज, शाहजहाँपुर।

रामाधार शुक्लः—कई साहित्यक संस्थाओं से सम्बन्धित, 'मङ्गल-कामना' आदर्श आदि के लेखक, छिन्दवाड़ा।

रामाधीनलाल खेरः—श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, पद्मनी, चमत्कार आदि के प्रणेता। पताः-उपरहटी, रीवां।

रामानन्द शर्मा—हिन्दी-प्रचार कार्य, 'पुनर्मिलन' स्वप्न-भङ्ग, 'मरीचिका' आदि के लेखक। पताः-सम्पादक 'दक्खिनी-हिन्द" हिन्दुस्तानी प्रचार-सभा त्यागरायनगर, (मद्रास)।

रामानुग्रह नारायण लालः—'लक्ष्मी' का सम्पादन, रचनाएं स्फुट निबन्ध और कविताओं के संग्रह, वाल्मीकि-रामायण (अनुवाद) प्रकाशित ग्रन्थ। पताः—बहेलिया बिगहा, टिकारी, गया।

रामानुग्रह शर्मा 'नवनिधि':—"पुहुप" कविता-संग्रह प्रकाशित। पताः-मुख्य-शिक्षक संस्कृत पाठशाला, मेंगरा' गया।

रामानुजलाल श्रीवास्तव:--कई पाठ्य-ग्रन्थों का सम्पादन, 'प्रेमा' (मा०) और 'साथी' का सम्पादन। पता:-इण्डियन प्रेस जबलपुर।

रामावतार पोद्दार 'अरुण':—अरुणिमा, सूरश्याम और शकुन्तला आदि के प्रणेता। पता:-"किरण-कुञ्ज" समस्तीपुर।

रामावतार गर्ग:--साहित्यक अभिरुचि, हिन्दी-प्रेमी,। पता:-द्वारा बासुदेवप्रसाद बनवारीलाल बजाज, चन्दौली (मुरादाबाद)

रामावतार मिश्र 'राम':--दमयन्ती-प्रलाप, कुञ्ज-मिलन, सिद्धार्थ जन्म आदि के लेखक। पता:-पुरानी गोदाम, गया।

रामावतार यादव विद्यालङ्कार:--'यादव इतिहास' जीवन-जाग्रति, ग्राम रत्नादल आदि के प्रणेता। पता:-एकडला, फतेहपुर।

रामावतार यादव 'शक्र':--अन्तर्गीत, निर्वाण और निर्माण आदि के लेखक। पता:-रूपनगर, सिमरिया घाट, मुंगेर।

रामावतार विद्याभास्करः--प्रमुख पुस्तकें "गीता परिशीलन' (६०० रु० का पुरुष्कार उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा) 'नारद-भक्ति सूत्र' योग तारावली, शतश्लोकी आदि प्रकाशित ग्रन्थ। पता:-संचालक, बुद्धि सेवाश्रम, बिजनौर, रतनगढ़।

रामावतार शर्मा 'विकल':—रचनाएं-मज़दूर दिव्य दर्शन, वध-शाला, सूखा-पीपल आदि अनेक पुस्तकें प्रकाशित, 'विकल-साहित्य-माला' के लेखक। पता:-'मां' मन्दिर धनौरा मण्डी, मुरादाबाद।

रामाश्रय पयासी--जन्म-सं० १९७२, अवधेन्द्र साहित्य-परिषद और 'युवक संघ' की स्थापना की; रचनाएं-एक दृष्टि, मकरन्द, विवाह-समस्या, नवदल, रत्नकण, गाँवों की ओर आदि। पता:-शान्तिकुटीर, कोठी स्टेट, (वाया-जैतवार)

रामुकुल गुप्त बैसानि:—'डा० पट्टाभि सीता रमैया की जीवनी' आदि पुस्तकों के प्रणेता, दक्षिण-भारत में हिन्दी प्रचार। पता:-ब्राह्म स्ट्रीट, बैजबाडा।

रामेश्वर:—बी० ए० एल० एल० बी०, फुटकर कविताएं लिखते हैं। पता:-वकील, उरई।

रामेश्वर 'अञ्चल':—एम. ए, हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन, प्रयाग के सक्रिय कार्यकर्त्ता रहे, युग प्रतिनिधि कवि, प्रगतिशील कवियों में उच्च स्थान, आपकी रचनाएं प्रमुख पत्रों में छपती हैं, रचनाएं

तारे, चढ़ती-धूप, अपराजिता; करील आदि कई पुस्तकें प्रकाशित पता:-प्राध्यापक रावर्टसन कालेज, जबलपुर।

रामेश्वर 'अशान्त':—'जयघोष' राष्ट्रीय कविता संग्रह के यशस्वी सम्पादक फुटकर कविता और कहानियाँ भी लिखते हैं, रचनाएं-प्रलय-गान, चित्रकार, माँ का दीवाना। पता:-कोठी राय-साहब सालिगराम, गली बताशान, चावड़ी बाजार, दिल्ली।

रामेश्वर 'रसिक':—'वीणा की झङ्कार' (कवि०) तथा अन्य कविता-संग्रहों के प्रणेता। पता:-सदर बाजार, हिंगौली, हैदरा-बाद (दक्षिण)।

रामेश्वरदयालु दुबे—प्रथम जुलाई १६०६ (जन्म) एम० ए०, साहि-त्य-रत्न हिन्दी प्रचार-प्रसार में सक्रिय योग, रचनाएं-अभिलाषा, केवट, साकेत-समीक्षा, बाल-भारती आदि। पता:-राष्ट्रभाषा-प्रचार समिति, वर्धा।

रामेश्वरदयालु द्विवेदी 'श्रीकर"—फुटकर कविताएं लिखी हैं, कई कविता संग्रह अभी अप्रकाशित, पता:-अध्यापक, एम० एस० बी० स्कूल, कालपी।

रामेश्वरनाथ तिवारी—एम० ए०, 'ज्योत्स्ना' पटना के सह सम्पादक, रचनाएं-संस्कृति की रेखाएं, पद्य पराग आदि। 'भोज-पुरी-लोक-संस्कृति' का विशेष अध्ययन, पता:-प्रोफेसर, हिन्दी विभाग' जैन कालेज, आरा।

रामेश्वरप्रसाद तिवारी—फुटकर कविताएं लिखते हैं,

पता:-सुपर वाइजर, एल० एच० सुगरफैक्टरी, पीलीभीत।

रामेश्वरप्रसाद दुबे 'मञ्जु'—'भारत-विजय' और 'कल्पतरु' के भू० स०, रचनाएं सन्त नागर जी, तमाखू का इतिहास आदि। पता:-सोहागपुर, होशंगाबाद।

रामेश्वर प्रसाद 'मेहरोत्रा'—कई पत्रों का सम्पादन किया, स्फुट लेखन, पता:-सम्पादक "जनमत", शाहजहाँपुर।

रामेश्वरप्रसाद वात्स्य—एम० ए० (हिन्दी-संस्कृत) कई अप्रकाशित नाटक, साहित्य-कला-प्रेमी, वर्तमान वाइस प्रिन्सिपल, श्री सरस्वती विद्यालय हाथरस।

रामेश्वरप्रसाद श्रीवास्तव—बी० ए०, एल० एल० बी०, फुटकर कविताएं लिखते हैं, पता:-"वकील" बघौरा, उरई।

रामेश्वरप्रसाद सिंह—फुटकर लेखन, साहित्य परिषद, मुंगेर के

सदस्य, पताः- अध्यापक, डी० जे० कालेज, मुंगेर।

रामेश्वर राम पाठक—'शस्त्र-विवेक', चेतना आदि के लेखक पताः-ऊपर बाजार, गोपालगञ्ज, राँची।

रामेश्वरीप्रसाद "राम"—रचनाएं 'प्रेम योगिनी', 'बीसवीं सदी' 'मनोराज्य' आदि, पताः-परमेश्वर भवन, पो० बाढ़, (पटना)

रामकृष्णदास—प्रमुख-रचनाएं-भारत की चित्रकला, भारतीय मूर्तिकला, साधना, छाया-पथ आदि अनेक उच्चकोटि के ग्रन्थों के प्रणेता, कई पाठ्य ग्रन्थों में रचनाएं संकलित हैं, साहित्य-संगीत और कला के सच्चे साधक, भारत कला भवन के संस्थापक, पताः-शान्ति-कुटीर, काशी।

रा० र० खाडिलकर—कई पत्रों के प्रतिष्ठित सम्पादक अथवा सम्पादन में योग, प्रसिद्ध-पुस्तकें-परमाणु-बम, कीमती आँसू, रेडियो आदि। पताः-"आज" (दैनिक) कार्यालय, काशी।

रावत सारस्वत—जन्म-अगस्त १९१९, शिक्षा-एम० ए०, एल० एल० बी०, वकालत तथा पत्र-सम्पादन राजस्थान के साहित्य में विशेष रुचि तथा डाक्टरेट के लिए 'थीसिस' लिखने में व्यस्त, अनुसन्धानात्मक विविध पत्र-पत्रिकाओं में लेख लिखे, सैकड़ों स्फुट कविताएं प्रकाशित 'हिन्दी हस्तलिखित पुस्तकों का सूचीपत्र राजधाम पुस्तकालय, बीकानेर में बनाया। पताः-"अमर-ज्योति" कार्यालय, बगरू का रास्ता, जयपुर।

रा० शारंगपाणि—'दक्खिनी-हिन्द' के सम्पादन में सहयोग, रचनाएं मल्लिका, राजीनामा, हलाहल। पताः-"दखिनी-हिन्द" कार्यालय, १९ कुप्पैया चेट्टि स्ट्रीट, पुराना मांबलम, मद्रास।

रामस्वरूप 'भारतीय'—'वीर-पताका काव्य', 'भावना' आदि के प्रणेता, 'ग्राम्य-जीवन' (सा०) का सम्पादन, पताः-श्री 'आशा' निकेतन, जारखी, आगरा।

राहुल सांकृत्यायन, महापण्डित—भारत के महान युग-प्रवर्त्तक क्रांतिकारी लेखक, रूस में अध्यापन, अनेकबार सुदूर प्रान्तों की यात्राएं, "घुड़क्कड़" धर्म के प्रवर्त्तक, प्रमुख-रचनाएं-साम्यवाद ही क्यों?, मेरी यूरोप यात्रा, लंका, बाईसवीं सदी, तिब्बत में सवा बरस, मेरी तिब्बत-यात्रा, बुद्धचर्या, धम्मपद, जापान, शैतान की आँखें, जादू का मुल्क, सोने की ढाल, पताः--कैलिम्पोंग, (दार्जिलिंग)

रुक्माराव 'अमर':—दक्षिण में हिन्द-प्रचार कार्य। पताः- 'हिन्दी लेखक-संघ' ९७ मिण्टस्ट्रीट मद्रास १।

रुक्मानन्द बाजपेयी:—प्रियविषय-हास्य, सङ्गीत, अध्ययन।
पताः—द्वारा कृष्णदत्त बाजपेयी; ६४ कर्नलगंज, प्रयाग।

रुद्रदत्त 'मिश्र':—'मध्यभारत का भूगोल' 'प्रौढ़ शिक्षा माला' आदि लगभग डेढ़ दरजन पुस्तकें लिखी हैं, 'जयाजी-प्रताप' का सम्पादन। पताः-शारदा-सदन, लश्कर (ग्वालियर)।

रूपकुमारी बाजपेयी:—फुटकर कविताएं और कहानियाँ।
पताः-लैफ्टीनेण्ट सन्त बाजपेयी, आर० आई० एन० बी० आर० नेवी आफिस, विजगापट्टम।

रूपनारायण पाण्डेयः—कई पत्रों के यशस्वी सम्पादक, भारत के प्रतिष्ठित साहित्यकार। प्रमुख-रचनाएं-शाहजहाँ, पृथ्वीराज, आँख की किरकिरी, विजया, गोरा, अज्ञातवास, आदि लगभग छै दर्जन ग्रन्थ। पताः-रानीकटरा, लखनऊ।

रूमनारायण 'झा'—संगीत कला के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त, स्फुट आलोचनात्मक लेख अध्यापन वृत्ति, पताः-मन्त्री, श्री किसान पुस्तकालय, कसरौर, पो० अलीनगर, जि० दरभंगा (बिहार)

रेवाशंकर करञ्जी बरडवाला—जन्म-सं० १९६४ अनेक पत्रों में ज्योतिर्विज्ञान सम्बन्धी लेखों का प्रकाशन, रचना-सामुद्रिक शास्त्र, जातकालंकार आदि। 'ग्रहदर्शन' मासिक का संचालन-सम्पादन पताः-'ग्रहदर्शन' कार्यालय, लाखाजी राजरोड, राजकोट (सौराष्ट्र)

रेवतीरंजन सिनहाः—आल-इण्डिया-रेडियो, कलकत्ता में काम करते हैं, रचनाएं-नीलम की अँगूठी, (अनु०) प्राथमिक अनुवाद शिक्षा, हिन्दी-पाठमाला आदि। पताः-४३।२।२ बी० हालदार पाडा रोड, कलकत्ता, २६।

आर० माधवीः—अहिन्दी प्रान्त में हिन्दी प्रचार-प्रसार में सक्रिय योग "बहुमुखी" अनुवादित पुस्तक तथा अन्य स्फुट गद्य-पद्य-संग्रह। पताः-३७, ४ मैनरोड, चामराज पैठ, बँगलौर।

आर० पी० ठाकुरः—एम० ए०, "रात की रानी" कहानी-संग्रह प्रकाशित, समाजवादी धारा के परिपोषक, 'यामा' (मासिक) जनमत (सा०) और अब "शब्दव्यूह" (पाक्षिक) का सम्पादन।
पताः-सेहरामऊ दक्षिणी, शाहजहाँपुर (उत्तर-प्रदेश)

लज्जा रानी:—सहायक-सम्पादिका 'नवचित्रपट' ('सिनेपत्र') फुटकर लेखन कार्य। पताः-९२, दरियागंज, दिल्ली।

लज्जा भल्ला-कुमारी:—'नवोदित कलाकार संगम' की सदस्या, साहित्यिक अभिरुचि। पताः-करौल बाग नई-देहली।

लक्ष्मण नारायण गर्दे:—भारत के वृद्ध साहित्य-सेवी भू० सम्पा० 'वैंकटेश्वर-समाचार' 'बंगवासी' 'भारत मित्र' आदि। रचनाएं-श्रीकृष्ण चरित्र (सचित्र) एशिया का जागरण, श्री अरविन्द योग आरोग्य और उसके साधन आदि अनेक पुस्तकों के प्रणेता।

पता:-पत्थर गली, रतन फाटक, काशी।

लखनलाल मिश्र:—फुटकर कविताएं लिखी हैं। पता:-ग्राम घोसी, गोनवां, गया।

लक्ष्मण प्रसाद भारद्वाज:—दिल्ली का सुलतान, मनन तथा अनेक बालोपयोगी पुस्तकें। पता:-प्राध्यापक, कालिवन ताल्लुकदार कालेज, लखनऊ।

लक्ष्मीकान्त पाण्डेय:—एम० ए०, फुटकर लेखन। पता:-प्रिंसीपल सुभाषचन्द्र महाविद्यालय हायर सैकण्डरी स्कूल, करमा, इलाहाबाद।

लक्ष्मीकान्त त्रिपाठी:—भारतीय इतिहास के वीर और वीराङ्गनाएं, नूतन हिन्दी पाठावली आदि के प्रणेता। पता:-१६।१५३ पटकापुर, कानपुर।

लक्ष्मीकान्त त्रिपाठी शास्त्री—अखिल भारतीय आयुर्वेद-सम्मेलन के संयोजक, 'आयुर्वेद-केसरी' (सा०) का सम्पादन, रेडियो से वैद्यक और साहित्य पर वार्त्ता-प्रसरण। पता:-श्री मृत्युञ्जय भवन, ऐबटरोड लखनऊ।

लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय डाक्टर—जन्म अलीगढ़, 'साहित्य-सन्देश' (आलोचनात्मक मासिक) आगरा के भूतपूर्व सम्पादक रहे, आपने हिन्दी लेखकों में अच्छा स्थान प्राप्त कर लिया है, प्रमुख रचनाएं-भारतेन्दु की विचार धारा, साहित्य-चिन्तन, आधुनिक हिन्दी-साहित्य आदि। पता:-प्राध्यापक हिन्दी-विभाग, प्रयाग विश्वविद्यालय।

लक्ष्मीचन्द्र बाजपेयी—'नीला-लिफाफा, शहीद साहब, अन्तिम युग चित्र आदि पुस्तकों के प्रणेता। पता:-लाटूश रोड, कानपुर (उत्तर-प्रदेश)।

लक्ष्मीदत्त सारस्वत—जन्म-दिसम्बर १६०३, प्रकाशित रचनाएं सती जयदेवी' गोला गोकर्णनाथ-महात्म्य, दुखिया गाय।

पता-मैनेजर, कोआपरेटिव बैंक लि० बिसवां (सीतापुर)

लक्ष्मीदेवी 'नशीने'—झिलमिल तारा' की लेखिका, होमियदिग्दर्शन' की संपादिका। पता-द्वारा डा० रविकिशोर नशीने, जवाहर रोड, रायपुर।

लक्ष्मीदेवी वर्मा 'चन्द्रिका'—रुनझुन, एक रात, लोरियां आदि की लेखिका। पता-द्वारा 'अशोक' बी० ए० अरविन्द कुटीर गोंदिया (मध्यप्रदेश)।

लक्ष्मीधर वाजपेयी—'तरुण भारत ग्रन्थावली और लक्ष्मी आर्ट प्रेस के सञ्चालक' कई पत्रों का सम्पादन, प्रमुख रचनाएं—प्रेसीडेण्ट अब्राहमलिंकन, हिन्दी मेघदूत, काव्य और सङ्गीत, भौतिक धर्म-शिक्षा, चाणक्य और चन्द्रगुप्त आदि। पताः-गांधी नगर, कानपुर।

लक्ष्मीनारायण 'धर्मेन्द्र' पाण्डेय—फुटकर लेखन। पताः-लाला रामलाल अग्रवाल इण्टर कालेज, सिरसा, प्रयाग।

लक्ष्मीनारायण टण्डन 'प्रेमी'—प्रमुख रचनाएं-हिन्दी के प्रतिनिधि कवि, ध्रुवस्वामिनी-एक अध्ययन, हृदय ध्वनि (कवि०) इन के अतिरिक्त अनेक बालोपयोगी पुस्तकें-उजबकसिंह, घोड़े का सवार करेला रानी, तोंद का टिकट। पताः-प्रेमी कुटीर, पंजाबी टोला, निकट राजा बाजार, लखनऊ।

लक्ष्मीनारायण दीक्षित—फुटकर लेखन। पताः-ऐंग्लो बङ्गाली इण्टर कालेज, प्रयाग।

लक्ष्मी निवास, गनेशीलाल 'राजा'—हिन्दी प्रचारक, फुटकर लेखन। पताः-सीताराम बाग, हैदराबाद (दक्षिण)

लक्ष्मीनारायण दीनदयाल—महात्मा बुद्ध, काला पहाड़, प्राणि-शास्त्र, गृह-निर्माण, प्रारम्भिक भूतत्व शास्त्र, आदि अनेक उपयोगी पुस्तकें लिखी हैं। पताः-१३, उषागञ्ज, इन्दौर।

लक्ष्मीनारायण मिश्रः-हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन हैदराबाद अधिवेशन के अन्तर्गत 'साहित्य-परिषद्' के सभापति, प्रसिद्ध नाटककार, प्रसिद्ध रचनाएं-सिन्दूर की होली, मुक्ति का रहस्य, राजयोग, नारद की वीणा आदि नाटक। पताः-कास्थ व्रेट रोड, इलाहाबाद,

लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा 'भारतीय'—आचार्य विनोवा भावे और किशोरलाल मिश्रूवाला के साथी, गान्धीवादी विचारधारा के परिपोषक, "सर्वोदय" (मा०) के सम्पादकीय विभाग में कार्य करते हैं। पताः-बजाजवाड़ी, वर्धा।

लक्ष्मी नारायण शुक्ल—'पद्यात्मक-गङ्गागरिमा' आपकी प्रकाशित रचना है। पतः-एडवोकेट, गोरखपुर।

लक्ष्मीनारायण शर्मा 'मुकुर'—'अभियान-गीत' हरीदूब, आलिङ्गन, आदि आपकी प्रकाति कृतियां हैं। पताः-दुर्गाहपुर, बछवारा, मुंगेर।

लक्ष्मीनारायण लाल, रायसाहब—समुद्र-यात्रा, हिन्दू-मुस्लिम-एकता, आरती, आदि प्रकाशित पुस्तकें हैं। लक्ष्मी प्रेस के संस्थापक, पताः-"वकील", औरङ्गाबाद, बिहार।

लक्ष्मीनारायण सिंह "सुधांशु"—एम० ए०, गुलाब की कलियाँ, वियोग, काव्य में अभिव्यञ्जनावाद आदि के प्रणेता। पताः-रूपसपुर, धमदाहा, पूर्णिया।

लक्ष्मीनिधि चर्वेतुदी—एम० ए०, मद्रास में हिन्दी-प्रचार, रचनाएं मौलिक-नल दमयन्ती, रमेशचन्द्रदत्त, नेपोलियन बोनापार्ट आदि। सम्पादित, बिहारी-सतसई, देव कवि का भाव, वृन्द-सतसई आदि। पताः-लैक्चरार, मधुसूदन विद्यालय, इण्टर कालेज, सुलतानपुर।

लक्ष्मीप्रसाद "रमा"—जन्म १९४४, मध्य भारत के प्रसिद्ध कवि, लेखक और समालोचक जानकार-अङ्गरेजी, हिन्दी-संस्कृत, गुरुमुखी आदि। अनेक कवितायें विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित, १९३७ में सेण्ट्रल प्राविन्सेज एण्ड बरार सरकार ने कविता में प्रसंशा-पत्र दिया है। रचनाएं-फाग-संग्रह, महिला-गायन, श्री गान्धी श्रद्धाञ्जलि, बन्धु-वियोग, कोकिला आदि अनेक पुस्तकें प्रकाशित, वयोवृद्ध साहित्यिक। पताः-हिन्दी-साहित्यालय, रमा-निवास, 'हटा' (दमोह) सी० पी०।

लक्ष्मीप्रसाद 'मिश्र' 'कवि हृदय'—'प्रगतिशील साहित्य-संघ' के अध्यक्ष, फुटकर कहानियाँ और बालोपयोगी लेख लिखते हैं।

पताः-अध्यापक म्युनिसिपल बोर्ड, परकोटा सागर।

लालचन्द जैन—बी० ए०, एल० एल० बी०, 'समय-सार' का सरल अनुवाद किया है। पताः-एडवोकेट, रोहतक।

लालजीराम शुक्ल—'शिक्षा शास्त्र और मनो-विज्ञान विषयक प्रतिभावान लेखक, प्रकाशित पुस्तकें-शिक्षा-विज्ञान, बाल-मनो-विज्ञान, बाल-मनोविकास आदि ग्रन्थ। पताः-टीचर्स ट्रेनिङ्ग कालेज, बनारस।

लालताप्रसाद पाठक 'जगदीश'—फुटकर लेखन, सामाजिक कर्यकर्त्ता। पताः-मोठ, झांसी।

लल्लनप्रसाद द्विवेदी—फुटकर लेखन। पताः-श्रीकृष्ण हाईस्कूल, बरहज, गोरखपुर।

ललितप्रसाद श्रीवास्तव—गान्धीवादी विचार धारा के परिपोषक, राष्ट्रीय आन्दोलनों में कृष्ण मन्दिर के वासी, सेवा ग्राम की विभूतियाँ आपका स्तुत्य ग्रन्थ है। पताः-आर्यनगर, कानपुर।

ललिताप्रसाद गुप्त 'मकरन्द'—'आजादी के दीवाने' प्रेम की पीर, बदला आदि के लेखक। पताः-स्वतन्त्र पुस्तकालय, पाठकगंज मलिहाबाद, लखनऊ अथवा शिक्षक, अग्रवाल विद्यालय, मोतीनगर लखनऊ।

ललिताप्रकाश 'सुकुल'—शिक्षा एम. ए. (हिन्दी-अंग्रेजी) रचनाएं मौलिक 'सुदामा चरित्र' धोखाधड़ी, अनूदित अंगरेजी साहित्य की झांकी तथा कई सम्पादित ग्रन्थ। पताः-अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, या कैएट हाउस, मिशन रो एक्सटेंशन, कलकत्ता।

लालबिहारी शास्त्री वियोगी—अच्छे लेखक और कवि फुटकर कविताएं और लेख, प्रान्तीय हिन्दू महासभा के पदाधिकारी। पताः-रेशम कटरा, बनारस।

लल्लीप्रसाद पाण्डे—बाल सखा (मासिक) प्रयाग के लब्ध प्रतिष्ठित सम्पादक, कई पत्रों के सम्पादन में योग दिया, अनेक फुटकर लेख तथा दो दर्जन अनूदित पुस्तकें, द्विवेदी युग के लेखक। पताः-इण्डियन प्रेस लिमीटेड, प्रयाग।

लीलाधर शर्मा पाण्डेय—'महाशक्ति' और आर्य महिला, शान्तिदूत का सम्पादन, रचनाएं भारत में समाजवाद और उसका भविष्य, भारत में पंचायतराज, महाकवि बाणभट्ट आदि। पताः-३४।२४ लाहौरी टोला, बनारस।

लीलावती मुन्शी—प्रसिद्ध उपन्यासकार और भूतपूर्व खाद्यमन्त्री के. एम. मुन्शी की विदुषी लेखिका धर्मपत्नी, कई पुस्तकें लिखी है। पताः-जामनगर हाउस, मानसिंह रोड नई दिल्ली।

लूणाराम कौशिक 'अरुण'—विभावरी के प्रणेता तथा कई अप्रकाशित पुस्तकें। पताः-भास्कर भवन, फाणञ्च बाड़ी बम्बई २

लोकनाथ—दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रचार प्रसार में सक्रिय योग, समाज-सुधारक, अहिंसा धर्म की परमावधि, गोधन आदि पुस्तकों के प्रणेता, इसके अतिरिक्त आप स्फुट कन्नड़ में कविताएं और कहानियाँ भी लिखते हैं। पताः-शान्ति मन्दिर, उलसूर बँगलौर,

लोकेश्वरनाथ सक्सेना 'बालमित्र'—बालोपयोगी 'बालसेवा' (मा०) का सम्पादन प्रकाशन, फुटकर लेखादि लिखते हैं। पताः-बालसेवा मन्दिर, गांधी नगर, कानपुर।

ज्योतिष लेखकः—

श्री स्निग्ध कुमार गुप्त

(परिचय पृष्ठ १५३)

योगी शिव चरण चतुर्वेदी (परिचय पृष्ठ १६८)
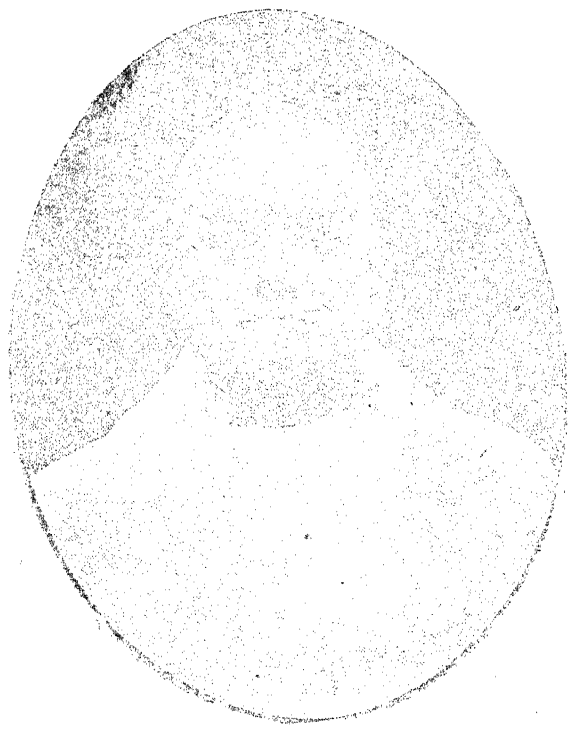
वन्शीधर सेठ—जानकी पुस्तकालय के प्रबन्धक, साहित्य प्रेमी पता:-जानकीपुस्तकालय व वाचनालय पो० शीतलगंज, बुलन्दशहर।

वन्शीधर मिश्र—२ जनवरी १६०२ जन्म, शिक्षा-एम. ए. एल. एल. बी., एम. एल. ए.' "जनसेवक" (साप्ता०) लखीमपुर के संस्थापक और सम्पादक, "लोकमत" (सा०) लखनऊ के सम्पादक, हिन्दी साहित्य-परिषद् के संस्थापक और प्रधान, मंत्री, उत्तर प्रदेश किसान संघ ह्विप, उत्तर प्रदेश विधान मण्डल कांग्रेस पार्टी, सदस्य आल-इण्डिया कांग्रेस कमेटी, सात बार जेल यात्रा, रचनाएं "गणित चमत्कार', 'हुक्का हुवा', 'अजब देश', 'आओ नंगे रहें, 'आओ हँसे हँसावें', 'शहीद राजनरायन मिश्र का जीवन चरित', कांग्रेस विवरण-पत्रिका आदि, पता:-लखीमपुर-खीरी (उत्तर-प्रदेश)।

वन्शीधर—फुटकर जैन धर्म विषयक लेखादि, पता:-वीर-सेवा मन्दिर, सरसावा, सहारनपुर।

वन्शीधर शुक्ल—समाजवादी विचारधारा के परिपोषक राजनीतिक कार्यकर्त्ता, लोकगीत आपके बड़े प्रसिद्ध हैं, जनकवि।
पता:-लखीमपुर खीरी (उत्तर-प्रदेश)

वसन्त पुराणिक—फुटकर लेखन, हिन्दी प्रचार में योगदान, पता:-हिन्दी लेखक संघ, ६७ मिण्ट स्ट्रीट, मद्रास १

वसन्त शंकर कानेटकर—एम० ए०, फुटकर निबन्ध और कविताएं लिखते हैं, पता:-प्राध्यापक, हं० प्रा० ठा० कालेज, नासिक।

वसन्तसिंह 'भृङ्ग'—'जयहिन्द' आदि पुस्तकें प्रकाशित।
पता:-स्थान कुण्डा, द्रोपदी घाट के समीप, हस्तिनापुर (मेरठ)

वसन्त अनन्त गर्दे—दक्षिण भारत में हिन्दी-प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान, रचनाएं-हिन्दी-मराठी अनुवाद माला भाग १, आदि, पैडागोजी और साइकोजी ज्ञाता, पता:-६६१ सदाशिव पेठ, पुणे २

वासुदेव उपाध्याय—"भारतीय-दर्पण-ग्रन्थमाला" का सम्पादन प्रमुख रचनाएं 'भारत की प्राचीन ग्राम-व्यवस्था, विजयनगर साम्राज्य का इतिहास, भारतीय-गौरव आदि ग्रन्थों के प्रणेता, पता:-२६।१७, गनेश दीक्षित, काशी।

वासुदेव शर्मा—'नाड़ी-विज्ञान', 'गार्हस्थ-आश्रम' आदि पुस्तकों के लेखक, पता:-प्रधानाध्यापक, बदनावर, धार।

वासुदेव वर्मा—फुटकर लेखन, महिलोपयोगी मासिक "शान्ति" का सञ्चालन। पता:-"शान्ति" कार्यालय, आनन्द-पर्वत, नयी दिल्ली।

वासुदेव "करुणेश" शास्त्री—रचनाएं-वैवाहिक आनन्द, संस्कार 'स्त्री-शिक्षा-साहित्य' आदि पुस्तकों के प्रणेता, पता:-शिक्षक, महाराजा स्कूल, कांकरोली, मेवाड़।

वासुदेव प्रसाद मेहरोत्रा—फुटकर लेखन, महाशक्ति का सम्पादन, पता:—"महाशक्ति" कार्यालय, ५।३५, त्रिपुरा भैरवी, काशी।

वासुदेव नन्दन प्रसाद—नई पीढ़ी के आलोचक, कई आलोचनात्मक पुस्तकें प्रकाशित, पता:-प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, गया कालेज, गया।

वासुदेव प्रसाद मिश्र—'कालिदास एवं मेघदूत' तथा अन्यग्रन्थों के प्रणेता, 'साहित्य-समिति' के संस्थापक, इतिहास, पुरातत्व, और संस्कृत भाषा से प्रेम, पता:-वकील, होशंगाबाद।

वासुदेवप्रसाद मिश्र—एम. ए. (हिन्दी-संस्कृत) 'संस्कृत-हिन्दी कोश' और अवधी के गीत' पुस्तकों के रचियिता, 'ज्ञानयोग' बँगला से अनूदित कृति, पता:-अध्यापक, गवर्नमेण्ट हाईस्कूल, उन्नाव।

वासुदेव शरण अग्रवाल डाक्टर—भारत के महान लेखक कई जनपदीय भाषाओं के ज्ञाता और भारतीय-संस्कृति-सम्बन्धित अनेक प्राच्य ग्रन्थों का सम्पादन-प्रकाशन, पुरातत्ववेत्ता, भूतपूर्व क्यूरेटर प्रान्तीय म्यूजियम, आजकल अध्यापन, पता:-प्राध्यापक, काशी विश्वविद्यालय।

वररुचि झा—जन्म १६१५, एम० ए०, रणभेरी, मौलिक रचनाएं जागरण, सान्ध्या, नया-समाज, राजपूत गौरव समाज की चिन्ता पर समाजवादी विचार धारा के परिपोषक, पता:-महेशपुर (गोंडा) संथाल परगना।

वादिराज अच्युतराव—'दक्षिण भारत' में हिन्दी के प्रचार प्रसार में सक्रिय योग। पता:-ऑनरेरी सेक्रेटरी दक्षिण विशाख जिला हिन्दी पण्डित संघ, दाबागार्डेन विशाखपटनम्।

वागीशदत्त पाण्डेय 'साहित्याचार्य'—साहित्य-रत्न, बी. ए. गीतकार तथा सफल आलोचक, अप्रकाशित फुटकर काव्य संग्रह। पता:-मु० दीक्षितान, सोरों (एटा)।

वागीश्वर विद्यालंकार—हिन्दी साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान, गुरुकुल कांगड़ी में अध्यापन, नीराजना आदि अनूदित कृतियाँ है। पताः-गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार।

विन्ध्याचरण वर्मा—फुटकर लेखन। पताः-मुख्य शिक्षक, हाई-स्कूल, मोतिहारी, बिहार।

विकासचन्द्र सिनहा—एम. ए., फुटकर लेखन। पताः-टी. एन. जे० कालेज, भागलपुर।

विन्ध्याचलप्रसाद गुप्त—रचनाएं-भीगी आखें, शशिदान, नयी किरण, काँटों की राह में, अमिट रेखाएं आदि पुस्तकें प्रकाशित। पताः-चनपटिया, चम्पारन।

विन्ध्यवासिनी देवी—आपने 'सरिता' (कवि०) तथा ज्वाला (उप०) नामक पुस्तकें लिखी हैं, रेडियो से साहित्य वार्त्ता प्रसारित करती हैं। पताः-रामभवन, दिववारा, सारन।

विजयसिंह पटेल 'विजय'—फुटकर कहानी, लेख और कविताएं लिखते हैं। पताः-रईस, भोपाल।

विजयकुमार मुन्शी—बी. ए., एल. एल. बी. रचनाएं साधकों के जीवन पथ पर, त्याग का तीर्थ आदि पुस्तकों के प्रणेता। पताः-रासमण्डल, धार।

विजय वर्मा—'नये एशिया के निर्माता' 'नया-कदम' आदि के सुप्रसिद्ध लेखक, भू० सम्पादक सहेली। पताः-सहेली-संघ, बहादुर गंज, प्रयाग।

विजयबाबू मिश्र—साहित्यिक अभिरुचि, साहित्य सम्बन्धी कार्यों में दिलचस्पी, फुटकर लिखते हैं। पताः-प्रधान हिन्दी संस्कृत अध्यापक, सिटी हायर सैकिण्डरी स्कूल, बाराबंकी।

विजयचन्द्र शर्मा—साहित्यिक अभिरुचि। पताः-सोंख (मथुरा)

विजयशंकर मल्ल—एम. ए. (सर्वोच्च), फुटकर कहानियां तथा समीक्षात्मक लेख लिखे हैं, 'हिन्दी काव्य में प्रगतिवाद' प्रकाशित कृति, पताः-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, काशी विश्वविद्यालय।

विद्यावती 'कोकिल'—सुप्रसिद्ध स्त्री कवियित्री, रचनाएं अंकुरिता मां आदि, ज्योति की भू० सम्पादिका। पताः-द्वारा त्रिलोकीनाथ सिन्हा, सहायक मन्त्री, कायस्थ पाठशाला, प्रयाग।

विद्याधर चतुर्वेदी—फुटकर लेखन, दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार भी किया। पताः- अध्यापक हाईस्कूल, भिण्ड।

विद्याभास्कर 'अरुण'—निशांत (कवि०) प्रबन्ध पीयूष आदि के प्रणेता, हिन्दी के अच्छे लेखक। पताः-प्रोफेसर, गवर्नमेण्ट कालेज, लुधियाना (पञ्जाब)।

विद्याभास्कर शुक्ल—विभिन्न विज्ञान सम्बन्धी संस्थाओं के सदस्य, श्री रामकृष्ण लीलामृत, परिव्राजक भक्तियोग, विज्ञान प्रवेश आदि ग्रन्थों के ख्याति प्राप्त लेखक। पताः-सहायक प्राध्यापक, बॉटिनी कालेज आफ साइन्स, नागपुर।

विद्यानाथ मिश्र—हिन्दी के सोलह वर्ष, ध्रुव स्वामिनी, तत्व मीमांसा आदि आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं। पताः-रामकृष्ण कालेज, मधुबनी।

विद्याभूषण अग्रवाल—ब्रज साहित्य-मण्डल के कार्यकर्त्ता, 'बिजली चमत्कार' और 'शिक्षा-शास्त्र' आपकी कृतियां है।
पताः-शम्भूदयाल इण्टर कालेज, गाजियाबाद, मेरठ।

विनयकुमार गुप्त—जन्म १३ अक्टूबर १९२६, एम. ए., नवोदित कलाकार, कहानी, कविताएं और लेख विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं, हिन्दी-साहित्य-सृजन परिषद् के उपाध्यक्ष, विभिन्न परीक्षाओं के परीक्षक, रचनाएं-साहित्य परीक्षण और पद्माकर एक अध्ययन दोनों पुस्तकें शीघ्र प्रकाशित हो रही हैं, कई विराट कवि सम्मेलनों में पुरस्कार प्राप्त। पताः-अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, हिन्दू इण्टर कालेज, मुँगरा बादशाहपुर (जौनपुर)

विनयमोहन शर्मा—मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध आलोचक और कवि, भू० सह सम्पादक 'कर्मवीर', प्रमुख रचनाएं-भूले गीत, साहित्य कला, कवि प्रसाद आदि आपकी रचनाएं प्रमुख पत्रों में प्रकाशित होती हैं। पताः-अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय।

विवेकी राय—साहित्य-रत्न, साहित्यालंकार, अन्तर्ग्रामीय सुहृद साहित्य-गोष्ठी (बलिया-गाजीपुर) की स्थापना कर तीन वर्ष से देहात में साहित्यिक वातावरण उत्पन्न करने का प्रयास, रचनाएं अर्गला (कवि०), निशान्त, विद्यार्थियों से (निबन्ध) आदि। पताः-ग्रा० सोनवानी, पो० कारों जि० गाजीपुर अथवा श्री सर्वोदय हायर सैकिण्डरी स्कूल खरडीहा, पो० करीमुद्दीनपुर, गाजीपुर।

विलास गयासपुरी—'जिन्हें भूल न सका' 'बीथिका' आदि के प्रणेता, फुटकर आपने बहुत लिखा है, पताः-फतहाबाद, मुजफ्फरपुर।

विनायक श्रावण चौधरी—आचार्य, हिन्दी-महोपाध्याय, साहित्य-रत्न, राष्ट्र भाषा प्रचार मंडल के सञ्चालक, प्रमुख रचनाएं हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दी काव्य चर्चा और साहित्य आदि अनेक अनूदित और सम्पादित पुस्तकें, पता:-सञ्चालक राष्ट्र भाषा प्रचार मण्डल, सांगवी, पूर्व खान देश।

विमलारानी 'ममता'—एम० ए०, स्फुट कहानियों और गद्यगीत लेखिका, आपका "अनुराग" (कहा०) प्रकाशित हो चुका है।
पताः-शीलेन्द्र सिंह, एम० ए०, एल० एल० बी०, मेरिसरोड अलीगढ़

विमला कपूर—'नवोदित कलाकार संगम' नई दिल्ली की उपमन्त्राणी, उदीयमान लेखिका, पता:-करौल बाग, नई दिल्ली।

विपिन कुमार—फुटकर लिखते हैं, 'कर्मवीर' 'आगामी कल' और 'जनशक्ति' का सम्पादन, पता:-"जनशक्ति" कार्यालय, राष्ट्रीय प्रेस, इटारसी।

विपिनविहारी वर्मा—स्फुट लेखन, साहित्य सभाओं की आयोजना करते हैं, पता:-बेतिया, चम्पारन।

विपिनबिहारी त्रिवेदी—फुटकर समीक्षात्मक और गहन गवेषणात्मक लेख लिखते हैं पता:-प्राध्यापक, हिन्दी-बिभाग, लखनऊ विश्व विद्यालय।

विनोदकुमार गर्ग—साहित्यिक अभिरुचि, 'बाल भारती' पुस्तकालय के संस्थापकों में, पता:-हरदुआ गंज (हरिगढ़)।

विनोदशंकर व्यास—सुप्रसिद्ध लेखक, 'जागरण' (पाक्षिक) के के भूतपूर्व सम्पादक, "आज" के सम्पादन में योग, प्रमुख-रचनाएं 'मधुकरी' दो भाग, प्रसाद जी की उपन्यास कला। पता:-ज्ञानमन्दिर बनारस।

विश्वानन्द—फुटकर लेखन, 'शान्ति-सन्देश' का सम्पादन, पता:-अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग, कोशी कालेज, खगड़िया, मुंगेर।

विश्वप्रकाश—'हृदय के आंसू' नील-संगिनी, सुहाग का सिन्दूर तथा अनेक बालोपयोगी पुस्तकों के प्रणेता, पता:-कला-प्रेस, इलाहाबाद।

विश्वम्भर "मानव"—मां भारती के पुजारी, प्रमुख रचनाएं शेफाली, सोने से पहिले, निराधार आदि, पता:-आलइण्डिया रेडियो इलाहाबाद।

विश्वम्भर नाथ बाजपेई 'अजेश'—उल्का और रेखा के प्रणेता पता:-फिजीशियन एण्ड सर्जन, बड़वाहा, मध्यभारत।

विश्वम्भर नाथ शर्मा—"साहित्य-सुधाकर" साहित्य और कला प्रेमी, अच्छे चित्रकार, स्वर्ण-पदक विजेता, देश की आशा।

पताः-दिल्ली वाला मुहल्ला, हाथरस।

विश्वम्भरनाथ मेहरोत्रा—एम० ए०, फुटकर समीक्षात्मक लेख, 'नन्ददास का भँवरगीत' (सम्पादित ग्रन्थ) पताः-सारस्वत खत्री पाठशाला हायर सैकिण्डरी, स्कूल, प्रयाग।

विश्वम्भर नाथ 'अग्रवाल'—एम० ए० एल० टी०, एल० एल० बी०, फुटकर साहित्य तथा सामयिक लेखक, 'विचार-धारा' नाम से संग्रह प्रकाशन पथ पर, विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्धित, पताः-गवर्नमेण्ट, नार्मल-स्कूल, बरेली,

विश्वम्भरनाथ द्विवेदी—'साहित्य-रत्न' 'जीवन-सखा' और 'दीपक' सम्पादन, व्यायाम सम्बन्धी फुटकर लेख, पताः-प्राकृतिक स्वास्थ्यगृह, लूकरगंज, प्रयाग।

विश्वम्भर सहाय 'प्रेमी'—राष्ट्रीय आन्दोलनों में सक्रिय भाग, सुप्रसिद्ध कहानी लेखक, 'पञ्चायती-राज' का सम्पादन, प्रमुख रचनाएं क्रान्ति चिरजीवी हो, अभागिनी, कमला, प्रगतिशील आर्य, पताः-बुढ़ाना दरवाजा, मेरठ।

विश्वम्भर प्रसाद गौतम—सामाजिक कार्यकर्त्ता, 'हिन्दुस्तान का इतिहास' के प्रणेता, पताः-वकील, जबलपुर।

विश्वम्भर प्रसाद शर्मा—कई पत्रों के सम्पादन में योग, 'नारी जागरण', 'राष्ट्रपिता का बलिदान' 'महारथी लाजपतराय' राष्ट्रमाता कस्तूर बा आदि पुस्तकों के लेखक, पताः-'आलोक" कार्यालय, गीता ग्राउण्ड सीताबर्डी, नागपुर।

विश्वनाथ—प्रगतिशील साहित्यिक-परम्परा के उन्नायक सम्पादक, 'दिल्ली-प्रेस' के संस्थापक, उच्चकोटि की मासिक पत्रिका "सरिता", मानसरोवर तथा "कारवाँ" (विविध-विषयक अंग्रेजी पत्रिका) का सफलता पूर्वक सम्पादन, पताः-दिल्ली प्रेस, पो० बा० १७, नई दिल्ली।

विश्वनाथ जोशी—फुटकर लेखक, पताः-अध्यापक, सेकसरिया कालेज नवलगढ़ (जयपुर)।

विश्वनाथ चतुर्वेदी—स्फुट लेखन, अध्यापन वृत्ति, पताः-नाई वाली गली, मथुरा।

विश्वनाथ तिवारी—पत्र-प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यिक संस्थाओं से सहयोग। पता--प्राध्यापक, सतीशचन्द्र कालेज बलिया।

विश्वनाथ बूबना—'अभिनय' (सिने-मासिक) का सम्पादन। पताः-३५, बड़तल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता।

विश्वनाथ राय—एम. ए. एल. एल. बी., चीन की राज्यक्रान्ति साम्य अर्थ शास्त्र, हिटलर आदि पुस्तकों के प्रणेता। पताः-अध्यापक डी. ए. वी कालेज, काशी।

विश्वनाथ मुखर्जी—फुटकर लेखन, साहित्यिक संस्थाओं के सहयोगी। पता:-'किरण साहित्य मण्डल' सिद्धगीर बाग, बनारस।

विश्वनाथ शुक्ल—स्फुट लेखन, हिन्दी प्रचार प्रसार में सक्रिय योग। पताः-अध्यापक, गवर्नमेण्ट हाईस्कूल, बकुण्ठपुर, सुरगुजा (मध्य प्रदेश)

विश्वनाथ शुक्ल एम. ए.—भारत की प्रमुख पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित होती हैं। पता:-द्वारा हिन्दी विभाग अलीगढ़ विश्वविद्यालय।

विश्वनाथ शर्मा—रचनाएं-साध, पतझड़ के गीत, सान्ध्य प्रदीप आदि। पताः-सम्पादक 'राकेश' चुरू, राजस्थान।

विश्वनाथप्रसाद—विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्ध, बिहार के प्रमुख साहित्यिक, 'मोती के दाने' आपका प्रकाशित कविता संग्रह है, स्फुट लेखन। पताः-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, पटना कालेज पटना।

विश्वनाथप्रसाद मिश्र—एम. ए. साहित्य रत्न, प्रमुख रचनाएं पद्माकर-पंचामृत, बिहारी की वाग्विभूति, रस मीमांसा, काव्य निर्णय की टीका आदि। पताः-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, काशी।

विश्वबन्धु शास्त्री—वेद सन्देश वेदसार, वेदों का सर्वाङ्ग सम्पूर्ण विश्वकोश आदि का सम्पादन। पता:-अध्यक्ष विश्वेश्वरानन्द वदिक अनुसंधानालय सभा, शिमला।

विश्वप्रसाद दीक्षित 'बटुक'—'अमर-भारत' 'विश्वबन्धु' अनुराग 'रामराज्य' मेरठ आदि पत्रों का सम्पादन, कई पुस्तकें लिखी हैं। पताः-उपआचार्य, शिमला हिन्दी महाविद्यालय, शिमला।

विश्वमोहनकुमारसिंह—एम. ए., फुटकर लेख, कहानियाँ और उपन्यास लिखे हैं। पता:-आचार्य, चन्द्रधारी मिथिला कालेज, दरभंगा।

विश्वनाथ तिवारी—पत्र-प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यिक संस्थाओं से सहयोग। पता--प्राध्यापक, सतीशचन्द्र कालेज बलिया।

विश्वनाथ बूबना—'अभिनय' (सिने-मासिक) का सम्पादन। पताः-३५, बड़तल्ला स्ट्रीट, कलकत्ता।

विश्वनाथ राय—एम. ए. एल. एल. बी., चीन की राज्यक्रान्ति ग्राम्य अर्थ शास्त्र, हिटलर आदि पुस्तकों के प्रणेता। पताः-अध्यापक डी. ए. वी कालेज, काशी।

विश्वनाथ मुखर्जी—फुटकर लेखन, साहित्यिक संस्थाओं के सहयोगी। पताः-'किरण साहित्य मण्डल' सिद्धगीर बाग, बनारस।

विश्वनाथ शुक्ल—स्फुट लेखन, हिन्दी प्रचार प्रसार में सक्रिय योग। पताः-अध्यापक, गवर्नमेण्ट हाईस्कूल, बकुण्ठपुर, सुरगुजा (मध्य प्रदेश)

विश्वनाथ शुक्ल एम. ए.—भारत की प्रमुख पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित होती हैं। पताः-द्वारा हिन्दी विभाग अलीगढ़ विश्वविद्यालय।

विश्वनाथ शर्मा—रचनाएं-साध, पतझड़ के गीत, सान्ध्य प्रदीप आदि। पताः-सम्पादक 'राकेश' चुरू, राजस्थान।

विश्वनाथप्रसाद—विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्ध, बिहार के प्रमुख साहित्यिक, 'मोती के दाने' आपका प्रकाशित कविता संग्रह है, स्फुट लेखन। पताः-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, पटना कालेज पटना।

विश्वनाथप्रसाद मिश्र—एम. ए. साहित्य रत्न, प्रमुख रचनाएं पद्माकर-पंचामृत, बिहारी की वाग्विभूति, रस मीमांसा, काव्य निर्णय की टीका आदि। पताः-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, काशी।

विश्वबन्धु शास्त्री—वेद सन्देश वेदसार, वेदों का सर्वाङ्ग सम्पूर्ण विश्वकोश आदि का सम्पादन। पताः-अध्यक्ष विश्वेश्वरानन्द वैदिक अनुसंधानालय सभा, शिमला।

विश्वप्रसाद दीक्षित 'बटुक'—'अमर-भारत' 'विश्वबन्धु' अनुराग 'रामराज्य' मेरठ आदि पत्रों का सम्पादन, कई पुस्तकें लिखी हैं। पताः-उपआचार्य, शिमला हिन्दी महाविद्यालय, शिमला।

विश्वमोहनकुमारसिंह—एम. ए., फुटकर लेख, कहानियाँ और उपन्यास लिखे हैं। पताः-आचार्य, चन्द्रधारी मिथिला कालेज, दरभंगा।

विट्ठलदास बजाज—प्रबन्धक 'नवप्रभात' 'हिन्दी-दैनिक' स्फुट लेखन। पताः-रामजी की गली, उज्जैन।

विश्वेश्वरनाथ रेउ 'महोपाध्याय'—प्रमुख रचनाएं-मारवाड़ का इतिहास, शिवपुराण, मेवाड़ गौरव आदि। पताः-जोधपुर।

विश्वेश्वरनारायण 'विजूर'—कई भाषाओं के जानकार फुटकर लेखन। पताः-अध्यापक, गणपति हाईस्कूल मंगलौर।

विष्णु अम्बालाल जोशी—एम० ए०, "वह" (कहानी-संग्रह) प्रकाशित हो चुका है। पता-अध्यक्ष हिन्दी-विभाग, राजकीय कालेज अजमेर।

विष्णुकुमार शर्मा—स्फुट कविताएं और लेख, 'विद्यार्थी-कांग्रेस हाथरस के प्रचार मंत्री। पता-शर्मा-सदन, हरदुआगंज (अलीगढ़)।

विष्णुकुमारी श्रीवास्तव 'मंजु'—स्त्री 'दर्पण' की भू० सम्पादिका, मीरापदावली, दुखिया दुलहिन आदि की लेखिका। पता-"मंजु-निलय' नवाब गंज, कानपुर।

विष्णुदत्त मिश्र 'तरंगी'—"जय काश्मीर" नामक महाकाव्य के प्रणेता (जिसकी कि प्रस्तावना श्री के० एम० करिप्पा ने लिखी है) पता-६२, रामनगर, नयी दिल्ली।

विष्णुदत्त पोडियाल वैद्य—फुटकर लेखन। पता-गली पटवान टालू बाजार, भिवानी, हिसार।

विष्णुशरण 'इन्दु'—फुटकर लेखन। पता—२२३, दामोदर विल्डिंग, सराय लालदास, मेरठ।

विष्णु 'प्रभाकर'—'हिन्दुस्तान' द्वारा कहानी प्रतियोगिता में ३५०) रु० का पुरस्कार प्राप्त, प्रमुख रचनाएं-आदि और अन्त रहमान का बेटा, ढलती रात, पराग आदि, प्रमुख प्रगतिशील लेखक। पताः-पो० बा० ११८७, १७२३ पीपल महल, दिल्ली।

विष्णुप्रसाद 'व्यास'—कई पत्रों का सम्पादन, रचनाएं—समाज-सेवा, स्वास्थ्य-स्वच्छता। पताः-सह-सम्पादक "मध्य-भारत सन्देश", ग्वालियर।

विष्णुराम सनावद्या 'सुमनाकर'—हिन्दी के लेखक, कवि, सम्पादक और व्याख्याता, नीमाड़-समाचार (सा०) का संपादन। रचनाएं-'सदुपदेश-सुधा', 'सुविचार दिवाकर'।

पताः-'साप्ताहिक नीमाड़-समाचार' कार्यालय मु० पो० ऊन, वाया-खरगौन, मध्य-भारत।

वी० आर० कुञ्ज कृष्णन्—दक्षिण में हिन्दी-प्रचार, स्फुट लेखन। पता:-प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, विश्वविद्यालय, ट्रावनकोर।

वी० डी० ज्ञानी—दक्षिण में हिन्दी-प्रचार, फुटकर लेखन।
पता:-मुख्य शिक्षक, शुद्धाद्वैत वैष्णव हाई स्कूल, मद्रास।

वी० पी० वर्मा "भरसरी"—फुटकर कहानियाँ लिखते हैं।
पता:-भरसर, बलिया।

वीणा श्रीवास्तव, कुमारी, बी० ए०—स्फुट लघु कथाएं लिखती हैं, वाद्यकला का शौक, प्रान्त की महान् विभूति रामानुजलाल श्रीवास्तव की सुपुत्री। पता:-शिक्षिका हितकारिणी गर्ल्स स्कूल, जबलपुर अथवा द्वारा क्रियाशील कलाकार मण्डल, ६४०, साठियां कुआं, जबलपुर।

वीरहरि त्रिवेदी—चाणक्य-नीति, झांसी की रानी आदि, आपकी प्रकाशित कृतियां हैं। पता:-काटन ट्रेडिङ्ग कम्पनी, देवनगर, कानपुर।

वीरसिंह जू देव—(महाराज बहादुर सवाई महेन्द्र) 'देव-पुरस्कार' जो कि दो हजार रुपये का है प्रतिवर्ष सर्व श्रेष्ठ काव्य-ग्रन्थ पर दिया जाता है, सर्व-प्रथम यह पुरस्कार दुलारेलाल भार्गव को मिला, मां शारदा के अनन्य भक्त और कवि। पता:-ओरछा।

वीरेन्द्र पाण्डेय—"हमारी बात" (सा०) ज्योत्स्ना (मा०) के सम्पादन में योग, वर्त्त० 'उत्थान' (सा०) के सहयोगी सम्पादक। रचनाएं-जनतन्त्र-खतरे में, मेंढकों की बस्ती, चीनी फूलदान आदि। पता:-गनेशगञ्ज, लखनऊ।

वीरेन्द्र विद्यार्थी—फुटकर कविताएं और लेख। पता:-अध्यापक, पृथ्वीनाथ हाई स्कूल, कानपुर।

वीरेन्द्र श्रीवास्तव—एम० ए०, (हिन्दी-संस्कृत) मुण्डा और उड़िया भाषा का अध्ययन, 'जैतवाद' तथा फुटकर दार्शनिक लेख प्रकाशित। पता:-अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग, राँची कालेज, राँची।

वीरेन्द्र नारायण—फुटकर एकांकी और कहानियाँ लिखते हैं, 'राष्ट्रवाणी' के सम्पादन में योग, रामवृक्ष बेनीपुरी के सम्पादकत्व में निकलने वाली मासिक पत्रिका 'नयी-धारा' के सम्पादक-मण्डल में, पता:-'नयी-धारा' कार्यालय, महेन्द्रू, पटना।

वीरेन्द्रसिंह चौहान—फुटकर लेखन, सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्त्ता। पता:—'प्रजा मण्डल' कार्यालय, जयपुर।

वीरेन्द्रपालसिंह 'वरुणा'—जमुना के किनारे, गोशाला तथा अनेक फुटकर लेख। पताः-धान मण्डी, मिडिल स्कूल, उदयपुर (मेवाड़)।

वृन्दावनलाल वर्मा—राष्ट्रपति द्वारा 'लोक-परिषद्' के लिए मनोनीत सदस्य, "स्वाधीन" (सा०) के भूतपूर्व सम्पादक, प्रमुख रचनाएं-मृगनयनी (पुरुस्कृत) हंस मयूर अचल मेरा कोई, राखी की लाज, पूर्व की ओर, गढ़ कुण्डार आदि। विभिन्न पाठ्य-ग्रन्थों में आपकी पुस्तकें स्वीकृत हैं, सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक नाटककार, उपन्यासकार एवं कहानीकार। कुल मिलाकर आपकी प्रकाशित-अप्रकाशित चालीस पुस्तकें हैं। पताः-मयूर-प्रकाशन, झांसी।

वृन्दावन बिहारी—आल-इण्डिया रेडियो, पटना से 'रूपक' ब्राडकास्ट करते हैं, 'मधुवन' 'लालचन्द' 'आकांक्षा' आदि आपकी प्रकाशित-कृतियाँ हैं पताः-अध्यापक, टाउन स्कूल, आरा।

वेंकटेश शर्मा 'प्रभात'—'तुलसी-बन्दना', 'डिङ्गल-साहित्य की महत्ता', आदर्श महापुरुष, गाँधी गरिमा आदि आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं। पताः-हिन्दी-अध्यापक, उम्मेद हाई स्कूल, जोधपुर।

वेंकटेश चन्द्र पाण्डेय—कई साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्धित, 'चप्पल' 'मेरा-टामी' प्रकाशित रचनाएं। पताः-राजकीय हाई स्कूल, अलीगढ़।

वैणु कुमारी शुक्ल—फुटकर कहानियां लिखती हैं। पताः-कैण्ट रोड, देहरादून।

वेणीप्रसाद शर्मा 'दिनेश'—जन्म १६०८, साप्ताहिक "नीमाड़-समाचार" के सञ्चालक, 'भगवान-पुस्तकमाला' के व्यवस्थापक, दिन रात चिन्तन मनन एवं साहित्याराधना। रचनाएं-पावागिरि भजनावली', 'सत्यनारायण-कथा', 'भजन-पुष्पाञ्जली', 'पावागिरि-सुमन-संचय। पताः-शान्ति-कुटीर, मु० पो० ऊन, जि० नीमाड़, वाया-खरगौन, (मध्य-भारत)

वैणीमाधव शर्मा—"हमारा-हिन्दी-साहित्य" प्रकाशित-कृति है, पताः-"अमर-भारती" प्रेस, काशी।

वैदेही शरण दुबे—'गीता-बोध' 'वैदेही बिहंगम' आदि के प्रणेता, सामाजिक-कार्यकर्त्ता। पताः-दिघवालिया, कचनार, सारन।

व्योहार राजेन्द्रसिंह—गांधीजी के रचनात्मक कार्यक्रम में विशेष रूपसे सक्रिय-भाग लिया; सामाजिक, राजनीतिक और साहित्यिक

कार्यों में सम रूप से अभिरुचि, रचनाएं-ग्राम-सुधार, त्रिपुरी का इतिहास, मौन के स्वर, ग्रामों का आर्थिक पुनरुद्धार।

पताः-साठियाँ कुआं, जबलपुर।

व्रजकिशोर नारायण—हिन्दी-मिलाप, लोकमान्य 'हिन्दुस्तान' बम्बई आदि पत्रों का सम्पादन। रचनाएं-सिंहनाद, यशस्विनी आदि। पताः-'रोशनी' कार्यालय, शिक्षा-समिति, बिहार-सरकार, पटना।

व्रजकिशोर मिश्र—एम० ए०, फुटकर लेखन 'रत्नाकर का उद्धव-शतक' नामक आलोचनात्मक पुस्तक लिखी है।

पताः-प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय।

व्रजभूषण मिश्र—प्राकृतिक चिकित्सा विषयक लेखक, प्रमुख रचनाएं-सरल स्वास्थ्य, केवल पन्द्रह मिनट, अपने डाक्टर बनो, ब्रह्मचर्य आसान है, आदि। 'जीवन-सखा', 'निर्भीक' 'भक्त-भारत' पत्रों का सम्पादन। पताः-२३, मदन मोहन घेरा, वृन्दावन।

व्रजभूषण शर्मा—रचनाएं-कामायनी का विवेचन, सिद्धराज-समीक्षा आदि आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं। पताः-राजकीय इण्टर कालेज, प्रयाग।

व्रजभूषणसिंह 'आदर्श'-पत्रकार और पत्र-प्रतिनिधि, 'बालनाद' कविता संग्रह, इसके अतिरिक्त आपने कई पुस्तकें और लिखी हैं।

पताः-२४७, सिविल-लाइन, नागपुर।

वी० एन० मेहता—एम० ए०, पी० एच० डी०, नागरिक शास्त्र की अनेक पुस्तकों के प्रणेता। प्रमुख पुस्तकें-भारतीय शासन और नागरिक जीवन, नागरिक-शास्त्र के सिद्धान्त, नवीन हाई स्कूल भूगोल। पताः-प्राध्यापक, बलवन्त राजपूत कालेज, आगरा।

व्रजमोहन तिवारी—झलक (कवि०) प्रकाशित, समीक्षात्मक लेख और फुटकर कहानियां भी लिखते हैं। पताः-प्राध्यापक, अँग्रेजी विभाग, कान्यकुब्ज कालेज, लखनऊ।

व्रजलाल व्रजेन्द्र—"अखण्ड-भारत" दैनिक बम्बई के भूतपूर्व सम्पादक, फुटकर लेखन। पताः-४।२०४, पुराना कानपुर।

विजयकान्ता श्रीवास्तव—भावुक कवियत्री, स्फुट लेखन।

पताः-चेरीताल, जबलपुर।

व्रह्मदेव मिश्र—स्फुट निबन्ध एवं कहानियाँ। पताः-बोड़ी का पुरा, पो० मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर (उ० प्र०)।

शङ्करदेव विद्यालङ्कार—रचनाएं-अन्तिम-पाठ, कोरिया की स्वातन्त्र्य कथा, धूम्रकेतु की कहानियाँ, अध्ययन-अध्यापन ।

पता:-गुरुकुल विश्वविद्यालय, हरिद्वार ।

शङ्करसिंह भदौरिया—साहित्य-प्रेमी, हिन्दी प्रचार-प्रसार में योग, स्फुट लेखक । पता-कल्पना कुटीर, दतिया ।

शङ्करलाल भण्डारी 'शंकर'— फुटकर लिखते हैं। पता:-आज़ाद नवयुवक संघ, मकरन्द नगर, कन्नौज ।

शङ्करराव देशपांडे—फुटकर लेखन, हिन्दी प्रचार कार्य और सामाजिक कार्यकर्त्ता । पता:-हिन्दी प्रचार-सभा, हलीखेण्ड, बीदर (दक्षिण) ।

शङ्करनाथ सुकुल—'हिन्दुस्तान-टायम्स' के भूतपूर्व सम्पादक, 'केशव-ग्रन्थावली', मतिराम-ग्रन्थावली' प्रकाशित कृतियां हैं ।

पता:-अध्यापक, मधुसूदन विद्यालय हाई स्कूल, सुलतानपुर (अवध) ।

शङ्करलाल वर्मा—जगन्नाथ यात्रा, त्रिमूर्त्ति आदि आपकी प्रकाशित कृतियाँ । पता:-मुख्य-शिक्षक, शाला-डोभी, पो० डोभी, होशङ्गाबाद ।

शङ्करलाल मगनलाल 'राम'—प्रकाशित रचनाएं--सद्गुण--कीर्त्तन, दिव्य-किशोरी, आदि । पता:-५४।२१ पश्चिम नहर किनारा, कानपुर ।

शङ्करलाल नागदा 'मधु'— कई पत्रों के सम्पादक, फुटकर लेख और कहानियाँ । पता:-जावद, मालावा ।

शङ्कर सहाय सक्सेना—राजनीति, अर्थ शास्त्र और ग्राम्य-समस्याओं के सुप्रसिद्ध लेखक. आपकी कई पुस्तकें पाठ्य-क्रमों में स्वीकृत हैं । प्रमुख रचनाएं-भारतीय सहकारिता आन्दोलन, आर्थिक भूगोल, अर्थ शास्त्र, गांवों की समस्याएं ।

पता:-अध्यापक, बरेली कालेज, बरेली ।

शम्भुदयाल सक्सेनाः--सुप्रसिद्ध लेखक, प्रमुख रचनाएं-रैन-बसेरा, बंचिता, अमरलता, नीहारिका, साधना पथ, धूप-छाँह आदि अनेक सम्पादित और सृजित पुस्तकें, आपने बालोपयोगी अनेक पुस्तकें लिखी हैं । पता-प्राध्यापक, सेठिया कालेज, बीकानेर

शम्भुनाथ 'शेष':—राजधानी के प्रमुख कवि, अपकी रचनाएं प्रमुख पत्रों में छपती हैं, 'उन्मीलिका' आपकी प्रकाशित कृति है ।

पता-चूना मण्डी, नयी दिल्ली ।

शम्भुनाथ पाण्डेय:--आयुर्वेद विषयक फुटकर लेखन।
पता-मन्त्री, शारदा भवन लाइब्रेरी, रामपुर, फतेहपुर।

शम्भुनाथ सक्सेना:--'सरिता' दिल्ली, 'विश्वमित्र' दिल्ली आदि पत्रों के भूतपूर्व यशस्वी सम्पादक, वृहत्तर ग्वालियर पत्रकार-संघ तथा साहित्यकार संघ के पदाधिकारी, रचनाएं-कब्रों की दुनिया, पतझड़, मधुमक्खी-पालन, जीवन के प्रश्न आदि आपकी प्रसिद्ध प्रकाशित कृतियाँ हैं। पता-मदने की गोट, लश्कर, ग्वालियर।

शम्भुप्रसाद 'बहुगुणा':—एम० ए०, सम्पादक नागिनी, नन्दिनी, मौलिक रचनाएं-हिमवन्त का एक कवि, शबरी मङ्गल आदि, सुप्रसिद्ध लेखक, अध्यापन। पता-प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, आइसा बेला, थोवर्न कालेज, लखनऊ।

शम्भुरत्न 'मुकुल':—'शांति' और 'छाया' का सम्पादन, प्रमुख रचनाएं-स्नेहदान, अश्रुगीत, पत्थर की दीवारें, भीगी रात; अमावस आदि। पता-कोषाध्यक्ष, कानपुर शुगर वर्क्स, कानपुर।

शम्भूदयाल 'माथुर':—जन्म-७ जून १६३२, कई प्रसिद्ध पत्रों का प्रतिनिधित्व, लोकमत बीकानेर व 'राजस्थान-सन्देश' अजमेर के भू० संयुक्त सम्पादक, कार्यालय अध्यक्ष-गुलाब देवी अभिनन्दन ग्रन्थ समिति, अध्यक्ष तरुण संस्था, सिविल लाइन्स अजमेर, "मीरा" अजमेर के वर्त्तमान प्रधान सम्पादक। पता-"मीरा" कार्यालय, सिविल लाइन्स, अजमेर।

शम्भूलाल शर्मा:—स्फुट कविताएं और लेख 'विद्या-विनोद' के भू० सम्पादक। पता-मुख्य-शिक्षक, लंबरदार स्कूल, उदयपुर।

शम्भूलाल 'मुकुल':—'युगपथ' अन्तर्दाह, समाज की वेदी पर, आदि पुस्तकों के प्रणेता। पता-"प्रकाश" कार्यालय, देवघर, बिहार।

शकुन्तला 'प्रभाकर'--फुटकर कविताएं और कहानियाँ लिखती हैं, श्रमजीवी लेखक मण्डल की पदाधिकारिणी,। पता-मुख्य शिक्षिका, आर्य पुत्री पाठशाला, ताँदलिया वाला, लायलपुर।

शकुन्त भारद्वाज:--दीपदान और बुदबुदे आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं, 'सम्मेलन पत्रिका' बीकानेर के संस्थापक। पता-प्राणथ-नीड़, चुरू।

शकुन्तला रानी 'रजनी':—भावुक कवियत्री, विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में स्फुट गीत प्रकाशित, उदीयमान आशा। पता-द्वारा ला० कामाक्षा प्रसाद जी रईस, साहूकारा, बरेली।

शकुन्तला कुमारी "रेणु":—फुटकर लिखती हैं। पता-नवरत्न सरस्वती-भवन, झालरापाटन-सिटी।

शकुन्तलादेवी खरेः—सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री नर्मदा प्रसाद खरे की विदुषी पत्नी, फुटकर कविताएं और कहानियाँ। पता-फूटा ताल जबलपुर।

शचीरानी गुर्टूः—एम० ए० (हिन्दी-इङ्गलिश) साहित्याचार्य (संस्कृत) "प्रवाह" (मासिक) की यशस्वी सम्पादिका, प्रमुख रचनाएं-विश्व की प्रधान नारियाँ, कला-दर्शन, टूटता धागा और रेखा चित्र आदि कई प्रकाशित कृतियाँ हैं। पता-७।२३ दरियागंज दिल्ली।

शचीनन्दन प्रसाद सिंहः—'मधुयामिनी' आपका प्रकाशित कविता संग्रह है,। पताः—राजपाटी, मुंगेर।

शमशेर बहादुर सिंहः—आपकी उच्चकोटि की प्रयोगवादी कविताएं, लेख और आलोचनात्मक निबन्ध हंस, प्रतीक, नया-साहित्य आदि प्रगतिशील पत्रों में छपते हैं। पता-बम्बई।

शमशेरबहादुर सिंहः—रचनाएं-दो पाप, प्लाट-मोर्चा तथा कई अनूदित पुस्तकें। पताः-'माया' प्रेस, इलाहाबाद।

शमशेरबहादुर सक्सेनाः—फुटकर लेखन। पता-प्राध्यापक, हरप्रसाद जैन कालेज, आरा।

शमंनलाल अग्रवालः—'सैनिक' साहित्य-सन्देश, ज्योति और सावधान का सम्पादन किया, कई साहित्यिक संस्थाओं से सहयोग, चरणों में, हिटलर, निबन्ध द्वादशी आदि आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं। घीयामण्डी, मथुरा।

शशिकुमार त्रिपाठीः—साहित्यिक अभिरुचि, हिन्दी प्रचार में योग। पता-सोम-सदन, दतिया।

शशिधर बाजपेयीः—'साहसी युवराज' आपकी प्रकाशित कृति है, सदस्य-प्रगति शील लेखक सघ। पताः-मॉडर्न आयुर्वेदिक फार्मेसी, मुंगेर।

शरदचन्द्र भटोरेः—प्रमुख रचनाएं-शान्ति-सन्देश—वाहक महात्मा गान्धी, हमारी प्रतिज्ञा आदि। पता-४ धारेश्वर, धार।

शान्ति पाण्डेय श्रीमतीः—फुटकर कविताएं। पता-गुणराज-सिंह भवन, सलेमपुर, छपरा।

शान्तिप्रसाद बालभट्टः—'कल्पना-मन्दिर' के संस्थापक, आदर्श पुस्तकालय के जन्मदाता, 'रूपक' ललिता, आदि के सम्पादन में

योग, प्रमुख रचनाएं-भयंकर भूल, रचना-सहचरी। पता-बनिया-पाड़ा, मेरठ।

शान्ता शर्मा,श्रीमतीः—स्फुट लघु कथा और शब्द-चित्र लेखिका फिल्म क्रिटिक, भारत के प्रसिद्ध विद्वान, विद्यावाचस्पति श्री मधुसूदन की पौत्री हैं। पता-मधुसूदन-भवन, परिडत जी का बाग गान्धी नगर, जयपुर (राजस्थान)

शान्तिप्रिय द्विवेदीः—भारत के सुप्रसिद्ध साहित्य-सेवी, 'कमला' 'भारत' और 'वीणा' के भूतपूर्व सम्पादक, प्रमुख रचनाएं जीवन यात्रा, साहित्य की सञ्चारिणी सामयिकी आदि कई पुस्तकों के प्रणेता। पता-गोलार्क कुण्ड, काशी।

शान्तिप्रिय आत्माराम जीः—बड़ौदा राज्य में हिन्दी-प्रचार, सभासद् नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, प्रकाशन-सृष्टि-विज्ञान, गुजराती हिन्दी-शिक्षा, आलमगीर के पत्र, आदि। रजिस्ट्रार आर्य विश्व विश्व विद्यालय, बड़ौदा। पता-आत्माराम पथ, बड़ौदा।

शान्ति मेहरोत्राः—एम० ए०, सम्पादिका "भारत-जननी" प्रकाशन-निष्कृति, मरीचिका, रेखा आदि। आपको करीब करीब सभी पुस्तकों पर पारितोषिक प्राप्त हो चुका है। पताः-इलाहाबाद।

शारदाप्रसादः—'मानस संघ' का संगठन एवं सञ्चालन, 'राम-चरितमानस' में वीररस पुस्तक के प्रणेता। पता-पो० रामवन (वायासतना)।

शान्तिस्वरूप 'अज्ञात':—जन्म-२, जुलाई १६३४, संयोजक 'कलाकार-समुदाय' सदस्य 'साहित्य-परिषद्' हाथरस, कवि और कहानी लेखक, कई पत्रों में कहानियाँ प्रकाशित। पता-पं०गोविन्द-राम वेदाचार्य व्यास, सहपऊ (मथुरा)।

शत्रुशल्य रावः—फुटकर कविताएं, इतिहासज्ञ। पता-बूँदी (राजस्थान)।

शत्रुघ्न भार्गवः—एम० ए०, बी० टी०, 'किशोर-भारती' प्रयाग किशोरीरमण कालेज मैगजीन मथुरा का सम्पादन, प्रतिष्ठित मासिक पत्रों में लेखादि, लखनऊ विश्वविद्यालय में अन्वेषण कार्य, हिन्दी की उच्च कक्षाओं में अध्यापन,। पता-किशोरी रमण डिग्री कालेज मथुरा, अथवा गोविन्द ठेक, घीया-मण्डी, मथुरा।

शालि ग्राम द्विवेदीः—'श्रीशारदा' के उप सम्पादक रहे, नवीन पत्र-प्रकाश, समर सखा आदि आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं।

पता-सुपरिटेंडेंट, गवर्नमेण्ट नार्मल स्कूल, रायपुर।

शारङ्ग-पाणि—दक्षिण-भारत में हिन्दी प्रचार-प्रसार में सक्रिय योग, फुटकर लेखन। पता—सह-सम्पादक "दक्खिनी-हिन्द", त्यागराय नगर, मद्रास।

शारङ्गधर शामजी—हिन्दी प्रचार में योग, फुटकर लेखन। पताः-रावले, नासिक, महाराष्ट्र।

शिखरचन्द जैन—'खण्डेलवाल जैन हितेच्छु' के सम्पादक रहे, प्रमुख रचनाएं-हिन्दी-नाट्य चिन्तन, गुनगुन, सूर-एक अध्ययन आदि। पताः-मोती महल, दीतवारिया, इन्दौर।

शिवकुमार आर्य—हिन्दी का पैदल घूम-घूमकर अहिन्दी प्रान्तों में प्रचार, फुटकर लेखन। पताः-हिन्दी-प्रचार-सभा, गुलबर्गा (दक्षिण)

शिवकुमार ओझा—एम० ए०, नेहरू की झांकी, सोहाग दान आदि आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं। पताः-८२, सेण्ट्रल एवेन्यू, कलकत्ता।

शिवकुमार शर्मा—कृषि-विशेषज्ञ, राष्ट्रीय कार्यकर्त्ता, "कृषि--संसार" का सम्पादन--प्रकाशन, धरती माता के प्राण, अमृत और विष, खाद ही राष्ट्रीय सम्पत्ति है, आदि आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं। पताः—"भारती--प्रेस", बिजनौर।

शिवकुमार श्री वास्तव—"पावस-गीत', ताजमहल आदि आप की प्रकाशित कृतियाँ हैं। पताः-सदर-बाजार, सागर।

शिवकुमार त्रिपाठी 'सन्तप्त'—फुटकर पत्रों का सम्पादन, 'धूप-छांह', आरती (कवि०) मंदिर का अन्त और नारी (कहा०) आदि आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं। पताः-दोस्तपुर, सुल्तानपुर।

शिवचन्द्र 'नागर'—'प्रणय-गीत', ज्योत्स्ना, ध्रुवस्वामिनी देवी, किसका अपराध आदि तथा अनेक अप्रकाशित पुस्तकें एवं बालोपयोगी साहित्य के प्रणेता, नई पीढ़ी के उदीयमान कवि और लेखक। पता-ग्वालियर लॉज, गुजराती स्ट्रीट, मुरादाबाद।

शिवचन्द्र 'शुक्ल'—फुटकर लेखन, पताः-शान्ति कुटीर, छुलाहा, रायबरेली।

शिवचरण चतुर्वेदी 'योगीराज'—साहित्य साधना और विश्व कल्याण में रत, प्रकाशन Glad Tidings, True Education, The way of Success happiness, Vishwa Kalyan Dharma आदि। 'विश्व कल्याण' (पा०) के संस्थापक, विश्वकल्याण धर्म, विश्वकल्याण औषधालय

प्रमुख लेखक—

डाक्टर श्रीकृष्णनारायणसिंह

(परिचय पृष्ठ २०७)

यशवन्त कुमार

"नयन"

(परिचय पृष्ठ २०३)
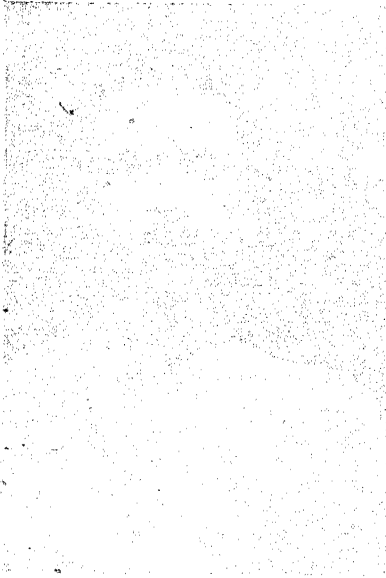
और विद्यालय के संस्थापक। पता:—१।४६६, ब्रह्मकुण्ड, वृन्दावन (मथुरा)

शिवचरणलाल 'शिव' मालवीय—'कर्मयुग' स्वराज्य और 'विक्रम' (सा०) आदि पत्रों का सम्पादन, फुटकर लेख और कहानियाँ लिखते हैं। पता:-शिव निवास, हरीगञ्ज, खण्डवा।

शिवदत्त शर्मा 'शास्त्री'—'शैल शिला' और 'प्रभाती' के प्रणेता पता:-इन्द्रदत्त शर्मा वैद्य, समीप घण्टाघर, संभल, मुरादाबाद।

शिवदत्त श्रीवास्तव—साहित्यक अभिरुचि, लेखन फुटकर। पता:-सरस्वती निकुञ्ज, पुराना बोर्डिंग हाउस, हरदोई।

शिवदानसिंह चौहान—एम. ए., मार्क्सवादी तरुण आलोचकों में प्रमुख, मार्क्सवादी पत्रिका 'प्रभा' हंस और 'नया हिन्दुस्तान का सम्पादन किया युग के प्रतिनिधि प्रगतिशील आलोचक, कई आलोचनात्मक पुस्तकें प्रकाशित, जिनमें कि आपके स्फुट समीक्षात्मक लेख संग्रहीत है, वर्तमान 'आलोचना' का सम्पादन। पता:-आलोचना कार्यालय, १-फैज बाजार, दिल्ली-७।

शिवनन्दनप्रसाद—प्रमुख रचनाएं-जुल्म का नंगा नाच, हमारा मित्र चीन, पांचवाँ दस्ता, तानाशाही चंगुल आदि। नागपुर की दलित जातियों में हिन्दी का प्रचार प्रसार। पता:-भट्टाचार्जी लेन, अपर बाजार, राँची।

शिवनन्दन प्रसाद—एम० ए०, साहित्य रत्न, विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्ध, रचनाएं-पंत जी का गुञ्जन, काव्यालोचन के सिद्धान्त, ध्र वतारा और शंखनाद आदि कई पुस्तकों के प्रणेता, पता:-प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, जी० बी० बी० कालेज, मुजफ्फरपुर

शिव नाथ दुबे—फुटकर लेखन, पता:-सम्पादकीय-विभाग "कल्याण" (मा०) गोरखपुर।

शिवनाथ—एम० ए०, साहित्य-रत्न, कई सम्पादित और लिखित ग्रन्थों के प्रणेता, प्रमुख रचनाएं-अनुशीलन, हिन्दी कारकों का विकास तथा सम्पादित हिन्दी-शब्द-संग्रह, वर्त्तमान-हिन्दी-साहित्य। पता:-हिन्दी-भवन, विश्व-भारती, शान्ति-निकेतन।

शिवनाथसिंह 'शाण्डिल्य'—'त्यागी' के भू० सम्पा० रचनाएं चटपटी कहानियाँ, बीरबल की कहानियाँ, सावनमल का इन्साफ, हंसती बोलती तस्वीरें बाल गुलिस्ताँ आदि बालोपयोगी पुस्तकें, लिखी हैं। पता:-माछरा, मेरठ।

शिवनारायण उपाध्याय—संघर्ष का स्वर, रोज की कहानी, दो झोंपड़े आपकी कृतियाँ हैं। पताः–कालमुखी, खण्डवा।

शिवनारायणलाल—फुटकर लेख, जनरल साइन्स रीडर आपकी प्रकाशित कृति हैं। पताः-बैजनाथाश्रम, बछरावाँ, रायबरेली।

शिवनारायणलाल बोहरा—एम. ए. पी. एच. डी. फुटकर लेखन पताः-अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, गवर्नमेण्ट हिन्दी कालेज, रोपड़, अम्बाला।

शिवपूजन सहाय, आचार्य—बिहार के महान साहित्यकार, 'जागरण' 'हिमालय' माधुरी आदि अनेक पत्रों का सम्पादन, द्विवेदी अभिनन्दन ग्रन्थ, जयन्ती स्मारक-ग्रन्थ और राजेन्द्र अभिनन्दन ग्रन्थ का सम्पादन, प्रमुख रचनाएं-देहाती दुनियाँ, विभूति, बिहार का बिहार आदि कई सृजित और सम्पादित पुस्तकें। पताः–सभापति, राष्ट्रभाषा समिति सचिवालय, पटना।

शिवप्रताप 'पाण्डेय'—झाँसी वाली रानी, विद्युल्लता, युक्ति साधन आदि के प्रणेता। पताः–साहित्य-सदन, खोल, (गुड़गाँवा) पञ्जाब।

शिवप्रसाद मिश्र 'रुद्र'—दैनिक सन्मार्ग के सम्पादन में योग, 'सरिता' काशी के सम्पादकों में, फुटकर लिखते हैं। पताः–विश्वनाथ गली, बनारस।

शिवप्रसाद "शिव" व्यास—साहित्यालंकार, रचनाएं कर्म-योग, कल्प-वृक्ष, हिन्दुत्व की ज्वालाएं, पताः–हिन्दी-मन्दिर, नरसिंहगढ़ स्टेट।

शिवप्रसाद लोहानी—फुटकर समीक्षात्मक और विविध विषयों पर लेख, पताः–नूरसराय, पटना।

शिवप्रसाद सक्सेना—एम० ए० (हिन्दी–राजनीति) एल० एल० बी०, प्रतिशोध, समाज से पूछो आपकी कृतियाँ हैं, पताः–राजनीति विभाग, गांधी कालेज, शाहजहांपुर।

शिवबालक राय—साहित्यिक संस्थाओं के सहयोगी, समीक्षात्मक फुटकर लेख, पताः–अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग, एच० डी० जैन कालेज, आरा।

शिवबालक शुक्ल—एम० ए०, फुटकर समीक्षात्मक लेख, पता–प्राध्यापक, रुक्मानन्द क्षत्रिय कालेज, हरदोई।

शिवरत्न शुक्ल "सिरस"—प्रभु-चरित्र, आर्य सनातनी संवाद, शान्त रसालंकार आदि लगभग चालीस पुस्तकों के प्रणेता, पताः–बछरावाँ, राय बरेली।

शिवराम श्रीवास्तव 'मणीन्द्र'—स्फुट कविताएं, पताः-वकील हरई।

शिवलाल द्विवेदी 'गगन'—स्फुट बालोपयोगी कहानियाँ, कविताएं और पहेलियाँ विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित, 'निकुञ्ज' और 'पहेली-कुञ्ज' आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं। पताः-ग्राम-पत्रालय कोरारी कलां, जि० उन्नाव (उत्तर प्रदेश)

शिवशंकर जोशी—'चिराग' 'बीबियों के ताज' आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं, 'भारतीय-संस्कृति-सदन' के लग्नशील कार्यकर्त्ता पताः-भारतीय संस्कृति-सदन, कोठारी मुहाल, रतलाम।

शिवसहाय चतुर्वेदी—प्रमुख रचनाएं-सतीप्रथा का इतिहास, आदर्श बहू, जननी-जीवन आदि आपकी कृतियाँ हैं, पताः-देवरी सागर।

शिशुपालसिंह 'शिशु'—'हल्दी घाटी की एक रात', नदी-किनारे आदि आपकी कृतियाँ हैं, पताः-ऊदी, इटावा।

शीलभद्र—'कामायनी-मीमांसा 'चिर-अतृप्ति' के प्रणेता, 'योगी' के सम्पादन में योग, पताः-व्यवस्थापक, राष्ट्र भाषा, प्रचार समिति वर्धा।

शुकदेव पाण्डेय—एम० एस० सी०, वैज्ञानिक शब्दावली बीजगणित आदि के प्रणेता, पताः-आचार्य, बिड़ला कालेज, पिलानी।

शुकदेव नारायण—बी० ए०, रचनाएं-तीन-ताड़, टेढ़ा क्रम। पताः-पो० बा० ५६, बाँकीपुर, पटना।

शुकदेव राय—फुटकर कहानी और बिहार की लोक कथाओं के प्रणेता "रैन-बसेरा" उपन्यास के प्रणेता, पताः-सह-सम्पादक "हुंकार" (साप्ता०) पटना।

शुकदेव प्रसाद वर्मा—फुटकर लेखन, पताः-बलुआटाल, मोतिहारी।

शुकदेवप्रसाद तिवारी 'निर्बल'—कई पत्रों के सम्पादन में योग, 'राष्ट्र की ध्वनि' होली की राख, ग्राम-गीता आदि के प्रणेता, पताः-'निर्बल' निकेतन, सोहागपुर।

शैलकुमार दत्त—'चावल के दाने' 'बंगाल का अकाल' आदि आपकी कृतियाँ हैं, पताः १०।१०० खलासी लाइन, कानपुर।

शैलकुमारी चतुर्वेदी—विशारद, प्रभाकर पाकशास्त्र, महिला गीताञ्जलि कमला नेहरू आदि आपकी कृतियाँ हैं, पताः-श्री उमेश चतुर्वेदी, जयपुर।

शैलबाला—'दक्षिण-भारत' में हिन्दी प्रचारक, फुटकर लेखन' पता:-हिन्दी प्रचार-सभा, हैदराबाद (दक्षिण)।

श्यामाचरनलाल 'श्याम'—जन्म भाद्रपद १६६४ सं० सुललित गीतकार और सुगायक, सतत चिन्तन, मनन और साहित्य साधना में रत, भावुक कवि, स्फुट कविताओं के कई अप्रकाशित संग्रह। पता:-काली मन्दिर, पसरट्टा, हाथरस, उत्तर प्रदेश।

श्यामदत्त 'मिश्र'—विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय सहयोगी, सैनिक (दैनिक) आगरा, प्रदीप गया आदि का सम्पादन, रघुवीर गाथा और रीतिकाल के कवि आपकी कृतियाँ हैं। पता:-प्रधान, हिन्दी अध्यापक, राजेन्द्र विद्यालय, गया।

श्यामसलिल—हिन्दू पञ्च और प्रभाकर का सम्पादन, फुटकर लेखन। पता:-नन्दकुटीर, मुंगेर।

श्यामनारायण कपूर—विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय कार्यकर्त्ता, विज्ञान की कहानियाँ, भारतीय वैज्ञानिक, साबुन विज्ञान आदि उपयोगी पुस्तकों के लेखक। पता:-साहित्य निकेतन, श्रद्धानन्द पार्क, कानपुर।

श्यामनारायण पाण्डेय—'वीर रस' के सर्वाधिक लोकप्रिय कवि 'हल्दी-घाटी' नामक महाकाव्य पर आपको दो हजार रुपये का देव पुरस्कार प्राप्त हुआ है, प्रमुख रचनाएं-हल्दी-घाटी, जौहर, त्रेता के दो वीर, आदि प्रसिद्ध काव्य पुस्तकों के प्रणेता। पता-सारंग तालाब बनारस कैण्ट।

श्याम बर्थवार—'चिनगारी' क्रांति (सा०) का सम्पादन किया, 'वैज्ञानिक समाजवाद' लेनिन और स्टालिन, बन्दियों का स्वर्ग आदि कई प्रसिद्ध पुस्तकें लिखी है। पता:-कचहरी रोड, गया।

श्यामबहादुरसिंह—फुटकर लेख कहानियाँ लिखते हैं, बम्बई में हिन्दी प्रचार में योग। पता १०६, पारसी बाजार स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई

श्याममनोहर त्रिपाठी—दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार। पता:-व्यवस्थापक, हिन्दी परीक्षा-केन्द्र, संगारेड्डी, मेदक (दक्षिण)

श्यामलाल राठौर—दक्षिण-भारत में हिन्दी प्रचार-प्रसार में योग, फुटकर लेखन। पता:-मंत्री, हिन्दी प्रचार-सभा, नाँदेड़ (दक्षिण)।

श्यामलाल कुटरियार—फुटकर वैज्ञानिक लेख लिखते हैं। पता:-ग्राम अकबरपुर, गया।

श्यामवदन पाठक, 'श्याम'—रेडियो से कविता और कहानियों का प्रसरण, 'सरदार पटेल' 'सरोजिनी नायडू' आपकी प्रकाशित कृतियाँ हैं। पताः-मूक-बधिर विद्यालय, बाँकीपुर, पटना।

श्यामवदन प्रसाद सिंह—एम० ए०, 'गुप्त जी की कृतियाँ' आप की प्रकाशित रचना हैं। पताः-अध्यापक, हिन्दी-विभाग, गया कालेज।

श्यामबिहारी तिवारी 'देहाती'—साहित्यिक अभिरुचि, फुटकर लेखन। पता:-बसबरिया, बेतिया, चम्पारन।

श्यामसुन्दर गुप्त—'हल्दीघाटी' पर एक आलोचनात्मक पुस्तक लिखी है। पता:-अध्यापक, गोसाईगञ्ज, फैजाबाद।

श्यामसुन्दर मणिकप्रसाद—हिन्दी प्रचार और फुटकर लेखन। पता:-हिन्दी अध्यापक, हली खेड़, बीदर (दक्षिण)

श्यामसुन्दर ओझा 'मञ्जुल'—साहित्य-रत्न, प्रचार एवं परीक्षा मंत्री, हिन्दी प्रचारिणी-सभा बलिया, 'अरुणिमा' आपके गीतों का संग्रह है, स्फुट आलोचनात्मक निबन्ध और कई कहानियां लिखी हैं। व्यवसाय-हिन्दी अध्यापक गवर्नमेण्ट हायर सैकिण्डरी विद्यालय, बलिया। पताः-ग्राम-मिश्र बलिया, जि० बलिया।

श्यामसुन्दर भारतिया 'प्रवीण'—साहित्य-रत्न, 'बङ्ग-प्रादेशिक हिन्दी प्रचारिणी सभा' के प्रधान-मंत्री, हिन्दी विद्यालय एवं हिन्दी पुस्तकालय के संचालक एवं मंत्री, 'हिन्दी' प्रान्तों में हिन्दी प्रचार-कार्य। पताः-पो० रानीगञ्ज, जि० बर्द्धवान।

श्यामसुन्दर पालीवाल 'मधुर'—फुटकर कविताएं लिखते हैं।

पता:-नारहट, झांसी।

श्यामसुन्दर लाल शर्मा—साहित्यिक अभिरुचि। पता:-सहायक अध्यापक, ए० वी० एम० स्कूल, पैंघोर, जि० भरतपुर (राजस्थान)

श्याम सुन्दरलाल दीक्षित—कई पत्रों के भूतपूर्व सम्पादक। प्रमुख रचनाएं-हुंकार, श्याम-सन्देश, उरोजी, नारङ्गियां। आपकी एक कृति पर उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा पारितोषिक अभी प्राप्त हुआ है। पताः-बाग मुजफ्फरखां, आगरा।

श्यामसुन्दर व्यास—हजामत (साप्ता०) 'अशोक' आदि का सम्पादन। रचनाएं-पुरखों की नाक, तीर्थ यात्रा, गिलट के झुमके आदि आपकी कृतियां हैं। पता:-६, लोधीपुरा, इन्दौर।

श्यामसुन्दर व्यास—'तिलोत्तमा', 'आधी-रात' आदि आपकी कृतियाँ हैं। पताः—२१५, बहादुरगञ्ज, प्रयाग।

श्यामसुन्दर 'श्याम'—स्फुट लिखते हैं। पताः—संस्कृताध्यापक, गान्धी राष्ट्रीय विद्यालय, हमीरपुर।

'श्यामू--सन्यासी', श्याम सुन्दर—प्रमुख रचनाएं-मजदूर, फाएटामारा, कंटीले तार, ईंट-रोड़े, नये मोती आदि आपकी लोकप्रिय पुस्तकें हैं। प्रगतिशील लेखकों के प्रतिनिधि कलाकार, कम्यूनिस्ट पार्टी के सरगरम कार्यकर्त्ता, भू० व्यवस्थापक 'सरस्वती प्रेस' बनारस, प्रेमचन्द जी के 'हन्स' और कहानी के सम्पादन में योग। भूतपूर्व सम्पादक, 'मजदूर' और 'आपबीती'।

पताः—सञ्चालक, सहयोगी--प्रकाशन--विभाग, हीराबाग, बम्बई।

श्यामसुन्दर "बादल"—'शिशु', मङ्गलप्रभात, आपकी कृतियाँ हैं, साहित्यिक-संस्थाओं से सम्बन्ध। पताः—स्थानापन्न प्रिन्सिपल श्री गांधी राष्ट्रीय विद्यालय, हायर-सैकिण्डरी स्कूल, राठ (हमीरपुर)

श्रीकान्त शास्त्री—'नया-कदम' और आलोक' के भू० सम्पादक, फुटकर लेखन। पताः—मलयपुर, मुँगेर।

श्रीकान्त—'मगही लोक-गीतों की रूपरेखा' आपकी प्रकाशित कृति है। पताः—मगध-विद्यापीठ, नारायणपुर, पकान सराय, पटना।

श्रीकृष्ण मिश्र—महाकाल, प्रेमा (उप०) और देवकन्या आपकी रचनाएं हैं। पताः—वकील, वाणी मन्दिर, छोटी केलावाड़ी, मुंगेर।

श्रीकृष्ण अग्रवाल—फुटकर लेखन, क्रियाशील कलाकार मण्डल के साहित्य-मन्त्री। पताः—ब्राह्मण घाट, करेली (मध्य-प्रान्त)

श्रीकृष्णदास—एम. ए., प्रमुख रचचाएं-जुलेखा, क्रान्तिदूत, अग्निपथ (उप०) धरती लाभ (नाटक) गान्धीवाद मार्क्सवाद आदि, साहित्य-सम्पादक, अमृत पत्रिका, कम्यूनिष्ट पार्टी, प्रगतिशील लेखक संघ, समाजवादी दल आदि में सेवाएं। पताः-२। डी, मिण्टो रोड, प्रयाग।

श्रीकृष्णराय 'हृदयेश'—रचनाएं-युवक और हिमांशु।
पताः—अध्यापक-एम. ए. बी. हाईस्कूल, गाजीपुर।

श्रीचन्द जैन—फुटकर लेखन। पताः—प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, दरबार कालेज, रीवाँ।

श्रीधर पंत—'तुलसी-मञ्जरी' तुलसी काव्य संकलन आपकी प्रकाशित रचना हैं। पताः—प्राध्यापक हिन्दी विभाग बरेली, कालेज बरेली।

श्रीधरशंकर जोशी—एम. ए., फुटकर लेखन। पता:-१२ रेशम वाला लेन, इन्दौर।

श्रीनाथसिंह ठाकुर—'बालसखा' 'सरस्वती' दीदी आदि प्रमुख पत्रों का सम्पादन कर चुके हैं। प्रजामण्डल, एकाकिनी, उलझन आदि आपकी प्रमुख रचनाएं है। पता:-"दीदी" कार्यालय प्रयाग।

श्रीनाथ पालित—कई पत्रों का सम्पादन और विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्धित, द्वंद्वात्मक भौतिकता, गोवंश का व्यवहारिक रूप आदि पुस्तकों के लेखक। पता:-३९, कचहरी रोड, गया।

श्रीनाथ मोदी—हिन्दी प्रचार कार्य के हेतु राजकीय वृत्ति से त्याग पत्र, प्रमुख रचनाएं पंचों की बड़ी पूजा, ग्राम सुधार नाटक, तीन भालू आदि। पता:-किताब घर, सोजती गेट, जोधपुर।

श्रीनारायण चतुर्वेदी 'श्रीवर'—कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा संस्थाओं के मान्य सदस्य कई कविता-संग्रह और साहित्यिक लेख संग्रह प्रकाशित, उत्तर प्रदेश में भूतपूर्व शिक्षा प्रसार आफीसर। पता:-आल इण्डिया रेडियो, नई दिल्ली।

श्रीनारायण मिश्र—'शोषित' (काव्य-संग्रह) के प्रणेता हिन्दी साहित्य सम्मेलन के स्थायी सदस्य। पता:-प्रिन्सिपल, जनता हायर सैकिण्डरी स्कूल, सिकन्दरा, प्रयाग।

श्रीनिवास—फुटकर लेखन। पता:-२५, नजीबाबाद, सूटरगंज, कानपुर।

श्रीनिवास दगड़ूलाल शर्मा—फुटकर लिखते हैं, अहिन्दी भाषा भाषी प्रान्त में हिन्दी प्रचार में सक्रिय योग। पता:-हिन्दी प्रचार सभा परभणी (दक्षिण)

श्रीनिवास राघवन—फुटकर निबन्ध। पता:-सम्पादक नरसिंह प्रिया, पुदुकोटाई, मद्रास।

श्रीपति शर्मा—रचनाएं-कहानी और प्रेमचन्द। पता:-अध्यक्ष अंगरेजी विभाग, सेकसरिया कालेज, बस्ती।

श्रीपतराय—मुन्शी प्रेमचन्द के सुपुत्र, 'सरस्वती-प्रेस' बनारस के प्रबन्धक 'हन्स' के व्यवस्थापक। पता:-'हन्स' मासिक, प्रयाग।

श्रीपाद रामकृष्ण काबे—लघुकथा लेखक, सदस्य वैदिक शाखा पारायणी। पता:-मु० पो० वाडे जि० रत्नागिरी।

श्रीमन्नारायण 'अग्रवाल'—एम. ए, 'सबकी बोली' और राष्ट्र-भाषा समाचार का सम्पादन, रचनाएं 'सेगांव का सन्त' रोटी

का राग और 'मानव (कविता) आपके लेखादि प्रमुख पत्रों में छपते हैं, सुप्रसिद्ध चिन्तनशील विचारक। पता:-वर्धा।

श्रीमन्नारायण शास्त्री—रचनाएं प्रेमोल्लास और विनय विनोद पता:-अलवर हाईस्कूल अलवर।

श्रीमोहन 'प्रदीप किरन'—संस्थापक 'साहित्य-परिषद' और 'कलाकार-समुदाय' हाथरस, उदीयमान भावुक और प्रगल्भ कवि सिने गीत लेखक और कहानीकार विभिन्न पत्र पत्रिकाओं गीत प्रकाशित, अध्ययन अध्यापन, राजनीति में भी दिलचस्पी,
पता:-१८१३, सीयल, हाथरस (उत्तर प्रदेश)

श्रीराम पाण्डेय—एम० ए०, फुटकर लेखन, पता:-हिन्दी-अध्यापक, महाराज सिंह हाईस्कूल, बहराइच।

श्रीराम "मधुकर"—'पथिक', 'सावधान', (सा०) आदि का का सम्पादन, पता:-'सावधान', कार्यालय, पुखरावाँ, कानपुर।

श्रीराम 'मित्तल'—गणित सम्बन्धी कई पुस्तकों के प्रणेता, पता:-प्राध्यापक, गणित-विभाग, बिड़ला कालेज, पिलानी जयपुर।

श्रीराम मिश्र—रचनाएं-सर्पिणी, हरिविलास-रामायण विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं में सम्बन्ध, पता:-ऐडवोकेट, श्री निकेतन, फैजाबाद।

श्रीराम शर्मा—"प्रवाह" (मा०) के भूतपूर्व सपम्पादक प्रमुख रचनाएं-हिन्दी-साहित्य की वर्त्तमान विचारधारा, बिखरी प्रतिमा, कलाकार का सत्य, पता:-नार्मल स्कूल के सामने अकोला, बरार।

श्रीराम शर्मा—रचनाएं-ललकार दक्षिण की ऐतिहासिक कहानियाँ। पता:-प्रधान-मन्त्री, हैदराबाद राज्य हिन्दी प्रचार-सभा, हैदराबाद।

श्रीराम द्विवेदी—स्फुट लेख व कहानियाँ, पता:-ग्राम-पत्रालय पवाँरा (जौनपुर)

श्रीराम शर्मा—"विशाल भारत" (मासिक) के यशस्वी स्पादक, प्रमुख रचनाएं-प्राणों का सौदा, 'जीवन-कण, झांसी की रानी आदि, पता:-बल्का बस्ती, आगरा अथवा सम्पादक "विशाल-भारत (मासिक) कलकत्ता।

श्रीरामशर्मा आचार्य,—'अखण्ड' 'ज्योति' मथुरा का सम्पादन, अध्यात्म एवं जनहितोपयोगी लगभग ६ दर्जन पुस्तकें लिख चुके हैं। प्रमुख रचनाएं-मानवीय विद्यु त के चमत्कार, अध्यात्मधर्म, स्वस्थ और सुन्दर बनने की विद्या आदि, पता:-"अखण्ड-ज्योति" कार्यालय घीयामण्डी, मथुरा।

श्रीराम "आजाद":—मज़दूर आन्दोलनों में कारावास, फुटकर उर्दू हिन्दी में कविताएं। पता-गोपीबाबू की गली, हाथरस।

श्रीवत्स:—फुटकर लेखन। व्यवस्थापक 'उमाप्रेस' धामपुर।

श्रुतिप्रकाश वाशिष्ठः—फुटकर लेखन, प्रदीप (मा०) शिमला के सम्पादन में योग। पता-प्रदीप (मासिक) शिमला २।

सुखदेव-दर्शन वाचस्पतिः—फुटकर लेखन। पता-गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।

सुखसंपतिराय भण्डारीः—प्रका० भारतीय राज्यों का हिन्दी इतिहास, अँग्रेजी कोश, बीसवीं शताब्दी। पता-डिक्शनरी पबलिशिंग हाउस, ब्रह्मपुरी, अजमेर।

सच्चिदानन्द गनेडीवाला:—साहित्यक अभिरुचि, 'भारत-हिन्दी पुस्तकालय' अमरावती के प्रधानमन्त्री, साहित्य-प्रेमी। पता:-भारत-हिन्दी पुस्तकालय, अमरावती (मध्यप्रदेश)।

सच्चिदानन्द-हीरानन्द वात्सायन 'अज्ञेय':—व्यक्तिवादी कलाकार, कई प्रमुख साहित्यक पत्रों के सम्पादन में योग, 'प्रतीक' आदि पत्रों के सम्पादक, रचनाएं उच्चकोटि के पत्रों में प्रकाशित होती हैं, विपथगा, कोठरी की बात, 'शेखर' एक जीवनी, बातायन परम्परा, इत्यलम् आदि आपकी प्रमुख कृतियाँ हैं। पता:-"प्रतीक" कार्यालय, प्रगति-प्रकाशन, १४ डी० फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली।

सच्चिदानन्द सिंह:—फुटकर लेखन, 'नवशक्ति' पटना के भू० सं०। पता:-गौरव डीह, खरगपुर हवेली, मुंगेर।

सज्जनलाल 'माथुर':—स्फुट कहानियाँ और निबन्ध, विभिन्न पत्रों में प्रकाशित। पता-५५६, चाँद-भवन, सरदारपुरा, जोधपुर।

सन्तकुमार वर्मा:—विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से सहयोग, रचनाएं-महादेवी वर्मा, हमारे राष्ट्रीय कवि आदि आपकी कृतियाँ हैं। पता-वकील, सारन, सीवान।

सन्तकुमार गुप्त 'अज्ञात':—'साहित्य-विशारद' काव्यालङ्कार साहित्यिक अभिरुचि, स्फुट लेखन। पता:-सह-सम्पादक 'आलोक' ६६- कटरा रोड, अमरोहा।

सन्त गोकुलचन्द:—विभिन्न साहित्यक संस्थानों के सदस्य, प्रमुख रचनाएं-आदर्श निबन्ध-माला, मीरा, सचित्र बाल भारत, आदि अनेक बाल-साहित्य सम्बन्धी पुस्तकें लिखी हैं।

पता-सञ्चालक ओरियण्टयल बुकडिपो, ४६४१ डिप्टीगंज, सदर बाजार, देहली।

सन्तप्रसादसिंह 'सन्त':—रचनाएं रामदूत, हरिजनगान आदि।
पता-प्रधानाध्यापक, हिन्दी मिडिल स्कूल, चिरैयाकाट, आजमगढ़।

सन्तराम बी० ए०:—'जाति-पाँति तोड़क मण्डल' के संस्थापक, भारत का कोई भी पत्र नहीं जिसमें आपके लेख न प्रकाशित होते हों, अनेकों उपयोगी पुस्तकों के प्रणेता, सुप्रसिद्ध समाज सुधारक।

सन्तोष माथुर, कुमारी:—साहित्य-सेविका, स्फुट लेखन।
पता:-व्रजबिहारी माथुर कानूगोयान, अलीगढ़।

सतीशचन्द्र गुप्त:—'गांधी-ग्राम-पत्रिका' का सम्पादन, स्फुट लेखन। पता-रेडक्रास-बिल्डिंग, लखनऊ।

सतीशचन्द्र मित्रे:—एम० ए०, बी० एस० सी०, रचनाएं-जीवन और अङ्क, हमारे बाग और रसोई घर, तथा कई बालोपयोगी पुस्तकें। पता-रामचन्द्र भवन, हाथी भाटा, अजमेर।

सतीशचन्द्र शर्मा—विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से सहयोग, अदालतों में देव-नागरी के प्रचारार्थ आन्दोलन, कई पाठ्य पुस्तकें लिखी हैं। पता:-सम्पादक 'नारद', छपरा।

सत्यदेव चौधरी—फुटकर लेखन। पता:-हिन्दी-विभाग, हंसराज कालेज, दिल्ली।

सत्यदेव स्वामी—पत्रकार, फुटकर लेखन। पता:-'नव-भारत' कार्यालय, नागपुर।

सत्यदेव एस० पाण्डेय—कृषि विषयक फुटकर लेखन।

सत्यदेव विद्यालङ्कार—'उल्टी-गङ्गा' (उप०) आदि पुस्तकों के प्रणेता, कई पत्रों के यशस्वी सम्पादक। पता:-दिल्ली।

सत्यकुमार—फुटकर लेखन, हिन्दी प्रचार-प्रसार में योग।
पता:-अध्यापक, राजकीय हाई स्कूल, ताण्डूर (दक्षिण)।

सत्य जीवन वर्मा 'श्री भारतीय'—ए० एम०, प्रका० बीसलदेव रासो, स्वप्नवासदत्ता, प्रेम-पराकाष्ठा, तार के खम्भे, पलखम आदि, नागरी-प्रचारिणी-सभा, काशी के आजीवन सदस्य, 'हिन्दी-लेखक-संघ', प्रयाग के जन्मदाता। पता:-अन्तर्वेदी, १०। बी० बेली रोड, प्रयाग।

सत्यनारायण "अमन"—साहित्य प्रेमी और हिन्दी प्रचार-प्रसार में सक्रिय योग। पता:-सूरतगढ़ (बीकानेर)।

सत्यनारायण मोटूरि—दक्षिण में हिन्दी प्रचार-प्रसार में सक्रिय भाग, स्फुट लेखन। पताः-हिन्दी प्रचार-सभा, त्यागराय नगर, मद्रास।

सत्यनारायण देसु—जन्म १ जून १६२५, हिन्दी पण्डित और प्रचारक, कई पाठ्य ग्रन्थों की टीकाएं, शाहजहाँ, चन्द्रगुप्त, नूरजहां आदि नाटकों का साहित्यिक अध्ययन, लक्ष्मी हिन्दी विद्यालय के सञ्चालक और मातृ-भाषा (तेलगू) के अच्छे ज्ञाता। रचनाएं—आचार्य रक्षा, राष्ट्र की विभूतियां, भारत के नवरत्न, बाल कथा मंजरी, कथा कुसुम, जीवन सुधा और राष्ट्रभाषा चन्द्रिका, हिन्दी अध्यापक। पताः-लक्ष्मी हिन्दी विद्यालय, चिलकलूरि पेट, (जि० गुण्टूर)।

सत्यनारायण पाण्डेय—एम० ए०, फुटकर लेखन, साहित्य-सभा के संस्थापक और अध्यक्ष। पताः-प्राध्यापक, हिन्दी-विभाग, सनातन धर्म-कालेज, कानपुर।

सत्यनारायण रेड्डि—हिन्दी प्रेमी। पताः-मिडिल स्कूल, हुजूराबाद (दक्षिण)।

सत्यनारायण लोया—दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रसार-प्रचार में सक्रिय योग दान, कई हिन्दी-पाठशाओं के सञ्चालन में हाथ।
पताः-हैदराबाद, (दक्षिण)।

सत्यनारायण शर्मा—नव-जागृति आदि पत्रों के सम्पादन में योग। इन्कलाब--जिन्दाबाद, टूटती-जंजीरें, आँसुओं का देश आदि आपकी कृतियाँ हैं। पताः-अमर बाजार, राँची।

सत्यनारायण 'विद्वान'—साहित्य शिरोमणि, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, देवघर विद्यापीठ और मद्रास विश्वविद्यालय की हिंदी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को शिक्षादान, 'कलावनम्' की संस्थापना, हिंदी प्रचार-प्रसार में सक्रिय योग। पताः-प्रिन्सीपल-निर्वाहक, "विश्व-भारती" कलावनम्, देन्दुलूर, (गोदावरी जि०) आंध्र।

सत्यनारायण शर्मा—लङ्का में हिंदी प्रचार किया। 'सिंहली' भाषा में पाँच पुस्तकें लिखी हैं। पताः-प्रधानाध्यापक खड्गप्रसाद राष्ट्रीय विद्यालय, कटक स्टेशन, मीरा मण्डी।

सत्यप्रकाश, डाक्टर—रसायन में डी० एस० सी०, "विज्ञान" (मा०) का कई वर्ष तक सम्पादन, 'सृष्टि की कथा' प्रकाशित

कृति है । लैक्चरार प्रयाग विश्वविद्यालय । पताः-बेली एवेन्यू, प्रयाग ।

सत्यप्रकाश 'मिलिन्द'—स्फुट कविताएं, लेख, निबन्ध तथा एकाङ्की लेखन । कई लेबर संस्थानों के मान्य सदस्य, 'साम्यवाद' का समर्थन, 'यात्रा में नयी सूझ', सिगरेटशाला आदि के प्रणेता ।

पताः-लेबर आफिसर, बिरला कॉटन मिल, दिल्ली ।

सत्यपाल समीर—एम० ए०, बी० एस० सी० "जनमत" (दै०) आगरा का सम्पादन, 'सोमनाथ' (अप्रकाशित काव्य) स्फुट लेखन, रचनाएं पत्रों में छपती हैं । पताः-आगरा ।

सत्यपाल गुप्त 'प्रभाकर'—पटियाला व पूर्वी पंजाब रियासती संघ में राष्ट्र-भाषा प्रचार हेतु सम्मेलन की स्थापना, हिन्दी प्रचारार्थ 'कला-निकेतन कालेज' खोला 'ड्रामेटिक क्लब' की स्थापना की, पेप्सू राज्य के 'पंजाबी विभाग' में हिन्दी लेखक रहकर 'भारतीय संविधान' का पंजाब देवनागरी किया, "गोदान" (प्रेमचन्द) का पंजाबी उल्था, 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' पेप्सू प्रदेश के प्रधान,

पताः—'हिन्दी-साहित्य-सम्मेलन' कार्यालय, 'अरना-बरना', पटियाला (पेप्सू) ।

सत्यभक्त 'स्वामी'—'परवार बन्धु' और जैन-जगत का सम्पादन रचनाएं-सत्य सङ्गीत, नयी दुनियां का नया समाज, नया-संसार, जैन धर्म मीमांसा आदि अनेक पुस्तकें प्रकाशित । पताः-सत्याश्रम, वर्धा ।

सत्यव्रत सिद्धांतालङ्कार—दक्षिण प्रान्तों में हिन्दी प्रचार किया, अपनी विदुषी पत्नी चन्द्रावती के साथ 'शिक्षा-शास्त्र' पुस्तक का प्रणयन किया । 'ब्रह्मचर्य-सन्देश' आपकी अमूल्य रचना है ।

पताः-कन्या गुरुकुल, देहरादून ।

सत्येन्द्र श्याम—जन्म १९१३, एम० ए०, 'नव-चित्रपट' सिनेपत्र का सम्पादन, फुटकर लेखन । पताः-६२, दरियागञ्ज दिल्ली ।

सत्येन्द्र शरत्—"हिन्दुस्तान" कहानी प्रतियोगिता में पुरस्कार विजेता, नयी पीढ़ी के सफल लेखक, "प्रतीक" प्रयाग (द्वैमासिक) के सम्पादन में योग, 'नील कमल' तार के खम्भे आदि आपकी सुप्रसिद्ध रचनाएं हैं । पताः—बम्बई ।

सत्येन्द्र, डाक्टर—एम. ए., पी. एच. डी., अखिल भारतीय ब्रजसाहित्य मण्डल, हाथरस अधिवेशन के समय सर्व-प्रथम नवल-किशोर पुरुस्कार १००१) रुपए के विजेता तथा एक अन्य पुरुस्कार भी इसी अवसर पर प्राप्त किया 'ब्रज-लोक साहित्य का अध्ययन', नामक ग्रन्थ पर, ब्रज-साहित्य-मण्डल आदि के जन्मदाता, 'ब्रज-भारती' 'साहित्य-सन्देश' 'साधना' 'ज्योति' आदि का सम्पादन। रचनाएं-गुप्त जी की कला, विज्ञान की करामात, प्रेमचन्द व्यक्ति और कला, हिन्दी एकांकी, इतिहास और विवेचन। पताः-महावीर दिगम्बर जैन इण्टर कालेज, आगरा।

सत्येन्द्र नारायण अग्रवाल—'बीसवीं-सदी के भू० सं०, 'दक्षिण भारत की यात्रा' प्रकाशित रचना है। पताः--नया बाजार, भागलपुर।

सद्गुरुशरण अवस्थी, एम० ए०—हिन्दी-साहित्य--परिषद के सभापति तथा अनेक शिक्षा-संस्थाओं के सक्रिय सदस्य, भ्रमित पथिक, त्रिमूर्ति, विचार-विमर्श, महाभिनिष्क्रमण आदि आपकी रचनाएं हैं। पताः-प्रिन्सिपल, बी० एन० एस० डी० कालेज कानपुर।

सदानन्द आर्य 'सुमन'—फुटकर लेखन। पताः-ए० एम० हाई-स्कूल, मवाना, मेरठ।

सदाशिवराव वैद्य—फुटकर प्रकाशन। पताः-सञ्चालक, जनता औषधालय, जड़ चर्ला, महबूब नगर (दक्षिण)

सम्पतलाल पुरोहित—'धरती के देवता' आपकी प्रकाशित रचना है। 'छाया' (मासिक) का सम्पादन। पताः-साहित्य-मंडल, डीवान-हॉल, दिल्ली।

सम्पत कुमार मिश्र—कई पत्रों का सम्पादन, स्फुट लेखन।
पताः-लछमनगढ़, जयपुर।

सम्पत्कुमाराचार्य—रचनाएं-नव्य-स्त्री, ग्रहस्थ जीवन, हिन्दी-प्रचार कार्य। पताः-मेडिकल-आफीसर, गोगी (जि० गुलबर्गा) दक्षिण।

सम्पूर्णानन्द श्रीवास्तव—'नयन-नीर' परिणय, आपकी रचनाएं हैं। कई बालोपयोगी पुस्तकों का सम्पादन। पताः-नेशनल हायर-सैकिण्डरी स्कूल, काशी।

सम्पूर्णानन्द, डाक्टर—उत्तर-प्रदेश सरकार के शिक्षा, श्रम और गृह-मन्त्री, काँग्रेसी नेता, प्रसिद्ध शिक्षा-शास्त्री और समाज-

वादी लेखक, राजनीति और साहित्य साधना में साथ-साथ कदम, 'टुडे' (अङ्गरेजी दैनिक) 'मर्यादा' (मा०) आदि के भू० सम्पादक, रचनाएं-अन्तर्राष्ट्रीय विधान, चीन की राज्य-क्रान्ति, ब्राह्मण-सावधान, समाजवाद आदि कई पुस्तकों के लेखक।

पता:-शिक्षा-मन्त्री, विधान-भवन, लखनऊ।

सरजूप्रसाद श्रीवास्तव:—एम० ए०, फुटकर लेखन, रवीन्द्रनाथ ठाकुर (आलोचना)। पता-महाराजसिंह हाई स्कूल, बहराइच।

सरयू पण्डा गौड़:—रचनाएं-वेदना, अन्धकार, लेखक की बीबी लखनऊ वाली, विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्ध।

पता-पो० जगदीशपुर, (शाहाबाद) बिहार

सरयू प्रसाद पाण्डेय:—एम० ए०, प्रकाशित रचनाएं-बच्चों की मिठाई, राजर्षि। पता-राजकीय जुबिली हाई स्कूल, गोरखपुर।

सरफराज अहमद खान "गौरी"—मुसलमान होते हुए भी हिन्दी सेवा में रत, "विद्यार्थी" (१९४९-५०) में प्रधान सम्पादक, मानव यूनियन द्वारा प्रकाशित 'मानव' (मा०) के प्रबन्ध सम्पादक, स्फुट रचनाएं। पता:-द्वारा महादेव प्रसाद जी श्रीवास्तव क्लर्क जनरल पोस्ट आफिस, लश्कर, ग्वालियर (म० भा०)।

सरस वियोगी—'त्यागभूमि' और 'नेता' (दै०) के भू० सम्पादक, चुनौती आदि प्रकाशित रचनाएं तथा बीस से ऊपर पुस्तकों के लेखक। पता:-ब्रह्मपुरी, अजमेर।

सरला पाण्ड्या 'दीपिका'—कुमारी। जन्म १९३०, बचपन से ही साहित्य-साधना, स्फुट आलोचनात्मक लेख, कहानी, संस्मरण आदि प्रकाशित। पता:-द्वारा श्री रामचन्द्र तिवारी, माली पाड़ा, अलीगढ़।

सरस्वती वार्ष्णेय कुमारी—'साहित्य-रत्न सरस्वती, कहानीकार गीतकार और लेखिका। अप्रकाशित स्फुट काव्य संग्रह।

पता:-ब्रह्मबाजार, चन्दौसी, (मुरादाबाद)।

सरस्वती कुमारी—बी० ए०बी० टी०, साहित्य मनीषिणी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन गुजरात की सभानेत्री, फुटकर कविताएं और लेख, पता:-अध्यापिका, आर्य कन्या महाविद्यालय, बड़ौदा।

सरस्वती कुमार 'दीपक'—चित्रपट (साप्ता० सिनेपत्र) कई फिल्मों के लिए गीत लिखे हैं। पता:-मेरठ।

सरस्वती सहाय वर्मा "त्यागी"—साहित्याचार्य हिन्दी-प्रेमी, हिन्दी प्रचार में योग। पताः-द्वारा लाला बाबूराम स्वर्णकार, पो० सौदागरान, बरेली।

सरोजकुमारी ठाकुर—फुटकर कविताएं और कहानियां, पताः—बालाबाई का बाजार, लश्कर, ग्वालियर।

सरोज भटनागर "छाया"—एम० ए० फुटकर कविताएं लिखती हैं, अ० भा० क्रियाशील कलाकार मण्डल की गण्यमान्य सदस्या, पताः-शिक्षिका-हितकारिणी गर्ल्स कालेज, जबलपुर।

साहब सिंह 'मह्रा'—अनेक जनगीतों तथा ब्रजभाषा की कविताओं के गायक और लेखक, जनगीतों और ब्रजभाषा के अनेक संग्रह प्रकाशित, कम्यूनिस्ट पार्टी के सदस्य। पताः--द्वारा प्रगतिशील लेखक संघ, अलीगढ़।

साधुराम शुक्ल—सामाजिक कार्यकर्त्ता, 'अजेयवाद' तथा फुटकर लेख और कविताएं लिखी हैं, पताः--"जन-सेवक" (साप्ताहिक) लखीमपुर खीरी।

सॉवरमल बजाज 'प्रथम'—हिन्दी से अनुराग हिन्दी प्रचार में योग, पताः-बद्रीदास-तपसीराम' लक्ष्मणगढ़ सीकर (राजस्थान)

सावित्री दुलारेलाल—'सुधा' और 'बाल-विनोद' की भूतपूर्व सम्पादिका, सुप्रसिद्ध लेखिका, रेडियो पर कविता पाठ, कई कविता संग्रह लिखे हैं, पताः-कविकुटीर, लाटूश रोड, लखनऊ।

सावित्री वर्मा—स्फुट लेखिका, पताः--सह-सम्पादिका "बाल भारती" दिल्ली।

सविता बहिन—'नवोदित कलाकार संगम' नई-दिल्ली की सभानेत्री नवोदित लेखिका, पताः--करौल-बाग, नई दिल्ली।

स्वरूपनारायण पुरोहित—मोपांसा की कहानियों का अनुवाद किया है, पताः--सीकर, राजस्थान।

सिद्धिनाथ "मानस"—भावुक सुकवि, स्फुट कविताएं लिखी हैं, कथावाचक सुगायक। पताः--मुरसान गेट, हाथरस।

सिद्धेश्वर प्रसाद 'मञ्जु'—फुटकर कविताएं और निबन्ध लिखे हैं। स्थानीय हिन्दी-साहित्य-परिषद' के संस्थापकों में। पताः--हिपुआ, गया।

सिद्रामप्पा—हिन्दी प्रचार-प्रसार में सक्रिय योग, फुटकर लेखन पताः--अफजलपुर, गुलबर्गा (दक्षिण)

सियाराम शरण गुप्त—मननशील विचारक, "प्रतीक" के सम्पादकों में, राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त के अनुज, प्रमुख रचनाएं-मौर्य

विजय, दूर्वादल, बापू, मानुषी, गोद आदि सुप्रसिद्ध पुस्तकें, कवि और लेखक, पता:-साहित्य सदन, चिरगाँव, जिलाझाँसी।

सियाप्रसाद अष्ठाना—'बाल-संगीत' आपकी प्रकाशित रचना हैं, पता:-बसन्तपट्टी, अदौरी, मुजफ्फरपुर।

सीताराम शास्त्री 'वालिष्ठ'—मौलिक-रचनाएं राजस्थानी संस्कृति की महत्ता, प्रबन्ध 'प्रदीप, सम्पादित आदर्श निबन्ध-निचय आदि, कई साहित्यिक संस्थाओं के सदस्य, पता:-इण्डियन रेलवे हाईस्कूल, आबूरोड।

सीताराम खत्री 'मृगेन्द्र'—रचनाएं मृगेन्द्र द्वादशी तथा कई अप्रकाशित पुस्तकें, मृगेन्द्र पुस्तकालय के जन्मदाता, पता:-तालबेहट झाँसी।

सीताराम चतुर्वेदी—हिन्दी साहित्य सन्मेलन के परीक्षा मन्त्री रहे, स्फुट लेखन पता:-दारागंज, प्रयाग।

सुकुमार पगारे—'कर्मवीर' का सम्पादन, राष्ट्रीय कार्यकर्त्ता, एम. एल. ए., 'युगवाणी' मौन साधना आदि आपकी कृतियां हैं। पता:-जनशक्ति सम्पादक, राष्ट्रीय प्रेस, इटारसी।

सुदर्शनलाल शर्मा—साहित्य भूषण, हिन्दी प्रेमी और प्रचार प्रसार में योग। पता:-अध्यक्ष, शकुन्तला पब्लिक लाइब्रेरी, पो० आ० करियामई, (बदायूँ)।

सुदामाप्रसाद चतुर्वेदी—एम. ए. (प्रयाग विश्वविद्यालय) ब्रज साहित्य मण्डल हाथरस अष्टमाधिवेशन के संयोजक, त्रिवेणी (आलो०) आदि पुस्तकों के प्रणेता। पता:-बोर्डिङ्ग हाउस बागला कालेज हाथरस।

सुदेशशरण 'रश्मि'—प्रभाकर, बी. ए. (आनर्स) का अध्ययन, रचनाएं-मैं कुछ कर न सकी (उप०) कब्रें बोल उठीं, पाप की गठरी (कहा०) आज की महिलाएं (निबन्ध) कवियत्री नाटककार तथा आर्थिक समस्याओं की लेखिका 'इन्सान' की उप सम्पादिका बनने जा रही हैं। पता:-द्वारा हर शरणदास 'शरण' ३१८३ कूचा ताराचन्द, दरियागंज, दिल्ली।

सुन्दर रेड्डी—बी. ए. (जामिया) साहित्य-रत्न, आन्ध्र-प्रान्त के प्रसिद्ध हिन्दी पण्डित दिल्ली प्रान्तीय विद्यार्थी संघ के भूत० मंत्री आपकी रचनाएं प्रमुख पत्रों में छपती हैं, "साहित्य और समाज" नामक पुस्तक प्रेस में। पता:-अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय।

शारदा सेवकः—

श्री बाबूमल एल. हरण

(परिचय पृष्ठ ९८ और १०७)

श्री विपिनचन्द्र महर्षि

(परिचय पृष्ठ २१०)

सुन्दरलाल दुबे 'निर्बल'---सामाजिक कार्यकर्त्ता, स्फुट लेखन। पताः--निर्बल सेवक आश्रम, सतवासा, सोहागपुर।

सुधारानी पालीवाल—'युवक' (मा०) आगरा के सम्पादकों में स्फुट लेखक। पताः-३, विजय नगर कोलोनी, आगरा।

सुधाकर झा—एम० ए०, पी० एच० डी० भाषाओं के अध्ययन के लिए योरोपीय देशों का भ्रमण, फुटकर आलोचनात्मक लेख लिखते हैं, पताः-प्राध्यापक, पटना कालेज, पटना।

सुधीन्द्र डाक्टर—एम० ए० पी० एच० डी० "जीवन-साहित्य" के सम्पादक, सुप्रसिद्ध विद्वान आलोचक लेखक और कवि, प्रमुख रचनाएं-प्रलयवीणा, अमृत-वीणा आदि (कवि०) हिन्दी कविता का क्रान्ति युग, केशवदास एक समीक्षा (आलो०) सूर-संगीत, बाल भारती, आधुनिक कवि (संपा०) पताः-अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग, बनस्थली विद्यापीठ, बनस्थली।

सुबोधचन्द्र 'पन्त'—स्फुट लेखक, श्रमजीवी और भावुक कवि, उदीयमान कलाकार, रचनाएं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में छपती हैं। पताः-५१६ के ग्रल. शङ्करलाल भार्गव रोड, प्रयाग ३

सुबोधचन्द्र शर्मा "नूतन"—फुटकर विषयों पर लेख लिखते हैं। गुजराती पुस्तकों का हिन्दी उलथा किया है, पताः-"शिक्षा-सुधा" मण्डी-धनौरा, मुरादाबाद।

सुबोध मिश्र 'सुरेश'— 'छोटा नागपुर संवाद' के भू० प्रधान सम्पादक, रचनाएं-समाज की बलिवेदीपर, लंकेश, वोट की चोट और कांग्रेसी हौवा आदि। पताः-अन्नपूर्णा औषधालय, राँची।

सुमनेन्द्र सुधा गुप्ता, कुमारी—साहित्य से प्रेम, स्फुट लेखन पताः-हीरा बिल्डिंग, अचलतालाब, अलीगढ़।

सुमित्रा कुमारी सिनहा—सुप्रसिद्ध भावुक कवियत्री, प्रमुख रचनाएं-आशापर्व, 'विहाग' सेकसरिया पुरस्कार प्राप्त) अचल सुहाग वर्ष गांठ आदि, आपकी रचनाएं प्रमुख पत्रों में प्रकाशित होती हैं, आधुनिक स्त्री कवियत्रियों में प्रमुख, पताः- युग मन्दिर, उन्नाव।

सुमित्रानन्दन 'पन्त'— युग प्रवर्त्तक क्रांतिकारी कलाकार, कहानी, नाटक और अनुवाद भी किए हैं, प्रमुख-रचनाएं पल्लव, वीणा, गुञ्जन, ग्राम्या, किरण, स्वर्ण भूलि आदि। प्रमुख पत्रों, रेडियो और पाठ्य क्रमों में आपकी रचनायें स्वीकृत हैं, सर्वाधिक प्रसिद्ध कवि। पताः-आलइण्डिया रेडियो, प्रयाग।

सुरेन्द्र शर्मा—प्रभाकर, बी० ए०, स्फुट लेखन, पताः-मथुरा।

सुरेश "भावुक"—नवोदित कलाकार, स्फुट लेखन, नवोदित कलाकार संगम दिल्ली के मान्य सदस्य। पताः–१०८ मॉडल बस्ती, देहली ६ स्थायी पताः–शिक्षा कुटीर रोहतक।

सुरेन्द्र मोहन "मिश्र"—नवोदित भावुक कवि, 'मधुगान' प्रकाशित कविता संग्रह। पताः–काव्य-कुटीर, चँदौसी (उत्तर-प्रदेश)

सुरेन्द्र शर्मा—'प्रताप' सैनिक विश्वमित्र आदि के सम्पादकीय विभाग में कार्य किया, प्रमुख रचनाएं–वीरभूमि मेवाड़, रण-बांकुरा दुर्गादास नारीजीवन आदि अनेक पुस्तकें प्रकाशित। पता–६४० ए०, कटरा प्रयाग।

सुरेशचन्द्र 'पन्त'—फुटकर लेखन, साहित्य-प्रेमी, पताः–५०, टैगोर टाउन, प्रयाग।

सुरेशसिंह, कुँवर—श्री रामनरेश त्रिपाठी और सुमित्रानन्दन 'पंत' के साथी, 'बानर' और 'कुमार' के भू० सम्पादक, 'हमारे-जानवर' हमारी चिड़ियाँ आदि जीव विज्ञान विषयक पुस्तकों के प्रणेता। पताः–१८ केसरबाग, लखनऊ।

सुरेश्वर पाठक—'देश' पटना 'नवयुग' आदि का सम्पादन किया 'गौरव गाथा, व्याकरण मयंक आदि आपकी प्रकाशित पुस्तकें हैं। पताः–रतठा, हवेली खरगपुर, मुंगेर।

सुशीला गर्ग 'शुभा'—'अर्पण' कविता संग्रह प्रकाशित। गद्य काव्य लिखने में संलग्न, विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित। पताः–कटरा श्री गुरुप्रसाद, मण्डी रामदास, मथुरा।

सुशीलादेवी—महिलाओं में हिन्दी प्रचार कार्य, सामाजिक और साहित्यिक फुटकर लेख। पताः–१५ जारा रोड, सिकन्दराबाद (दक्षिण)

सुशीलादेवी त्रिपाठी—फुटकर कहानियाँ और कविताएं लिखती हैं। पताः–द्वारा लक्ष्मणस्वरूप त्रिपाठी, पत्रकार, अलवर।

सुशीलकुमार शर्मा 'मायावी'—साहित्य विशारद, प्रमुख रचनाएं–श्रवणकुमार, धरती का देवता, सम्राट विक्रमादित्य (नाटक) भेदभरी युवती (उप०)। पताः–६३७, श्यामघाट, मथुरा।

सुशीलकुमार श्रीवास्तव 'अरुण'—पत्रकार, कवि, कहानीकार और लघु कथा लेखक, कविता और कहानियों के अलग अलग ६ संग्रह शीघ्र प्रकाशित होंगे। पताः–प्रचार-मन्त्री, क्रियाशील कलाकार मण्डल, साठियां कुआ, जबलपुर।

सूरजप्रसाद राय 'साहित्य-भूषण-स्थानीय साहित्यिक संस्थाओं के सदस्य, क्रान्तिकारी कहानियां विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित। पताः-नवानगर, बलिया।

सूरजभान—'खण्डहर' और 'मैना' आपकी कृतियाँ हैं। पताः-इस्लामियां स्कूल, मुजफ्फरनगर।

सूफीलक्ष्मणप्रसाद भटनागर—दैनिक, बिजली उर्दू और मस्ताना जोगी के संस्थापक विभिन्न सामाजिक और साहित्यिक संस्थाओं से सहयोग, स्फुट लेखन। पताः-'मस्ताना-जोगी' कार्यालय ७६ जी. बी. रोड, दिल्ली।

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'—हिन्दी के प्रबल समर्थक, युग उन्नायक क्रान्तिकारी मुक्त छन्द, मुक्त बन्ध कवि, युग के प्रतिनिधि कवि, प्रमुख रचनाएं-बेला, कुकुरमुत्ता, नये पत्ते, परिमल (कवि) निरुपमा, अलका, अप्सरा, प्रभावती (उप०) लिली, चतुरी चमार सुकुल की बीबी (कहा०) कपाल कुण्डला, दुर्गेशनन्दिनी (अनू०) तथा अनेक पुस्तकों का प्रणयन किया। पताः-इलाहाबाद।

सूर्यदेवनारायण श्रीवास्तव—प्रकाशित रचनाएं-सरिता, चुम्बक समाज की चिता, देशभक्ति (कहा०) चाणक्य, बैशाली गौरव, विक्रमादित्य (ना०) आदि अनेक पुस्तकों के प्रणेता। पता-अध्यापक जिला स्कूल, मुजफ्फरपुर (बिहार)।

सूर्यदेव शर्मा—एम. ए. एल. टी., डी. लिट्, सिद्धान्त शास्त्री साहित्यालंकार, भारतवर्षीय आर्यकुमार परिषद् अजमेर के परीक्षा मन्त्री, अनेक धार्मिक और शिक्षा सम्बन्धी पुस्तकों का प्रणयन किया है। पताः-भारतवर्षीय आर्यकुमार परिषद्, अजमेर।

सूर्यनारायण चौधरी—एम. ए., बुद्ध-चरित दो भाग (अनूदित) तथा कई अप्रकाशित पुस्तकें। पताः- कठौतिया काझा, पूर्णिया।

सूर्यनारायण व्यास—'विक्रम' का सम्पादन, कई साहित्यिक संस्थानों से सम्बन्धित, 'कालिदास की अलका' बाल्मीकि की लंका, 'यूरोप-यात्रा' आपकी कृतियां हैं, संस्कृत हिन्दी दोनों में समान-गति से लिखते हैं। पताः-ज्योतिषाचार्य, उज्जैन

सूर्यराज व्यास—स्थानीय साहित्यिक संस्थाओं से सहयोग, राजपूताना पुष्करण ब्राह्मण का सम्पादन, वीर गिरधर जी, वीर तेजा तथा कई महापुरुषों की जीवनियाँ। पताः-महकमा खास, सरदारपुरा, चौपासनी सड़क, जोधपुर।

सोमदेव शर्मा—आयुर्वेद-साहित्य वैदिक संस्कृति और साहित्य कर अन्वेषण। पता:-प्राध्यापक, फार्मेकालेजी विभाग, मेडिकल कालेज, लखनऊ।

सोमनाथ गुप्त—राजस्थान की विभिन्न साहित्यक और शिक्षा संस्थाओं के मान्य सदस्य, रचनाएं-हिन्दी नाट्य साहित्य का विकास। (पी० एच० डी. की थीसिस लिखी) हिन्दी भाषा ज्ञान प्रकाश, सम्पादित-अष्टछाप पदावली, प्रबन्ध-काव्य संग्रह आदि। पता:-जसवन्त कालेज, जोधपुर।

सोहनलाल महेश्वरी—'रमेश बुक डिपो' जयपुर के मैनेजिङ्ग डायरेक्टर, सैकड़ों हिन्दी पुस्तकों के प्रकाशक, हिन्दी लेखकों को प्रोत्साहन और माँ भारती के भण्डार को भरना। पताः-रमेश बुक डिपो, जयपुर।

सोहनलाल द्विवेदी—एम. ए., एल. एल. बी, राष्ट्र-कवि, प्रमुख पत्रों में आपकी रचनाएं छपती है, बालोपयोगी-साहित्य भी लिखा है, प्रमुख रचनाएं-वासवदत्ता, कुणाल, भैरवी, विषपान, सेवा ग्राम आदि। पता:-बिन्दकी, फतहपुर।

सौभाग्यमल जैन—फुटकर कविताएं और प्रहसन लिखते हैं। कई शिक्षा संस्थाओं में अध्यापन। पताः-अध्यापक, दरबार हाई स्कूल, बीकानेर।

हरखसिंह-आपके मगही गीत बड़े प्रसिद्ध हैं। पताः-रैया गया,

हजारीलाल श्रीवास्तव 'अधीर'—'इन्द्रधनुष' का सम्पादन, फैसनेबल कालिज गर्ल (अप्रका० उपन्यास) प्रगतिशील साहित्य गोष्ठी के संस्थापक, कवि स्नेह मण्डल के प्रचार मन्त्री, लेख, कहानी, कविता लेखन। पताः-हंसापुरी, नागपुर नं० २ (मध्यप्रान्त)

हजारीप्रसाद द्विवेदी डाक्टर—पहिले मिर्जापुर के किसी स्कूल में पढ़ाते थे, कवीन्द्र रवीन्द्रनाथ ने इन्हें खोज निकाला। शांति निकेतन में हिन्दी अध्यापक रहे, आजकल काशी विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष हैं, कलकत्ता, पटना, लखनऊ, नागपुर आदि विश्वविद्यालयों की शिक्षा समितियों से सम्बन्ध, 'कबीर' साहित्य के विशेषज्ञ, कई साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय सहयोगी, प्रमुख रचनाएं 'कबीर' (मंगलाप्रसाद पारितोषिक प्राप्त) हिन्दी साहित्य की भूमिका, बाणभट्ट की आत्मकथा, सूर साहित्य आदि ग्रन्थों के प्रणेता, मां भारती के आप प्रदीप्त रत्न हैं। पताः-अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, बनारस विश्वविद्यालय।

हंसकुमार तिवारी—जन्म १९१८, मानभूम, रचनाएं-साहित्यिका कला (आलो०) बदला समानान्तर (कहा०) रिमझिम नवीना (कवि) आदि पुस्तकों के प्रणेता, कई अनूदित पुस्तकें 'उषा' 'बिजली' आदि पत्रों का सम्पादन। पताः-मान सरोवर प्रकाशन गया।

हंसराज भाटिया—शिक्षा मनोविज्ञान के लेखक, स्फुट प्रहसन और एकांकी भी लिखते हैं। पताः-प्राध्यापक, बिड़ला कालेज पिलानी (जयपुर)।

हनुमानप्रसाद पोद्दार—'कल्याण' (गोरखपुर) के यशस्वी सम्पादक, धार्मिक विषयों पर कई पुस्तकें लिखी हैं, प्रमुख रचनाएं गोपी-प्रेम, उपनिषदों के चौदह रत्न, मानव धर्म आदि। पता-कल्याण कार्यालय, गोरखपुर।

हनुमानप्रसाद 'दिनेश'-कृष्णावतार (ना०) निराश-प्रेमी (कहा०) आदि आपकी कृतियां हैं। पताः-अध्यापक, सिटी मिडिल स्कूल, कोटा।

हनुमच्छास्त्री 'अयाचित'—अहिन्दी प्रान्तों में हिन्दी प्रचार फुटकर लेखन। पताः-हिन्दी, विभाग, श्री वेंकटेश्वर प्राच्य कला शाला, तिरूपत्ति।

हरदेव सहाय—प्रमुख रचनाएं गाय ही क्यों (भूमिका लेखक डा० राजेन्द्रप्रसाद) देश के दुश्मन, गो-संकट निवारण आदि, पताः-सातरौद खुर्द, हिसार।

हरनामदास सेठ, 'दुखी'—एम. ए. अनेकों फुटकर' कविताएं पताः-प्राध्यापक, डिग्री कालेज जोधपुर।

हरनामसिंह चौहान—आर्यन-विजय, परमारमार्तण्ड, भारत राजवंशी इतिहास, आदि के लेखक, पताः-मालापुरा, सोहागपुर।

हरनारायण कोकचा—'रंगमंच' (पाक्षिक) "शक्ति" (मासिक) का सम्पादन, रचनाएं-भारत-निर्माता-प्रदीप, अजात-शत्रु-रहस्य, सचित्र स्वास्थ्य विज्ञान, आदि, 'नवोदित कलाकार संगम' के मंत्री नवोदित लेखक। पताः-२८, रैहगड़पुरा, करौल-बाग, नई दिल्ली ५

हरनारायण शर्मा "किङ्कर"—युगधर्म, आजादी के गीत, आदि, के लेखक, पताः-किंकर कुटीर; जती की बगीची, अलवर।

हरशरणदास 'शरण'—बी. ए., साहित्याचार्य प्रभाकर, हिन्दी प्रचार परिषद के मन्त्री, 'जनहितकारिणी सभा, दरियागंज दिल्ली के प्रधान, "वीर-इंडिया" (साप्ता०) का सम्पादन, प्रकाशित रचनाएं साहित्य और सुमन, 'विचार और समस्याएं चुनी हुई

कलियाँ, शोले, पुनर्मिलन आदि तथा कई पुस्तकें प्रकाशनार्थ।
पता:-३१८३, कूंचा ताराचन्द, दरियागंज, दिल्ली।

हरशरण शर्मा 'शिव"—साहित्य-रत्न, रचनाएं-सुषमा, मधु मानस-तरंग, रघुराज साहित्य-परिषद, रीवाँ के प्रधानमन्त्री, पता:-डिप्टी इन्सपेक्टर, शिक्षा-विभाग, जिला-सीधी (विन्ध्य-प्रदेश)

हरिकृष्ण खरे—फुटकर वाणिज्य विषयक लेख लिखते हैं। पता:-प्राध्यापक, शिवाजी कालेज, पिलानी (जयपुर)

हरिकृष्ण 'प्रेमी'—'कर्मवीर', 'भारती' आदि का सम्पादन, हिन्दू-मुस्लिम एकता के समर्थक, सुप्रसिद्ध नाटककार, प्रमुख-प्रमुख रचनाएं-रक्षा-बन्धन, विषपान, पाताल-विजय, उद्धार (नाटक) आदि नाटकों के प्रणेता, आपके नाटक पाठ्य क्रमों में स्वीकृत हैं,
पता-अजमेर।

हरिकृष्ण राय—रचनाएं-राष्ट्र भाषा और तुलसी छन्द मंजरी तथा फुटकर समीक्षात्मक लेख। पता:-प्रधानाध्यापक मिडिल स्कूल, बलिया।

हरिचरण आचार्य—हिन्दी-सेवी और हिन्दी प्रचार में योग, पता:-रिपोर्टर, "श्री रंगनाथ" (दैनिक) भिवानी।

हरिदत्त दुबे—एम० ए०-फुटकर कविताएं और लेख, कई पाठ्य पुस्तकों का प्रणयन किया, पता:-हिन्दी अध्यापक, राबर्टसन कालेज जबलपुर।

हरिदत्त शर्मा—तरुण लेखक और पत्रकार, आजकल "नवभारत टाइम्स" (दैनिक) दिल्ली के सह-सम्पादक। विविध-विषयों पर फुटकर समसामयिक लेखन, पता:-४३३१, गली खजांची, आर्यपुरा सब्जी मण्डी, दिल्ली।

हरिनन्दन चौधरी—हिन्दी काव्य में सामाजिक चेतना और एकांकी नाटक आपकी कृतियाँ हैं। पता:-जी. बी. बी. कालेज, मुजफ्फरपुर।

हरिनारायण—कृष्ण सुदामा, वीर वधू, पतिव्रता पत्नी आदि पुस्तकों के प्रणेता। पता:-राव गजानन्द कवि, जयपुर।

हरिनारायण शास्त्री 'आशुकवि'—हिन्दी साहित्य सम्मेलन के बत्तीसवें अधिवेशन की स्वागत समिति के उपाध्यक्ष, विभिन्न साहित्यक संस्थाओं के सक्रिय कार्यकर्त्ता प्रमुख रचनाएं माधव मान, शिक्षा रत्नावली, श्रीहरि गीताञ्जलि, अन्योक्ति शतक आदि।
पता:-जयपुर, राजस्थान।

हरिप्रसाद द्विवेदी—"साहित्य-वाचस्पति" "वियोगी हरि" के नाम से प्रसिद्ध गान्धी जी के रचनात्मक कार्यक्रम में भाग विशेषकर हरिजनोद्धार में प्रयत्न-शील, पाठ्य पुस्तकों में आपकी रचनाएं संग्रहीत हैं। प्रमुख रचनाएं-मन्दिर-प्रवेश, चरखा-स्तोत्र साहित्य-विहार, अन्तर्नाद, ठण्डे-छींटे आदि। पताः-हरिजन-निवास, किंग्सवे, दिल्ली।

हरिप्रसाद "समन"—स्फुट लेखन, हिन्दी-प्रसार में योग।

पताः-सुमन-कुटीर, चम्बा (हिमाचल-प्रदेश)

हरिप्रसाद 'रसिक'—प्रकाश (मा०) का सम्पादन, गद्य-विनोद, रसिक-कवितावली आदि के प्रणेता। पताः-साहित्य-सदन, बेतिया, चम्पारन।

हरिप्रसाद तिवारी—बी० ए०, साहित्य-रत्न, प्रभाकर, विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से सम्बन्धित, फुटकर गद्य-पद्य में लिखते हैं।

पताः-लालकुआं, बुलन्दशहर।

हरिप्रसाद 'हरि'—फुटकर लेखन। पताः-कटरा बाजार, ललितपुर।

हरिओ३म् मीतल—स्फुट कविताएं और लेख, अध्ययन-अध्यापन। पताः-मोतीराम की जीव, सादाबाद गेट, हाथरस।

हरिमोहन "मयङ्क"—फुटकर लेखन, प्रिय विषय-स्फुट कविताएं। स्थायी पताः-नयागञ्ज, हाथरस अथवा हरी शू स्टोर, जौहरी बाजार, जयपुर।

हरिमोहन 'झा'—एम० ए०, भारतीय-दर्शन-परिचय, संस्कृत रचना चन्द्रिका आदि के प्रणेता। पताः-प्राध्यापक दर्शन-विभाग, बी० एन० कालेज, पटना।

हरिमोहनलाल श्रीवास्तव 'मोहन वर्मा'—एम० ए०, एल० टी०, साहित्य-रत्न, रचनाएं-झांसी की रानी, दतिया का जन-आन्दोलन, हिन्दी-साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, अलङ्कार, पिङ्गल और रस आदि। "विजय" और "उदय" दतिया का सम्पादन।

पताः-अध्यापक, हाई स्कूल, दतिया (विन्ध्य-प्रदेश)

हरिलाल बाग्रे—'हिन्दी-प्रचार-सभा' हैदराबाद के अध्यक्ष, फुटकर लेखन। पताः-वकील, हैदराबाद (दक्षिण)

हरिवन्शराय 'बच्चन'—'हालावाद' के प्रवर्त्तक, प्रतिनिधि कवियों में, कविताओं का रेडियो द्वारा प्रसरण, अँग्रेजी साहित्य के अध्ययनार्थ अभी अमेरिका प्रयाण किया है। प्रमुख रचनाएं-

मधुवाला, मधुशाला, बङ्गाल का अकाल, एकान्त-सङ्गीत, मिलन यामिनी आदि। पताः-प्राध्यापक, अँग्रेजी विभाग, प्रयाग यूनीवर्सिटी,

हरिवल्लभ—'भारतेन्दु' और "विकास" (त्रै-मासिक) का सम्पादन। रचनाएं-बुद बुद, कायाकल्प आदि। पताः-सिटी हाई स्कूल, कोटा।

हरिवल्लभ पाण्डे—हिन्दी प्रेमी और प्रचार में रुचि।

पताः-मो० पटपरी, अनूपशहर (उत्तर-प्रदेश)।

हरिवल्लभ 'दाधीच'—अमृतवर्षा, (नाटक) के प्रणेता।

पताः-बूँदी (राजस्थान)।

हरिशङ्कर—एम० ए० (इतिहास-राजनीति) एल० टी०, रचनाएं-स्नेहदान, प्राचीन-भारत, मध्यकालीन-भारत, आपकी रचनाएं प्रमुख पत्रों में छपती हैं। पताः-सैण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर।

हरिशङ्कर—'इन्द्रधनुष' (एकांकी) दशमी, चित्रा (कहानी) आदि कई पुस्तकों का सम्पादन, स्फुट समालोचनात्मक लेख पत्रों में प्रकाशित, बम्बई हिन्दी विद्यापीठ के गत वर्षों से प्रधान-मंत्री, लेख और रूपक रेडियो से प्रसारित, दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार की परम्परा' नामक पुस्तक लिखने में व्यस्त।

पताः-महाराजा बिल्डिङ्ग, १२५ गिरगांव रोड, बम्बई ४.।

हरिशङ्कर वैदिक—प्रकाशित रचनाएं-बिन्दी और कवि का प्रणाम (एकाङ्की)। पताः भदैनी, बनारस।

हरिशङ्कर शर्मा 'कविरत्न'—आर्य जगत के प्रसिद्ध विद्वान, कवि और पत्रकार। सैनिक, साधना, 'भारतोदय' आदि का सम्पादन, आजकल 'आर्य-मित्र' (साप्ता०) का सम्पादन। रचनाएं-घास-पात, (देव पुरस्कार) विक्रम (बम्बई कवि सम्मेलन द्वारा पुरस्कार) सूक्ति सरोवर, जीवन ज्योति, पिंजरापोल, प्रतापी प्रताप आदि। पताः-आगरा।

हरिश्चन्द्र 'सन्त'—फुटकर लेखन। पताः-सम्पादक 'हिन्दू' (साप्ता०) हरिद्वार।

हरिसेवक द्विवेदी 'विप्लवी'—'जीता-संसार' 'आरोग्य-मित्र' (मासिक) का सम्पादन। रचनाएं-दुनियां किधर, पत्रों पर पूँजी-पतियों का हाथ, स्वास्थ्य और जीवन आदि। श्रमजीवी पत्रकार, प्रगतिशील कलाकार। पताः-विप्लव कुटीर, "जीता--संसार" कार्यालय, लश्कर, ग्वालियर।

हरीशमित्र भनोत—फुटकर लेखन, "राजनीति" शिमला का सम्पादन। पता:-रुकबिले लॉज, शिमला।

हरेशचन्द अग्रवाल—एम० ए०, (हिन्दी नागपुर और आगरा) एम० ए० (इतिहास) रचनाएं-अवमूल्यन की समस्याएं, विश्व जनसंख्या की प्रगति, कोयले का 'उद्योग-धन्धा' आदि।

पता:-३४६, कटरा, प्रयाग।

हवलदार त्रिपाठी 'सहृदय'—"बालक" और "हिमालय" के भू० सम्पादक, फुटकर कविताएं लिखी हैं। पता:-सम्पादक "जनता", बाँकीपुर, पटना।

हिरण्यम्—एम० ए० (मद्रास), साहित्य-रत्न, 'चिट्ठी-पत्री' के प्रणेता, कन्नड़ की कई कहानियों और कविताओं का अनुवाद किया है, मैसूर, मद्रास आदि में हिन्दी प्रचार-प्रसार, मैसूर विश्व-विद्यालय में अध्यापन। पता:-हिन्दी-प्राध्यापक ३८, पोलिस स्टेशन रोड, बङ्गलौर--४.।

हीरादेवी चतुर्वेदी—स्त्री लेखिकाओं में प्रमुख, भावुक कवियत्री "मनोरमा" (मासिक) की ख्याति-प्राप्त सम्पादिका, रेडियो से गीतों का प्रसरण, आपकी रचनाएं प्रमुख पत्रों में प्रकाशित होती हैं। प्रमुख रचनाएं-नीलम, मञ्जरी, उलझी लड़ियाँ आदि।

पता:-वेलबिडियर प्रेस, इलाहाबाद।

हीरालाल 'नीरद'—एम० ए०, रचनाएं-प्रलापिनी, दीपदान, किरण बधू, पथशूल (कवि०) आदि। कुमायुनी भाषापर-अन्वेषण। पता:-प्राध्यापक, राजकीय कालेज, अल्मोड़ा।

हीरालाल जैन—एम० ए०, एल० एल० बी०, डी० लिट्; सम्पादित रचनाएं—नल-कुमार-चरित्र, देवेन्द्र-कीर्ति-जैन-माला, माणिकचन्द जैन-ग्रन्थ माला करकण्डू चरित्र, षट्खडागम आदि। अपभ्रन्श भाषा परिचय और इतिहास पर सामग्री एकत्र की है।

पता:-नागपुर, विश्वविद्यालय।

हीरालाल दीक्षित—एम० ए०, पी० एच० डी०, समीक्षात्मक लेख लिखते हैं। पता:-अहियागञ्ज, लखनऊ।

हीरालाल "कौशल"—कई ग्रन्थों का सम्पादन किया है, कई साहित्यिक संस्थाओं से सक्रिय सम्बन्ध। पता:-अध्यापक, हायर सैकिण्ड्री स्कूल, सदर बाजार, दिल्ली।

हुक्मचन्द बुखारिया 'तन्मय'—एम० ए०, साहित्य-रत्न, राष्ट्रीय आन्दोलनों में सक्रिय भाग, कारावास भी भोगा। रचनाएं-प्रहलाद आहुति, पाकिस्तान, मेरे बापू। पताः-ललितपुर, जिला झांसी।

हृषीकेश चतुर्वेदी—विजयावाद' के प्रवर्त्तक कवि, रचनाएं-विजयवाटिका, रसरंग, भंग का लोटा, मेघदूत आदि।

पताः-किनारी बाजार, आगरा।

हृषीकेश शर्मा—प्रेमचन्द्र जी के साथ "हन्स" का सम्पादन। आजकल "राष्ट्र-भारती" का सम्पादन, "दक्षिण-भारत" में हिन्दी का प्रचार-प्रसार। पताः-राष्ट्रभाषा प्रचार-समिति पो० हिन्दी नगर बर्धा, (मध्य-प्रदेश)।

हेमन्त कुमार—नीराजना, हिमकण, धूमिल-चित्र, लवकुश आदि आपकी कृतियाँ हैं। पताः-६४७, मालदारपुर, जबलपुर।

हेमन्त भट्टाचार्य—असमिया साहित्य सम्बन्धी कई पुस्तकें।

· पताः-नौगाँव, आसाम।

क्षितिमोहन सेन, आचार्य—गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के साथ शान्ति-निकेतन में आपका निकट सम्बन्ध रहा है। बिभिन्न विषयों पर आजकल आकाशवाणी केन्द्र दिल्ली से रेडियो-वार्ता प्रसारित करते हैं। पताः-द्वारा आल इण्डिया रेडियो, नई दिल्ली।

क्षेमचन्द्र गोस्वामी—विशारद, हिन्दी-प्रचार में योग।

पताः—हिन्दी-विभाग, श्री गौतम-कला-मन्दिर, गोस्वामी चौक, बीकानेर।

क्षेमचन्द्र 'सुमन'—'हिन्दी-मिलाप' 'आर्य' 'शिक्षा-सुधा' आदि पत्रों का सम्पादन। प्रमुख रचनाएं-मल्लिका, कारा बन्दी के गान (कवि०) मैं भक्री हूँ, नीर-क्षीर, लालकिले की ओर, (सङ्कलित) हड़ताल (उप०) आदि अनेक पुस्तकों के प्रणेता, सफल कवि और लेखक। पताः-४४६७, हाथी खाना, पहाड़ी धीरज, दिल्ली।

क्षेमेन्द्र शर्मा गुलेरी—विश्व प्रसिद्ध 'उसने कहा था' कहानी के लेखक स्व० चन्द्रधर शर्मा गुलेरी के भ्रातृज, फुटकर लेखन।

पताः-ट्रान्सलेटर, जन-सम्पर्क विभाग, पंजाब सरकार, शिमला-२।

त्र्यंबक रामचन्द्र अभङ्ग—रचनाएं-राष्ट्रीय गीतांचा मेजवानी, अभङ्गवाणी, प्रचीति। पताः-अभङ्ग एजेन्सी, सतारा।

त्रिभुवननाथ गुप्त—स्फुट लेख और कहानियाँ। पताः-द्वारा रामेश्वर प्रसाद गुप्त, मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर।

त्रिगुणानन्द शुक्ल—एम० ए०, फुटकर लेख। पताः-'आर्यावर्त्त' दैनिक, पटना।

त्रिलोकचन्द्र 'चन्द्र'—'भक्त नरसी' 'दुर्गा' आदि प्रकाशित रचनाएं हैं। पताः-सूर्यकुण्ड, मेरठ।

त्रिलोकीनाथ "विमल"—एम० ए०, बी० एस० सी०, एल० टी०, 'साहित्य-परिषद्' हाथरस के प्रमुख सहयोगी, स्फुट कविताएं।

पताः-गौड़ निवास, मुरसान गेट, हाथरस।

त्रिलोकी नारायण 'दीक्षित'—डाक्टर रामकुमार वर्मा के साथ "हिन्दी-साहित्य का इतिहास" लिखा है। पताः-हिन्दी-विभाग, लखनऊ, विश्वविद्यालय।

त्रिलोचन शास्त्री—'हन्स' और 'चित्ररेखा' (मा०) का सम्पादन, शब्द-कोश (सम्पादित) धरती, प्रवाह, जीवित-सपने आदि आपकी प्रकाशित रचनाएं हैं। पताः-चिरानी पट्टी, हमीदपुर, सुलतानपुर।

त्रिवेणी शर्मा 'सुधाकर'—'भारतीय राजनीति और विद्यार्थी' आपकी प्रकाशित कृति है। पताः-मझियावाँ, खटाँगी, गया।

ज्ञानचन्द्र जैन—रचनाएं-विनोद शङ्कर व्यास के साथ 'कहानी-कला', 'मीरा की प्रेम-साधना' लिखी हैं। संसार की सर्व-श्रेष्ठ कहानियाँ (सम्पा०) आदि। पताः-"नवजीवन" दैनिक, लखनऊ।

ज्ञानचन्द्र माथुर 'मतवाला'—हस्तलिखित पत्रिका "प्रेम" का सम्पादन, विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से सहयोग रहा है। रचनाएं 'उपवन' 'बादल' (अप्रका०) तथा स्फुट लेख व कहानियाँ विभिन्न पत्रों में प्रकाशित। पताः-लोड़ों की गली, गुसाला की ढाणी, वीर-मुहल्ला, जोधपुर (राजस्थान)।

ज्ञानेन्द्र—सम्पादक 'पाञ्चजन्य' (साप्ता०) स्फुट लेखन।

पताः-राष्ट्रधर्म-प्रकाशन, लखनऊ।

ज्ञानेन्द्र 'पथिक'—फुटकर लेखन, कई पत्रों के सम्पादन में योग। पताः—"प्रताप" कार्यालय, कानपुर।

बाबा देवीदास जी

अनेकों स्फुट आलो-
चनात्मक साहित्यक
तथा व्यंगात्मक साम-
यिक लेख, धार्मिक
अभिरुचि

कुमारीकान्ता देवी गुप्ता

(परिचय पृष्ठ १९६)

परिशिष्ट

['शारदा सेवक' के अवशिष्ट परिचय]

अमरचन्द शर्मा 'राही'—नवोदित तरुण भावुक गीतकार और कोकिल कण्ठ गायक, 'साहित्य परिषद हाथरस के सक्रिय सदस्य। पता:-गिर्राज टैम्पिल, हाथरस (उत्तर प्रदेश)।

अनिरुद्ध 'झा'—एम. ए. (कलकत्ता) निरीक्षक जैक्सन होस्टल साहित्य से प्रेम। पता:-पटना कालेज, पटना।

अवधनारायणसिंह—फुटकर कहानियां और कविताएं। पता:-ग्राम भीखपुर, पोस्ट-मुँगरा बादशाहपुर, (जौनपुर)।

अटलबिहारी बाजपेयी—एम. ए., नवयुवक कवि तथा ओजस्वी वक्ता, सम्पादक 'स्वदेश' दैनिक तथा राष्ट्र-धर्म (मासिक)। पता:-राष्ट्र धर्म प्रकाशन, सदर, लखनऊ।

अनन्तराम 'नागर'—बी. ए., एल. टी., 'प्रतिभा' स्कूल पत्रिका का सम्पादन-प्रकाशन, स्फुट लेख, कविताएं और कहानियाँ प्रकाशित, विभिन्न साहित्यिक परिषदों के प्रमुख कार्यकर्त्ता, अध्यापन वृत्ति। पता:-सहायक अध्यापक, पोद्दार हायर सैकिण्डरी स्कूल मथुरा,

अरविन्दकुमार—साहित्य-प्रेमी, नवोदित कलाकार संगम के सक्रिय सदस्य। पता:-करौल बाग, नई दिल्ली-५।

अमियचन्द्र शर्मा—भावुक तरुण कवि। पता:-गुडरिच टी स्टेट, चौहड़पुर, देहरादून।

अन्तराम शर्मा—हाथरस के 'रसियों' के प्रसिद्ध 'विप्र' अखाड़े के प्रमुख कवि। पता:-रुई की मण्डी, हाथरस।

अहमदअब्बास ख्वाजा—'सरगम' (मासिक) बम्बई के यशस्वी सम्पादक, भारत के प्रमुख प्रगतिशील कहानीकार, आजकल आप सिने क्षेत्र में कहानी, संवाद लेखक के रूप में पर्याप्त ख्याति प्राप्त कर चुके हैं, आपकी प्रगतिशील रचनाएं प्रमुख पत्रों में छपती हैं। पता:-बम्बई।

अमरचन्द शर्मा 'वियोगी'-स्फुट प्रकाशित तथा अप्रकाशित कविताएं। पता:-गिरिराजकुमारी संस्कृत विद्यालय, गभानास्टेट (अलीगढ़)

अर्जुनप्रसाद त्रिपाठी—स्फुट सामाजिक लेख व कहानियां लिखते हैं। पता:-ग्राम-पत्रालय नीमापुर (जौनपुर)।

अध्यापक प्रसाद—साहित्य सृजन, साहित्य-प्रचार और सांस्कृतिक उत्थान में सदैव रत, पता:-मारवाड़ जिला कुमार साहित्य परिषद, परबतसर (राजस्थान)

(डाक्टर) **आनन्द**—वीर रस के बहुत प्रसिद्ध कवि, 'झाँसी की रानी' से अधिक ख्याति प्राप्त हुई "एम० एल० ए० राज्य" आपकी वर्तमान प्रमुख पुस्तक है। पता:-जालौन।

आशाकान्त बी० आचार्य—'मानवता' 'हमारे-गाँव' अकोला, 'राष्ट्र-भाषा' वर्धा के सम्पादन में योग, 'लोकवाणी' के सह-सम्पादक प्रमुख रचनाएं प्रतिध्वनि, मन के गीत, जयघोष तथा बालोपयोगी पुस्तकें। पताः-नवयुग-साहित्य-निकेतन, अमरावती।

आशाराम पाण्डेय—स्फुट कविताएं, सुगायक अध्ययनशील, पताः-द्वादशश्रेणी हिन्दू कालेज, बनारस।

ओमप्रकाश शर्मा—कई परीक्षा संस्थाओं के केन्द्र व्यवस्थापक, 'विद्या प्रकाश मन्दिर के संस्थापक, स्फुट लेखन। पताः-घाटी बहाल राय, मथुरा।

ओमप्रकाश गुप्ता—साहित्यक अभिरुचि और हिन्दी प्रचार में योग, पताः-गुप्ता-भवन, भाटवाड़ा मेरठ।

ओमप्रकाश शर्मा—बी० ए० एल० टी० स्फुट लेखन।
पताः-प्राध्यापक ए० एस० जाट हाईस्कूल लखावटी।

इकबाल नारायण श्री वास्तव—नई पीढ़ी के प्रगतिशील कवि, रचनाएं प्रमुख पत्रों में छपती हैं आपकी रचनाओं का विषय सर्वहारा और शोषित वर्ग है, पताः-प्राध्यापक, अँगरेजी विभाग, आगरा कालेज, आगरा।

इन्द्रनारायण गुर्टू—(परिचय पृष्ठ, ८,) "प्रवाह" (मासिक) की यशस्वी सम्पादिका सुश्री शचीरानी गुर्टू के पति, भूतपूर्व प्रधान सम्पादक, "नवयुग" (साप्ता०) दिल्ली, पताः-७.२३, दरियागंज, दिल्ली

उमेशप्रसाद शर्मा—जन्म १६३२, हिन्दी साहित्य से अनुराग पताः-मु० रामनौमी, द्वारा पं० कुञ्ज बिहारी लाल चंदौसी।

ए० वासुमेनोन विद्वान राष्ट्र भाषा—प्रवीण, दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार और प्रसार में योग। पताः-प्रधान अध्यापक, हिन्दी महाविद्यालय, सुलत्तान पेट्टा, पालघाट (दक्षिण)।

कट्टे गोपालकृष्णाचार्य—फुटकर लेखन, अध्यापन वृत्ति।
पताः-अध्यापक इस्लामिया एंग्लो उर्दू हाईस्कूल भटकल उत्तर कनड़ा,

कान्तीलाल आर. पारीख—प्रकाशित झण्डू पंचाङ्ग, चिकित्सा सार। पताः-चाँदनी चौक, दिल्ली।

कुमारी कान्तादेवी गुप्ता—जनकवि निर्भय' हाथरसी की धर्म बहिन ,नारी स्वातन्त्र्य की भावना से बहुत कुछ लिखा है। फुटकर प्रकाशन, आलोचनात्मक लेखिका। पताः-द्वारा प्रो० गंगासहाय एम. ए. २६ न्यू कालोनी, रोहतक।

कुमारी कान्ता रानी शर्मा—साहित्य और संगीत से प्रेम। पता:-द्वारा रामबाबू शर्मा, सादाबाद गेट, हाथरस।

किशन 'अटल'—'कर्मभूमि' (दै०) अजमेर, 'न्यायदूत' 'प्रभात' (साप्ता०) राजपूत-हीरो (पाक्षिक अंग्रेजी संस्करण) "सिनेमा" (साप्ताहिक) अजमेर 'जागृत-भारत (दैनिक) कासगंज आदि का सम्पादन, रचनाएं-मुद्रण-कम्पोजिङ्ग कला, कुणाल (नाटक) मुंजराज (नाटक) अप्रकाशित, पता:-द्वारा छदामीलाल आढ़ती, सोरों दरवाजा, कासगंज (एटा)

किशनमोहन शर्मा 'अनुपम'—स्फुट कहानियाँ और लेख, पता:-गली पाठक, हाथरस।

किशनलाल शर्मा 'मिठाई वाले'—रसियों के प्रमुख 'विप्र अखाड़े' के आधार स्तम्भ। पता:-लोहट बाजार, हाथरस।

किशनसिंह ठाकुर—रसियों के आशुकवि, विप्र अखाड़े की प्रसिद्धि के आप प्रमुख कारण हैं, एक से एक बढ़िया आपके हजारों रसिये हैं, अभी आप से बड़ी बड़ी आशायें हैं। पता:-चौक अठबरियान हाथरस।

कुञ्जबिहारी लाल माथुर—'वालंटियर' (मासिक) के सम्पादन में योग, 'जातीय सेवक' फुटकर बहुत कुछ लिखते हैं। पता:-कुन्दन भवन, हिण्डौन, जयपुर (राजस्थान)।

कृष्णलाल शर्मा:—साहित्यानुरागी, भूतपूर्व सभापति एवं संस्थापक उत्तर-प्रदेश बैङ्क कर्मचारी संघ, प्रान्तीय व अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य, पंजाब नेशनल बैंक लि०, हाथरस शाखा में प्रधान कोषाध्यक्ष, स्फुट लेखन, पता:-लखपती मौहल्ला, मजूकेटेडलेन, हाथरस।

कृष्णप्रसाद गुप्त 'शशिकर':—"वीर-सैनिक" का सम्पादन, कवि, कहानीकार, पत्रकार और स्कैच चित्रकार, देहातों में हिन्दी प्रचार, रचनाएं कलानिधि के तट पर, पीपल का पत्ता, और इतिहास तब रो उठा, सिंहभूमि साहित्य के हिन्दी में प्रथम लेखक। पता:-श्री दीप निवास, सीताराम श्याम नारायण पथ, चक्रधरपुर (सिंहभूमि)

कृष्णदत्त मिश्रा 'विमल'—भावुककवि, पता:-द्वारा पं० कुन्दन लाल मिश्रा, पोस्ट-मास्टर, नगला पाइसा, मथुरा।

कृष्णराय निलोगल—जन्म-दीपावलि १६०० हिन्दी परीक्षाओं की अपने क्षेत्र में व्यवस्था की, विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में स्फुट लेख

रचनाएं-हिन्दी-उर्दू में जिन्सक सुधार आदि। पता:-कुष्टगि (जिला रामचूर) दक्षिण।

कृष्णदत्त बाजपेयी—हिन्दी के सुप्रसिद्ध विद्वान्, कई पुस्तकों के प्रणेता, पता:-६४ कर्नलगंज, प्रयाग।

कृष्णचन्दर—एम० ए०, भारत के सुप्रसिद्ध प्रगतिशील कहानी लेखक आपकी कहानियों का हिन्दी जगत में खूब स्वागत हुआ है, रेडियो और कालेज में भी वृत्ति कर चुके हैं, आजकल सिने क्षेत्र में पता:-बम्बई।

काकि जेसुदास—जन्म-१९२६ तिलक हिन्दी विद्यालय में अध्यापन, योग्य शिक्षक, स्फुट लेखन, हिन्दी प्रचारक। पता:-काकि जेसुदास, हिन्दी शिक्षक, एटानगर, तेनाली (पो०) जि० गुण्टूर।

केशवदेव मिश्र 'कमल'—(परिचय पृष्ठ ३४)। पता:-साहित्य सदन, लालपुर, पो० रूपधनी (एटा)।

के० सी० शोषित—'नवोदित कलाकार संगम' दिल्ली के सक्रिय सदस्य, नवोदित कलाकार। पता:-जामिया मिलिया हाल, अजमल खां रोड, करौल बाग, नई देहली-५।

केतिरेड्डि जनार्दन रेड्डि देशमुख--सं० १९७१ (जन्म) द० भा० हि० प्र० सभा मद्रास और राष्ट्र भाषा प्रचार समिति वर्धा के लिए अध्यापन, हिन्दी प्रचारक, स्फुट लेखन। पता:-मुकाम-पत्रालय गोहिपर्ति, ता० सूर्यापेठ, निजाम स्टेट।

कैलाशचन्द्र गुप्ता 'पथिक'--मई १९३६ पीली भीत (जन्म) स्फुट कहानियां 'पथिक' (उपन्यास) लिखने में व्यस्त। पता:-द्वारा रामदेवी गुप्ता, राशनिङ्ग इन्सपेक्टर, तबेला, सरक्यूलर रोड, हाथरस।

कैलाशविहारी सक्सेना 'कैलाश'—हिन्दी प्रेमी, प्रचार में योग, पता:-अध्यक्ष 'बालसमाज' पो० महर (जी. आई. पी. रेलवे)

(पण्डित) खूबीराम शर्मा 'खूबी'—प्राचीन परिपाटी के कवि हैं, पिंगल के ज्ञाता हैं, आपने रसिये तथा झूलने बहुत लिखे हैं। 'खिल्लो खूबी' के नाम से अधिक प्रसिद्ध हैं। पता:-सीकनापान, हाथरस।

खचेरमल 'आटेवाले'—हाथरस के प्रसिद्ध रसिये बाज, रसियों के एक अखाड़े के संचालक, रसियों की हजारों ही पुस्तकें प्रकाशित हैं, जिन्होंने लोक साहित्य में बहुत बड़ा योग दिया है। आपके सैकड़ों ही शागिर्द हैं। पता:- नयागंज, हाथरस।

गजराजसिंह 'सरोज'—प्रदेशीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य, राष्ट्रीय आन्दोलन में सक्रिय भाग, 'अहिंसा' आपकी स्फुट राष्ट्रीय कविताओं का संग्रह है। पताः-वैद्य, सिकन्दराराऊ (अलीगढ़)

गंगाशरण 'गंग'-हास्यरस के कवि, बहुत सी फुटकर कविताएं छप चुकी हैं। पताः-गली मालियान, हाथरस।

गणेशप्रसाद खरे—'हिन्दी प्रचारिणी सभा' के मन्त्री, नये लेखकों को प्रोत्साहन, परिचयात्मक साहित्य का संकलन, 'परिचय पारिजात' के सह-सम्पा०, प्रसिद्ध गल्प कहानी लेखक, तरुण कलाकार। पताः-फुटेरा नं० २, दमोह (मध्य-प्रदेश)।

गिरधरगोपाल 'राठी'—साहित्यानुरागी, हिन्दी प्रचार में योग, पताः-४०, नलिया बखल, इन्दौर।

गिरिजा मनोहर—हिन्दी प्रेमी विद्यार्थी, पताः-मिडिल स्कूल, हुजूराबाद (दक्षिण)।

गेंदालाल—हाथरस के प्राचीन कवि, आपके रसियों के रिकार्ड भी बन चुके हैं, 'लोक साहित्य के निर्माण में योगदान 'गेंदा-लछमन' के नाम से प्रसिद्ध। पताः-गुड़िहाई बाजार हाथरस।

गोवर्द्धन शर्मा—१ जुलाई १९२७ (जन्म) बी. ए, साहित्य-रत्न, 'मतवाला' (पा०) लोक-जीवन (सा०) के भू० स०, सुप्रसिद्ध पत्रों में रचनाएं छपती हैं, अनेक रचनाएं राजस्थान रेडियो से प्रसारित, अ० भा० कुमार हि० सा० सम्मेलन के प्रधान मन्त्री।
पताः-सरदारपुरा, जोधपुर।

गोपालशंकर नागर—बी. ए. साहित्य-रत्न, हिन्दी साहित्य परिषद् के भू० प्रधान मन्त्री। आपके मन्त्रित्वकाल में अ० भा० ब्रज साहित्य मण्डल की स्थापना "ब्रज नाट्य-परिषद्" के सदस्य "भारती" स्कूल पत्रिका का प्रकाशन, "मेघदूत" तथा "वेणुगीत" अतुकान्त शैली में। पताः-विहारीपुरा मथुरा अथवा किशोरीरमण इण्टर कालेज, मथुरा।

गोविन्दराम व्यास वेदाचार्य—वयोवृद्ध साहित्य विचारक, आजकल वेदों पर टीका एवं आलोचनात्मक लेख लिख रहे हैं।
पताः-सहपऊ (मथुरा)।

गौरीशंकर लवानियां—हाथरस, एम. ए., एम. एस. सी. (कृषि) पी० एच० डी०, कृषि विज्ञान विशेषज्ञ स्फुट लेखन। पताः-एग्रीकल्चर कालेज, हिन्दू विश्व विद्यालय, बनारस।

गोपालदास शर्मा—एम० ए०, साहित्य-रत्न, 'साहित्य-परिषद' हाथरस के स्तम्भ, फुटकर कविताएं लिखी हैं, साहित्यानुरागी, प्राध्यापक बागला कालेज, हाथरस। पताः-सीयल, हाथरस।

घनश्याम अष्ठाना—(परिचय पृष्ठ ४६)। पताः-प्राध्यापक, आँग्ल-विभाग, आगरा कालेज, आगरा।

चन्द्रशेखर तिवारी—बी० ए०, विशारद, हिन्दी प्रचार में योग-दान, साहित्योनुरागी। पताः-८३, गान्धी गंज, जबलपुर।

चद्रशेखर शर्मा 'प्रभात-'किरण'—(परिचय, पृष्ठ ५२) सिनेगीत कार, फक्कड़ और मनमौजी। पताः-ग्राम पत्रा० पोरा (अलीगढ़)

चन्द्रकान्त जी 'ध्रुव'—एम० ए०; ओजस्वी लेखक और कवि रचनाएं-:'काश्मीर की घाटी" 'सन् सत्तावन' तथा 'इन्द्रधनुष' (प्रकाशन पथ पर)। पताः-१३५, कटरा, मैनपुरी।

चन्द्रप्रकाश 'राकेश'—हिन्दी प्रचार में योग, साहित्यनुराग, प्रका० स्फुट,। पताः-सहायक हिन्दी अध्यापक, श्री सुभाष हायर सैकण्डरी स्कूल, आंवला, बरेली (उत्तर प्रदेश)

चन्द्रप्रकाश "मधुकर"—कई सिने पत्रों के सम्पादन में योग, सिने गीतकार और सिने पत्रकार,। पताः-१६२, एच० दिल्ली रोड, मेरठ (यू० पी०)।

चाँदमल 'वर्णावर—साहित्य प्रेमी, हिन्दी प्रचार में यथेष्ट सहायता। पताः-श्री जैन रत्न विद्यालय, भोपालगढ़ (जोधपुर स्टेट) राजस्थान।

चन्दोमल—'सपरेटा' बात की बात में हास्यरस के जनप्रिय 'रसिये' बना लेने में पूर्ण सिद्ध हस्त। पताः-सादाबाद गेट हाथरस।

चुन्नीलाल चतुर्वेदी—प्रभाकर, फुटकर नाटक, निबन्ध, कहानी और कविताएं प्रकाशित। पताः-दलपत भवन, मानिक चौक, मथुरा (उत्तर प्रदेश)।

चुन्नीलाल शेष 'विशारद'—'साहित्य-परिषद' तथा ब्रज साहित्य मण्डल आदि में सेवाएं, फुटकर ब्रजभाषा में रचनाएं।
पताः-विश्राम बाजार, मथुरा।

चिरंजीत—(पृष्ठ ४५) भारत के तरुण श्रेष्ठ कवियों में आपका विशिष्ट स्थान, रेडियो रूपक और ध्वनि नाटिकाएं भी लिखी हैं।

छीतरमल ज्योतिषी—हाथरस के श्री शनि मन्दिर के पुजारी प्रमुख ज्योतिषी, सैकड़ों ही स्वाँग (नोटंकी) की पुस्तकें प्रकाशित हैं,

घर का घर लोक कवि है, पिंगल शास्त्र के विशेष ज्ञाता हैं।
पता:-श्री शनिमन्दिर, चाइबुर्ज, हाथरस।

'छोटू' नारायण—(डाक्टर) आपने बहुत कुछ लिखा है, सिन्दूर दान तथा कई पुस्तकें शीघ्र ही प्रकाशित हो रही हैं। पता:-कुशाढ़ो पो० नेबरा, (पटना)।

जगदीश दयाल 'सक्सेना'—एम० ए० (राजनीति) हर्बर्ट कालेज, कोटा, फुटकर कविताएं और कहानियां विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित, पता:-सूरजमल जोधा का मकान, राष्ट्रदूत प्रेस के सामने, हल्दियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर।

जगदीशलाल माथुर 'पंकज'—अगस्त १९३१, जोधपुर की कई साहित्यिक संस्थाओं के सक्रिय सहयोगी, रचनाएं-'हमारी-मानवता 'दो-आंसू', 'प्रेम-बन्धन, (अप्रका०), बालोपयोगी। पता:-१२ रेलवे बंगला, माल गोदाम, जोधपुर (राजस्थान)

जनकराय जी 'साहित्य-रत्न'—"प्रभात" का सम्पादन, आपकी देखरेख में "किरण" का प्रकाशन, उदीयमान आलोचक, रचनाएं उपवन (निबन्ध-संग्रह) "शान्ति की साधना" (आलो०) पता:-प्रधानाध्यापक हिन्दी-विभाग, गुरुकुल विद्यालय, मेंहियाँ, छपरा।

जयचरनलाल 'अनल'—फुटकर कविताएं लिखी हैं, पता:-सिकन्दराराऊ (अलीगढ़)

जयनारायण शर्मा—"रसियों" की कई लोकप्रिय पुस्तकें लिखी हैं, 'तीखे शर्मा' के नाम से प्रसिद्ध हैं, कई अखाड़ों के खलीफा हैं, स्थानीय लोक साहित्य में बहुत माने जाते हैं। पता:-सुन्दर-बिल्डिंग, हाथरस।

जयलाल 'प्रभाकर'—'नवोदित कलाकार संगम' के सदस्य, नवोदित लेखक, पता:-द्वारा-जामिया-मिलिया हाल, अजमल खाँ रोड, करौल बाग, नई-देहली-५।

जयशङ्कर नाथ 'मिश्र'—"सरोज" एम० ए०, (पृष्ठ ६५ पर परिचय) फुटकर प्रकाशन लगभग सभी दैनिक और मासिक पत्रों में, प्रकाशन-अनेक कहानियाँ, कविताएं और आलोचनात्मक लेख, रेडियो वार्ता आदि तीन पुस्तकें प्रकाशन पथ पर, कल्पना (कविताएं) विचार-दर्शन (आलो०) सुनहले सांप (कहा०) आदि। 'हिन्दी में आलोचना साहित्य के विकास' पर पी० एच० डी० के लिए कार्य कर रहे हैं। पता:-मिश्र-निवास, शंकरी टोला, चौक, लखनऊ।

ज्वालाप्रसाद सिंह—एम० ए०, एल० एल०बी०, साहित्यानुरागी पता:-वकील बेतिया (चम्पारन)

जीवाराम 'निशंक'— फिल्मी-पैरोडियाँ बहुत लिखी हैं, बायलिन बजाने का विशेष शौक है, पता:-सादाबाद गेट, हाथरस।

जुगुलकिशोर चतुर्वेदी—"रत्नेश" स्फुट कविताएं, कहानी, एकाङ्की नाटक एवं निबन्ध लिखे हैं, पता:-गुजरहाना गली; मथुरा

जोगय्या:—हिन्दी-प्रचार प्रसार में योग, केन्द्र व्यवस्थापक, हिन्दी परीक्षा, पता:-व्यवस्थापक, हिन्दी केन्द्र, हजूराबाद (दक्षिण)

तीर गुजराती—पंजाब छोड़कर आये हुए पुरुषार्थी कवि, बहुत सुन्दर कविताएं लिखते हैं। पता:-शू मर्चेण्ट, बारहद्वारी, हाथरस।

तुलसीप्रसाद 'सहयोगी'—"रचना" (पाक्षिक) के भू० प्रधान सम्पादक, 'समाजोत्थान' (मा०) की सञ्चालन समिति के सदस्य, सामाजिक और राजनैतिक कार्यकर्त्ता। पता:-तुलसी-भवन, नाई नगला, हाथरस।

दशरथकुमार 'नयन'—हास्यरस के फुटकर कवि। पता-पला करतली, डेरी फार्म, अलीगढ़।

दीनानाथ चतुर्वेदी 'सुमनेश'—(जनकवि) (परिचय पृष्ठ ७१) साहित्य वाचस्पति शास्त्री, साहित्य-रत्न, व्रज भाषा तथा खड़ी बोली में समान गति से लिखते हैं, सिने गीतकार, एम. ए. तक संस्कृत हिन्दी का अध्यापन कराना, ज्योतिष के जानकार, प्रतिमा मरघट, यक्षिणी, सूरशतक, के प्रणेता, 'सुमनेश कवि मण्डल, व्रज साहित्य मण्डल आदि से सम्बन्धित। पता:-गतश्रम टीला, मथुरा।

ध्रुवसिंह 'जाटवेन्दु'—एम. ए., (अर्थ०) एम. ए. (हिन्दी प्री०) एल. एल. बी. (प्री०) आगरा विश्वविद्यालय। 'जीवन' के सम्पादन में योग. उत्तर प्रदेश दलित जातीय विद्यार्थी संघ के अध्यक्ष, दार्शनिक विचार धारा, स्फुट प्रकाशन, दो अप्रकाशित नाटक आई. सी. एस. का परीक्षार्थी और परीक्षा। पता:-वसुदेव आनन्द कुटीर, खन्दारीगढ़ी, हाथरस (अलीगढ़)।

नरसिंह शास्त्री—साहित्यानुरागी स्थानीय हिन्दी केन्द्र के कार्य दर्शी। पता:-अध्यापक, मिडिल स्कूल, हुजूराबाद (दक्षिण)।

नन्दकिशोर पाराशर—शास्त्री, प्रभाकर कई सामाजिक व साहित्यिक परिषदों के सदस्य, स्फुट कविताएं लिखते हैं।
पता:-हाथी गली, चौबिया पाड़ा, मथुरा, अथवा क्लर्क, कलक्टरेट, मथुरा।

नन्दकिशोर 'झा' किशोर-काव्य तीर्थ बी. ए. (परिचय पृष्ठ ८०) रचनाएं-भर्तृहरि-वैराग्य नाटक (अनु०) प्रिय प्रवास पाथेय

(समालो०) मेरी सबसे बड़ी कहानी (कहानी संग्रह)।
पताः-श्रीनगर, बेतिया, चम्पारन।

नवनीत—(कविरत्न) प्राचीन कविताओं का संग्रह तथा अन्य गवेषणात्मक लेख, 'व्रजबानी' गीतगोविन्द, ध्वन्यालोक (अनु०)। पताः-मारूगली, महल वाले चतुर्वेदी, मथुरा।

नवनीतलाल त्रिवेदी नागर—शास्त्री, साहित्य-रत्न, मथुरा की समस्त साहित्यिक संस्थाओं में योगदान, स्फुट कविताएं; अध्यापन वृत्ति। पताः-बिहारीपुरा, मथुरा।

नलिनी चौसालकर—(कुमारी) हिन्दी प्रेमिका, साहित्यानुरागिनी, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद की 'उत्तमा' परीक्षा पास।
पताः--द्वारा पुरुषोत्तमराव, चौसालकर वकील मु० बीड (हैदराबाद दक्षिण)।

नरेन्द्र गुप्ता—हिन्दी की प्रगति करने में हाथ बँटाते हैं, स्फुट छोटे छोटे लेख व कहानी लिखते हैं। पताः-द्वारा श्री यो० नू० विद्यालय, मोमिनाबाद (दक्षिण)।

नाथूलाल गुप्ता--साहित्यानुरागी, हिन्दी प्रचार में योग। पताः-अध्यापक, माधवगंज, भेलसा।

नारायण चतुर्वेदी—पांच वर्ष से 'अमर ज्योति' का सम्पादन, कांग्रेसी कार्यकर्त्ता, राजस्थान पत्रकार संघ के मन्त्री, स्फुट लेखन राजस्थान विधान सभा के चुने हुए सदस्य। पताः-'अमर ज्योति' कार्यालय, जयपुर।

प्रभाकरसिंह 'वर्मा'—साधारणतया कविता में ही बातचीत करने की अद्भुत प्रतिभा। पताः-प्राध्यापक, हिन्दू इण्टर कालेज, शिवहारा (बिजनौर)

प्रियतम दत्त 'चच्चन'—बी० ए० प्रभाकर, साहित्य-रत्न, जन्म बिहार, भूतपूर्व सम्पादक 'जनार्दन' मथुरा। कवि, आलोचक व कहानीकार, मधुशाला प्रकाशित (कविताओं का संग्रह) अध्यक्ष हिन्दी विभाग, श्री माथुर चतुर्वेदी विद्यालय, डैम्पियर पार्क, मथुरा। पताः-महोली की पौर, चौबिया पाड़ा, मथुरा।

पि० राजन्नाः—हिन्दी प्रचार में योगदान, सहायक कार्यदर्शी स्थानीय हिन्दी केन्द्र, पताः-अध्यापक, मिडिल स्कूल, हुजूराबाद।

प्रेमदेव शर्मा 'अभय':—स्फुट कविताएं तथा लेख, पताः-द्वारा नन्नूमल शर्मा, बिलरामगेट, कासगंज।

फतहचन्द शर्मा "आराधक"—(परिचय पृष्ठ ६३) पताः-"नव-भारत टाइम्स" कार्यालय, १० दरियागंज, दिल्ली,

बाबूमल एल. हरण—'साहित्य-रत्न' (परिचय पृष्ठ ६८) आज कल-'यूरोपियन-हिस्ट्री' पर लिख रहे हैं जो शीघ्र प्रकाशित होगी लोक व प्रौढ़ शिक्षण का कार्य, रचनाएं 'सरल-हिन्दी माला' भाग दूसरा 'गान्धी-पाठशाला' प्रदीपिका, युगधारा, जीवन-कण आदि। पताः-हरिणों का बास, सिरोही राज्य, सिरोही (राजस्थान)

भगवत शरण चतुर्वेदी 'प्रभाकर':—सम्पादक "विश्व-कल्याण" पत्र-प्रतिनिधि, स्फुट लेखन, कविताएं, लेख और कहानियाँ लिखते हैं, विभिन्न पत्रों में स्फुट रचनाएं प्रकाशित। पताः-१४६, ब्रह्मकुण्ड, वृन्दावन (मथुरा)

भगवान दत्त चतुर्वेदी—'हिन्दी-प्रचारिणी सभा,' हिन्दी-साहित्य परिषद' 'ब्रज साहित्य मण्डल' आदि की कार्यकारिणी के सदस्य, प्रान्तीय तथा अखिल भारतीय कवि सम्मेलनों में कवि के रूप में सम्मिलित, स्फुट लेखन 'माथुर-हितैषी' का सम्पादन, पताः-गजा पायसा, मथुरा।

भारतेन्द्र नाथ—साहित्यालंकार, स्फुट लेखन-प्रकाशन, "आर्य" (साप्ता०) के सह-सम्पादक, पताः-"आर्य कार्यालय, अम्बाला, छावनी।

महावीरसिंह—भावुक कवि, "धूमिल-दीप" कविता पुस्तक तथा एक महाकाव्य प्रकाशन के पथ पर, पताः-२ खुर्जा गेट, चन्दौसी।

महेश्वरनाथ चतुर्वेदी—(महेश्वरानन्द जी) "महेश्वरानन्द भजनमाला" प्रकाशित तथा अन्य स्फुट कविताएं। पताः-वैना, पो० कड़सर, (शाहाबाद)

मुल्कराज 'आनन्द' डाक्टर—भारत के प्रमुख प्रगतिशील लेखक, अंग्रेजी और हिन्दी में समानगति से लिखते हैं। विश्व के प्रथम प्रगतिशील लेखक सम्मेलन में भारत की ओर से सम्मिलित हुए, प्रमुख पत्रों में रचनाएं छपती हैं, पताः-बम्बई।

मूलचन्द 'दादा'—व्यङ्गात्मक हास्यरस की सैकड़ों ही कुण्डलियाँ, बारहमासियां लिखी हैं, पताः-रामजीद्वारा, हाथरस।

मूलशंकर नागर 'दास'—साहित्य-रत्न संस्थापक (साहित्य गोष्ठी, श्री नागर युवक मण्डल पुस्तकालय एवं वाचनालय का

कार्य, रचनाएं 'कुमार-सम्भव पंचम सर्ग, कर्णार्जुन-युद्ध को काव्यबद्ध किया। फुटकर गद्य-काव्य भी लिखा है, पताः-बिहारी पुरा, गलीसेठ भीकचन्द, मथुरा।

यशवन्तकुमार 'नयन'—भावुक कवि, कहानीकार, शुद्ध भावनाओं से साहित्याराधना करने की भावना, पताः–बैतूल बाजार (बैतूल)

यज्ञनारायण—(पृष्ठ ११६) आप गोलोक वासी हो गए हैं।

यलमंचिलि वेंकटप्पय्या चौधरी—(परिचय, पृष्ठ ११८) संस्थापक व्यवस्थापक एवं प्रधानाध्यापक "आदर्श बालिका पाठशाला", हिन्दी प्रचार की दृष्टि से विभिन्न परीक्षा केन्द्रों की स्थापना,

रामचरण महेन्द्र—(परिचय पृष्ठ १३४) शिक्षा एम० ए०, पी० एच० डी० (स्कॉलर) हिन्दी एकांकी नाटकों पर रिसर्च कर रहे हैं, राजस्थान साहित्यकार संसद के उपाध्यक्ष। हिन्दी एकाङ्की का उदय तथा विकास, हिन्दी के प्रमुख (एकाङ्कीकार) हँसी खुशी का जीवन, जीवन–समस्याएं, आप स्वास्थ्य, मनोविज्ञान, अध्यात्म, साहित्य आदि सभी विषयों पर लिखते हैं।

रामलला (लला कवि)—(परिचय पृष्ठ १४१) प्रकाशन वीर विक्रमादित्य, 'द्रोपदी–दुकूल, पताः–गली दशावतार (सतीघाट), मथुरा।

रामलुभाया 'परदेशी'—पुरुषार्थी कवि, हिन्दी-उर्दू में फुटकर रचनाएं, पताः–सब्जी आढ़तिया नयागंज हाथरस।

राधेश्यामशर्मा "प्रगल्भ"—बी० ए०, प्रगतिशील तरुण कवि, फुटकर प्रकाशन। "अर्घ" (पाक्षिक) के संस्थापक, सम्पादक,
पताः-"अर्घ" कार्यालय खुरजा (उत्तर प्रदेश)

रांगेय राघव—"गोरखनाथ-भारतीय मध्ययुग के सन्धिकाल का मनन" पर डाक्टरेट, सुप्रसिद्ध लेखक और कवि, नई पीढ़ी के साहित्यकारों में बहुमुखी प्रतिभा के अनूठे कलाकार, रचनाएं सीधा-सादा रास्ता (उप०) अंगारे न बुझे (कहा०) प्रकाशन पथ पर–इन्सान पैदा हुआ (कहानी), चीवर, शास्ता (उप०) मंत्रशिखा, तुषारावृत्त खेत, घाटी के फूल, आर्या (कवि०) आदि, पताः–५७८, ए, रामनगर कोलोनी, आगरा।

रामकिशोर नन्दकिशोर—साहित्यिक व राजनैतिक पुस्तकों के प्रकाशक, पताः–२४२, जोशी रोड, करौल बाग, दिल्ली।

रामरतन अवस्थी—स्फुट कहानी और गद्य गीत लिखते हैं, एक कहानी संग्रह अप्रकाशित, पता:-ग्राम-गुढ़ा पो० सौजना, जिला-झांसी।

रामरत्नय्या—हिन्दी प्रेमी और हिन्दी प्रचार में योग, पताः-हिन्दी अध्यापक, मिडिल स्कूल, हुजूराबाद।

रामस्वरूप जी खरे "स्वरूप"—विद्यालय की "हिन्दी-साहित्य परिषद्" के प्रधान मन्त्री। विभिन्न पत्रों में रचनाएं प्रकाशित, प्रमुख कृतियाँ-अधखिले फूल (गद्यगीत) प्रहरी, खून की होली (अप्रकाशित) आदि, पताः-गुढ़ा, पो० सौजना, (झांसी)

रायकृष्णदास—(परिचय पृष्ठ १४७) भारत के लब्ध प्रतिष्ठित लेखक और साधक।

राधाकृष्ण गुड्डु "जीवन"—स्फुट कविताएं, कहानी और निबन्ध लेखन, काश्मीरी भाषा में भी लिखते हैं, पताः-पोस्टल क्लर्क, ईस्ट पंजाब यूनीवर्सिटी, सोलन, (शिमला)

राजीवलोचन अग्निहोत्री—भूत० सम्पादक राष्ट्रधर्म (मासिक) लखनऊ, स्फुट लेखन। पता:-सम्पादक "युगधर्म" नागपुर, सी. पी.

राजेश्वर प्रकाश 'सक्सेना'—स्फुट कहानी गद्यगीत और कविताएं विभिन्न पत्रों में प्रकाशित, पता:-ब्रह्मपुरी शिवदास घाट, कोटा (राजस्थान)

लक्ष्मण शास्त्री—कम्यूनिष्ट पार्टी के कार्यकर्त्ता, जनवाद समर्थक साप्ताहिक पत्र "नया-सबेरा" के अनुभवी सम्पादक, स्फुट लेखन पता:-"नया-सबेरा", कार्यालय, हसन बिल्डिंग, लखनऊ।

लालबहादुर दुबे 'लाल'—फुटकर लेखन, "मानवीय पृथ्वी की कहानी" पुस्तक प्रकाशन के पथ पर। पता:-सहायक अध्यापक जूनियर हाईस्कूल भठही पोस्ट-अहिरौली बाजार (देवरिया)

लीलावती मुन्शी—(परिचय पृष्ठ १५२) भारत के कृषि मन्त्री (वर्तमान-गवर्नर उत्तर प्रदेश) और सुप्रसिद्ध उपन्यास लेखक श्री के० एम० मुन्शी की विदुषी पत्नी, आप भी खूब लिखती हैं, पताः-जामनगर हाउस, मानसिंह रोड, नई दिल्ली।

बल्देवप्रसाद श्रीवास्तव—'शेष' 'कामिल' सरकारी कार्य से बचा हुआ समय साहित्य चर्चा में व्यतीत होता है, स्फुट कविताएं "ज्ञानकुञ्ज" पद्यात्मक 'सत्यनारायण' की कथा प्रकाशित, कई

काव्य पुस्तकें अप्रकाशित। पताः-परौरी चन्द्रिका बक्श पो० बारा, जिला उन्नाव।

वासुदेव (मामा) आठले—एम. ए. अनन्त के पथपर, संक्रमण आदि कई हिन्दुत्व पूर्ण पुस्तकों के रचयिता। पताः-७१६ राइट टाउन, जबलपुर।

वासुदेव चतुर्वेदी—कविरत्न, साहित्य मनीषी, ब्रजभाषा में स्फुट गीत और कविताएं, सुमनेश कवि मण्डल के निर्माता, काव्य संगीत गोष्ठी, साहित्य परिषद् आदि में सेवायें, उच्चकोटि के चित्रकार। पताः-छौंका पाड़ा, मथुरा।

विनयकुमार जैन 'पथिक'—स्फुट रचनाएं, प्रकाशित रचनाएं चारुदत्त (खण्ड काव्य) सोने की खोली (कविता) अप्रकाशित अञ्जना, कुणाल, चन्दन बाला आदि। पताः-प्रचारक भारतवर्षीय दिगम्बर जैन संघ, चौरासी, मथुरा।

विपिनचन्द्र महर्षि—बी० ए०-उर्दू हिन्दी के सामयिक कवि। कवि सम्मेलनों तथा मशायरों में पधारते हैं। पताः-मुहल्ला, बालगोविन्द, बिजनौर।

विश्वबन्धु शास्त्री—प्रमुख आलोचनात्मक लेखक, विद्वान। पताः-साधु आश्रम (अलीगढ़)।

विशुद्धानन्द मिश्र—साहित्य शास्त्री, व्याकरणाचार्य, साहित्यरत्न, सिद्धान्त शास्त्री, आयुर्वेद भास्कर, विद्याभूषण, साहित्याचार्य, तर्क-दर्शन वाचस्पति, परीक्षा मन्त्री श्री शारका सदन, हाथरस। बिहारी, विद्यापति, सूर, कबीर, तुलसी आदि पर आलोचनात्मक पुस्तकें लिखी हैं। अध्यापन कार्य करते हैं। पताः-चौबे मुहल्ला बदायूँ।

(पण्डित) श्यामलाल 'श्याम गुरू'—पिंगल शास्त्र के ज्ञाता, प्राचीन परिपाटी के वयोवृद्ध कवि, नायक-नायिका भेद के विशेष जानकार। पताः-सीकनापान, हाथरस।

शं० रा० बाम—फुटकर आलोचनात्मक लेखन। पताः-पानवेलकर का मकान, बख्शी की गोठ, लश्कर।

"शिखर कर्मेन्द्र—स्फुट लेखन, कहानियाँ व गीत लिखते हैं। पताः—'शिखर' कर्मेन्द्र गनेशलाइन, डबल क्वाटर नं० ३६, डी० सी० एम० देहली।

श्री गोपाल नेवटिया—"मेरी काश्मीर यात्रा" के सुलेखक एवं कुशल व्यवसायी, अमेरिका की प्रसिद्ध पत्रिका "रीडर्स-डाइजेस्ट" की तरह नवनीत (मासिक) का सम्पादन-प्रकाशन ।

पताः-"नवनीत" (मासिक), राजकमल प्रकाशन, बम्बई ।

सालिगराम शर्मा "निर्भीक"—सर्वप्रिय गानों की कई पुस्तकें लिखी हैं । पताः-निर्भय गली, हाथरस ।

सीताशरण 'झा'—फुटकर लेखन, पताः-रजिस्ट्री बाजार सोनपुर ।

सुदर्शनसिंह—प्रसिद्ध कहानीकार, प्रमुख प्रमुख पत्रिकाओं में अनेकों कहानियां प्रकाशित हुई हैं, कई कहानी-संग्रह प्रकाशन पथ पर हैं, पताः-"झंकार" प्रकाशन, गोकुल पेठ; नागपुर ।

हरनामसिंह वर्मा "बेधड़क"—स्फुट लोक गीतों का निर्माण किया है, पता-दादनपुर हाथरस (अलीगढ़)

एच० वेंकटराम—राष्ट्र-भाषा-प्रवीण, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा के अन्तर्गत, दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार, हिन्दी प्रेमी, पताः-तोंडिकुलम्, पालघाट ।

हरिश्चन्द्र गुप्त 'सूर्य'—कई दैनिक तथा साप्ताहिक पत्रों के सम्पादन में सहयोग, कवि, लेखक, कहानीकार । पताः-पोष्ट बाक्स १५, सूर्यस्ट्रीट, अलीगढ़ ।

हुक्मचन्द शर्मा 'विकल'—फुटकर लेखन । पताः-सुनाई पो० मलकपुर (बुलन्दशहर)

होतीलाल शर्मा—'होतीशर्मा' के नाम से बहुत प्रसिद्ध रसिये वाले । पताः-अखाड़ा हलवाईखाना, हाथरस ।

प्रकाशनः—देवीदास शर्मा, श्री शारदा सदन, हाथरस ।
मुद्रकः—देवीदास तैनगोरिया, निर्भय—प्रेस, हाथरस ।

सुन्दर, सस्ती, सन्तोषप्रद
तथा
आकर्षक छपाई
के लिये
हमारी सेवायें स्वीकार
कीजिये
निर्भय प्रेस एवं प्रकाशन
निर्भय गली, हाथरस